CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 16-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAJK1 User: cci Time: 03-15-2026 23:00 Color:

नई दिल्ली > **सोमवार, 16 मार्च 2026** > फाल्गुन 25, शक संवत 1947, चैत्र कृष्ण द्वादशी, विक्रम संवत 2082

WATCH GOD WATCHDOG

वर्ष 80, संख्या 63 > पेज 16 > मूल्य ₹5.00 या ₹10.00* द टाइम्स ऑफ इंडिया सहित
*मासिक खरीद पर ही लागू

www.nbt.in

NBT नवभारत टाइम्स

एनबीटी में विज्ञापन देने के लिए 18001205474 पर कॉल करें। नवभारत टाइम्स का अंक प्राप्त करने के लिए 18001200004 पर कॉल करें या **subscribe.timesofindia.com** पर जाएं।

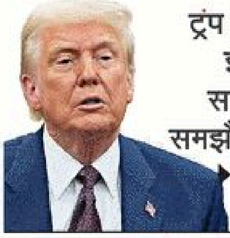

ट्रंप ने कहा, ईरान के साथ कोई समझौता नहीं
▶देखें अंदर

9 अप्रैल से पांच राज्यों में चुनाव, गिनती 4 मई को: EC
▶देखें अंदर

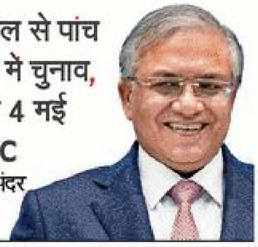

अधिक जानकारी के लिए
QR कोड स्कैन करें या **amazon.in/sell** पर जाएं

Amazon अपने विवेकानुसार इस संशोधन को बदल या वापस ले सकता है।
Amazon.in पर बिक्री की कोई गारंटी नही है और कीमत निर्धारण, प्रोडक्ट लिस्टिंग तथा बचत के उपयोग से जुड़े सभी निर्णय विक्रेता स्वतंत्र रूप से लेते है।

amazon.in

विचार

आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच सफलता का रास्ता बनाते हैं। जब मन मजबूत हो और चेहरे पर मुस्कान हो, तब कठिन से कठिन काम भी आसान लगता है। - स्वामी विवेकानंद

उम्मीद का फैक्ट

वाह ताज... बना हुआ है पर्यटकों की पहली पसंद

भारत का इतिहास और पुरानी इमारतें पूरी दुनिया को अपनी तरफ खींच रही हैं। आंकड़ों (2024-25) के मुताबिक, देश के पर्यटन में जबरदस्त उछाल आया है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) की 145 टिकट वाली ऐतिहासिक जगहों में आगरा का ताज महल एक बार फिर सबसे ज्यादा देखी जाने वाली जगह बन गया है।

- इंडिया टूरिज्म की 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, एक साल में 62.6 लाख भारतीयों और 6.5 लाख विदेशियों ने ताज महल का दीदार किया।
- देश में घूमने का क्रेज बढ़ रहा है, 2024-25 में भारतीयों ने देश के अंदर 303 करोड़ से ज्यादा यात्राएं कीं। वहीं, 56 लाख विदेशी सैलानी भारत घूमने आए।
- घरेलू पर्यटकों की लिस्ट में ताज महल के बाद ओडिशा का सूर्य मंदिर (कोणार्क) दूसरे और दिल्ली की कुतुब मीनार तीसरे नंबर पर सबसे ज्यादा देखी गई।
- विदेशी पर्यटकों को आगरा और दिल्ली सबसे ज्यादा भाता है। टॉप-10 लिस्ट में 4 जगहें सिर्फ आगरा की हैं। भारत आने वाले कुल विदेशी पर्यटकों में से 74% लोग इन्हीं टॉप-10 स्मारकों को देखने जाते हैं।
- आज भारत के पास 44 यूनेस्को विश्व धरोहर जगहें हैं।

सोर्स: इंडिया टूरिज्म और ASI

रग्बी से ज़िंदगी तक, चुनौतियों को 'पास' करने में माहिर हैं ये लड़कियां

- ओडिशा के मयूरभंज जिले में, जहां बाल विवाह आम बात है और संसाधन भी कम हैं, वहां लड़कियां खेल के जरिए रूढ़ियों को तोड़ते हुए अपनी अलग पहचान बना रही हैं। शुरुआत में परिवार और समाज इसके लिए तैयार नहीं थे, लेकिन अब वही लोग उनके सबसे बड़े समर्थक बन गए हैं।
- आरती मुर्मु ने हाल ही में मैदान पर अपने प्रदर्शन के लिए ओडिशा सरकार से मिले 5 लाख और 6 लाख रुपये के चेक अपने पिता को सौंपे। कभी उनके पिता उन्हें कम उम्र में शादी कराने की सोचते थे लेकिन अब वे समझ गए हैं कि रग्बी ने उनकी बेटी को पहचान दिलाने के साथ परिवार को आर्थिक सहारा भी दिया है।
- नेशनल लेवल की रग्बी खिलाड़ी पार्वती हांसदाह बारीपदा के मयूरभंज लॉ कॉलेज मैदान में खिलाड़ियों को वॉर्म-अप कराते हुए नजर आती हैं।

Diana.Sahu
@timesofindia.com

ओडिशा के मयूरभंज जिले में सिमिलिपाल टाइगर रिजर्व के पास बसा मोलानडिया गांव आज आदिवासी लड़कियों के रग्बी खेलने के कारण चर्चा में है। बाल विवाह और कम संसाधनों जैसी मुश्किलों के बीच ये लड़कियां खेल के जरिए अपनी किस्मत बदल रही हैं और इलाके को नई पहचान दे रही हैं। मोलानडिया के साधारण मैदान में 21 साल की आरती मुर्मु करीब 20 लड़कियों का नेतृत्व करती हैं। 17 साल की उम्र में परिवार उनकी शादी करा रहा था, लेकिन वह घर छोड़कर रग्बी ट्रेनिंग सेंटर आ गईं। आज उनके पास दो राष्ट्रीय गोल्ड मेडल हैं। मयूरभंज के हरिपुर कस्बे में कोचिंग देने वाली पार्वती हांसदाह ने भी परिवार के विरोध पर 'बस एक मौका' मांगा था कि एक साल में कुछ नहीं किया तो शादी कर लेंगी। आज वह 3 राष्ट्रीय और 2 अंतरराष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंट खेलकर 4 गोल्ड और 2 सिल्वर मेडल जीत चुकी हैं।

मयूरभंज जिला रग्बी फुटबॉल असोसिएशन (MDRFA) के सह-संस्थापक सुशील हेम्ब्रम बताते हैं कि सबसे मुश्किल काम माता-पिता को मनाना था। उन्हें डर था कि खेल में चोट लगने पर बेटी की शादी कैसे होगी। 2019 में सुशील हेम्ब्रम, सुनाराम किस्कू और दिव्यरंजन दास ने मिलकर गांवों के बच्चों को खोजना और ट्रेनिंग देना शुरू किया। इसी प्रयास से मोलानडिया में MDRFA और बारीपदा में फ्यूचर स्टार स्पोर्ट्स अकादमी शुरू हुई, जहां से 100 से ज्यादा युवा राष्ट्रीय स्तर पर खेल चुके हैं।

इस शानदार सफलता में स्थानीय समुदाय का बड़ा हाथ है। ग्रामीण अपनी पंचायत के जरिए हर महीने खिलाड़ियों के लिए चावल, दाल और सब्जियां दान करते हैं। शहरों में काम करने वाले युवा आर्थिक मदद भेजते हैं और मयूरभंज फाउंडेशन भी सहयोग करता है। पूर्व शाही परिवार की अक्षिता एम भंज देव ने बताया कि पिछले साल यहां पहली बार 'महाराजा 7s रग्बी टूर्नामेंट' भी आयोजित किया गया था।

आज भारतीय रग्बी टीम में मयूरभंज से सबसे ज्यादा लड़कियां चुनी जा रही हैं। कोच सुनाराम किस्कू बताते हैं कि पेशेवर पोषण और अच्छे मैदान की अभी भी कमी है। वर्तमान में भारत की महिला रग्बी टीम दुनिया में 56वें और पुरुष टीम 86वें स्थान पर है। इन कमियों के बावजूद मयूरभंज की इन बेटियों को भरोसा है कि वे अपनी लगन से देश को रग्बी में नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगी।

सच्चे मायने में सशक्तिकरण: आज इन अकादमियों से कई खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंच चुके हैं। आरती मुर्मु, पार्वती हांसदाह और संध्या रानी टुडू देश का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। पार्वती बताती हैं कि पहले समाज में लड़कियों का शॉर्ट्स पहनकर रग्बी खेलना अच्छा नहीं माना जाता था। लेकिन जब उन्होंने ओडिशा और भारत के लिए खेलकर मेडल जीते तो वही लोग गर्व करने लगे।

आरती मुर्मु

Photos: Sanjib Das

वह ऐसा इलाका है जहां आज भी कम उम्र में शादी की परंपरा मौजूद है। हमारे लिए असली चुनौती खेल के लिए फिट लड़कियां ढूंढना नहीं था बल्कि उनके माता-पिता को समझाना था। - सुशील हेम्ब्रम, सह-संस्थापक, मयूरभंज जिला रग्बी फुटबॉल असोसिएशन

दूर देश में वसंत मेले की बहार...

देसी धुन पर थिरकी चीन की महिलाएं, जिया हिंदुस्तानी कल्चर

PTI

जब चीन के बीजिंग में घुंघरूओं की गूंज और संबलपुरी साड़ियों का जादू चला, तो सरहदें बेमानी हो गईं। भारतीय दूतावास की ओर से 'बसंत मेला' में 4000 से अधिक लोगों ने भारत के कल्चर को जिया। चीनी कलाकारों के इन थिरकते कदमों ने सात समंदर पार दोस्ती का मैसेज दिया।

महिला वैज्ञानिकों ने शहर के बीच बना दिया हरियाली का अनोखा ठिकाना

Joeanna.fernandes
@timesofindia.com

KK Chaudhary

जमीन के पास झाड़ियां और छोटे पौधे हैं, उनसे ऊपर बेलें और झाड़ियां हैं, जबकि सबसे ऊपर ऊंचे पेड़ लगाए गए हैं

■ **मुंबई:** शहर के कांक्रीट की भागदौड़ और कंक्रीट के जंगल के बीच एक अनोखा 'ग्रीन' चमत्कार देखने को मिल रहा है। यह शानदार पहल इंडियन वुमन साइंटिस्ट्स असोसिएशन (IWSA) की महिला वैज्ञानिकों ने की है। वाशी स्थित IWSA कैंपस में एक छोटा सा रेनफॉरेस्ट तैयार किया गया है, जो लोगों को प्रकृति और पर्यावरण के करीब लाने का एक सशक्त माध्यम बन गया है। इस परियोजना की शुरुआत प्रकृतिविद विजय चक्रवर्ती की सोच का परिणाम है। उन्होंने इसे एक वास्तविक रेनफॉरेस्ट की तरह अलग-अलग परतों में विकसित किया है। जमीन की सतह पर छोटी झाड़ियां और पौधे हैं, उनके ऊपर बेलें और मध्यम ऊंचाई के वृक्ष हैं, जबकि सबसे ऊपरी स्तर पर विशाल पेड़ों को स्थान दिया गया है। यह त्रि-स्तरीय संरचना इस छोटे से क्षेत्र को बिल्कुल प्राकृतिक जंगल का रूप देती है।

IWSA की स्थापना 1973 में हुई थी। इस संगठन का मुख्य लक्ष्य विज्ञान में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना और जटिल वैज्ञानिक विषयों को समाज के लिए सरल बनाना रहा है। इसी विजन को आगे बढ़ाते हुए साल 2018 में यहां 'लर्निंग गार्डन' की नींव रखी गई। इस गार्डन में प्रकृति का पूरा पारिस्थितिकी तंत्र काम करता है। यहां ऑर्किड, दुर्लभ औषधीय पौधे, खाने योग्य फल वाले वृक्ष और हवा को स्वच्छ करने वाले विशेष पौधे लगाए गए हैं। तितलियों को लुभाने वाले पौधों की वजह से यहां रंग-बिरंगी तितलियां भी डेरा डालती हैं। यह गार्डन छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए एक खुली प्रयोगशाला जैसा है।

5 वीं की छात्रा ने खोजा सदियों पुराना शिलालेख

Ravindra.Uppar
@timesofindia.com

11 साल की लक्ष्मी ने योद्धा की आकृति देख इतिहास समझा, ग्रामीण स्थानीय देवता मानकर लंबे समय से कर रहे थे पूजा

■ **बेलगावी:** कर्नाटक के बेलगावी जिले के बैलहोंगल तालुक के मल्लम्मना बेलवाडी गांव में पांचवीं कक्षा की छात्रा लक्ष्मी प्रकाश हुंडी ने मंदिर के पास रखा सदियों पुराना वीर शिलालेख खोज निकाला। यह पत्थर गांव के हनुमान मंदिर के पास रखा था और ग्रामीण इसे शनि देव की मूर्ति मानकर पूजा करते थे। लक्ष्मी ने पत्थर पर बनी आकृतियों को ध्यान से देखकर गांव के बुजुर्गों को बताया, तब इसकी ऐतिहासिक पहचान सामने आई।

यह शिलालेख तीन हिस्सों में बना है। पहले हिस्से में एक योद्धा को दुश्मनों से लड़ते हुए और मवेशियों की रक्षा करते दिखाया गया है। दूसरे हिस्से में अप्सराएं उसे कैलाश ले जाती दिखती हैं। तीसरे हिस्से में शिवलिंग और नंदी के साथ स्वर्ग का दृश्य बना है। शोधकर्ता बालप्पा इरप्पा चिनागुडी के अनुसार यह तुरुगोल वीरगल्लु यानी मवेशियों की रक्षा में शहीद हुए वीर की याद में बना पत्थर हो सकता है। शैली के आधार पर इसे 12वीं या 13वीं सदी का माना जा रहा है।

NBT संग AI

AI Image

AI के ताज़ा अपडेट्स

गूगल मैप का सबसे बड़ा अपडेट

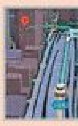

गूगल ने एक दशक में सबसे बड़ा Google Maps अपडेट जारी किया है, जिसमें Gemini AI जोड़ा गया है। नया Ask Maps फीचर यूजर्स के सवाल समझकर ट्रिप प्लान सुझाएगा। इमर्सिव नेविगेशन 3D मैप, लेन, ट्रैफिक लाइट और सड़क विवरण दिखाएगा। यह US और भारत में रोलआउट हो रहा है।

Nvidia बना रहा ऑपरेटिंग सिस्टम

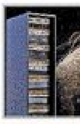

Nvidia और Palantir ने AI ऑपरेटिंग सिस्टम बनाने का ऐलान किया है। यह Nvidia के ब्लैकवेल अल्ट्रा AI चिप्स, Palantir के सॉफ्टवेयर को जोड़कर AI डेटा सेंटर चलाने में मदद करेगा। इसका मकसद डेटा और सिस्टम पर पूरा नियंत्रण रखते हुए AI उपयोग करने देना है।

Meta ने टाला AI मॉडल का लॉन्च

AI Image

Meta ने अपने नए AI मॉडल Avocado की लॉन्चिंग टाल दी है क्योंकि इंटरनल टेस्ट में इसका प्रदर्शन गूगल, OpenAI और एंथ्रोपिक के मॉडलों से पीछे पाया गया। हालांकि यह Meta के पुराने मॉडलों और Gemini 2.5 से बेहतर है, लेकिन Gemini 3.0 से पीछे है। अब इसे मई में लॉन्च करेंगे।

मेसेज से हो रहे कई काम, ट्राई किया क्या

मेट्रो-बस टिकट, बर्थ, इनकम सर्टिफिकेट, एडमिट कार्ड, शिकायत-सुझाव सब कुछ एक टैप पर

वट्सऐप सिर्फ चैट करने या फोटो-विडियो भेजने का ऐप नहीं रहा। अब यह धीरे-धीरे लोगों के लिए कई सरकारी सेवाओं तक पहुंच का आसान जरिया भी बनता जा रहा है। दिल्ली समेत कई राज्यों में लोग वट्सऐप से मेट्रो और बस टिकट बुक कर रहे हैं, बिजली-पानी के बिल भर रहे हैं, शिकायत दर्ज करा रहे हैं और जन्म या जाति प्रमाण पत्र जैसी सेवाएं भी ले रहे हैं। आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (AI) से इसे इतना आसान बनाया जा रहा है कि कम पढ़े-लिखे लोग भी स्थानीय भाषा और बोलकर भी इन्हें इस्तेमाल कर सकें। वट्सऐप पर बढ़ती डिजिटल सेवाओं को लेकर मेटा इंडिया में डायरेक्टर बिजनेस मेसेजिंग रवि गर्ग से प्रदीप तिवारी ने की बातचीत

Q क्या वट्सऐप पर भी सरकारी सेवाओं का फायदा ले सकते हैं?

आज भारत में करोड़ों लोग अपना दिन वट्सऐप से शुरू करते हैं और उसी पर खत्म करते हैं। हमने देखा कि लोग वट्सऐप के जरिए बिजनेस से भी जुड़ रहे हैं, जैसे पड़ोस की दुकान से सामान मंगवाना या शिकायत दर्ज कराना। हमारा उद्देश्य यही है कि सरकार और नागरिक के बीच की दूरी को वट्सऐप के जरिए कम किया जाए।

Q वट्सऐप पर अभी कौन-कौन सी सरकारी सुविधाएं मिल रही हैं?

दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नै और हैदराबाद समेत कई शहरों में रोज लगभग 70 लाख मेट्रो और बस टिकट वट्सऐप से बुक होते हैं। कई राज्यों में सरकारी सेवाएं, जैसे जन्म प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, शिकायत दर्ज करना, बिजली-पानी का बिल भरना या सब्सिडी से जुड़ी जानकारी लेना आदि वट्सऐप पर उपलब्ध हैं। कई पेमेंट ऐंड यूटिलिटी सर्विसेज जैसे टाटा AIA, बजाज, HDFC, AXIS, LIC, ICICI, भारती एक्सा लाइफ इंश्योरेंस की सेवाएं भी ले सकते हैं। प्रोमा, आदित्य बिरला फैशन जैसे रिटेल ऑर्गनाइजेशन को भी वट्सऐप पर एक्सेस कर सकते हैं।

Q क्या किसी राज्य में यह व्यवस्था बड़े स्तर पर लागू हुई है?

आंध्र प्रदेश इसका अच्छा उदाहरण है। वहां सरकार ने गवर्नेंस वाया वट्सऐप का मॉडल शुरू किया है। एक ही नंबर 9552300009 पर मैसेज भेजकर लोग करीब 900 सरकारी सेवाओं का लाभ ले सकते हैं। इनमें शिकायत दर्ज कराना, बस टिकट बुक करना, मंदिर दर्शन के लिए स्लॉट बुक करना, बिजली-पानी के बिल भरना जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

रवि गर्ग

AI Image

क्या इससे सरकारी कामकाज में पारदर्शिता बढ़ रही?

बिल्कुल। डिजिटल सिस्टम में हर काम का रेकॉर्ड रहता है। नागरिक जो भी सेवा लेते हैं उसका रेकॉर्ड उनके पास भी रहता है और सरकार के पास भी। इससे भ्रष्टाचार की आशंका कम होती है क्योंकि भुगतान सीधे सरकार के पास जाता है। इसके अलावा सरकारों के लिए एक डैशबोर्ड भी बनाया गया है, जिसमें यह देखा जा सकता है कि कितने लोगों ने कौन सी सेवा ली और शिकायतें कितनी जल्दी हल हुईं। अगर किसी स्तर पर कोई शिकायत या अनुरोध लंबित है तो मंत्री से लेकर कर्मचारी तक उसे देख सकता है। इसमें सबसे अहम ज्यादा सेफ्टी और ट्रस्ट है। हमने प्राइवेसी को इसमें प्रमुख रखा है। यानी सिटिजन और गवर्नमेंट के बीच बातचीत को कोई तीसरा नहीं देख सकता है।

Q क्या पढ़ाई से जुड़ी सेवाएं भी वट्सऐप से मिल रही हैं?

आंध्र प्रदेश में पिछले साल छात्रों को परीक्षा का हॉल टिकट (एडमिट कार्ड) भी वट्सऐप के जरिए दिया गया था। करीब 90 प्रतिशत छात्रों ने अपना हॉल टिकट वट्सऐप से डाउनलोड किया। छात्रों और स्कूल दोनों को काफी सुविधा हुई। जहां इंटरनेट कम है, वहां पर इस सुविधा से छात्रों का काफी फायदा हुआ।

Q काफी वट्सऐप यूजर ऐसे होंगे, जो साक्षर नहीं हैं, उनके लिए क्या किया जा रहा है?

हमने इस बात को ध्यान में रखकर कई फीचर बनाए हैं। सबसे पहले तो हर राज्य में स्थानीय भाषा का विकल्प दिया गया है, जैसे तेलुगु, तमिल, हिंदी आदि। इसके अलावा वॉयस कमांड का फीचर भी है। यानी अगर किसी को टाइप करना नहीं आता या लिखना-पढ़ना नहीं जानते तो वह बोलकर भी सेवा ले सकता है। अब AI के जरिए भी ऐसी सेवाओं को और आसान बनाया जा चुका है। सरकारी फॉर्म में जानकारी भरने में भी AI मदद कर रहा है। तेलंगाना समेत कुछ जगहों पर हमने सरकार के लिए जो ऐप बनाया, उनमें AI की मदद से कई यूजर फ्रेंडली सेवाएं जोड़ी हैं।

Q क्या यह व्यवस्था भविष्य में पूरे देश में लागू हो सकती है?

हमारा लक्ष्य यही है। अभी आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, ओडिशा जैसे राज्यों में कई सेवाएं शुरू हो चुकी हैं। महाराष्ट्र में हम कुछ सर्विसेज शुरू करने की तैयारी में हैं। हम दूसरे राज्यों से भी बातचीत कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि हर तरह की सुविधा वट्सऐप पर सिर्फ Hi लिखने पर मिल जाए। जैसे उत्तर प्रदेश में बिजली बिल की जानकारी और भुगतान जैसी सेवाएं वट्सऐप पर उपलब्ध हैं और आगे और सेवाएं जोड़ी जा सकती हैं। यूपी में MSME विभाग से बात चल रही है, उनके लिए हम बॉट बना रहे हैं। खिलौनों में हम सिस्टम बना रहे हैं, उसके बाद लॉन्च कर सकते हैं।

Q स्वास्थ्य क्षेत्र में भी इस्तेमाल हो रहा है?

हां, आयुष मंत्रालय के साथ मिलकर हमने जन औषधि केंद्रों की जानकारी देने के लिए वट्सऐप सेवा शुरू करने वाले हैं। भारत में करीब 18 हजार जन औषधि केंद्र हैं। वट्सऐप पर मैसेज करके लोग अपने नजदीकी केंद्र की जानकारी पा सकते हैं और सस्ती दवाओं के बारे में जान सकते हैं। अगर सरकार ने चाहा तो हम ये भी बता सकते हैं कि किस औषधि केंद्र पर कौन सी दवा उपलब्ध है।

Q आने वाले समय में आपका मुख्य फोकस क्या रहेगा?

हमारा फोकस दो चीजों पर है- पहला, ज्यादा से ज्यादा सरकारी सेवाओं को वट्सऐप पर लाना और दूसरा, AI की मदद से इन सेवाओं को और आसान बनाना। हमारा लक्ष्य है कि भारत का कोई भी नागरिक, चाहे वह शहर में हो या गांव में, सिर्फ वट्सऐप के जरिए सरकारी सुविधाएं आसानी से पा सके। हम सर्विसेज और चैटबॉट दोनों पर इस साल फोकस कर रहे हैं। टेक्नॉलजी में हम लगातार सुधार कर रहे हैं। AI की सुविधा भी हम वट्सऐप पर लाएंगे, जहां से फॉर्म भरना, करेक्शन आदि सबकुछ हो सकेगा।

Q ऐसी सर्विस जिसे काफी पसंद किया गया हो?

हमने आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (ASI) के साथ भी चैटबॉट बनाया है। यूजर्स भारत के 170 ASI धरोहरों जैसे किसी म्यूजियम, ताजमहल, लाल किला आदि का टिकट वट्सऐप नंबर 8422889095 पर बुक कर सकते हैं। इन धरोहरों के बारे में भी काफी जानकारी इसी नंबर से मिल सकती है। आने वाले समय में हम इस लिस्ट को और बढ़ा करने वाले हैं। इसमें कुछ ऐतिहासिक बातों को भी शामिल करने पर विचार कर रहे हैं।

AI Image

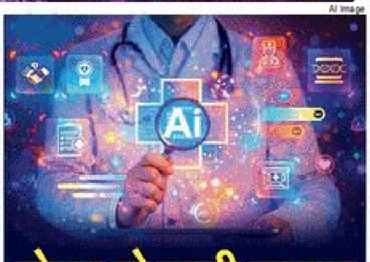

सेहत से जुड़ी सलाह के लिए माइक्रोसॉफ्ट लाया टूल

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

माइक्रोसॉफ्ट ने Copilot Health नाम का एक डिजिटल हेल्थ असिस्टेंट लॉन्च किया है। यह मेडिकल रिपोर्ट, फिटनेस डिवाइस के डेटा और हेल्थ हिस्ट्री को समझकर लोगों को उनकी सेहत के बारे में जानकारी और सलाह देता है। कंपनी के मुताबिक, इससे मरीज अपनी सेहत को बेहतर तरीके से समझ पाएंगे। अगर कोई समस्या हो तो यह भी बता सकता है कि उन्हें किस तरह के डॉक्टर जैसे फिजिशियन, आंखों या गायनो को दिखाना चाहिए।

हेल्थ रिपोर्ट, फिटनेस डेटा पर देगा सेहत की जानकारी

यूजर अपनी सेहत से जुड़ी जानकारी भी जोड़ सकते हैं और AI उसे समझकर उन्हें सही सुझाव देगा। मान लीजिए किसी को नींद की समस्या है, फिटनेस ट्रैकर का डेटा खराब नींद दिखा रहा है और हाल की रिपोर्ट में कुछ बदलाव हुआ है, तो यह प्लैटफॉर्म इन सबको जोड़कर कारण समझने में मदद कर सकता है। डॉक्टर से मिलने से पहले पूछे जाने वाले सवाल भी यह सुझा सकता है। माइक्रोसॉफ्ट ने कहा कि यूजर का डेटा एन्क्रिप्टेड फॉर्म में रखा जाएगा। यूजर चाहे तो किसी भी वक्त अपने डेटा को हटा सकते हैं या डिवाइस कनेक्शन को बंद भी कर सकते हैं।

यह प्लैटफॉर्म 50 से ज्यादा फिटनेस और हेल्थ डिवाइस जैसे Apple Health, Oura और Fitbit से डेटा जोड़ सकता है।

कैसे इस्तेमाल कर सकते हैं

Copilot Health को बेहद यूजर फ्रेंडली बनाने का दावा किया गया है। यूजर Copilot ऐप या वेबसाइट में जाकर Copilot Health सेक्शन खोलेंगे। वहां अपना बेसिक हेल्थ प्रोफाइल बनाएंगे, जैसे उम्र, लिंग आदि। इसके बाद वे चाहें तो अपनी हेल्थ रिपोर्ट, लैब टेस्ट, फिटनेस ट्रैकर या स्मार्टवॉच का डेटा कनेक्ट कर सकते हैं। फिर AI इन जानकारियों का विश्लेषण करके हेल्थ से जुड़े ट्रेंड, संभावित समस्याएं और सुधार के सुझाव दे सकता है।

भारत में कब तक होगा लॉन्च

माइक्रोसॉफ्ट ने Copilot Health को फिलहाल अमेरिका में लॉन्च किया है और शुरुआत में यह सिर्फ अंग्रेजी भाषा में 18 साल से ज्यादा उम्र के लोगों के लिए उपलब्ध होगा। फिलहाल इसके लिए वेटलिस्ट खोली गई है। यानी इच्छुक लोग पहले रजिस्टर करेंगे और फिर उन्हें धीरे-धीरे एक्सेस दिया जाएगा। कंपनी का कहना है कि भविष्य में इसे अन्य देशों और भाषाओं में भी लाने की योजना है।

अगर आप भी AI से जुड़ी किसी जानकारी या सवाल का जवाब चाहते हैं, तो हमें nbtreader@timesofindia.com पर ईमेल करें। हमारे एक्सपर्ट आपके सवालों के जवाब देंगे। ईमेल के सब्जेक्ट में AI जरूर लिखें।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 16-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH07 User: cci Time: 03-15-2026 22:58 Color:

फटाफट खबरें

बाइक लूटने वाले 2 बदमाश पकड़े

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: विकासपुरी थाना पुलिस ने विकासपुरी इलाके में राहगीरों से मारपीट कर लूटपाट करने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान अरमान खान और रशिद खान के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से चार मोबाइल फोन और चार टू वीलर बरामद किए हैं। अरमान खान पर पहले से दो केस दर्ज हैं।

ड्यूटी से लौट रही महिला से फोन छीना

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: द्वारका इलाके में फ्लिपकार्ट कंपनी से ड्यूटी कर लौट रही एक महिला से बाइक सवार आरोपियों ने मोबाइल फोन छीन लिया। महिला जब तक कुछ समझ पाती या शोर मचाती दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने पीड़ित महिला की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

छीना था मोबाइल, 6 माह बाद अरेस्ट

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: पहाड़गंज पुलिस ने एक महिला से मोबाइल छीनने वाले घोषित बदमाश को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान वरुण (28) के तौर पर हुई है। वह नबी करीम इलाके का घोषित बदमाश है। फिलहाल पुलिस उसके फरार साथी का पता कर रही है। सेंट्रल जिले के डीसीपी रोहित राजबीर सिंह ने बताया कि 10 सितंबर 2025 को इससे जुड़ी शिकायत मिली थी।

पुराने झगड़े में युवक पर हमला

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: नंद नगरी इलाके में पुराने झगड़े में तीन दोस्तों ने एक युवक पर हमला कर घायल कर दिया। घायल युवक को इलाज के लिए उसके दोस्तों ने जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया। पीड़ित के बयान पर नंद नगरी पुलिस ने अभिनव,अरुण उर्फ मनीष और जतिन उर्फ निखिल के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

लोन का झांसा देकर ठगी, अरेस्ट

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: सेंट्रल जिले की साइबर थाना पुलिस ने एक ठग को गिरफ्तार किया है। ये लोन दिलाने का झांसा देकर ठगी करती थी। डीसीपी रोहित राजबीर सिंह ने बताया कि आरोपी से ठगी में इस्तेमाल किया गया मोबाइल फोन और ठगी के 20 हजार रुपये भी बरामद किए गए हैं।

रफ्तार इतनी ज़्यादा, ₹1 करोड़ की गाड़ी भी नहीं बचा पाई जान

■ NBT रिपोर्ट, फरीदाबाद

सूरजकुंड थाना क्षेत्र के पाली रोड पर रविवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में 24 वर्षीय युवक की मौत हो गई। तेज रफ्तार लैंड रोवर डिफेंडर सड़क किनारे खड़े डंपर से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि महंगी एसयूवी के परखच्चे उड़ गए और उसमें आग भी लग गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान गांव अनंगपुर के दलेर मोहल्ला निवासी मयंक भड़ाना (24) के रूप में हुई है। वह अपने माता-पिता का इकलौता था। उसके पिता सोनेंद्र प्रॉपर्टी का कारोबार करते हैं। बताया जा रहा है कि मृतक अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। इसकी छोटी बहन अभी पढ़ाई कर रही है। परिवार के लोगों का कहना है कि मयंक बेहद मिलनसार स्वभाव का था और जिम्मेदारियां संभालने में आगे रहता था।

मायके गई पत्नी को गुड़गांव से लाने घर से निकला था मयंक

एक्सिडेंट के बाद गाड़ी के पुर्जे काफी दूर तक जा गिरे, अगला हिस्सा बचा ही नहीं

आवाज़ इतनी तेज़, मानो टायर फटा हो

जानकारी के अनुसार, मयंक रविवार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे गांव अनंगपुर से पाली रोड होते हुए गुड़गांव अपनी पत्नी को लेने जा रहा था। उसकी पत्नी कुछ दिन पहले मायके गई थी। इसी दौरान रास्ते में उसकी तेज रफ्तार गाड़ी अचानक अनियंत्रित हो गई। आसपास के लोगों ने बताया कि अचानक गाड़ी अनियंत्रित होकर उलटी दिशा में खड़े डंपर के पीछे जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि गाड़ी का ऊपरी हिस्सा पूरी तरह से उखड़ गया और इंजन में आग लग गई।

गाड़ी के पुर्जे टूट कर बिखर गए। गाड़ी की टक्कर की आवाज लोगों को दूर तक सुनाई दी। पहले तो लोगों को लगा कि किसी गाड़ी का टायर फटा है लेकिन नजदीक पहुंचने पर दुर्घटना की जानकारी हुई।

एक साल पहले हुई थी शादी

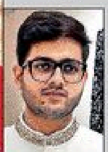

ग्रामीणों ने बताया कि मयंक ने पिछले साल ही ग्रेजुएशन पूरा किया था और करीब एक साल पहले उसकी शादी गुड़गांव के उल्लावास गांव में हुई थी। शादी के समय ही उसे यह गाड़ी मिली थी। लोगों ने बताया कि जिस डंपर से गाड़ी की टक्कर हुई वह सुबह पांच बजे से ही सड़क के किनारे खड़ा था। आसपास के लोगों ने बड़ी मुश्किल से कार में फंसे मयंक को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। डॉक्टरों ने जांच के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया। युवक की अचानक मौत की खबर जैसे ही गांव और परिवार तक पहुंची, गांव में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए।

बाथरूम में लगी आग से बुज़ुर्ग की झुलसकर मौत

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

बदरपुर इलाके में शनिवार शाम 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला की झुलसकर मौत हो गई। बताया जा रहा है कि महिला छत पर बने बाथरूम में गई थीं। वहां अचानक धमाका हुआ और बाथरूम में आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि महिला खुद को बचा नहीं सकीं और मौके पर ही बुरी तरह झुलस गईं।

बदरपुर इलाके की घटना, धमाके के साथ लगी थी आग

मृतका की पहचान बीनू सिंह उर्फ पुष्पा सिंह (65) के रूप में हुई है। वह मोलरबंद, बदरपुर इलाके में परिवार के साथ रहती थीं। धमाके की आवाज सुनते ही परिवार के लोग तुरंत छत की ओर दौड़े, जहां बाथरूम में आग लगी हुई थी। परिजनों ने किसी तरह खुद ही आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक बीनू सिंह गंभीर रूप से झुलस चुकी थीं। बाद में घटना की सूचना पुलिस को दी गई। खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। साथ ही क्राइम टीम और एफएसएल को भी बुलाया गया, जिन्होंने मौके से जरूरी साक्ष्य जुटाए। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

किसी तरह आग पर पाया काबू, तब तक महिला झुलस चुकी थीं

डीसीपी डॉ. हेमंत तिवारी के अनुसार, बीनू सिंह अपने तीन बेटों के साथ मोलड़बंद इलाके में रहती थीं। उनके पति कमला सिंह की पहले ही मौत हो चुकी है। परिवार की बहू ममता सिंह के मुताबिक, उनकी सास छत पर बने बाथरूम में थीं। अचानक धमाका हुआ और बाथरूम में आग लग गई, जिससे वह झुलस गईं। परिजनों का दावा है कि करीब दो महीने पहले उन्होंने घर में पीएनजी कनेक्शन लगवाया था और उसमें लीकेज की समस्या थी। इसको लेकर कई बार शिकायत भी की गई थी। परिवार का कहना है कि गैस लीकेज के कारण ही यह हादसा हुआ है। हालांकि, पुलिस फिलहाल पीएनजी लीकेज की संभावना से इनकार कर रही है। पुलिस का कहना है कि बाथरूम में कबाड़ का सामान रखा हुआ था और संभव है कि उसी में मौजूद किसी ज्वलनशील वस्तु के कारण आग लगी हो।

बवाना हत्या में एक और आरोपी पकड़ा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच की एंटी गैंगस्टर स्क्वॉड टीम ने बवाना इलाके में हुए सनसनीखेज हत्याकांड में फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान योगी उर्फ देवराज डबास के रूप में हुई है। वह दिल्ली के गांव पूठ खुर्द का रहने वाला है। आरोपी ने पूछताछ में 8 मार्च को संपत्ति विवाद के चलते भूपेंद्र की गोली मारकर हत्या करने की बात कबूल की है।

डीसीपी हर्ष इंदौरा के मुताबिक 8 मार्च को बवाना-सुल्तानपुर डबास रोड स्थित राज वाटिका के पास एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मृतक की पहचान 24 साल के भूपेंद्र उर्फ भोलू के रूप में हुई थी। इस मामले में बवाना थाने में केस दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। लोकल पुलिस के साथ क्राइम ब्रांच की टीम भी इस मामले की जांच कर रही थी। जांच के दौरान पुलिस को आरोपी की गतिविधियों के बारे में सूचना मिली। इसके बाद टीम ने जाल बिछाकर उसे छावला बस स्टैंड के पास से गिरफ्तार कर लिया।

संपत्ति विवाद में 8 मार्च को मारी थी गोली

नेचर बाज़ार में आग, 40 से ज़्यादा दुकानें जलकर खाक

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

किसी के हताहत होने की सूचना नहीं

महरौली इलाके के छतरपुर स्थित पर्यटन विभाग के नेचर बाजार में रविवार सुबह अचानक आग लग गई। स्थानीय लोगों ने आग की लपटें देखकर पुलिस और दमकल विभाग को मामले की सूचना दी। खबर मिलते ही एक-एक कर दमकल की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग की चपेट में आकर करीब 40 से अधिक स्टॉल और दुकानें पूरी तरह जलकर खाक हो गईं। इस आगजनी में दुकानदारों का काफी नुकसान हुआ है। हालांकि राहत की बात यह रही कि घटना के समय बाजार बंद था, इसलिए किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

दमकल अधिकारी के अनुसार, नेचर बाजार दिल्ली सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा संचालित एक विशेष बाजार है, जहां देश के विभिन्न राज्यों के कारीगरों और कारोबारियों को अपने पारंपरिक उत्पाद बेचने के लिए स्टॉल दिए जाते हैं। यहां कपड़े, हस्तशिल्प, आभूषण, सजावटी सामान और विभिन्न राज्यों की पारंपरिक वस्तुएं बिकती हैं। मौजूदा समय में यहां 6 मार्च से 16 मार्च तक 'दस्तकार' नाम से एक विशेष आयोजन चल रहा था। वहीं डीसीपी अनंत मित्तल के अनुसार शुरुआती जांच में पता चला है कि शॉर्ट सर्किट से आग लगी है।

हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
CIN: L74899DL1970GOI005276, जीएसटी नंबर : 07AAACH0632A1ZF
पंजीकृत कार्यालय : हडको भवन, इंडिया हैबिटेट सेंटर, कोर 7 'ए', लोधी रोड
नई दिल्ली–110003, फोन : 011–24648420

अभिरुचि की अभिव्यक्ति हेतु सूचना

हडको ने अगस्त क्रांति भवन, प्लॉट सं. 25, भीकाजी कामा प्लेस डिस्ट्रिक्ट सेंटर, नई दिल्ली–110066 में एक बहुमंजिला (भूतल+3+बेसमेंट) कार्यालय–सह–शॉपिंग कॉम्प्लेक्स विकसित किया है। इस भवन की विवरणिका हडको की वेबसाइट www.hudco.org.in से डाउनलोड की जा सकती है।

हडको उक्त भवन के शेष उपलब्ध स्थान लगभग 61,000 वर्गफुट कार्पेट एरिया को "जैसा है, जहां है आधार पर" पीएसयू/सरकारी विभागों/सरकारी एजेंसियों/एमएनसी/बैंकों/वित्तीय संस्थानों को किराये पर देने का प्रस्ताव करता है। इच्छुक एजेंसियां 30 दिनों के भीतर ईमेल amwing@hudco.org के माध्यम से हडको को अपनी अभिरुचि की अभिव्यक्ति प्रस्तुत कर सकती हैं।

कार्यकारी निदेशक (एएम)

Career Launcher | After XII
LAW | IPM | CUET
2-Year, 1-Year, Crash Course available
New batches starting soon. Enroll now!
9289-911-842

GURU GOBIND SINGH INDRAPRASTHA UNIVERSITY
New Delhi
(A NAAC Accredited A++ State University established by Govt. of NCT of Delhi)

ADMISSIONS OPEN
ACADEMIC SESSION 2026-27

Undergraduate | Postgraduate | Ph.D. Programmes
Nearly 40,000 Seats | 230+ Academic Programmes
120+ Affiliated Colleges | 18 University Schools | 2 Centres of Excellence

GLOBAL & NATIONAL RANKINGS
- Asia's Top 300 – QS World University Rankings 2026
- 28th in India | Top 1000 Worldwide – Times Higher Education Rankings 2026
- 26th in India – QS Sustainability Rankings 2026

PROGRAMMES THAT SHAPE THE FUTURE

Engineering & Allied Programmes
B.Tech in multiple disciplines including Computer Science, IT, Data Science, Industrial Chemistry, Robotics, Bio-Technology, AI, etc.M.Tech in multiple disciplines including Computer Science, IT, ECE, AI & Data Science, Robotics, Bio-Technology, etc.B.Arch | M.Arch | M.Plan

Medical & Allied Health Sciences Programmes
MBBS | BDS | BAMS | BHMS | B.Sc (Yoga)
B.Sc. Hons (Nursing) | Post Basic B.Sc (Nursing) Bachelor of Physiotherapy (BPT)
Bachelor of Occupational Therapy (BOT)
Bachelor of Prosthetics & Orthotics (BPO)
Bachelor of Science in Medical Laboratory Technology B.Sc (MLT)
Bachelor of Audiology and Speech Language Pathology (BASLP)
B.Sc (Medical Imaging Technology)
B.Sc Medical Technology (Radiotherapy)
D.Pharm | B.Pharm | M.Pharm
MD/MS/DM/M.Ch. | MPT | MOT | MPO
M.Sc (Nursing) | Master of Physical Health
PG Ayurveda | MD Unani
PG Homeopathy

Law & Legal Studies Programmes
BA-LL.B. (Hons.) | BBA-LL.B. (Hons.)
LL.B. (Hons.) | LL.M.

Humanities, Social Sciences & Liberal Arts Programmes
BA (English Hons.) | MA (English)
BA (Economics Hons.) | MA (Economics)
BA Liberal Arts (Hons.) with major in Psychology, Pol. Science, History & Sociology

Professional Programmes
Undergraduate
BCA | B.Com. (H) | BBA & Allied Programmes/
5-Year BBA/MBA Intergrated Programme
BA (JMC) | Bachelor of Management Studies
B.Ed. | B.Ed. (Special Education) | BA B.Ed.
Bachelor of Design | BHMCT
B.Sc (Environmental Science)BS (Packaging Tech) | BSc-MSc (Dual Degree)
Postgraduate
MBA | MCA/MCA (SE) | MA (Mass Comm)
M.Ed. | M.Ed. Spl Education-Intellectual Disabilities | Master of Design
MBA (Executive Program)-Weekend
MBA (Disaster Management)-Weekend
MBA (Fire & Industrial Safety)M.Sc in Geoinformatics, Bioinformatics, Microbiology, Molecular Diagnostics, Environment Management, etc.

Ph.D. Programmes
Information Tech. | Computer Science & Engg. Computer Applications | Artifical Inteligence-Data Science | Artificial Intelligence-Machine Learning | Industrial Internet of Things (IIoT)Electronics & Comm. Engg. | Mechanical & Automation Engg. | Automation & RoboticsChemical Technology | BiotechnologyArchitecture & Planning | Law & Legal StudiesManagement | Mass Communication | EnglishPharmaceutical Sciences | History | EducationDesign | Environment Science | SociologyMathematics | Chemistry | Physics | Economics

The above list of programmes is indicative. Please scan the QR code to view the complete and detailed programme list.

Registration Window Open till 31st March 2026
For further information, please visit: http://www.ipu.ac.in/
Admission Portal: ipu.admissions.nic.in
Scan it for details

Admission Through: University CET | CUET (UG/PG) | National Level Tests (JEE, NEET, CLAT, Merit Based Programmes, etc.)
Note: The appearing candidates can also apply for all the programmes.

गर्मी के दिन!
अब घर में चाहिए
कैलास जीवन
मल्टिपर्पज् आयुर्वेदिक क्रीम

आँखों की जलन
गुनगुने पानीसे चेहरा और आँखें साफ कीजिए. रात को सोते समय कैलास जीवन आँखों की पलकों पर हलकासा लेप लगाकर रुई की पट्टी रखिए. आँखों की जलन से आराम पाइए और शान्त एवम् गहरी निद्रा का अनुभव लिजिए.

कील-मुहाँसे
चेहरा गुनगुने पानीसे सेकने के बाद धोकर नरम मुलायम सूती कपडेसे सुखाकर कैलास जीवन हल्के हाथोंसे चेहरेपर लगाइए. कील-मुहाँसों की तकलीफ से राहत मिलेगी. चेहरा साफ, कांतिमान होकर निखर आएगा.

एडियोंका फटना
पाँव धोकर, कुछ देर तक गुनगुने पानी में रखिए, नरम बनने के बाद मुलायम सुती कपडे से सुखाएँ. फटी एडियों पर कैलास जीवन धीरेसे लगाएँ. मलना नहीं. कैलास जीवन त्वचामें घुल जाएगा और फटी एडियों पर असर करेगा. एडियाँ और पाँव की त्वचा साफ, मुलायम बन जाएगी.

बवासीर / फिशर्स
एक चम्मच कैलास जीवन में उतनी ही मात्रा पीसी शक्कर मिला कर रोज रात (२१ दिनों तक) सेवन किजिए तथा प्रतिदिन २-३ बार उस जगह पर लगाइए. बवासीर, फिशर्स से राहत मिलेगी. परहेज आवश्यक.

हाथ पाँव और आँखों की जलन, मुहाँसे, मुँह के छाले, एड़ियों का फटना, कटना, जलना, झुलसना, डायपर-नॅपी रॅश आदि के लिए गुणकारी।
विकार अनेक, इलाज एक... आज ही खरीदिए।

Also available on amazon Flipkart netmeds.com
Available in: 20g Tube, 30g, 60g, 120g, 230g Bottle
Manufacturer: ASUM, Pune. 020-24486865 | Customer Care: Prashant: 91300 26070 | asumkj@gmail.com | www.asum.com

Distributor: Delhi: Gopal Stores: 9810524934, Noida: Ajay Medical: 0120-2527981
Seelampur: Agarwal Ayurvedic: 9711251291, Saraswati Vihar: Saraswati Ayu: 27058720
Motinagar: Ishar Dass & Sons: 9313519596, Con. Circle: Nath: 9899441605,
Gaziabad - Vaishali: Shri Krishna Ayurved: 9873603747
Khan Market: Preet Medicos: 9899659582, Gurgaon: Vashishth Medical: 9873321179
Faridabad: Laxmi Ayurvedic: 9810083760
Also Available at Chandni Chowk, Bhagirath Palace, Khari Baoli.

राज्यसभा चुनाव को लेकर तेज़ हुई सियासी घेराबंदी

क्रॉस-वोटिंग और विधायकों की टूट-फूट रोकने की तैयारी

Hemwati.Rajaura1
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली :** राज्यसभा की 11 सीटों के लिए सोमवार को होने वाले मतदान से ठीक पहले बिहार, हरियाणा और ओडिशा में सियासी हलचल तेज हो गई है। संभावित क्रॉस-वोटिंग और विधायकों की टूट-फूट रोकने के लिए राजनीतिक दलों ने अपने विधायकों की घेराबंदी शुरू कर दी है।

देशभर में इस बार राज्यसभा की 37 सीटों के लिए चुनाव हो रहे हैं। इनमें से 26 सीटों पर उम्मीदवार पहले ही निर्विरोध चुन लिए गए हैं। अब बिहार की पांच, ओडिशा की चार और हरियाणा की दो सीटों पर मतदान होना है। नतीजे भी सोमवार को ही घोषित होंगे।

ओडिशा में चौथी सीट पर दिलचस्प मुकाबला: ओडिशा में चार सीटों के लिए चुनाव हो रहा है। विधानसभा में बीजेडी के 79 विधायक हैं और पार्टी ने अपने प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन सामल और मौजूदा सांसद सुजीत कुमार को मैदान में उतारा है। बीजेडी ने पूर्व CM नवीन पटनायक के करीबी सहयोगी संतृप्त मिश्रा को उम्मीदवार बनाया है। चौथी सीट को लेकर मुकाबला सबसे दिलचस्प माना जा रहा है। इस सीट के लिए बीजेपी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री दिलीप रे को समर्थन दिया है, जबकि बीजेडी ने कांग्रेस के साथ मिलकर प्रसिद्ध यूरोलॉजिस्ट डॉ. दत्तेश्वर होता को समर्थन देने का फैसला किया है। सूत्रों के मुताबिक, संभावित क्रॉस-वोटिंग को देखते हुए बीजेपी ने अपने सभी विधायकों और मंत्रियों को पारादीप के एक रिजॉर्ट में ठहराया है। वहीं, कांग्रेस ने भी अपने विधायकों को बेंगलुरु के पास एक रिजॉर्ट में रखा है, ताकि मतदान से पहले किसी तरह की टूट-फूट से बचा जा सके। दूसरी ओर, बीजेडी ने भी अपने विधायकों को एकजुट रखने के लिए सख्त रणनीति अपनाई है। पार्टी के सभी विधायकों को पिछले तीन दिनों से हर शाम भुवनेश्वर स्थित नवीन पटनायक के आवास में हाजिरी लगाने के निर्देश दिए हैं।

राज्यसभा की 37 सीटों के लिए चुनाव हो रहे हैं।

बिहार में पांचवीं सीट पर नजर

बिहार में 5 सीटों के लिए चुनाव है, जहां संख्याबल के आधार पर NDA चार सीटें आसानी से जीत सकता है। NDA के पास विधानसभा में कुल 202 विधायक हैं, जबकि एक उम्मीदवार को जीत के लिए 41 वोट की जरूरत है। NDA के CM नीतीश कुमार ने भी राज्यसभा के लिए नामांकन किया है, जिससे राजनीतिक हलकों में काफी चर्चा है। BJP के नितिन नवीन, JDU के रामनाथ ठाकुर और शिवेश कुमार और राष्ट्रीय लोक मोर्चा के उपेंद्र कुशवाहा भी उम्मीदवार हैं। विपक्षी महागठबंधन की ओर से RJD के मौजूदा सांसद अमरेंद्र धारी सिंह उम्मीदवार हैं। महागठबंधन के पास 35 विधायक हैं, जिसमें RJD, कांग्रेस और वाम दल शामिल हैं। हालांकि, मुकाबला पांचवीं सीट पर दिलचस्प हो गया है, जहां फैसला अब ओवैसी की पार्टी AIMIM के पांच विधायकों के समर्थन पर टिका है। इनके समर्थन से समीकरण बदल सकते हैं। हालांकि, AIMIM के अख्तरुल ईमान से मुलाकात के बाद तेजस्वी यादव ने कहा कि उनसे सकारात्मक बातचीत हुई है। वहीं, BSP के एकमात्र विधायक पर भी सबकी नजरें हैं।

हरियाणा में भी मुकाबला रोचक

हरियाणा में दो सीटों के लिए चुनाव है। बीजेपी के पास 48 विधायक हैं। पार्टी के उम्मीदवार संजय भाटिया की जीत तय मानी जा रही है। कांग्रेस के उम्मीदवार करमवीर सिंह बौद्ध को भी पार्टी और सहयोगियों के समर्थन से पर्याप्त वोट की उम्मीद है। इस बार निर्दलीय उम्मीदवार सतीश नांदल के मैदान में आने से मुकाबला दिलचस्प हो गया है। नांदल को बीजेपी के करीबी के तौर पर देखा जाता है और पिछले चुनावों में कांग्रेस को क्रॉस-वोटिंग का नुकसान उठाना पड़ा, जिससे इस बार भी राजनीतिक हलकों में उत्सुकता बनी हुई है। इस वजह से कांग्रेस के कुछ विधायकों को हिमाचल प्रदेश भेजा गया है।

CEC ने कहा- पांच राज्यों के 824 निर्वाचन क्षेत्रों के चुनावों में 17.4 करोड़ मतदाता मतदान के पात्र हैं

मिड टर्म जनमत संग्रह के रूप में देखा जा रहा है पांच राज्यों का विधानसभा चुनाव

■ NBT रिपोर्ट

निर्वाचन आयोग ने रविवार को पश्चिम बंगाल, केरल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा की। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि चुनाव हिंसा या प्रलोभन से मुक्त होने चाहिए और आयोग किसी भी उल्लंघन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगा। किसी भी पात्र मतदाता को हटाया नहीं जाना चाहिए और किसी भी अपात्र मतदाता को शामिल नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि पांच राज्य विधानसभाओं के 824 निर्वाचन क्षेत्रों के चुनावों में कुल 17.4 करोड़ मतदाता मतदान के पात्र हैं। चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में 2.19 लाख मतदान केंद्रों पर मतदान होगा, जहां 25 लाख चुनाव अधिकारी ड्यूटी पर तैनात रहेंगे। उन्होंने कहा कि चारों राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश के कुल मतदाताओं की संख्या ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका, जर्मनी और कनाडा की जनसंख्या के बराबर है।

ज्ञानेश कुमार

CEC बोले, किसी भी पात्र मतदाता को हटाया नहीं जाना चाहिए।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि 20 देशों के चुनाव निकायों के प्रतिनिधि भारत के लोकतंत्र के उत्सव का अनुभव प्राप्त करने के लिए चुनाव वाले राज्यों का दौरा करेंगे। कुमार ने बताया कि असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में प्रति मतदान केंद्र पर मतदाताओं की औसत संख्या 750-900 है।

पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव को राष्ट्रीय राजनीति के संदर्भ में एक मिड टर्म जनमतसंग्रह के रूप में देखा जा रहा है। इन राज्यों के चुनाव परिणाम जब निकलेंगे तो इससे पांच राष्ट्रीय संदेश भी निकलेंगे। उनके बारे में बता रहे हैं नरेन्द्र मिश्र...

1 चुनावी रेवड़ी का का है चलन

यह चुनाव फ्रीबीज कल्चर की भी दिशा तय करेगा। पिछले कुछ चुनावों से इसका व्यापक असर दिखा। मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, झारखंड जैसे राज्यों में फ्रीबीज बांटे और सत्तारूढ़ पार्टी को लाभ मिला। इस बार भी इन राज्यों में सत्तारूढ़ सरकार ने खूब पैसे बांटे। अगर इस बार भी इसका असर चुनाव परिणाम पर दिखा तो आने वाले चुनाव में यह ट्रेंड और बढ़ेगा।

2 कांग्रेस की रणनीति के लिए बड़ी चुनौती

पांच राज्यों का चुनाव कांग्रेस के लिए मेक या ब्रेक का चुनाव है। 2024 आम चुनाव में उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन करने के तुरंत बाद महाराष्ट्र, हरियाणा, बिहार जैसे राज्यों में जिस तरह एक के बाद एक हार मिली उसके बाद पार्टी की रणनीति पर सवाल उठे। सहयोगियों ने भी कांग्रेस के रवैये पर सवाल उठाया। असम, केरल और तमिलनाडु में कांग्रेस बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद कर रही है और केरल में बड़ी सहयोगी दल के रूप में सरकार बनाने की उम्मीद में है। अगर इस बार भी कांग्रेस उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सकी तो राहुल गांधी और पार्टी की रणनीति पर गंभीर सवाल उठेंगे, साथ ही आगे की राह और कठिन हो जाएगी।

5 राज्यों में प्रति मतदान केंद्र पर मतदाताओं की औसत संख्या 750-900 है।

3 BJP का कठिन पिच पर आखिरी दांव

2024 आम चुनाव में उम्मीद से नीचे प्रदर्शन करने के बाद बीजेपी ने बाद के महीनों में विधानसभा चुनावों में जीत से शानदार सियासी वापसी की। लेकिन, इस बार हालात कुछ अलग हैं। पांच राज्यों में तीन राज्य-तमिलनाडु, केरल और पश्चिम बंगाल ऐसे हैं जहां बीजेपी ने पूरी ताकत लगायी और नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में पार्टी की हसरत भी रही कि इन राज्यों में सत्ता में आए या सियासी की धुरी में रहे जहां उनके स्वाभाविक कदम नहीं रहे हैं। आम चुनाव में भी नरेन्द्र मोदी ने तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में बहुत सारी चुनावी रैलियां की थी लेकिन अपेक्षित परिणाम नहीं मिले थे। अगर इस बार भी अच्छे परिणाम नहीं आए तो यहां भविष्य के लिए काडर का मनोबल प्रभावित हो सकता है।

4 चुनावी सुधार को लेकर तय होगा रुख

पांच राज्यों का विधानसभा चुनाव ऐसे समय हो रहा है, जब विपक्षी दलों का चुनाव आयोग से टकराव चरम पर है। सारा विवाद एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने के बाद हुआ। जाहिर है कि चुनाव के बीच भी इसकी गूंज सुनाई देगी और जिस तरह के चुनाव परिणाम आते हैं उसे देखते हुए इस टकराव की दिशा भी तय होगी।

5 I.N.D.I.A. और NDA के लिए भी यह चुनाव लिटमस टेस्ट

कांग्रेस और बीजेपी दोनों अपने-अपने गठबंधन का अगुवा दल है। लेकिन, इस चुनाव में तमिलनाडु में दोनों दलों को छोटी भूमिका में सीमित रखना होगा। वहीं, पश्चिम बंगाल में इस बार कांग्रेस लेफ्ट का साथ छोड़कर अकेले लड़ेगी। चुनाव परिणाम दोनों गठबंधन के कुनबों को भी प्रभावित करेगी। अगर कांग्रेस अपने दम पर केरल और असम में बेहतर प्रदर्शन करने में सफल नहीं रही तो गठबंधन में पार्टी की स्थिति कमजोर हो जाएगी जिसका असर उत्तर प्रदेश में देखने को मिल सकता है। उसी तरह गठबंधन के सहारे दक्षिण में विस्तार की योजना में लगी बीजेपी के लिए भी खासकर तमिलनाडु में अहम होगा।

उप जिलाधिकारी दादरी, जनपद गौतमबुद्धनगर

विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित विवरणानुसार मत्स्य पालन हेतु तालाब/पोखर/झील/ताल एवं जल प्रणालियों के 10 वर्षीय आवंटन हेतु पात्र व्यक्तियों के नीलामी द्वारा राजस्व संहिता नियमावली-2016 व मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के आदेशों के अन्तर्गत दिनांक 30.03.2026 दिन सोमवार, को तहसील दादरी सभागार में सुबह 11 बजे नीलामी की जायेगी-

क्रम सं0	ग्राम का नाम	तालाब की खसरा सं0	क्षेत्र है0 में
1	बढ़पुरा	690	0.3410
		466	0.2782
2	राजपुर	331	0.2780
3	नूरपुर	542	1.176
4	धनुवास	38	0.3290
5	शाहपुर खुर्द	163	0.329
			1.733
6	फूलपुर	130	0.2280
		226	0.265
7	बैरंगपुर उर्फ नई बस्ती	476	0.2400
8	कोट	524क	0.2150
		526	0.4430
		800	0.658
		818	0.2280
		1272	0.2020
9	नंगला चमरू	2	0.4170
		138 ख	0.6510
		324ख मि	0.3670
10	नंगला नैनसुख	107	0.2280
		122	0.3290
		224	0.7680
11	बील अकबरपुर	495	0.2660
		500	0.2340
12	कैमराला चक्रसैनपुर	36	0.3290
13	सैलरा	987क	0.4570
14	चमरावली रामगढ़	252क	1.303
		335	1.341
15	आनन्दपुर	145 ख	0.9110
17	समाउद्दीनपुर	672	0.652
18	कचेड़ा वारसाबाद	573ख	0.202
19	बिशनूली	321	0.228
20	ललपुर	388	0.4550
		398	0.2020
		426	0.5310
		587	0.5310
21	सादोपुर	720	0.3040
		888	0.4930
22	रसूलपुर [illegible]	349	0.4050
		318क	0.4930
23	पटाड़ी	298	0.7970
		365	0.2280
		414	0.5150
		594	0.7460
24	रानौली लतीफपुर	277ख	0.202
		2775	0.202
		322क	0.202
		322ख	0.202
		76	0.3040
25	जैतवारपुर	613	0.9540
26	चिपियाना बुजुर्ग	382	1.0750
		333	1.0240

नीलामी की शर्तें:-
1. तालाब यथा स्थिति में नीलाम होंगे।
2. पट्टा आवंटन हेतु खुली बोली प्रक्रिया अपनाई जायेगी, जिसमें मा0 उच्च न्यायालय।
3. इलाहाबाद के आदेश व राजस्व संहिता नियमावली-2016 को आधार मानते हुए, सर्वोच्च बोलीदाता को पट्टा आवंटन किया जायेगा।
4. बोली पूर्व जमानत धनराशि जमा करनी होगी, अन्तिम रूप से अधिक बोली वाले बोली दाता की धनराशि समायोजित करते हुए शेष बोली दाताओं की धनराशि वापिस कर दी जायेगी।
5. यदि उपनियम (4) के अन्तर्गत तैयार की गयी पात्रता सूची में पात्र व्यक्ति एक से अधिक है तब मौके पर ही नीलामी करायी जायेगी, जिसमें केवल पात्रता सूची में उल्लिखित व्यक्ति ही प्रतिभाग कर सकेंगे। यदि उपरोक्त पट्टा के लिये केवल एक व्यक्ति पात्र है, तो पट्टा राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर नियत वार्षिक भाटक की धनराशि, जो प्रति एकड़ दर रू0 1,000 से कम और रू0 2,000 से अधिक नहीं होगी, पर दिया जायेगा।
6. तालाबों की नीलामी हेतु बोली की शुरूआत 10,000/- रू0 प्रति है0 की दर से की जायेगी।
7. नीलामी पर अंतिम निर्णय उपजिलाधिकारी, दादरी का मान्य होगा। नीलामी से सम्बन्धित समस्त जानकारी, शर्तें एवं दशायें रजिस्ट्रार कानूनगो, तहसील दादरी / मत्स्य विभाग विकास भवन के कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती हैं।
8. अन्य शेष शर्तें उ0प्र0 राजस्व संहिता नि0-2016 के अन्तर्गत मान्य होगी।
9. 2. हे0 अथवा उससे बड़े जल क्षेत्र के तालाबों हेतु मत्स्य प्रक्षेत्र का उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा।

नोट-यदि अपरिहार्य कारणों से निश्चित तिथि को अवकाश रहता है अथवा बोली नहीं लगाई जाती है, तो बोली की प्रक्रिया अगले कार्य दिवस पर की जायेगी तथा पट्टा आवंटन का लक्ष्य प्राप्ति तक बोली की प्रक्रिया प्रत्येक माह की उक्त निर्धारित तिथि पर की जायेगी।

UPID 248238 dt 14.03.2026.
www.upgov.nic.in

उप जिलाधिकारी
दादरी

असम में BJP लगा पाएगी हैटट्रिक?

Poonam.Pandey
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली :** असम में बीजेपी की कोशिश लगातार तीसरी बार सत्ता वापसी की है, वहीं कांग्रेस अपनी जगह बनाने के लिए पूरा जोर लगा रही है। यहां CM हिमंता बिस्वा सरमा और कांग्रेस नेता गौरव गोगोई के बीच काफी वक्त से खींचतान चल रही है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस नेता और उनकी पत्नी पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं तो बीजेपी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर ऐसे विवादित पोस्ट भी किए, जिन्हें बाद में डिलीट करना पड़ा।

बीजेपी घुसपैठ को बना रही है मुद्दा।

सरमा कुछ समय से अपने भाषणों और बयानों में बार-बार 'मियां मुस्लिम' को टारगेट कर रहे हैं। असम की करीब 22 सीटों पर इस समुदाय का प्रभाव है। कुछ दिनों पहले ही गृह मंत्री अमित शाह ने असम जाकर कहा कि अगर आप घुसपैठ रोकना चाहते हैं तो आने वाले चुनाव में एक बार फिर बीजेपी का समर्थन करें। कांग्रेस यहां सामाजिक सुरक्षा से लेकर बेरोजगारी, आर्थिक विकास का मुद्दा भी उठा रही है। कांग्रेस यहां बीजेपी पर समाज को बांटने का आरोप लगा रही है। यहां मुख्य मुकाबला बीजेपी और कांग्रेस के बीच ही है। दोनों ही पार्टियों के गठबंधन भी हैं।

असम विधानसभा में कुल 126 सीटें हैं। 2021 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी के नेतृत्व वाले गठबंधन ने बहुमत हासिल किया था।

बंगालः SIR और घुसपैठ का मुद्दा कितना असर दिखाएगा

Poonam.Pandey
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली :** पश्चिम बंगाल में चुनाव तारीखों के ऐलान से पहले ही बीजेपी और तृणमूल कांग्रेस के बीच में जुबानी जंग तेज हो चुकी थी। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) को लेकर जहां बंगाल की राजनीति दिल्ली तक पहुंची, वहीं घुसपैठ के मसले पर बीजेपी नेताओं ने तृणमूल पर तीखे हमले किए। पश्चिम बंगाल का ये चुनाव ममता बनर्जी के लिए जहां अपनी राजनीतिक जमीन बचाने की लड़ाई है, वहीं बीजेपी के लिए भी ये करो या मरो की जंग है।

बंगाल का विधानसभा चुनाव बीजेपी के लिए भी ये करो या मरो की जंग है।

पश्चिम बंगाल का ये चुनाव ममता बनर्जी के लिए अपनी राजनीतिक जमीन बचाने की लड़ाई है।

क्या है चुनावी मुद्दे?

कानून-व्यवस्था, राजनीतिक हिंसा के साथ ही बीजेपी अवैध घुसपैठ को यहां बड़ा मुद्दा बना रही है। वहीं, तृणमूल कांग्रेस एसआईआर को लेकर केंद्र सरकार पर लगातार आरोप जड़ रही है और वोट चोरी का आरोप लगा रही है। बीजेपी जहां बेरोजगारी, उद्योगों की खराब स्थिति की बात कर रही है साथ ही कह रही है कि यहां की खराब स्थिति की वजह से युवा पढ़ने और नौकरी करने के लिए यहां से पलायन कर रहे हैं।

वहीं, तृणमूल कांग्रेस अपनी सरकार के कामों की बात कर रही है, साथ ही बंगाल की अस्मिता का मुद्दा बना रही है और केंद्र सरकार पर बंगाल के साथ अन्याय करने का भी आरोप लगा रही है। बीजेपी यह कह रही है कि तृणमूल कांग्रेस की वजह से केंद्र सरकार की योजनाओं का बंगाल के लोगों को फायदा नहीं मिल पा रहा है।

ये है अहम पार्टियां?

यहां मुख्य मुकाबला तृणमूल कांग्रेस और बीजेपी के बीच ही दिख रहा है। तृणमूल कांग्रेस यहां 2011 से लगातार सत्ता में है। 2021 के चुनाव के बाद बीजेपी राज्य की मुख्य विपक्षी ताकत बनकर उभरी। इसके अलावा वाम मोर्चा और कांग्रेस भी मैदान में होगी।

पिछले चुनाव का नतीजा

पश्चिम बंगाल में विधानसभा की कुल 294 सीटें हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने 213 सीटों पर कब्जा किया। बीजेपी को 77 सीटें मिली।

तमिलनाडु में त्रिकोणीय मुकाबले से बदलेगा सियासी समीकरण?

Hemwati.Rajaura1
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली :** तमिलनाडु की राजनीति लंबे समय से डीएमके और अन्नाद्रमुक के बीच ही सीमित रही है, लेकिन इस बार अभिनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम (TVK) की सक्रियता ने मुकाबले को दिलचस्प बना दिया है। मतदाताओं के सामने दो से अधिक विकल्प होने के कारण पारंपरिक रुझानों से हटकर मतदान की संभावना है।

CM एम.के. स्टालिन

CM एम.के. स्टालिन के नेतृत्व वाली डीएमके सरकार सत्ता में वापसी की कोशिश में है। सत्ताधारी डीएमके ने कांग्रेस समेत आठ दलों के साथ गठबंधन कर चुनावी मैदान में उतरने की रणनीति बनाई है, जिससे वह अपने जनाधार को और मजबूत करना चाहती है। मुख्य विपक्षी दल अन्नाद्रमुक अंदरूनी खींचतान और नेतृत्व के संकट से जूझता नजर आ रहा है। ऐसे में टीवीके की एंट्री ने तमिलनाडु की पारंपरिक द्विध्रुवीय राजनीति को संभावित त्रिकोणीय मुकाबले में बदल दिया है।

केरल में लेफ्ट के सामने आखिरी दुर्ग बचाने की चुनौती

Hemwati.Rajaura1
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली :** केरल देश का एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां इस समय वामपंथी दलों की सरकार है। 2021 के विधानसभा चुनाव में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (LDF) ने लगातार दूसरी बार जीत दर्ज कर इतिहास रच दिया। आगामी चुनाव में एलडीएफ के सामने अपने इस सियासी दुर्ग को बचाने की चुनौती है, जबकि कांग्रेस के नेतृत्व वाला संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (UDF) करीब एक दशक से चल रहे सत्ता के वनवास को खत्म करने की कोशिश में जुटा है।

पुडुचेरी में बरकरार रहेगा NDA का दबदबा या वापसी करेगा विपक्ष? : 30 सीटों वाली इस केंद्र शासित प्रदेश की विधानसभा में इस बार भी मुकाबला मुख्य रूप से एनडीए और कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन के बीच माना जा रहा है। एन. रंगास्वामी के नेतृत्व वाली ऑल इंडिया एन.आर. कांग्रेस और बीजेपी गठबंधन की सरकार सत्ता में है, जबकि इंडियन नैशनल कांग्रेस कांग्रेस और उसके सहयोगी दल वापसी की कोशिश में जुटे हैं।

NDA में जल्द होगा सीटों का बंटवाराः पलानीस्वामी

■ **पीटीआई, चेन्नै:** तमिलनाडु में 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए एनडीए (NDA) में सीटों के बंटवारे पर जल्द ही बातचीत होगी। यह जानकारी AIADMK के प्रमुख पलानीस्वामी ने रविवार को दी। एक इफ्तार कार्यक्रम में शामिल होने के बाद पलानीस्वामी ने पत्रकारों से कहा कि सीटों का बंटवारा इस तरह से तय किया जाएगा कि हमारे द्वारा चुने गए उम्मीदवार जीत हासिल कर सकें। तमिलनाडु में एनडीए के साथियों में AIADMK के साथ बीजेपी, AMMK और पीएमके शामिल हैं।

पलानीस्वामी

कांशीराम के लिए मायावती और राहुल गांधी ने मांगे भारत रत्न

■ **भाषा, लखनऊ/नई दिल्ली :** बीएसपी अध्यक्ष मायावती ने केंद्र की बीजेपी नीत सरकार से पार्टी संस्थापक कांशीराम को भारत रत्न देने में अधिक विलंब ना करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर को भारत रत्न नहीं देने की कांग्रेस की गलती को न दोहराये।

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर रखी अपनी मांग।

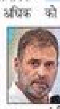

राहुल गांधी

वहीं, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर कांशीराम को भारत रत्न सम्मान देने की गुजारिश की। मायावती ने बीएसपी संस्थापक कांशीराम की जयंती पर लखनऊ में आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार से कांशीराम को भारत रत्न से सम्मानित करने में विलंब ना करने की मांग की।

PM ने पत्र लिखकर की ओम बिरला की सराहना

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

PM मोदी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर उनकी सराहना की है। इसमें अविश्वास प्रस्ताव के दौरान लोकसभा अध्यक्ष के व्यवहार का जिक्र है। मोदी ने लिखा, 'आपने जिस संयम, संतुलन और निष्पक्षता के साथ इन परिस्थितियों का सामना किया, वह सराहनीय है।'

मोदी ने पत्र में इस बात पर दुख जताया कि कुछ लोग 'परिवारवादी और सामंती' सोच के कारण लोकतांत्रिक संस्थाओं को अपने सीमित दायरे में रखना चाहते हैं और नए नेतृत्व को स्वीकार नहीं कर पाते। उन्होंने कहा कि कि संसद 'संवाद, तर्क और विचार-विमर्श' का केंद्र है, जहां हर क्षेत्र की आवाज को स्थान मिलना चाहिए। ओम बिरला ने PM के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत के संसदीय लोकतंत्र के नियमों, प्रक्रियाओं और परंपराओं के प्रति उनका हमेशा अटूट विश्वास रहा है।

इसके बाद लोकसभा में सभी दलों के नेताओं को भेजे एक पत्र में बिरला ने कहा कि सभागृह और संसद भवन परिसर के अंदर जिस प्रकार के बैनर, प्लेकार्ड और तख्तियों को प्रदर्शित किया जा रहा है, जिस प्रकार के शब्दों का प्रयोग किया जा रहा है, जिस तरह का आचरण किया जा रहा है, यह हम सभी के लिए गहरी चिन्ता का विषय है। इस स्थिति पर हम सभी को व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से गंभीर चिंतन और विश्लेषण करने की आवश्यकता है।'

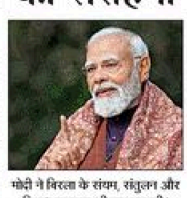

मोदी ने बिरला के संयम, संतुलन और निष्पक्ष व्यवहार की सराहना की।

बिरला ने सभी दलों के नेताओं को भेजे पत्र

बिरला ने सासंदों को लिखा है कि हमारे आचरण को पूरा देश देखता है और भारत की संसद से देश की समस्त लोकतांत्रिक संस्थाओं में संदेश जाता है। अब समय आ गया है जब हमें अपनी लोकतांत्रिक संस्थाओं की उच्च गरिमा और प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए गंभीर चिंतन और आत्ममंथन करने की आवश्यकता है। खासकर सभी राजनीतिक दलों के शीर्ष नेतृत्व और सदन में सभी दलों के नेताओं को, अपने-अपने सदस्यों में सभागृह और संसद भवन परिसर के अंदर अनुशासन और उच्च नैतिक आचरण सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रयास करने होंगे।

पहचान की अपील

आम जनता को सूचित किया जाता है कि एक व्यक्ति जिसका नामः नामालूम, पुत्रः नामालूम, पताः नामालूम, उम्रः लगभग 25-35 साल, कदः 5'5", लिंगः पुरुष, रंगः गोरा, पहनावाः नीले रंग की पैंट, काले रंग की बेल्ट गोल्डन स्टार पैटर्न वाली बकल के साथ, काले रंग की पट्टियों वाली हरे रंग की शर्ट पहने है, **बरामदगी स्थलः** जो शाहबाद दौलतपुर, शाहबाद डेयरी, दिल्ली स्थित डीटीयू के पीछे, खेरा नहर में मृत अवस्था में पाया गया।

इस सम्बंध में **डीडी नं. 72ए, दिनांक 08.03.2026, थानाः शाहबाद डेयरी, दिल्ली** में दर्ज है। यदि इसके बारे में कोई सुराग या जानकारी मिले तो तुरंत इसकी सूचना निम्नलिखित पते पर दें।

थानाध्यक्ष
थानाः शाहबाद डेयरी, दिल्ली
फोनः 8053281269, 8527127706

DP/3322/ON/2026

'फिजिटल सेवा केंद्र से कई सेवाएं एक ही जगह मिलेंगी'

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली :** केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुना जिले के उमरी गांव में दूरसंचार विभाग की 'समृद्ध ग्राम फिजिटल सेवाएं' पायलट पहल के तहत एकीकृत Phygital (Physical + Digital) सेवा केंद्र - समृद्धि केंद्र का उद्घाटन किया। गुना से सांसद सिंधिया ने कहा कि यह पहल भारतनेट के तहत विकसित उच्च गति ब्रॉडबैंड इंफ्रास्ट्रक्चर को केवल इंटरनेट कनेक्टिविटी तक सीमित न रखते हुए उसे ग्रामीण जीवन को सीधे प्रभावित करने वाली नागरिक केंद्रित सेवाओं के एक समग्र मंच में बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

ज्योतिरादित्य सिंधिया

सिंधिया ने कहा कि इस पहल के साथ उमरी देश का पहला ऐसा गांव बन गया है, जहां स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा और विभिन्न सरकारी सेवाएं ग्रामीणों को एक ही छत के नीचे, सहज और सुलभ तरीके से उपलब्ध कराई जाएंगी।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 16-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 2 Page: NBTMAH09 User: cci Time: 03-15-2026 23:40 Color:

वॉर अपडेट

हिजबुल्लाह कमांडर का भाई मारा गया

इस्राइल रक्षा बल (आईडीएफ) ने दावा किया कि अमेरिका के मिशिगन में सिनेगॉग हमले का आरोपी अयमान मोहम्मद गजाली, हिजबुल्लाह कमांडर इब्राहिम गजाली का भाई है। आईडीएफ के अनुसार इब्राहिम बद्र यूनिट में हथियार संचालन संभालता था और पिछले सप्ताह इस्राइली हवाई हमले में मारा गया।

दक्षिणी बेरूत में हालात गंभीर

लेबनान में इस्राइली हमलों से मानवीय संकट गहरा गया है। दक्षिणी बेरूत के इलाकों में रातभर हुए हवाई हमलों के बाद कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं और बड़ी संख्या में लोग विस्थापित हुए हैं। वहीं, ईरान ने कहा कि उसके 56 सांस्कृतिक केंद्र तबाह हुए हैं।

नॉर्वे के प्रधानमंत्री ने जताई चिंता

नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर ने कहा, जंग खत्म करना सबकी जिम्मेदारी है। ऐसा लग रहा है कि जंग खत्म करने की कोई योजना ही नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि योजना के बिना युद्ध कभी खत्म नहीं होगा। तनाव का बढ़ना दुनिया के लिए चिंता की बात है।

ईरान से कोई समझौता नहीं होगा: ट्रंप
बातचीत का सवाल ही कहां: अराघची

■ एपी/एएफपी, वॉशिंगटन/तेहरान

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ संभावित समझौते को लेकर साफ इनकार कर दिया है। इस बीच, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने स्पष्ट किया कि हमारी ओर से भी बातचीत का कोई सवाल नहीं है।

एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि ईरान बातचीत में दिलचस्पी दिखा रहा है, लेकिन मौजूदा हालात में वॉशिंगटन किसी जल्दबाजी में समझौता नहीं करेगा। ट्रंप ने कहा कि किसी भी संभावित समझौते में ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को पूरी तरह खत्म करना सबसे अहम शर्त होगी। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक क्षेत्र में युद्ध जैसी स्थिति बनी हुई है, तब तक किसी भी तरह के सीजफायर या डील पर फैसला जल्दबाजी में नहीं किया जाएगा। इंटरव्यू के दौरान ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिकी सेना ने ईरान के अहम तेल निर्यात केंद्र खार्ग द्वीप पर हमला किया था। उन्होंने दावा किया कि इस हमले से वहां के ढांचे को गंभीर नुकसान पहुंचा है। इसके साथ ही ट्रंप ने ईरान के नए सुप्रीम लीडर सैय्यद मोजतबा हुसैनी खामेनेई के जीवित होने पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि सत्ता संभालने के बाद से वह सार्वजनिक रूप से दिखाई नहीं दिए हैं और उन्हें लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। वहीं, अराघची ने ट्रंप के दावे को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने कहा था कि तेहरान युद्ध खत्म करने के लिए समझौता करना चाहता है।

> तनाव खत्म करने के लिए ईरानी शर्तें स्वीकार नहीं हैं

AFP

तेहरान में शनिवार को हुए हवाई हमले के बाद क्षतिग्रस्त एक इमारत से शहर के हालात देखता व्यक्ति।

कहां हैं सुप्रीम लीडर ?

ईरान के सुप्रीम लीडर सैय्यद मोजतबा हुसैनी खामेनेई के सार्वजनिक कार्यक्रमों में नजर नहीं आने से राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। ट्रंप ने कहा कि अब तक कोई उन्हें सामने नहीं ला पाया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि यदि वह जीवित हैं तो उन्हें अपने देश के लिए समझदारी भरा फैसला करना चाहिए।

ऊर्जा बाजार पर नजर

ट्रंप ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को लेकर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा, दुनिया को स्थिर तेल आपूर्ति की जरूरत है। इसी कारण रूस के तेल क्षेत्रों पर लगाए गए कुछ प्रतिबंधों में अस्थायी ढील दी गई है। ट्रंप के मुताबिक ये प्रतिबंध यूक्रेन युद्ध के बाद लगाए गए थे और संकट समाप्त होने पर इन्हें फिर लागू किया जा सकता है।

> हमें लगता है कि तेहरान समझौते के लिए तैयार है, लेकिन अमेरिका अपनी शर्तों पर बात मनवाने के लिए लड़ाई जारी रखे हुए है। हम 'खार्ग द्वीप' पर फिर से बमबारी करेंगे - डॉनल्ड ट्रंप

> ईरान किसी समझौते की भीख नहीं मांग रहा है। हम मजबूत हैं और अपने लोगों की रक्षा कर रहे हैं। हमें अमेरिकियों से बात करने की कोई जरूरत नहीं है। युद्ध जारी है। - अब्बास अराघची

ईरान बोला...

समझौते की भीख नहीं मांग रहे हैं: विदेश मंत्री

एएफपी, दोहा: ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि ईरान किसी भी समझौते की भीख नहीं मांग रहा है। अपने लोगों की रक्षा करने का हमें हक है। बातचीत का सवाल ही कहां उठ रहा है। हम अपने लोगों के लिए लड़ते रहेंगे। यह जंग तभी खत्म होगी जब हमें यकीन हो जाएगा कि ऐसी घटना दोबारा नहीं होगी और हमें हुए नुकसान का हर्जाना दिया जाएगा। उन्होंने पिछले साल का जिक्र करते हुए कहा कि तब भी इस्राइल ने हमला किया था और फिर अमेरिका भी उसमें शामिल हो गया था। ईरान ने रविवार को उन देशों को चेतावनी दी जो अमेरिका और इस्राइल के साथ उसकी चल रही जंग में शामिल होने की सोच रहे हैं। अराघची ने कहा कि ये अलग बात है कि अगर अमेरिका-इस्राइल युद्ध को पूरी तरह समाप्त करने का प्रस्ताव आता है, तो तेहरान उस पर विचार कर सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान अपने पड़ोसी देशों के साथ तनाव कम करने के लिए बातचीत के प्रयासों का समर्थन करता है। अराघची ने कहा, हम भी युद्ध नहीं चाहते, लेकिन समझौता भी नहीं करेंगे।

अब्बास अराघची

ईरान की सेना की धमकी, नेतन्याहू का पीछा कर मारेंगे

ईरान की सेना ने इस्राइल के प्रधानमंत्री बेन्यामिन नेतन्याहू को लेकर कड़ी धमकी दी है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा है कि वह नेतन्याहू का पीछा करेगी और उन्हें "ताकत के साथ मार गिराने" तक कार्रवाई जारी रखेगी।

वायरल वॉर

इस्राइली पीएम ने कहा, देखिए 5 उंगलियां हैं...

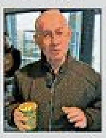

इस्राइल के प्रधानमंत्री बेन्यामिन नेतन्याहू ने सोशल मीडिया पर फैल रही अपनी मौत की अफवाहों और 6 उंगलियों वाले दावे का मजाक उड़ाते हुए इन खबरों को पूरी तरह झूठा बताया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक विडियो साझा किया, जिसमें दोनों हाथ दिखाकर स्पष्ट किया कि उनके हाथों में सामान्य रूप से 5-5 उंगलियां हैं। विडियो के साथ उन्होंने लिखा, 'वे कहते हैं कि क्या मैं हूं?' जंग के बीच अफवाह फैलने लगी थी कि नेतन्याहू की मौत हो गई है।

AI Image

इस्राइली पीएम के 6 उंगलियों वाली अफवाहों के बीच सोशल साइट्स पर ऐसे मीम खूब शेयर हो रहे हैं।

इस्राइल का प्लान पता था: पूर्व CIA चीफ

File

पूर्व **CIA** प्रमुख और सेवानिवृत्त जनरल डेविड पेट्रेयस ने कहा है कि अमेरिका को पहले से ही इस बात की जानकारी थी कि इस्राइल ईरान पर हमला करने की योजना बना रहा है। अमेरिका ने ईरान पर पहले हमला इसलिए किया ताकि उसकी सैन्य क्षमता कमजोर हो जाए और वह इस्राइली हमले का प्रभावी ढंग से जवाब न दे सके। इस बयान से अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की पहले की टिप्पणी को भी बल मिलता है। रुबियो ने कहा था कि अमेरिका को खुफिया जानकारी मिली थी कि इस्राइल जल्द ही ईरान पर हमला करने वाला है और इसके बाद ईरान US ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई कर सकता है। इसी के चलते US ने पहले ही सैन्य कार्रवाई का फैसला किया। (Aljazeera)

इस्राइल ने इस्फहान को फिर निशाना बनाया, दावा-यहां बनती थीं मिसाइलें

■ एपी/एएफपी, तेहरान

इस्राइल द्वारा ईरान पर किए जा रहे हमलों के बीच राजधानी तेहरान के बाद अब औद्योगिक शहर इस्फहान भी लगातार निशाने पर है। रविवार तड़के हुए हवाई हमलों के बाद शहर के कई हिस्सों में काला धुआं उठता दिखाई दिया। फैक्ट्रियों और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाए जाने से कम से कम 15 लोगों की मौत हुई है।

> इस्राइल बोला-सैन्य ठिकानों, फैक्ट्रियों को बर्बाद किया

रिपोर्ट्स के मुताबिक, हाल के हमलों में ईरान के करीब 200 शहरों को निशाना बनाया गया है, जिनमें इस्फहान प्रमुख रूप से शामिल रहा है। तेहरान और मशहद के बाद यह ईरान का तीसरा सबसे बड़ा शहर है और इसे देश का महत्वपूर्ण औद्योगिक तथा सैन्य केंद्र माना जाता है। यहां मिसाइल और रक्षा उत्पादन से जुड़े कई अहम प्रतिष्ठान मौजूद हैं, जिनकी वजह से यह शहर इस्राइली हमलों के केंद्र में आ गया है।

AFP

इस्राइली हमले के बाद रविवार सुबह इस्फहान शहर से धुआं उठता दिखा।

सांस्कृतिक रूप से भी बेहद महत्वपूर्ण शहर

इस्फहान सांस्कृतिक रूप से भी बेहद महत्वपूर्ण शहर है। 16वीं और 17वीं सदी की सफवीद वास्तुकला का उत्कृष्ट उदाहरण माने जाने वाला नक्श-ए-जहां स्क्वायर इसी शहर में स्थित है, जिसे विश्व धरोहर का दर्जा मिला हुआ है। शहर के आसपास कई संवेदनशील प्रतिष्ठान भी मौजूद हैं। इनमें परमाणु अनुसंधान केंद्र, मिसाइल उत्पादन इकाइयां, एक बड़ी तेल रिफाइनरी और वायुसेना के ठिकाने शामिल हैं। रिपोर्टों के अनुसार यहां एक प्रमुख एयरफोर्स बेस भी है, जहां ईरान के पुराने अमेरिकी निर्मित एफ-14 टॉमकैट लड़ाकू विमान तैनात बताए जाते हैं।

खाड़ी देशों पर एक साथ हमला
ईरान ने यूएई को अपने बंदरगाह खाली करने की चेतावनी दी

■ एपी/एएफपी, काहिरा

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच रविवार को खाड़ी देशों ने नए मिसाइल और ड्रोन हमलों को रोकने की जानकारी दी। इससे क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है। ईरान ने यूएई के तीन प्रमुख बंदरगाहों को खाली कराने की चेतावनी देते हुए अपने हमलों को और बढ़ाने की धमकी दी है।

> ईरान का दावा, यूएई के बंदरगाहों से खार्ग पर हमला हुआ

ईरान ने आरोप लगाया, अमेरिका ने यूएई के बंदरगाहों और ठिकानों का इस्तेमाल कर खार्ग द्वीप पर हमले किए, जहां से ईरान का प्रमुख तेल निर्यात होता है। हालांकि, यूएई ने इन आरोपों से इनकार किया है। बहरीन, सऊदी अरब और यूएई ने कहा कि उनकी वायु रक्षा प्रणाली आने वाली मिसाइलों और ड्रोन को रोकने की कोशिश कर रही है। शहर के कुछ हिस्सों में ड्रोन लगातार दिख रहे हैं।

AFP

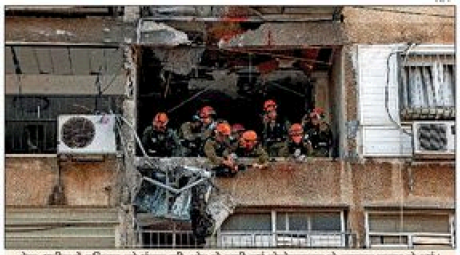

तेल अवीव में रविवार को ईरान की ओर से दागी गई प्रोजेक्टाइल से इमारत तबाह हो गई।

ईरान में अब तक 1300 मौतें

युद्ध के चलते कई देशों में मानवीय संकट गहरा गया है। रेड क्रॉस के अनुसार, ईरान में अब तक 1,300 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। मृतकों में 202 बच्चे और 223 महिलाएं शामिल हैं। खाड़ी देशों में भी प्रवासी कामगारों सहित कई लोग हमलों की चपेट में आए हैं। हमलों के कारण लोगों में डर है।

इस्राइली ठिकाने ध्वस्त

ईरान की सेना ने रविवार को दावा किया कि उसने ड्रोन हमलों के जरिए इस्राइल के एक पुलिस यूनिट और सैटेलाइट संचार केंद्र को निशाना बनाया है। ड्रोन हमले इस्राइल की विशेष पुलिस इकाई 'लहव 433' के मुख्यालय और 'गिलाट डिफेंस' सैटेलाइट संचार केंद्र पर किए गए।

फैक्ट चेक

ईरान-अमेरिका युद्ध में शेयर हो रहीं फेक इमेज

AI Image

AI Image

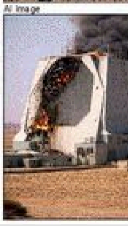

अमेरिका-इस्राइल और ईरान युद्ध में AI से बने डीपफेक विडियो और इमेज ने सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहे हैं। न्यू यॉर्क टाइम्स ने इन फोटो और इनसे बनाए गए विडियो को AI जेनरेटेड बताया है।

'जाग लाडकी' तेल लोड कर रहा था, UAE पोर्ट पर तभी हुआ हमला

File

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

सरकार ने रविवार को कहा कि पश्चिम एशिया के समुद्री इलाके में मौजूद भारतीय जहाजों और उन पर सवार लोगों की सुरक्षा पर लगातार नजर रखी जा रही है। सरकार ने कहा कि सभी लोग सुरक्षित हैं और पिछले 24 घंटों में इलाके में भारतीय जहाजों और उन पर मौजूद लोगों के बारे में कोई चिंताजनक घटना सामने नहीं आई है। सरकार ने कहा कि 14 मार्च को फुजैरा में भारतीय झंडे वाला जहाज जाग लाडकी कच्चा तेल लोड कर रहा था, उसी दौरान फुजैरा ऑयल टर्मिनल पर हमला हुआ था। 'रविवार को सुबह साढ़े 10 बजे यह जहाज फुजैरा से सुरक्षित निकल आया। यह भारत के लिए करीब 80800 टन क्रूड ऑयल ला रहा है। उस पर सवार सभी भारतीय लोग सुरक्षित हैं।' सरकार ने कहा कि भारतीय झंडे वाले दो जहाज शिवालिक और नंदा देवी करीब 92712 टन LPG ला रहे हैं और 14 मार्च को ये होर्मुज जलडमरूमध्य से इधर आ गए थे। 'अभी ये भारत की राह पर हैं और इनमें से एक 16 मार्च को मुंद्रा पोर्ट और दूसरा 17 मार्च को कांडला पोर्ट पहुंचेगा।' सरकार ने कहा कि अभी 22 भारतीय जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य के पश्चिमी तरफ हैं और उन पर 611 लोग हैं। शिपिंग महानिदेशालय जहाज मालिकों और भारतीय दूतावासों के जरिए स्थिति पर नजर बनाए हुए है। शिपिंग महानिदेशालय ने अब तक खाड़ी इलाके से 276 भारतीयों को सुरक्षित लाने में मदद की है।

> 'होर्मुज के उस पार 22 भारतीय जहाज, सभी सेफ'

LPG की पैनिक बुकिंग घटने के संकेत: केंद्र
सरकार ने कहा, तेल और रसोई गैस की देश में तंगी नहीं

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

देश भर में LPG सिलिंडरों की भारी किल्लत की खबरों के बीच रविवार को सरकार ने कहा कि पैनिक बुकिंग घटने के संकेत हैं। बुकिंग्स पहले के 88.8 लाख रोजाना से घटकर करीब 77 लाख पर आ गई हैं। सरकार ने दोहराया कि देश में पेट्रोल-डीजल या रसोई गैस की कोई तंगी नहीं है। कमर्शल LPG के बारे में सरकार ने कहा कि बिहार, दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान सहित कई राज्यों ने सरकारी गाइडलाइंस के मुताबिक नॉन-डोमेस्टिक LPG आवंटन के आदेश दिए हैं। कमर्शल LPG सिलिंडर अब उपभोक्ताओं को 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

File

'LPG सप्लाई पर नजर है': सरकार ने एक बयान में कहा कि 'मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति को देखते हुए LPG सप्लाई पर नजर रखी जा रही है। किसी भी LPG डिस्ट्रिब्यूटर के यहां सिलिंडर खत्म होने की सूचना नहीं है।' सरकार ने कहा, 'LPG बुकिंग में गिरावट दिख रही है।' सरकार ने जहां भी संभव हो, वहां LPG उपभोक्ताओं को PNG कनेक्शन लेने की सलाह दोहराई और यह भी कहा कि LPG सिलिंडर बुकिंग के लिए SMS, वट्सऐप, IVRS या ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के ऐप्स का उपयोग किया जाए। सरकार ने कहा कि ऑनलाइन बुकिंग 84% से बढ़कर 87% हो चुकी है।

6 टैंकर और आ रहे: LPG वाले 6 टैंकर और LNG का एक टैंकर होर्मुज जलडमरूमध्य के पश्चिम ओर हैं। शनिवार को LPG वाले दो टैंकर होर्मुज स्ट्रेट पार कर इधर आ गए थे और इनमें से एक सोमवार को मुंद्रा पोर्ट और दूसरा मंगलवार को कांडला बंदरगाह पर पहुंचेगा। इनमें से हर एक पर लगभग 46000 टन LPG है।

युद्ध का इफेक्ट: पायलटों की हो रही है कमी

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** पहले पाकिस्तान का एयर स्पेस बंद होने और फिर इस्राइल-अमेरिका और ईरान युद्ध की वजह से लंदन, पैरिस और यूरोप जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइटों को और अधिक लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है। इस कारण एयर इंडिया के पास पायलटों की कमी होने लगी है। एयर इंडिया के पास पायलटों का जितना भी बफर था, धीरे-धीरे वह खत्म हो रहा है। एयर इंडिया ने डीजीसीए से पिछले साल नवंबर में लागू एफडीटीएल नियमों में छूट मांगी है। ताकि वह दिल्ली और मुंबई समेत भारत के विभिन्न इंटरनैशनल एयरपोर्ट से लॉन्ग रूट की फ्लाइटों को जारी रख सके।

वॉर से मुश्किल में निर्यातक, मदद पर केंद्र कर रहा विचार

Akhilesh.Singh1
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** पश्चिम एशिया में युद्ध के चलते निर्यातकों को हो रही मुश्किलों को देखते हुए सरकार माल भेजने की बीमा लागत वहन करने सहित मदद के कई उपायों पर विचार कर रही है। दूसरी ओर, देश के कुल निर्यात में 45% से ज्यादा योगदान देने वाले माइक्रो, स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज (MSME) के लिए वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में जो 8 घोषणाएं की गई थीं, उनमें से केवल 2 को अब तक लागू किया जा सका है। संसद की एक नई समिति ने इस पर चिंता जताई है।

AI Image

संसद में पेश की गई रिपोर्ट में समिति ने कहा है कि केवल MSME मिनिस्ट्री की अगुवाई वाली 2 योजनाएं लागू की जा सकी हैं, वहीं जिन 6 योजनाओं में यह मिनिस्ट्री सपोर्टिंग एजेंसी है, वे या तो ड्राफ्ट स्टेज पर हैं या अभी उन पर विभिन्न मंत्रालयों के बीच बातचीत ही चल रही है।

अमेरिका-ईरान युद्ध से हुई थी सबसे बड़ी गिरावट

रेकॉर्ड गिरावट के बाद क्या संभलेगा शेयर मार्केट?

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

ईरान पर अमेरिका और इस्राइल के हमले के बाद बने हालात में शेयर बाजार ने पिछले हफ्ते रिकॉर्ड गिरावट दर्ज की। निफ्टी 5.3% टूट गया, जो जून 2022 के बाद सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट है। ईरान से कच्चे तेल के निर्यात के प्रमुख केंद्र खार्ग द्वीप पर अमेरिकी हमले के बाद विशेषज्ञों का मानना है कि इस सप्ताह बाजार में और कमजोरी आ सकती है। उनका कहना है कि इस समय बड़े निवेश से बचना चाहिए। क्रूड ऑयल पहले ही 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच चुका है, जबकि जनवरी में इसकी कीमत करीब 65-66 डॉलर थी।

AI Image

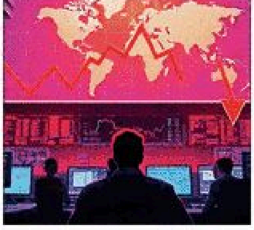

किधर जाएगा बाजार?

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के सीनियर टेक्निकल रिसर्च एनालिस्ट नागराज शेट्टी के अनुसार निफ्टी में 22900 के आसपास से कुछ उछाल देखने को मिल सकता है। ऐसा नहीं होने पर निफ्टी 22500 से 22000 के स्तर तक जा सकता है। फिलहाल 23500 का स्तर मजबूत रेजिस्टेंस माना जा रहा है। कोटक सिक्योरिटीज के वीपी अमोल अठावले के मुताबिक वीकली चार्ट पर लंबी बेयरिश कैंडल बनना बाजार के लिए नकारात्मक संकेत है। सेंसेक्स 73000 तक जा सकता है।

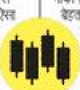

निवेशक क्या करें?

वेंचुरा के रिसर्च हेड विनीत बोलिंजकर का कहना है कि मौजूदा गिरावट रीबैलेंसिंग का मौका हो सकती है। चरणबद्ध निवेश करना बेहतर रहेगा। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के रिसर्च हेड विनोद नायर के अनुसार घरेलू खपत से जुड़े क्षेत्रों में चुनिंदा खरीदारी के अवसर बन सकते हैं। हालांकि क्रूड ऑयल की ऊंची कीमतों से ऊर्जा पर निर्भर क्षेत्रों पर दबाव बना रहेगा। बाजार में ठोस रिकवरी तभी आएगी, जब भू-राजनीतिक तनाव कम होगा और कच्चे तेल की कीमतों में स्थिरता दिखाई देगी।

होर्मुज पर ट्रंप को मिला ब्रिटेन का साथ

■ **एपी, दुबई:** ब्रिटेन के ऊर्जा सचिव एड मिलिबैंड ने कहा कि वे अपने सहयोगियों के साथ मिलकर होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे नहीं चाहते कि ईरान परमाणु ताकत बने, लेकिन जलमार्ग को सुरक्षित करना बहुत जरूरी है। वहीं, उम्मीद की जा रही है कि ट्रंप जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची से युद्धपोत भेजने की मांग कर सकते हैं। हालांकि, जापान में इस पर राय बंटी हुई है। कुछ सरकारी सूत्रों का कहना है कि जापान खुद फैसला लेगा।

नवभारत टाइम्स • विचार

नवभारत टाइम्स | नई दिल्ली | सोमवार, 16 मार्च 2026

लोकतंत्र केवल शासन की एक पद्धति नहीं है, यह मिल-जुलकर और समानता के साथ रहने की जीवन-पद्धति है।
- डॉ. बी.आर. आंबेडकर

आयोग की चुनौती

चार राज्यों – असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और एक केंद्र शासित पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव का ऐलान हो चुका है। कहने के लिए ये राज्यों के इलेक्शन हैं, लेकिन इनमें ही जितने मतदाता रजिस्टर्ड हैं, उतने पूरे अमेरिका में नहीं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बहुत गर्व के साथ बताया भी कि ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका, जर्मनी और कनाडा को मिलाकर करीब 17.4 करोड़ वोटर्स होते हैं। लेकिन, इस चुनाव में संख्या इतनी बड़ी चुनौती नहीं है।

5 राज्यों में चुनाव

SIR पर विवाद | CEC ने बताया कि आयोग ने सभी चुनावी राज्यों का दौरा कर तैयारी परखी है। उन्होंने Special Intensive Revision यानी SIR का जिक्र किया कि कोई भी पात्र मतदाता छूटना नहीं चाहिए और कोई भी अपात्र मतदाता सूची में शामिल नहीं होना चाहिए। हालांकि हकीकत यही है कि SIR शुरू होने के बाद से ही विवाद ज्यादा हुए हैं। पश्चिम बंगाल में खासकर आयोग और सत्ताधारी TMC के बीच टकराव देखने को मिला है।

बंगाल में टकराव | जब मुख्य चुनाव आयुक्त तैयारियों का जायजा लेने कोलकाता पहुंचे थे, तो उन्हें विरोध-प्रदर्शन का सामना करना पड़ा था। मतदाताओं के नाम काटने का आरोप लगाते हुए पिछले दिनों मुख्यमंत्री ममता बनर्जी धरने पर बैठी थीं। सुप्रीम कोर्ट के अपीलीय ट्रिब्यूनल बनाने के निर्देश के बाद उन्होंने धरना खत्म किया था। राज्य में SIR से लगभग 63.66 लाख नाम कटे हैं और 60 लाख से ज्यादा विचाराधीन हैं।

CEC के खिलाफ प्रस्ताव | चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर इस समय सबसे ज्यादा सवाल हैं। CEC ज्ञानेश कुमार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव से जाहिर है कि विपक्ष का भरोसा पूरी तरह से टूट चुका है। यह प्रस्ताव TMC की तरफ से लाया गया था और इस पर 193 सांसदों ने हस्ताक्षर किए। इसका मतलब, कम से कम इस मुद्दे पर विपक्ष एकजुट दिख रहा है। इसमें भी SIR का जिक्र है और यह भी आरोप कि CEC एक खास दल के हित में काम करते हैं। अब मसला यह नहीं है कि प्रस्ताव पास होता है या नहीं, महत्वपूर्ण यह है कि इन चुनावों के दौरान आयोग किस तरह से अपनी निष्पक्षता जाहिर करता है।

विवाद हित में नहीं | चुनाव में सभी को बराबर मौके मिलें और किसी के साथ पक्षपात न हो, यह आयोग की जिम्मेदारी है। संवैधानिक संस्था होने के नाते यह जरूरी हो जाता है कि आयोग की मंशा पर सवाल उठाने का किसी को मौका न मिले। कभी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन और कभी SIR जैसे विवाद आयोग के हित में नहीं है।

नश्तर

पेड़ मुस्कुरा रहा है

हवा नहीं चल रही थी। पेड़ फिर भी हिल रहा था। पेड़ पर बैठी चिड़िया मसला भांप गई। उसने पूछा, 'पेड़ तुम कांप क्यों रहे हो?' 'ये लोग मुझे काटने वाले हैं', पेड़ ने घबराते हुए कहा। 'इंसानों को गैस नहीं मिल रही। खाना बनाने के लिए उन्हें लकड़ियों की जरूरत है।' चिड़िया उड़ी और वापस आकर बोली, 'कुछ इंसान आ तो रहे हैं।' पेड़ को लगा आज उसके जीवन का आखिरी दिन है। उसने मन ही मन अपने देवता को याद किया। देवता ने पेड़ से कहा, 'घबराओ नहीं, मनुष्य की मूर्खता पर भरोसा रखो, कुछ नहीं होगा।'

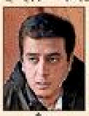

सौरभ श्रीवास्तव

चार-पांच लोग सामने से निकल गए, तो पेड़ ने राहत की सांस ली। वह अपनी डाल ऊंची करके देखने लगा कि आखिर ये लोग कर क्या रहे हैं? लोग थोड़ा आगे जाकर रुक गए। उन्होंने पास की नाली में पाइप डाला और उसे गैस चूल्हे से जोड़कर आग लगाने लगे। पेड़ और चिड़िया एक-दूसरे को देखकर खिलखिलाने लगे। लोगों ने कुछ देर कोशिश की और चले गए। थोड़ी देर बाद कुर्ता-पायजामा पहने दो लोग आए और पेड़ के नीचे बैठकर चाय पीने लगे।

उनके सामने से एक बुजुर्गवार गुजरे। उन्होंने ललचाई नजरों से चाय का कप देखा और नेतानुमा व्यक्ति से पूछा, 'आपको रसोई गैस मिल गई क्या, जो चाय बनाकर पी रहे हैं?' जवाब मिला, 'चाय बनाने के लिए रसोई गैस की जरूरत नहीं होती। नाले की गैस से चाय बनाई जा सकती है।' दूसरे कुर्ताधारी ने पहले को घूरा और बुदबुदाया, 'उस गैस से चूल्हा तो जला नहीं था।' पहले ने कहा, 'यह हम जानते हैं, इसे क्या पता।' बुजुर्ग ने कहा, 'नाले की गैस से चाय बनाने का क्या तरीका है, मुझे भी बता दीजिए।' नेतानुमा व्यक्ति ने उनका वट्सऐप नंबर लिया और ढेर सारे मेसेज फारवर्ड किए। तब से वह बुजुर्ग पेड़ के नीचे बैठे फोन देख रहे हैं। उन्हें गैस, चाय, किसी चीज की जरूरत नहीं। पेड़ और चिड़िया उन्हें देखकर मुस्कुरा रहे हैं।

एकदा

संकलन : मुकेश भट्ट

कविता का सम्मान

गुजराती साहित्य के इतिहास में नानालाल दलपतराम कवि का नाम बड़े सम्मान से लिया जाता है। उनका जन्म 16 मार्च 1877 को अहमदाबाद में हुआ था। युवावस्था में ही उनकी प्रतिभा निखर आई थी। उनकी प्रसिद्ध काव्य रचना 'वसंतोत्सव' प्रकृति, प्रेम और सौंदर्य की मधुर अभिव्यक्ति के लिए जानी जाती है। उन्होंने संस्कृत के महान कवि कालिदास की कृतियों 'अभिज्ञानशाकुंतलम्' और 'मेघदूत' का गुजराती में अनुवाद किया। साथ ही भगवद्गीता और कई उपनिषदों को भी गुजराती पाठकों के लिए सुलभ बनाया। एक बार उन्हें बड़ौदा स्टेट की गायकवाड़ रियासत के दरबार में आमंत्रित किया गया। दरबार में उनसे राजा की प्रशंसा में कविता सुनाने को कहा गया। उस समय यह सामान्य परंपरा थी। नानालाल ने विनम्रता से उत्तर दिया कि कविता केवल किसी को प्रसन्न करने के लिए नहीं, बल्कि सत्य और सौंदर्य की अभिव्यक्ति के लिए होती है। यदि कवि केवल प्रशंसा के लिए लिखे, तो उसकी रचना का मूल्य घट जाता है। दरबार में क्षणभर के लिए सन्नाटा छा गया। यह घटना हमें सिखाती है कि सच्ची प्रतिभा वही है, जो सत्य और स्वाभिमान के साथ खड़ी रह सके।

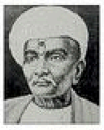

RSP ने चुनावी राजनीति में जैसी परिपक्वता दिखाई, वैसी प्रशासन में भी चाहिए

नेपाल को कितना बदल पाएंगे बालेन

चंद्रभूषण

नेपाल की संसदीय राजनीति में पहली बार किसी पार्टी को अकेले दम पर प्रचंड बहुमत प्राप्त हुआ है। इससे कम से कम राजनीतिक अस्थिरता की समस्या तो हल हुई। चौतरफा लहर खड़ी करके चुनाव जीतने वाली राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (RSP) चार साल पुरानी है। पॉपुलर कल्चर से जुड़े उसके नेता रबि लमिछाने 2022 के संसदीय चुनाव में इतनी सीटें ला चुके थे कि तब से लेकर इस चुनाव के पहले तक बनी चार में से तीन सरकारों में किसी न किसी रूप में उनकी हिस्सेदारी रही। लेकिन, तब की RSP से अभी की पूर्ण बहुमत वाली RSP अपने स्वरूप में बहुत अलग है।

बेदाग छवि | दुनिया भर के लोकतांत्रिक दायरे में यह विरला ही मौका था, जब हिम्मत करके एक छोटे राजनीतिक दल ने भारी तोड़फोड़ वाले युवा आंदोलन का फायदा उठाने के लिए खुद को पूरी तरह खोल दिया। और तो और, प्रधानमंत्री पद के लिए काठमांडू के मेयर बालेन शाह जैसे व्यक्ति को आगे किया, जिसकी नेपाली राजनीति में अभी तक बेदाग छवि है और किसी स्थापित राजनीतिक दल से जिसका जुड़ाव नहीं माना जाता। सिर्फ एक ही बात बालेन और लमिछाने में साझा है कि दोनों का जुड़ाव पॉपुलर कल्चर से रहा है और जेन जी उनके स्टेज परफॉर्मेंसेज की रील्स देखती रही है।

लोकतंत्र बनाम राजशाही | इंटरनेट उपलब्धता को लेकर Gen Z के आंदोलन से ठीक पहले तक राजतंत्र समर्थक ताकतें सक्रिय थीं। तब संदेह हो रहा था कि सियासी पार्टियों से हो रहे मोहभंग का फायदा उठाकर कहीं राजशाही दोबारा कब्जा न जमा ले। लेकिन, नेपाली जनता लोकतंत्र के रास्ते पर आगे बढ़ गई है, राजा के लिए करने को वहां कुछ नहीं है।

युद्ध का असर | असंतोष का दूसरा मामला जनता के स्तर पर लिए गए कर्जों की अदायगी का था। नेपाल में ब्याज दरें भारत से ज्यादा हैं। कुर्की-जब्ती की खबरें लोगों को विचलित करने लगी थीं। तत्काल दो बड़े मामले महंगाई और बेरोजगारी के हैं, जिनका संबंध खाड़ी की लड़ाई से है। फ्यूल की किल्लत नेपाल के लिए बहुत बड़ी विपत्ति है। विदेशी मुद्रा का बड़ा हिस्सा खाड़ी क्षेत्र में काम करने वाले नेपालियों की कमाई से आता है। RSP सरकार को इस मसले से बड़े एहतियात के साथ निपटना होगा। एक आफत भारत और चीन के बीच संतुलन बनाने की हमेशा ही रहती है। गनीमत है कि अभी दोनों ताकतवर पड़ोसियों के बीच कोई तनाव नहीं चल रहा है। बात सिर्फ अच्छी सिग्नलिंग की है, जो बालेन कर सकते हैं।

सिस्टम में सुधार | यहां से आगे की समस्याएं गहरी हैं और दुर्भाग्यवश, पिछले 35 साल की चुनावी संस्कृति में उन पर ठीक से विचार भी नहीं किया जा सका है। व्यवस्थित नौकरशाही, कानून का राज सुनिश्चित करने वाली न्यायपालिका और उद्यम-व्यापार खड़ा करने के एक न्यूनतम ढांचे की कमी है। इसका समाधान रातों रात नहीं होगा, लेकिन बालेन शुरुआत कर सकते हैं।

रोजगार संकट | अभी तक हालत यह रही है कि राजशाही विरोधी आंदोलन में बड़े-बड़े कद हासिल कर लेने वाले नेपाली राजनेता सबसे पहले अपनी कुर्सी और ओहदा बचाए रखने की फिक्र करते रहे हैं। फिर उनका ध्यान राष्ट्रीय आमदनी के जरिये के रूप में तीन पुराने स्रोतों (और उसमें भी अपने हिस्से) पर जाता रहा है। ये हैं :

1. विदेशी सहायता, जिसमें पश्चिमी NGO, चीन और भारत से मिलने वाली राष्ट्रीय मदद और वर्ल्ड बैंक-IMF जैसी संस्थाओं से लिया जाने वाला कर्ज शामिल है।
2. बाहर काम करने गए नेपाली कामगारों का भेजा हुआ पैसा।
3. टूरिज्म से होने वाली आमदनी।

इन वित्तीय स्रोतों के साथ एक बड़ी उलझन यह है कि इनसे संगठित रोजगार नहीं खड़ा होता।

जनता की उम्मीदें | जब तक नेपाल का समाज सूचनाओं से कटा हुआ था, प्रकृति से जूझने वाली एक आत्मनिर्भर पहाड़ी आत्मसंतुष्टि उसमें बनी रहती थी। लेकिन, अभी एक नेपाली युवा को वह सब चाहिए, जो दुनिया में कहीं भी उसके जैसे लोगों को मिल रहा है। RSP ने अपने चुनावी घोषणापत्र में 7% सालाना ग्रोथ रेट के साथ अगले पांच वर्षों में नेपाल को 100 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बना देने का वादा किया है। इसके आसपास भी जाने के लिए बहुत बड़ी पूंजी की जरूरत पड़ेगी, जो नेपाल की तरफ तभी आएगी, जब उसको यहां अपने लिए ग्रोथ की कोई संभावना दिखेगी। बल्कि, उससे पहले डूब जाने का कोई खतरा नहीं नजर आएगा। आशा है कि जैसी प्रौढ़ता बालेन शाह और रबि लमिछाने ने राजनीति में दिखाई है, वैसी ही वे अधिक बुनियादी मामलों में भी दिखाएंगे।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

आपको देखते ही चमक उठती है फोटोकॉपी मशीन

जीवन आनंद

शैलेंद्र पांडेय

AI Image

छपे हुए को छापना आसान है, पर किसी के लिखे हुए को हूबहू उसी की हैंडराइटिंग में दूसरे कागज पर उतार देना... चेस्टर कार्लसन ने जब फोटोकॉपी का अविष्कार किया तो यह किसी चमत्कार से कम नहीं था। जेरॉक्स नाम तो उसे बाद में मिला, जब इसी नाम की एक कंपनी ने इसका कमर्शल इस्तेमाल शुरू किया। आज बड़े-बड़े नोट्स और मोटी किताबें मोबाइल में समा जा रही हैं, और जब इमेज व ऑडियो से भी टेक्स्ट निकाल लेने वाले सॉफ्टवेयर इंटरनेट पर फ्री में मिल रहे हैं, तब जेरॉक्स मशीनें बहुत पुरानी तकनीक लगती हैं, लेकिन इनका चमत्कार आज भी वैसा ही है।

टेक्नॉलजी के साथ ये मशीनें भी ज्यादा अडवांस्ड हुई हैं, पर पुरानी आदत की तरह कुछ बातें हैं, जो अब भी पहले जैसी हैं। काम मिलते ही पहले मशीन का प्रिंट एरिया चमकता है, मानो आंखों में चमक आ गई हो। फिर आती है एक आवाज, जो बताती है कि मशीन जाग चुकी है। जिस डॉक्युमेंट की फोटोकॉपी करनी होती है, उसे प्रिंट एरिया में रखकर कवर करना पड़ता है। ऐसा लगता है कि जमाना इतना खुलने के बाद भी मशीन ने अपनी परंपराओं को नहीं छोड़ा, उसे आड़ चाहिए या फिर कोई सीक्रेट है उसका जिसे वह किसी को बताना नहीं चाहती। कवर के नीचे फिर एक रोशनी कौंधती है, जो कहती है कि तसल्ली रखिए, काम जारी है। डॉक्युमेंट स्कैन होते समय की खरखराहट और फिर पेपर ट्रे से कागज के सरक कर बाहर आने की आवाज... एकदम गरमागरम डिलिवरी मिलती है।

स्कूल-कॉलेज से लेकर ऑफिसों तक, जहां नोट्स हैं, फाइलें हैं, वहां जेरॉक्स मशीनें जरूर होंगी। न जाने इन्होंने कितने घंटे बचाए हैं, जो फिर लिखने में जाते। आपके पास भी इनकी कोई याद जरूर होगी, खासतौर पर एग्जाम सीजन में इनकी दुकानों पर लगी कतार की।

अगर रेकॉर्ड रखने की आदत होती इन मशीनों को, तो हरेक के पास कहानियों का मोटा-मोटा पुलिंदा होता। लेकिन, इन्हें दूसरों के राज में झांकने की आदत कहां! कितनी भी गोपनीय फाइल हो और कितना भी जरूरी दस्तावेज, इनका तटस्थ भाव नहीं बदलता।

दशकों से कर्मचारियों की सहयोगी और बॉस लोगों की राजदार हैं जेरॉक्स मशीनें। जिन कागजों को सबसे छिपाया जाता है, उन्हें भी बहुत भरोसे के साथ इन मशीनों को सौंप दिया जाता है। इतनी महत्वपूर्ण होने के बाद भी इन्हें दिया जाता है कोई अकेला कोना, जहां ये गुमसुम बैठी रहती हैं किसी काम के इंतजार में। इसके बाद भी कोई शिकायत नहीं है इन्हें। हालात से शिकायत करने का फायदा भी क्या! इन्हें बस इतना चाहिए कि कोई आए और बटन दबाए। आपने ऑर्डर दिया कि नहीं, इनकी आंखें फिर चमक उठेंगी, नींद टूट जाएगी।

THE SPEAKING TREE
और पढ़ने के लिए देखें
www.speakingtree.nbt.in

असफलताओं पर ही सोच अटकी रही, तो आगे कैसे बढ़ेंगे

देवेंद्रराज सुथार

जिंदगी अपनी ही लय में चलती है, लेकिन बदलती परिस्थितियों को लेकर हम बेचैन हो जाते हैं। यही बेचैनी धीरे-धीरे हमारे मन की ऊर्जा को खा जाती है और सोच को धुंधला कर देती है। और हमारा ध्यान केवल उन चीजों पर टिक जाता है, जो हमारे नियंत्रण में नहीं। फिर हम वर्तमान से कटने लगते हैं। ऐसे में आध्यात्मिक साधना हमें नई राह दिखाती है।

जीवन का हर अनुभव, चाहे वह सुखद हो या कठिन, एक सीख लेकर आता है। लेकिन जब हम किसी घटना को दबाने, उससे भागने या उसका दोष किसी और पर मढ़ने लगते हैं, तो भीतर असंतोष और अवसाद पनपने लगता है। मन की हलचल बढ़ती है, निर्णय कमजोर पड़ते हैं और सच्चाई को देखने की क्षमता कम हो जाती है। इसके विपरीत, जब हम मानसिक चंचलता से थोड़ा अलग होकर स्थिति को समझने का प्रयास करते हैं, तो मन साफ होने लगता है और अनुभव हमें परिपक्व बनाते हैं।

AI Image

जीवन की गहराई तब समझ में आती है, जब अपने दायरे की पहचान होती है। असुविधा, असफलता या कठिनाई जीवन का स्वाभाविक हिस्सा है। वे हमें नुकसान नहीं पहुंचाते, लेकिन उन पर लगातार अटके रहना हमारी सोच को सीमित कर देता है। वास्तविक शक्ति हमारे भीतर के संतुलन और समझ में छिपी है। यही संतुलन मानसिक स्वतंत्रता देता है।

चुनौतियां और असंतोष जीवन के साथ चलते हैं, पर उनका प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि हम उन्हें कैसे देखते हैं। जब हम अपनी भावनाओं को समझना और संभालना सीखते हैं, तो हमारे निर्णय अधिक स्थिर और स्पष्ट हो जाते हैं। तब जीवन की गति भी संतुलित महसूस होने लगती है। यदि हमारी ऊर्जा शिकायत करने और दूसरों पर दोष लगाने में ही खर्च होती रहे, तो मन धीरे-धीरे बोझिल और अशांत हो जाता है। और जीवन ठहर सा जाता है। लेकिन जब वही ऊर्जा हम विचार, आत्मनिरीक्षण और सही दिशा में प्रयास करने में लगाते हैं, तो समाधान के रास्ते दिखाई देने लगते हैं।

कांटे की बात

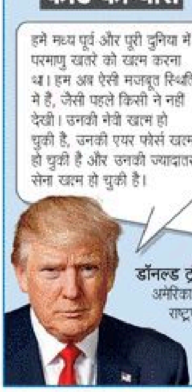

डॉनल्ड ट्रंप, अमेरिका के राष्ट्रपति

मेटाबॉलिक बीमारियों का हॉटस्पॉट बन रहा भारत

ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज (GBD) की नई स्टडी के मुताबिक, दुनिया में मोटापा तेजी से बढ़ती स्वास्थ्य चुनौती बन चुका है। भारत में मोटापा, डायबिटीज और अन्य मेटाबॉलिक बीमारियों के मामले खतरनाक ढंग से बढ़ रहे हैं।

डेटा Window

प्रस्तुति- अभिषेक मिश्र

जनता जंक्शन

इरफान

जब ईरान को इस्त्राइल ने बेचे हथियार

मृत्युंजय राय

इस्त्राइल और ईरान के रिश्तों को समझने के लिए ट्रिटा पारसी (Trita Parsi) की किताब 'Treacherous Alliance' पढ़नी चाहिए। इसमें ट्रिटा बताते हैं कि कभी ये मुल्क परदे के पीछे दोस्त हुआ करते थे। वहां से किस तरह से दोनों के संबंधों में तल्खी आई और फिर दोनों के बीच युद्ध भी हुए। अभी अमेरिका के साथ मिलकर इस्त्राइल एक और युद्ध ईरान के खिलाफ लड़ रहा है।

ट्रिटा ने इस किताब को लिखने के लिए इस्त्राइल, ईरान और अमेरिका के कई शीर्ष अधिकारियों से बात की है। वह बताते हैं कि बाहर से भले ही यह आइडियोलॉजिकल वॉर लगे, लेकिन यह सच नहीं है। दोनों देशों के संबंध भू-राजनीति और राष्ट्रीय हितों से निर्देशित होते रहे हैं।

किताब में बताया गया है कि जब ईरान में शाह मोहम्मद रेजा पहलवी की सत्ता थी, तब इस्त्राइल और ईरान काफी करीब थे। तब दोनों ने इराक और इजिप्ट जैसे देशों के खिलाफ हाथ मिलाया था। मोसाद और ईरान की खुफिया एजेंसी SAVAK इस क्षेत्र में आ रहे सोवियत संघ के हथियारों के बारे में आपस में सूचनाएं साझा करती थीं। यही नहीं, इस्त्राइल तब ईरान से तेल खरीदता था और उसके बदले उसे हथियार देता था और कृषि क्षेत्र में भी उनकी मदद करता था। 1973 में जब अरब देशों ने तेल की बिक्री रोकी थी, तब इस्त्राइल के लिए ईरान इसका अहम जरिया था। ट्रिटा के मुताबिक, दोनों ने उस दौर में प्रॉजेक्ट फ्लावर नाम से मिलकर मिसाइल बनाने की योजना भी शुरू की थी। उनका कहना है कि इसकी वजह भी थी। इस्त्राइल अरब देशों के बीच यहूदियों का मुल्क होने की वजह से अलग-थलग था, जबकि ईरान ऐसा गैर-अरब मुल्क था जो ताकतवर था।

मगर यह दोस्ती 1979 में ईरान में इस्लामिक क्रांति के बाद टूट गई। तब शाह को पद छोड़ना पड़ा और अयातुल्लाह खुमैनी ईरान के सुप्रीम लीडर बने। खुमैनी ने इस्त्राइल को 'छोटा शैतान' घोषित किया, जबकि अमेरिका उनके लिए 'बड़ा शैतान' था। हालांकि, इस्लामिक रिपब्लिक बनने के बाद भी ईरान और इस्त्राइल के रिश्ते पूरी तरह खत्म नहीं हुए थे। ट्रिटा लिखते हैं कि 1980-88 के बीच जब ईरान का इराक के साथ युद्ध चल रहा था, तब इस्त्राइल ने गुपचुप तरीके से ईरान को 50 करोड़ डॉलर के हथियार बेचे थे। इनमें अमेरिका में बने F-4 लड़ाकू विमानों के कलपुर्जे भी शामिल थे। दरअसल, उस वक्त इस्त्राइल को सद्दाम हुसैन कहीं ज्यादा खतरनाक लगते थे।

विचार विंडो

ट्रिटा का यह भी मानना है कि अमेरिकी नीतियों की वजह से भी ईरान का अलगाव और उससे दुश्मनी बढ़ी। उन्होंने लिखा है कि 9/11 के आतंकवादी हमलों के बाद ईरान ने अल कायदा के बारे में सूचना देने की पेशकश की थी। उसने परमाणु हथियार बनाने को लेकर पश्चिम और इस्त्राइल की चिंता दूर करने का प्रस्ताव दिया था। लेकिन तब अमेरिका में जॉर्ज बुश की सरकार थी और उसने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया।

किताब में बताया गया है कि बुश सरकार में ईरान विरोधी और इस्त्राइल समर्थकों की मजबूत पकड़ थी। ट्रिटा लिखते हैं कि इस्त्राइल की अमेरिका के साथ लॉबिंग की वजह से ईरान को ऐसा खतरा बताया जाने लगा, जिसे खत्म करना जरूरी था। 2002 में बुश ने दुष्ट देशों में ईरान का नाम भी लिया था। इससे इस्लामिक रिपब्लिक की दूरी उससे और बढ़ी। इसके बाद उसने परमाणु हथियार बनाने के बारे में गंभीरता से प्रयास करने शुरू किए, लेकिन वह अभी तक इसमें कामयाब नहीं हो पाया है।

किताब में यह भी लिखा गया है कि शीत युद्ध खत्म होने के बाद ईरान का अलगाव और बढ़ा। कुल मिलाकर, इस किताब में यह स्पष्ट किया गया है कि इस्त्राइल और ईरान के बीच अदावत की वजह धर्म नहीं है बल्कि इसके पीछे भू-राजनैतिक समेत कई कारण हैं।

रीडर्स मेल
www.edit.nbt.in

संघर्ष और हिंसा रुके

14 मार्च का संपादकीय 'एक युद्ध यह भी' पढ़ा। जब दुनिया का ध्यान अमेरिका, इस्त्राइल और ईरान के तनाव पर है, उसी समय अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच संघर्ष बढ़ रहा है। पाकिस्तान के हवाई हमलों से अफगान क्षेत्रों में हालात खराब हो रहे हैं। इन टकरावों का सबसे ज्यादा नुकसान वहां के आम लोगों को हो रहा है, खासकर महिलाओं और बच्चों को। गरीबी और बेरोजगारी के कारण डूरंड रेखा के आसपास रहने वाले लाचार और मजबूर लोगों की मुश्किलें और भी बढ़ गई हैं। ऐसे में विश्व बिरादरी को इस तरफ ध्यान देना चाहिए कि हिंसा रुके और लोगों की जान बचाई जा सके।

प्रबुद्ध रावत, ईमेल से

nbtedit@timesofindia.com पर अपनी राय नाम-पते के साथ मेल करें।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 16-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH11 User: cci Time: 03-15-2026 23:03 Color:

नवभारत टाइम्स NBT Delhi Times OF INDIA masala mix
MONDAY, MARCH 16, 2026 ADVERTORIAL, ENTERTAINMENT, PROMOTIONAL FEATURE

Photos: Kaushik Naik

TESSERACT: एक शानदार-भव्य शो

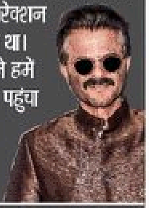

शो की हर चीज बेहद रोमांचक थी। इसका साउंड, संगीत, कोरियोग्राफी और डायरेक्शन बेहतरीन था। इस शो ने हमें अतीत में पहुंचा दिया। -अनिल कपूर

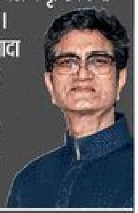

शो इतना विशाल था कि आप 'सच' के विचार को अलग दृष्टिकोण से देखते है। 100 से ज्यादा डांसर्स संग तालमेल कमाल का है। -प्रसून जोशी

मुझे खुशी है कि इस तरह की पहल से थिएटर और नाटक को लगातार बढ़ावा मिल रहा है। सचमुच कुछ खास अनुभव किया है। -सुभाष घई

यह बेहद खूबसूरत प्रस्तुति है। आपको इस शो को दूसरी बार भी देखना चाहिए और हर बार आपको इसमें कुछ नया मिलेगा। -मंदिरा बेदी

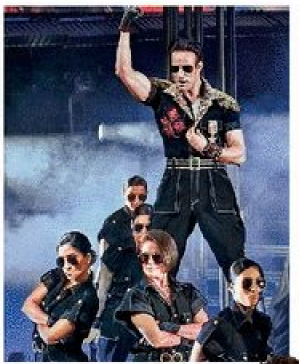

द टाइम्स ऑफ इंडिया की तरफ से पेश किए गए शो 'टेसरैक्ट – द ज्योमेट्री ऑफ ट्रुथ',(Tesseract – The Geometry of Truth) ने हर किसी का दिल जीत लिया है। पिछले कुछ सालों में मंच पर दिखाए गए तमाम भव्य और बेहतरीन शोज में से यह एक बन गया है। टाइम्स और ET Evoke की संस्थापक मीरा जैन द्वारा तैयार किए गए इस कॉन्सेप्ट को श्यामक डावर ने डायरेक्ट और कोरियोग्राफ किया है। 13 मार्च को हुए शो के प्रीमियर के बाद कला और थिएटर के प्रेमियों ने इस शो को बेहद पसंद किया है। सबसे पहले इस शो को देखने वालों ने इसकी खूब सराहना की।

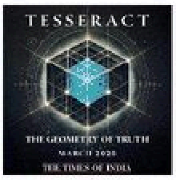

भारत में ज्यादातर हमें ऐसे अनुभव नहीं मिलते। इसे देखते हुए ऐसा लगा, मानो हम उन ऐतिहासिक पलों को फिर से जी रहे हों, जिनके बारे में हमने सिर्फ सुना था। -तापसी पन्नू

'टेसरैक्ट- द ज्योमेट्री ऑफ ट्रुथ' शो नेशनल सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स (NCPA) मुंबई में 22 मार्च तक देख सकते हैं। टिकट बुक माय शो पर उपलब्ध हैं।

श्यामक की कोरियोग्राफी जबरदस्त है। मैं जब छोटी थी, तब से ही उनका काम देखती आ रही हूं। -हुमा कुरैशी

NBT कम्युनिटी कनेक्ट

देहरियों पर डाले गए फूल, घर-घर मना फूलदेई का त्योहार

Poonam.Bisht
@timesofindia.com

■ उत्तराखंडी समाज में यूं तो हर संक्रांति खास होती है मगर चैत्र माह की संक्रांति को सबसे विशेष माना जाता है। कारण कि बसंत के आगमन के साथ प्रकृति की गोद इस मौसम में फूलों से भर जाती है और इसी कारण चैत्र की संक्रांति को फूलदेई का त्योहार मनाया जाता है। फूलदेई को उत्तराखंड में कहीं इसी नाम से तो कहीं फूल संक्रांति के नाम से भी जाना जाता है।

इस बार दिल्ली में उत्तराखंडी समाज ने फूल संक्रांति का त्योहार 15 मार्च को मनाया। हालांकि पंचांग के अंतर की वजह से कुछ जगहों पर 14 मार्च को भी यह मनाया गया। उत्तराखंड में कई घरों या इलाकों में चैत्र के पूरे माह देहरी पर फूल डालने का सिलसिला चलता है, जिसका समापन बिखौती के दिन होता है। इस बार 14 अप्रैल को बिखौती (बैसाखी) का दिन पड़ेगा।

बता दें कि फूलदेई के लिए गेंदा, गुलाब के अलावा खासतौर पर फ्योंली के पीले फूल चुने जाते हैं। असल में फूलदेई या फूल संक्रांति का यह त्योहार बच्चों और प्रकृति को जोड़ने का काम करता है। जिन घरों में छोटे बच्चे होते हैं, वे देहरी पर फूल डालने के लिए अपनी डलिया में जगह-जगह से ताजा फूल चुनकर लाते हैं और सुबह-सुबह घर-घर जाकर ये फूल लोगों की देहरी पर डालते हैं। पहाड़ों की इस विरासत को अब दिल्ली में भी अनेक संस्थाएं आगे बढ़ा रही हैं।

नजफगढ़ के धर्मपुरा में पर्वतीय होली संघ कीर्तन मंडल ने इस बार 14 मार्च को फूलदेई का त्योहार मनाया। आयोजन से जुड़े प्रदीप रावत खुदेड़ बताते हैं, हमने इलाके के 15-20 बच्चों को साथ लेकर मंदिर गए और वहां से फ्योंली के गीत गाते हुए लोगों की देहरियों पर फूल डाले। इस आयोजन की पहल ललित बिष्ट और गुड्डी सुन्द्रियाल की ओर से की गई। इसी तरह बुराड़ी क्षेत्र में इस बार फूलदेई पर उत्तराखंड सांस्कृतिक मंच, बुराड़ी की ओर से विशेष पदयात्रा निकाली गई जिसमें बच्चों, मातृशक्ति और बुजुर्गों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के अंतर्गत उत्तराखंड पार्ट-2, पार्ट-1, समृद्धि, 5 किला, कौशिक, शास्त्री पार्क एक्सटेंशन (डी-ब्लॉक, सी-ब्लॉक, ए-ब्लॉक, बी-ब्लॉक), प्रदीप विहार, फूल बाग सहित कई कॉलोनियों में पारंपरिक अंदाज में फूलदेई पर्व की खुशियां बांटी।

1. घर-घर जाकर अर्पित किए फूल
2. बच्चों ने थामी फूलों से भरी टोकरी
3. पारंपरिक अंदाज में मनाया फूलदेई

नवरात्र की रात को गूंजेंगे होली और चौपाई के सुर

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

सनातन धर्म के हिंदू नववर्ष विक्रम संवत 2083 और चैत्र मास की प्रथम नवरात्रि के अवसर पर दिल्ली के फतेहपुर बेरी क्षेत्र में सांस्कृतिक आयोजन किया जाएगा। 20 मार्च को रात 8 बजे से चौपाल बड़ा चौक, मोहल्ला कठिया में होली/चौपाई गायन प्रतियोगिता आयोजित होगी।

इस कार्यक्रम में अलग-अलग क्षेत्रों से आने वाली मंडलियां और कलाकार पारंपरिक होली और चौपाई गायन प्रस्तुत करेंगे। आयोजन का उद्देश्य धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं को बढ़ावा देना और स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना है। प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों के लिए आकर्षक पुरस्कार भी रखे गए हैं।

आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 71,000 रुपये, द्वितीय पुरस्कार 51,000 रुपये और तृतीय पुरस्कार 31,000 रुपये निर्धारित किया गया है। कार्यक्रम का आयोजन दादा धन्ना धार्मिक एवं सर्वसमाज सेवा समिति असोला-फतेहपुर बेरी की ओर से किया जा रहा है।

स्थानीय लोगों से बड़ी संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर कलाकारों का उत्साह बढ़ाने की अपील की गई है। साथ ही, जो लोग कार्यक्रम स्थल तक नहीं पहुंच पाएंगे, उनके लिए इसका लाइव प्रसारण 'किन्नी टाइम्स' के यूट्यूब और फेसबुक प्लेटफॉर्म पर भी किया जाएगा। आयोजकों का कहना है कि इस तरह के आयोजन समाज में सांस्कृतिक जुड़ाव और धार्मिक उत्साह को मजबूत करते हैं।

AI Image

- फतेहपुर बेरी में कलाकार दिखाएंगे अपनी प्रतिभा
- प्रतियोगिता में विजेताओं के लिए रखे गए नकद इनाम
- यूट्यूब और फेसबुक पर भी होगा कार्यक्रम का लाइव प्रसारण

लोक गायक दीवान कनवाल को दी श्रद्धांजलि

Poonam.Bisht
@timesofindia.com

■ **लोक गायन** की अपनी शैली और मंच पर भावपूर्ण अभिनय से दर्शकों को दीवाना बना देने वाले उत्तराखंड के लोक गायक और कलाकार दीवान कनवाल का बुधवार को असमय निधन हो गया है। वह 66 वर्ष के थे और उत्तराखंड के हल्द्वानी में इलाज करवा रहे थे।

उनके करीबी सीएम पपनै ने बताया कि दीवान कनवाल दिल्ली-एनसीआर के साथ-साथ पहाड़ों पर रहकर भी लोक संस्कृति के संवर्द्धन के लिए कई काम कर रहे थे। वे पर्वतीय कला केंद्र दिल्ली से बीते चार दशकों से जुड़े थे। पर्वतीय अंचल की लोकगायन विधा में तो निपुण थे। मूल रूप से अल्मोड़ा खत्याड़ी गांव निवासी दीवान कनवाल ने बचपन में गांव में होने वाली रामलीला के जरिए मंच से जुड़े। बारहवीं कक्षा में पढ़ने के दौरान ही आकाशवाणी नजीबाबाद से वर्ष 1980 में उन्हें पहली बार लोकगीत गायन का अवसर मिला था। रोजगार की तलाश में वह 1984 में दिल्ली आए और यहां नौकरी करते हुए उनका परिचय सांस्कृतिक संस्था 'पर्वतीय कला केंद्र' से हुआ। उन्होंने केंद्र के साथ मिलकर गीत नाट्य 'महाभारत' और 'भाना गंगनाथ' में गायन और अभिनय किया। 1984 में बनी पहली आंचलिक कुमाऊंनी फीचर फिल्म 'मेघा आ' में उन्होंने गीत गाए। स्वर्गीय दीवान कनवाल की स्मृति में बीते शनिवार को उत्तराखंड सदन में श्रद्धांजलि सभा का भी आयोजन किया गया। इस श्रद्धांजलि सभा का आयोजन महाकौथिग की टीम तथा कुमाऊंनी भाषा, साहित्य एवं सांस्कृतिक समिति द्वारा किया गया। आयोजन से जुड़े सुरेंद्र हलसी ने बताया कि सभा में उत्तराखंड की संस्कृति, भाषा, साहित्य और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े अनेक लोगों ने उपस्थित होकर दिवंगत लोकगायक को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके योगदान को याद किया।

इस अवसर पर संगीतकार राजेन्द्र चौहान, सामाजिक कार्यकर्ता सुरेंद्र हालसी, लोक गायिका कल्पना चौहान, वरिष्ठ साहित्यकार पूरन चंद्र कांडपाल, रमेश घिंडियाल, बहादुर सिंह बिष्ट, वरिष्ठ रंगकर्मी के.एन. पांडे, भोपाल सिंह रावत, जगदीश तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार चारू तिवारी, दीप सिलोड़ी, हरीश असवाल, मनोज आर्य, सुबोध थपलियाल, भुवन रावत सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

'हिम मिलन' आयोजित

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्लीः दिल्ली यूनिवर्सिटी के अलग-अलग कॉलेजों में पढ़ रहे हिमाचल प्रदेश के छात्रों ने डॉ आंबेडकर इंटरनैशनल सेंटर में 'राज्य समावेश संवाद' के तहत 'हिम मिलन' समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर मुख्य अतिथि रहे, जबकि हिमाचल के प्रधान आवासीय आयुक्त अजय कुमार यादव विशिष्ट अतिथि रहे।

NBT जन्मदिन मुबारक

आप भी भेज सकते हैं देश की जानी-मानी हस्तियों को जन्मदिन की बधाई। बस इस QR कोड को स्कैन करें और विश करें।

HAPPY BIRTHDAY HAPPY BIRTHDAY

16 मार्च

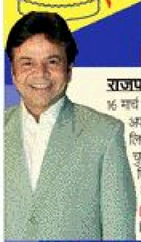

राजपाल यादव
16 मार्च 1971 को जन्मे राजपाल यादव अपनी बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग के लिए मशहूर हैं। उन्होंने 'हंगामा', 'चुप चुप के' और 'भूल भुलैया' जैसी फिल्मों में यादगार किरदार निभाकर दर्शकों को खूब हंसाया है।
@rajpalofficial
@rajpalofficial

17 मार्च

साइना नेहवाल
17 मार्च 1990 को जन्मी साइना नेहवाल भारत की दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी हैं। वे पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 रह चुकी हैं और उन्होंने 2012 लंदन ओलिंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर इतिहास रचा था।
@nehwalsaina @NSaina

18 मार्च

रत्ना पाठक शाह
18 मार्च 1957 को जन्मीं रत्ना पाठक शाह थिएटर और फिल्मों की शानदार अभिनेत्री हैं। टीवी शो 'साराभाई वर्सेस साराभाई' में 'माया साराभाई' का उनका किरदार आइकॉनिक है। उन्होंने 'जाने तू... या जाने ना', 'गोलमाल 3' जैसी फिल्में की हैं।
@ratnapathak.s

19 मार्च

तनुश्री दत्ता
19 मार्च 1984 को जन्मीं तनुश्री दत्ता पूर्व बॉलिवुड अभिनेत्री और मॉडल हैं। 2004 में 'फेमिना मिस इंडिया यूनिवर्स' का ताज जीतने के बाद उन्होंने 'आशिक बनाया आपने' से डेब्यू किया था। वे भारत में #MeToo मूवमेंट की शुरुआत करने के लिए भी चर्चा में रही थीं।
@iamtanushreeduttaofficial

20 मार्च

अलका याज्ञनिक
20 मार्च 1966 को जन्मीं अलका याज्ञनिक 90 और 2000 के दशक की सबसे मशहूर प्लेबैक सिंगर हैं। दो बार नैशनल अवॉर्ड और 7 फिल्मफेयर जीत चुकीं अलका का नाम दुनिया में सबसे ज्यादा स्ट्रीम की जाने वाली (सुनी जाने वाली) सिंगर के तौर पर गिनीज बुक में भी दर्ज हो चुका है।
@therealalkayagnik
@thealkayagnik

मदन लाल
20 मार्च 1951 को जन्मे मदन लाल भारत के पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर क्रिकेटर हैं। वे 1983 में कपिल देव की कप्तानी में पहली बार वर्ल्ड कप जीतने वाली ऐतिहासिक भारतीय टीम का अहम हिस्सा थे। 1983 के वर्ल्ड कप फाइनल में वेस्टइंडीज के खिलाफ उनकी गेंदबाजी को आज भी याद किया जाता है। उन्होंने सर विवियन रिचर्ड्स का सबसे महत्वपूर्ण विकेट लिया था।
@madanlal1983
@MadanLal1983

21 मार्च

रानी मुखर्जी
21 मार्च 1978 को जन्मीं रानी मुखर्जी बॉलिवुड की सबसे सफल अभिनेत्रियों में से एक हैं। 'कुछ कुछ होता है', 'साथिया', 'ब्लैक', 'मर्दानी' और हिचकी जैसी फिल्मों में उनके दमदार अभिनय को सराहा गया है। उन्हें 7 फिल्मफेयर अवॉर्ड्स मिल चुके हैं।

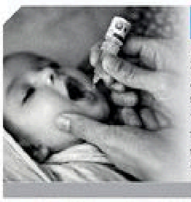

NBT AI टाइम मशीन

आज है राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस

आज राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस है। इसकी शुरुआत 1995 में हुई थी, जब पहली बार बच्चों को 'दो बूंद जिंदगी की' यानी पोलियो की खुराक पिलाई गई थी। सालों की मेहनत का ही नतीजा है कि 2014 में हमारा देश पूरी तरह पोलियो मुक्त हो गया। यह दिन हमें याद दिलाता है कि टीके सिर्फ पोलियो के लिए नहीं, हर जानलेवा बीमारी से लड़ने के लिए जरूरी है। यह डॉक्टरों और नर्सों की मेहनत को सलाम करने का दिन है।

NBT

Front Page-2

नवभारत टाइम्स। नई दिल्ली

सोमवार, 16 मार्च 2026

भविष्य में कैंसर की भी वैक्सीन होगी

ChatGPT के अनुसार, भविष्य में भारत में टीकाकरण पूरी तरह AI और उन्नत तकनीक पर आधारित होगा। लोगों के डिजिटल हेल्थ डेटा के आधार पर पर्सनलाइज्ड वैक्सीन दी जाएगी। नई बीमारियां सामने आते ही AI कुछ ही दिनों में उनके टीके बना देगा। कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के लिए भी प्रभावी टीके उपलब्ध होंगे। ड्रोन और स्मार्ट हेल्थ नेटवर्क दूरदराज इलाकों तक तुरत टीके पहुंचाएंगे, जिससे महामारी फैलने का खतरा बहुत कम रह जाएगा।

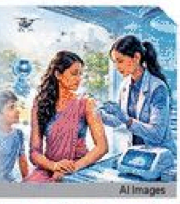

AI Images

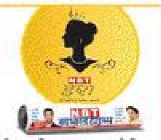

भीड़ का हिस्सा बनना उसकी फितरत नहीं। वह आज की नारी है, वह 'Gen She' है। IRA 2026 बिना दिखावे के। बिना किसी बनावट के। अपनी शर्तों पर जीने वाली निडर लड़कियां। सुंदरता अब किसी की मोहताज नहीं। हुनर और सौंदर्य की मिसाल बनें। आज ही रजिस्टर करें। व्हॉट्सऐप नंबर -7003490071

जंग पर ज़रूरी कदम उठा रही सरकार: RSS

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक हरियाणा के समालखा में हुई। तीन दिन की इस बैठक में संघ के शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों की समीक्षा की गई और अप्रैल से जून तक होने वाले प्रशिक्षण वर्ग की योजना पर भी बात हुई।

संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा, हम चाहते हैं कि दुनिया में शांति हो। युद्ध कई कारणों से होते हैं। उन्होंने कहा कि संघ का विचार है कि युद्ध जितना जल्दी हो समाप्त होना चाहिए और लोगों का जीवन शांति से चले। उन्होंने कहा कि भारत और भारत के लोगों के हित में सरकार सभी जरूरी कदम उठा रही है और संघ का विश्वास है कि जो किया जा रहा है वह ठीक है।

संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक पूरी

ईरान के सर्वोच्च नेता रहे खामेनेई की मौत पर भारत में हुए प्रदर्शनों के सवाल पर उन्होंने कहा, अगर लोग शोक मनाना चाहते हैं, तो वह शांतिपूर्ण तरीके से होना चाहिए। भारत की परंपरा है कि मृत्यु के बाद कोई शत्रु नहीं रहता।

सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले (बाएं) बोले, हम चाहते हैं कि दुनिया में शांति हो।

गायों को सड़कों पर न छोड़ें : सरकार्यवाह

सड़कों पर कई जगह दुर्घटना का कारण बन रहे गौवंश को लेकर संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले ने कहा कि कुछ लोग अपनी गायों को ऐसे ही छोड़ देते हैं, हमारा अनुरोध है कि ऐसे ना छोड़ें। घर पर नहीं रखना चाहते है तो गौशालाओं में पहुंचा सकते है। उन्होंने कहा कि सड़कों पर लोगों को दिक्कत ना हो इसका इंतजाम स्थानीय प्रशासन करें, यही लोगों की उम्मीद रहती है।

'RSS मुस्लिम विरोध का संगठन नहीं'

क्या संघ के मुस्लिमों को लेकर विचार बदले हैं क्योंकि अब संघ एक ही DNA जैसे शब्दों का इस्तेमाल करता है, इस सवाल पर होसबले बोले, जब हेडगेवार ने संघ की स्थापना की तब ये नहीं कहा कि मुस्लिम विरोध के लिए संगठन बनाया है। अंग्रेजों के जमाने में संघ पर बैन की बात आई तब असेंबली में डिबेट हुई। जिन्होंने संघ के समर्थन में बोला उनमें एक मुस्लिम भी थे।

जयशंकर दो दिन के दौरे पर बेल्जियम पहुंचे

■ पीटीआई, नई दिल्ली: विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यूरोपियन यूनियन (EU) के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों के साथ बातचीत के लिए रविवार को ब्रसल्स (बेल्जियम की राजधानी) का दो दिवसीय दौरा शुरू किया। जनवरी में दोनों पक्षों के बीच एक ऐतिहासिक फ्री ट्रेड समझौते पर मुहर लगने के बाद भारत की ओर से ब्रसल्स का यह पहला हाई लेवल दौरा है। ब्रसल्स में 27 देशों वाले यूरोपियन यूनियन का मुख्यालय भी है।

अरावली पर एक्सपर्ट कमिटी, केंद्र सहमत

■ पीटीआई, नई दिल्ली: केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि उसे 10 सदस्यीय हाई लेवल एक्सपर्ट कमिटी पर कोई आपत्ति नहीं है, जिसे अरावली की समान परिभाषा तय करने का काम सौंपा गया है। शीर्ष अदालत में दाखिल एक हलफनामे में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने कमिटी के लिए सुझाए गए नामों का समर्थन किया है।

IDFC फर्स्ट केस: दो अफसर अरेस्ट

■ NBT न्यूज, चंडीगढ़: हरियाणा एंटी करप्शन ब्यूरो ने रविवार को 590 करोड़ के IDFC फर्स्ट बैंक घोटाले में दो अकाउंट्स अफसरों को अरेस्ट किया। ये अफसर कृषि विपणन बोर्ड में तैनात राजेश सांगवान और हरियाणा स्कूली शिक्षा परियोजना परिषद में तैनात रणधीर सिंह हैं। इनपर आरोप है कि इन्होंने घोटाले के आरोपियों के साथ मिलकर सरकारी धन की हेराफेरी करने की आपराधिक साजिश रची।

J&K: घुसपैठ नाकाम, पाकिस्तानी आतंकी ढेर

■ भाषा, श्रीनगर

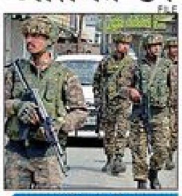

FILE

जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा (LOC) के पास सुरक्षा बलों ने रविवार को घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। सेना ने बताया कि इस दौरान एक पाकिस्तानी आतंकवादी मारा गया।

श्रीनगर स्थित सेना की चिनार कोर ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा घुसपैठ की कोशिश के संबंध में दी गई खुफिया जानकारी के आधार पर 14-15 मार्च की दरमियानी रात को जनरल क्षेत्र बुच्छार, उरी सेक्टर में एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया। लिहाजा, सैनिकों ने एक आतंकवादी की संदिग्ध गतिविधि देखी। आतंकवादी को चुनौती दी गई। इसके बाद उसने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। मुठभेड़ में एक पाकिस्तानी आतंकवादी मारा गया। उसके पास से AK राइफल, पिस्तौल और भारी मात्रा में गोला-बारूद समेत युद्ध सामग्री बरामद की गई है।

ओडिशा में 11 नक्सलियों का सरेंडर

■ पीटीआई, भवानीपटना (ओडिशा): ओडिशा के कालाहांडी जिले में रविवार को 11 नक्सलियों ने पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। इनमें एक डिविजनल कमिटी सदस्य (डीसीएम) भी शामिल हैं, जिस पर 22 लाख रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस ने कहा, सरेंडर करने वाले सभी नक्सलियों को पुनर्वास नीति के तहत आर्थिक सहायता, व्यावसायिक ट्रेनिंग दी जाएगी।

अब फोटो छपवाने का मौका भी

खबरों का ज्ञान

रोज की खबरों पर कितनी पैनी नजर है, आजमाएं

1. इनमें से किस राज्य में इस साल विधानसभा चुनाव नहीं होने है?
A. पंजाब B. केरल C. असम

2. राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर किसे भारत रत्न देने की मांग की है?
A. कांशीराम B. मुलायम सिंह यादव C. रामविलास पासवान

3. जयशंकर दो दिन के दौरे पर किस देश पहुंचे?
A. फ्रांस B. बेल्जियम C. जर्मनी

4. किस राज्य ने चार उग्रवादी संगठनों के साथ शांति समझौते पर साइन किए?
A. मणिपुर B. नागालैंड C. असम

5. RSS के सरकार्यवाह कौन है, जिन्होंने खाड़ी में जंग के मद्देनजर सरकार के अप्रोच से सहमति जताई?
A. मोहन भागवत B. दत्तात्रेय होसबले C. भैय्याजी जोशी

कल के जवाब

A1 B. आर. वेंकटरमण A2 B. स्वर्ण द्वीप A3 B.NSA A4 A. बगदाद A5 C. साउथ एशियन यूनिवर्सिटी

लकी विनर्स

1. महक वर्मा, दिल्ली
2. साजिद नसीम, लखनऊ
3. दीपक गुप्ता, दिल्ली

ऐसे भेजें अपने जवाब

अपने नाम, शहर के साथ जवाब भेजें nbtreader@timesofindia.com पर, साथ में फोटो भी भेजें। सब्जेक्ट में KKG लिखें। हर दिन सभी सही जवाब देने वाले तीन चुनिंदा रीडर्स में से एक का फोटो और दो के नाम छापे जाएंगे। जवाब आज के पेपर की खबरों में ही छिपे हैं।

पहाड़ों पर बर्फ, मैदान में गर्मी से राहत

शिमला और आसपास के इलाकों में बारिश के साथ ओले भी गिरे

■ हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला और आसपास के इलाकों में रविवार को तेज हवाओं के साथ बारिश हुई और ओले गिरे।

■ हिमाचल के कुल्लू, मनाली, लाहौल और जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग, श्रीनगर समेत कई ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी हुई।

■ पहाड़ों पर बदले मौसम के मिजाज से मैदानी इलाकों में गर्मी से थोड़ी राहत मिली। हिमाचल में बारिश का यलो अलर्ट जारी है।

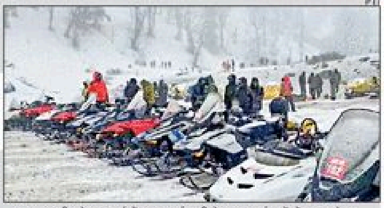

PTI

जम्मू कश्मीर के गुलमर्ग में ताजा बर्फबारी के साथ पर्यटकों में नया जोश।

एयर इंडिया कर्मियों ने फ्री टिकटें बेच दी

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: एयर इंडिया के सैकड़ों कर्मचारियों ने सालभर में फ्री मिलने वाली 14 हवाई जहाज की टिकटों को बाहरी लोगों को अपने रिश्तेदार बताकर बेच डाला। जांच में यह फर्जीवाड़ा सामने आने के बाद एयर इंडिया ने कर्मचारियों पर भारी पेनल्टी की बात कही है। एयर इंडिया के कर्मचारियों को इंप्लाई लेजर ट्रैवल (ELT) पॉलिसी के तहत हर साल 14 फ्री एयर टिकट मिलती है।

कंपनी बोली, कर्मचारियों पर भारी पेनल्टी लगाएंगे

असम में चार उग्रवादी संगठनों से शांति समझौते

■ पीटीआई, गुवाहाटी

असम सरकार ने रविवार को तीन कुकी उग्रवादी संगठनों और एक हमार संगठन के साथ शांति समझौते पर साइन किए। सरकार का कहना है कि इन समझौतों के साथ राज्य में 'जातीय उग्रवाद' के एक दौर का अंत हो गया है। जिन संगठनों ने समझौते पर साइन किए, उनमें युनाइटेड कुकीग्राम डिफेंस आर्मी, कुकी रिवोल्यूशनरी आर्मी और कुकी लिबरेशन संगठन शामिल हैं। इसके अलावा 'हमार पीपल्स कन्वेंशन-डेमोक्रेटिक' ने भी सरकार के साथ समझौता किया। ये सभी संगठन 2012 में तत्कालीन केंद्रीय गृह मंत्री और मुख्यमंत्री की मौजूदगी में हथियार छोड़ चुके थे और 'सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशंस' (SoO) समझौते पर साइन किए थे।

Social Media

सरकार ने उग्रवाद में मारे गए लोगों को आर्थिक मदद का भरोसा दिया।

'समुदायों के लिए बनेंगी डिवेलपमेंट काउंसिल्स'

असम सरकार के अनुसार, इन शांति समझौतों के तहत कुकी और हमार समुदाय के लिए वेल्फेयर एंड डिवेलपमेंट काउंसिल्स का गठन किया जाएगा। इन काउंसिल्स का मुख्यालय गुवाहाटी में होगा।

बादशाह को लॉरेंस गैंग ने दी धमकी

■ NBT न्यूज, पानीपत: सिंगर बादशाह को सोशल मीडिया पर लॉरेंस गैंग से जुड़े लोगों की ओर से जान से मारने की धमकी दी गई है। रविवार को सामने आए फेसबुक पोस्ट में कहा गया, सिंगर ने हरियाणा की संस्कृति को खराब करने की कोशिश की है। 2024 में तुम्हारे क्लब में हमने सिर्फ ट्रेलर दिखाया था, अगली बार सिर में गोली मारेंगे। इसमें नवंबर 2024 में चंडीगढ़ स्थित बादशाह के बार-कम-लाउंज के बाहर हुए विस्फोट का भी जिक्र है।

वहीं, हरियाणा बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने बादशाह को नोटिस भेजकर 7 दिन में अपना पक्ष रखने को कहा है। बादशाह के नए गाने पर विवाद हुआ, जिसके लिरिक्स आपत्तिजनक बताए गए हैं।

10 YEAR WARRANTY

BAJAJ SECURE • AMC • ROAD SIDE ASSISTANCE

72198 21111

SHRIRAM Finance | IDFC FIRST Bank | BAJAJ AUTO CREDIT | L&T Finance | TATA CAPITAL Two Wheeler Loans

*नियम और शर्तें लागू, स्टॉक 31 मार्च 2026 तक लागू है।

Authorised Dealers for Bajaj Auto Ltd.: DELHI: CENTRAL DELHI: Karol Bagh BAGGALINK BAJAJ 011-23550011/9910399106 • NORTH DELHI: Pitampura BAGGALINK BAJAJ 9910399107 • Budh Vihar, Rohini BAGGALINK BAJAJ 9910399108 • Rithala BAGGALINK BAJAJ 9910399115 • Mahipalpur BAGGALINK BAJAJ 9910399119/239 • Najafgarh BAGGALINK BAJAJ 9910399235 • Raja Garden SWADESHI BAJAJ 9210600907 • G.T. Karnal Road SWADESHI BAJAJ 9212110787 • Wazirpur SWADESHI BAJAJ 9250211944 • Zakhira SWADESHI BAJAJ 9250211933 • Narela GLOBAL BAJAJ 9311300688 • Peeragarhi GLOBAL BAJAJ 9311300695 • Bawana GLOBAL BAJAJ 9311300699 • Burari GLOBAL BAJAJ 9711998154 • EAST DELHI • South Ganesh Nagar GLOBAL BAJAJ 9319420888/9319431888. •Jagatpuri, Krishna Nagar Metro Station GLOBAL BAJAJ–9319421555 •KONDLI, Main Market-Global Bajaj -9319423555 • Shahdara-Durgapuri Chowk RRAG BAJAJ -7678440243 • Bhajan Pura RRAG BAJAJ 7678440309 • Jhilmil RRAG BAJAJ 9289303905 • WEST DELHI: Dwarka JSB BAJAJ 8882210730 • Uttam Nagar, Metro Pillar No. 753 JSB BAJAJ 8882212366 • Tilak Nagar, Metro Pillar No. 533 JSB BAJAJ 7827786351; RAJAPURI - 8882212339; • Raja Garden SWADESHI BAJAJ 40044444 /9210600907 • SOUTH DELHI: Khanpur GURU NANAK BAJAJ 9899140708, 9654561373 • Pul Prahladpur GURU NANAK BAJAJ 8851652946 • Okhla -Phase-II MADHUR BAJAJ 9289906219/8447431069 • Adchini-Aurbindo Marg MADHUR BAJAJ 9560208232 • Lajpat Nagar , Near Jal vihar Circle -MADHUR BAJAJ 9319198612 • Ayanagar -MADHUR BAJAJ 9319198611 * HARYANA: Gurgaon: JSB Bajaj :New Rly. Road: 7827786356; Sector 14 : 8882212365; Chakarpur: 8860099986; Manesar 7827786362: Pataudi 7827786354; ; Khandsa Road: 9355979205, Islampur : 9355979216; Sohna Road: 9355908502, 7838774480; Basai: 9218039153; Badshahpur: 9218039152; Wazirabad: 9355908530; Sec 18: 8860099943; Rewari: JSB Bajaj: Rewari - Delhi Rd 8295823621/9024761376 Faridabad: NIT,Railway Road :- GREEN BAJAJ 0129 -4036666, 9891020209 Old Faridabad Chowk 80764 05186; Bata Chowk 9873660066 ,Neharpar/ Kheri 9958273030, Pyali Chowk/Dabua - 99582 82112 • Ballabgarh: ARORA BAJAJ BALLABGARH: 7503000974/75 GAUNCHHI: 9069111729 VILL. TIGAON: 9873000517; SIKRI: 8178008100. • Palwal: VIDYA BAJAJ 9416636037, 01275-259233.• UTTAR PRADESH • Ghaziabad: SHIVA BAJAJ 8595167770 • Hapur: SHIVA BAJAJ 9760020028 • NOIDA SEC 6: SKYLINE BAJAJ 7065000365 • Noida SEC 63 KAY DEE BAJAJ 8750044099 • Greater Noida SKYLINE BAJAJ 7065000365 • Sahibabad: SHIVA BAJAJ 9311590335 • Meerut: • Pallavpuram BIKE ZONE BAJAJ 8527586748 Delhi Road: VIJETA BAJAJ 7302255106 • HARYANA Gurgaon: JSB Bajaj :New Rly. Road: 7827786356; Sector 14 : 8882212365; Chakarpur: 8860099986; Manesar 7827786362: Pataudi 7827786354; ; Khandsa Road: 9355979205, Islampur : 9355979216; Sohna Road: 9355908502, 7838774480; Basai: 9218039153; Badshahpur: 9218039152; Wazirabad: 9355908530; Sec 18: 8860099943; Rewari: JSB Bajaj: Rewari - Delhi Rd 8295823621/9024761376 Faridabad: NIT,Railway Road :- GREEN BAJAJ 0129 -4036666, 9891020209 Old Faridabad Chowk 80764 05186; Bata Chowk 9873660066 ,Neharpar/ Kheri 9958273030, Pyali Chowk/Dabua - 99582 82112 • Ballabgarh: ARORA BAJAJ BALLABGARH: 7503000974/75 GAUNCHHI: 9069111729 VILL. TIGAON: 9873000517; SIKRI: 8178008100. • Palwal: VIDYA BAJAJ 9416636037 01275-259233.

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 16-03-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD1 User: cci Time: 03-14-2026 22:32 Color:

नई दिल्ली / एनसीआर > 16 मार्च-22 मार्च 2026 > वर्ष 1, संख्या 11 > पेज 6 > मूल्य ₹6.00

NBT नवभारत टाइम्स Wealth

कैसे मिलेगी अनक्लेम्ड राशि की जानकारी?
अब आरबीआई (RBI) के 'उद्गम' पोर्टल ने आपकी खोई हुई गाढ़ी कमाई को ढूंढना आसान बना दिया है।
देखें PG-2

रीसेल प्रॉपर्टी में किन बातों का रखें ध्यान?
पुराने घर खरीदते समय कुछ कानूनी, तकनीकी और वित्तीय पहलुओं को अच्छी तरह समझना बेहद जरूरी होता है
देखें PG-5

इन्हें आज़माएं और लाखों बचाएं

होम लोन : फायदे के फंडे

मृत्युंजय त्रिपाठी
Mrityunjay.Tripathi@timesofindia.com

सही स्ट्रैटजी अपनाकर न केवल ब्याज का बोझ कम किया जा सकता है, बल्कि टैक्स बचत और कैश-फ्लो की स्थिति भी बेहतर बनाई जा सकती है। यदि आप ओवरड्राफ्ट सुविधा का सही इस्तेमाल करते हैं और हर साल अपनी EMI में थोड़ी बढ़ोतरी करने जैसे उपायों को अपनाते हैं, तो आप बैंक को दिए जाने वाले लाखों रुपये अपने परिवार के भविष्य के लिए बचा सकते हैं।

होम लोन लेने वाले अधिकतर लोग केवल EMI पर ध्यान देते हैं, लेकिन यह भूल जाते हैं कि 20-25 साल की लंबी अवधि में वे बैंक को मूल रकम से कहीं ज्यादा पैसा सिर्फ ब्याज के रूप में चुका देते हैं। उदाहरण के तौर पर, अगर कोई व्यक्ति 9% ब्याज दर पर 20 साल के लिए ₹50 लाख का होम लोन लेता है, तो उसे करीब ₹58 लाख सिर्फ ब्याज देना पड़ता है। यानी ₹50 लाख के घर के लिए कुल भुगतान लगभग ₹1.08 करोड़ तक पहुंच जाता है। हालांकि, सही योजना और समय पर अपनाई गई स्मार्ट स्ट्रैटजी के जरिए इस ब्याज बोझ को काफी हद तक कम किया जा सकता है और लाखों रुपये की बचत हो सकती है।

ये स्ट्रैटजी अपनाएं...

1 रीपो रेट से लिंक करें

अक्टूबर 2019 से आरबीआई ने External Benchmark Lending Rate (EBLR) जरूरी कर दिया है, जो सीधे रीपो रेट से जुड़ा है। रीपो रेट वह दर होती है जिस पर भारतीय रिजर्व बैंक बैंकों को अल्पकालिक कर्ज देता है। बैंक जब आपकी ब्याज दर तय करता है, तो वह रीपो रेट में अपना मार्जिन जोड़ देता है। रीपो रेट से लिंक्ड होम लोन में रीपो रेट कम होने पर ब्याज का कुल बोझ घटता है और EMI या लोन अवधि कम करने का विकल्प मिलता है। यदि आपके पास पुराने बेस रेट या MCLR लोन हैं, तो अपने बैंक से रीपो-लिंक्ड स्कीम में शिफ्ट करने पर बात कर सकते हैं।

क्या फायदा?

अगर ₹50 लाख का होम लोन 20 साल के लिए 9% ब्याज दर पर लिया जाए, तो उसकी EMI करीब ₹44,986 होती है। मान लें कि RBI द्वारा रीपो रेट घटाए जाने के बाद ब्याज दर 8.5 % हो जाती है, तो EMI घटकर लगभग ₹43,391 रह जाती है। यानी हर महीने ₹1,600 की राहत मिलती है। लोन अवधि में यह अंतर जोड़ें, तो कुल बचत ₹3.8 लाख तक पहुंच सकती है। इससे साफ है कि ब्याज दर में मामूली कमी भी लंबे समय में बड़ा फर्क पैदा कर सकती है। EBLR का फायदा यह होता है कि RBI के रीपो रेट घटाते ही EMI जल्दी गिर जाती है, जबकि MCLR में आपको अगले री-सेट डेट तक इंतजार करना होता है, जो जो 6 महीने बाद भी हो सकती है।

क्या ध्यान दें? *रीपो रेट बढ़ने पर EMI बढ़ भी जाती है। लोन शिफ्ट करने पर प्रोसेसिंग फीस आदि भी हो सकती है।*

2 ओवरड्राफ्ट/फ्लेक्सी होम लोन का जादू

ओवरड्राफ्ट (OD) होम लोन में आपका लोन अकाउंट ओवरड्राफ्ट सुविधा के साथ खोला जाता है। यह सेविंग अकाउंट जैसा ही होता है, लेकिन लोन से लिंक्ड होता है। OD में जितनी रकम पड़ी रहती है, उतनी रकम पर ब्याज नहीं लगता और इमरजेंसी में पैसा निकालने की सुविधा भी बनी रहती है। यानी आप इस लिंक्ड खाते में अपने सेविंग अकाउंट की ही तरह पैसे जमा कर सकते हैं और जब चाहें, निकाल सकते हैं। द रिचनेस अकादमी के फाउंडर तारेश भाटिया के मुताबिक, यह सुविधा उन लोगों के लिए बेहद कारगर है, जिनकी आय नियमित है और बैंक बैलेंस बना रहता है।

क्या फायदा?

होम लोन ओवरड्राफ्ट सुविधा में आप अपने लोन से जुड़े खाते में जितनी रकम रखते हैं, उस हिस्से पर बैंक ब्याज नहीं लेता। बैंक रोजाना के आधार पर सिर्फ नेट बकाया रकम पर ब्याज लगाता है। उदाहरण के लिए, अगर किसी ने ₹60 लाख का होम लोन ले रखा है और ₹8 लाख का सरप्लस फंड लगातार OD अकाउंट में बनाए रखता है, तो ब्याज ₹60 लाख के बजाय ₹52 लाख पर लगेगा। 9 % ब्याज दर पर यह ₹8 लाख सालाना करीब ₹72,000 की ब्याज बचत करा सकता है। अगर यह सरप्लस रकम लंबे समय तक खाते में बनी रहे, तो 20 साल में कुल ब्याज बचत ₹14-15 लाख तक पहुंच सकती है और लोन अवधि भी कई साल घट सकती है।

क्या ध्यान दें? *ओवरड्राफ्ट होम लोन की ब्याज दर सामान्य होम लोन से थोड़ी ज्यादा होती है। यदि खाते में नियमित पैसा नहीं रहता, तो फायदा खत्म हो जाता है।*

3 ज्यादा डाउन पेमेंट दें

ज्यादा डाउन पेमेंट का सीधा मतलब है लोन छोटा और ब्याज कम। जाहिर है कि लोन-टू-वैल्यू (LTV) रेश्यो जितना कम होगा, आपका वित्तीय बोझ उतना ही हल्का होगा। कम लोन राशि से बैंक से बेहतर दरों के लिए नेगोशिएशन की शक्ति भी मिलती है।

क्या फायदा?

यदि आप ₹50 लाख की प्रॉपर्टी पर ₹5 लाख (10%) डाउन पेमेंट करने की बजाय ₹2.5 लाख (25%) जमा करते हैं तो आपको ₹45 लाख की बजाय ₹37.5 लाख के होम लोन की ही जरूरत होगी। इससे आपकी EMI और कुल ब्याज दोनों में भारी कटौती होगी।

क्या ध्यान दें? *सारी सेविंग्स डाउन पेमेंट में न लगाएं। कम से कम 6 महीने का खर्च अलग रखें।*

4 लोन अवधि (Tenure) कम रखें

EMI कम रखने के लिए 30 साल तक का लंबा टेन्योर चुनना अक्सर सबसे महंगी गलती साबित होता है। सच्चाई यह है कि लोन जितने ज्यादा साल चलेगा, कुल ब्याज उतना ही ज्यादा देना पड़ेगा।

क्या फायदा?

अगर ₹50 लाख का होम लोन 9 % ब्याज दर पर 30 साल के लिए लिया जाए, तो उस पर कुल ब्याज करीब ₹90-95 लाख तक पहुंच सकता है। वहीं, अगर इसी लोन की अवधि 20 साल कर दी जाए, तो कुल ब्याज लगभग ₹58 लाख के आसपास रहता है। यानी सिर्फ टेन्योर 10 साल कम करने से ब्याज का बोझ ₹35-40 लाख तक घटाया जा सकता है।

5 स्टेप-अप EMI की स्ट्रैटजी अपनाएं

स्टेप-अप EMI में लोन की शुरुआत में EMI अपेक्षाकृत कम रखी जाती है और तय अंतराल पर उसे बढ़ाया जाता है। यह पूरा शेड्यूल बैंक और कर्जदार पहले से तय करते हैं। उदाहरण के तौर पर, ₹60 लाख के होम लोन में जहां EMI ₹54,000 हो सकती है, वहीं स्टेप-अप विकल्प में शुरुआती कुछ वर्षों के लिए EMI ₹45,000 रखी जा सकती है, जिसे बाद में ₹50,000 और फिर ₹55,000 तक बढ़ाया जाता है। इस तरह आय बढ़ने के साथ EMI बढ़ती है और लोन चुकाने का दबाव शुरुआती वर्षों में कम रहता है।

क्या फायदा?

शुरुआती वर्षों में EMI कम रहने से कैश-फ्लो आसान रहता है और जैसे-जैसे EMI बढ़ती है, प्रिंसिपल तेजी से घटने लगता है, जिससे कुल ब्याज पर बड़ा असर पड़ता है। यह लंबी अवधि में ब्याज के बोझ को नियंत्रित करने का एक प्रभावी तरीका है। उदाहरण के लिए, ₹50 लाख के होम लोन में अगर उधारकर्ता हर साल अपनी EMI को करीब 5 % बढ़ाता है और यह बढ़ोतरी लगातार बनाए रखता है, तो लोन की अवधि कई साल घट सकती है और कुल ब्याज में लगभग ₹15-20 लाख तक की बचत संभव है।

क्या ध्यान दें? *अगर इनकम उम्मीद के मुताबिक नहीं बढ़ी, तो आगे की EMI भारी पड़ सकती है।*

ये भी तरीके काम के

EMI कैलकुलेटर जरूर आजमाएं
अंकित तिवारी के अनुसार, EMI कैलकुलेटर होम लोन की योजना बनाना आसान कर देता है। इससे आप अलग-अलग ब्याज दर, लोन अवधि और प्री-पेमेंट का असर पहले ही देख सकते हैं। इससे गलत EMI चुनने, जरूरत से ज्यादा लंबा टेन्योर लेने और जल्दबाजी में गलत फैसला करने से बचाव होता है।

EMI टेक-होम सैलरी के 35% से ज्यादा न हो
होम लोन की EMI नेट टेक-होम सैलरी के 35% से अधिक नहीं होनी चाहिए। भाटिया के अनुसार, यह सबसे सुरक्षित सीमा है। इससे जीवन की गुणवत्ता बनी रहती है, निवेश और आपातकालीन फंड के लिए जगह बचती है और नौकरी या आय में अस्थिरता का जोखिम संभाला जा सकता है। EMI अगर बहुत ज्यादा हो गई, तो पूरा वित्तीय संतुलन बिगड़ सकता है।

इस राह में कुछ सावधानियां भी जरूरी है

लोन लेने जा रहे हैं, तो इनका ध्यान रखें

- सिर्फ EMI नहीं, कुल ब्याज देखें। कम EMI देखकर लंबी अवधि का लोन लेना भविष्य में भारी ब्याज का कारण बन सकता है।
- फ्लोटिंग और रीपो लिंक्ड लोन को प्राथमिकता दें। यह आपको भविष्य की ब्याज कटौती का लाभ दिलाता है।
- भविष्य की फ्लेक्सिबिलिटी देखें, जैसे- बिना पेनल्टी प्री-पेमेंट, बैलेंस ट्रांसफर, EMI/टेन्योर बदलने की सुविधा।

पहले ले लिया होम लोन, तो अब क्या करें?

- अपनी ब्याज दर की समीक्षा करते रहें। आज भी कई लोग 8.5%-9% या उससे अधिक पर लोन चुका रहे हैं, जबकि बाजार में कम दरें उपलब्ध हैं।
- रीपो-लिंक्ड या बैलेंस ट्रांसफर पर विचार करें। थोड़ी-सी प्रोसेसिंग फीस के बदले बड़ी ब्याज बचत संभव है।
- होम लोन को टैक्स-सेविंग टूल नहीं, लाइफ-स्टेज टूल मानें। इसका उद्देश्य सिर्फ टैक्स बचाना नहीं, बल्कि शांति और कैश-फ्लो स्थिरता होना चाहिए।

होम लोन सिर्फ EMI का गणित नहीं, बल्कि जीवन की वित्तीय यात्रा का हिस्सा है। सही स्ट्रक्चर, समय-समय पर समीक्षा और निवेश के साथ संतुलन बनाने से लोन बोझ नहीं रहता। बिना रणनीति EMI चुकती है, लेकिन रणनीति के साथ ही संपत्ति बनती है।

- तारेश भाटिया, सर्टिफाइड फाइनैंशल प्लानर

होम लोन जल्दी खत्म करने का सबसे असरदार तरीका है कि EMI को आय के साथ धीरे-धीरे बढ़ाया जाए और हर साल बोनस या अतिरिक्त कमाई से प्री-पेमेंट किया जाए। शुरुआती 7-8 साल में किया गया प्री-पेमेंट सीधे मूलधन घटाता है।

- अंकित तिवारी, फाउंडर, Prasar Inc.

आपकी बात

NBT Wealth आपको कैसा लगता है, इसमें क्या पसंद आता है और क्या नहीं, आप और किन विषयों पर लेख पढ़ना चाहते हैं? आप कॉल करके अपनी बात नोट करा सकते हैं। आपका संदेश संपादक तक पहुंच जाएगा।

कॉल करें 011-4978 0064
आज दिन में 11 बजे से 12 बजे तक

अंदर देखें ये खास स्टोरी

इक्विटी फंड्स को मिला सोने-चांदी का सुरक्षा कवच!

SEBI ने इक्विटी म्यूचुअल फंड्स के लिए नए नियम लागू किए हैं, जिससे अब फंड मैनेजर अपने पोर्टफोलियो का अधिकतम 35% हिस्सा सोना, चांदी और REITs जैसे इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश कर सकेंगे।

इस कदम का मुख्य उद्देश्य पोर्टफोलियो में विविधता लाना और बाजार की अस्थिरता के दौरान निवेशकों के जोखिम को कम करना है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह लचीलापन फंड मैनेजरों को 'सेफ हेवन' एसेट्स के जरिए पोर्टफोलियो को स्थिरता देने में मदद करेगा। हालांकि, इसका उद्देश्य इक्विटी फंड के मूल स्वरूप को बदलना नहीं है, बल्कि खाली पड़े कैश का रणनीतिक उपयोग करना है।

देखें PG-3

फाइनैंशल ईयर खत्म होने से पहले निपटाएं यह सारे काम

वित्तीय वर्ष 2025-26 अपने अंतिम पड़ाव पर है और 31 मार्च की समय सीमा तेजी से करीब आ रही है। इस समय अपनी टैक्स सेविंग (80C, 80D) को पूरा करना, NPS में योगदान और इन्वेस्टमेंट प्रूफ जमा करना सबसे महत्वपूर्ण है।

साथ ही, PPF और सुकन्या समृद्धि जैसे खातों को सक्रिय रखने के लिए न्यूनतम निवेश सुनिश्चित करना जरूरी है। हालांकि इन सब चीजों के बीच टैक्स एक्सपर्ट लक्ष्मण झा सलाह देते हैं कि इस समय नई और पुरानी टैक्स रिजीम की तुलना करना बिल्कुल भी न भूलें, क्योंकि नई रिजीम में अब 12.75 लाख तक की आय टैक्स-फ्री हो सकती है।

देखें PG-4

काम की खबरें

AI Image

नॉमिनी के लिए खुशखबरी: अब 21 दिनों में मिलेगा क्लेम

Sebi ने गुरुवार को निवेशकों की मौत के बाद उनके शेयरों और निवेश को वारिसों के नाम ट्रांसफर करने की प्रक्रिया को आसान बनाने का प्रस्ताव दिया है। सेबी ने क्लेम की लिमिट बढ़ाने और 21 दिनों के भीतर निपटारा करने का नया प्लान तैयार किया है। इसका मकसद नॉमिनी और कानूनी वारिसों के लिए निवेश की गई रकम को क्लेम करना सरल बनाना है। नियामक ने कहा कि मृत निवेशकों के परिवारों को उनकी संपत्ति वापस दिलाने में मदद करने के लिए नियमों को आसान बनाना जरूरी है।

बैंकों के डिविडेंड पर RBI का सख्त पहरा

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने बैंकों द्वारा अपने शेयरधारकों को दिए जाने वाले डिविडेंड (मुनाफे का हिस्सा) पर एक सीमा तय कर दी है। वित्त वर्ष 2026-27 से बैंक अपने 'टैक्स काटने के बाद वाले मुनाफे' (PAT) का अधिकतम 75 प्रतिशत ही डिविडेंड के रूप में बांट सकेंगे। आरबीआई ने मंगलवार को इस संबंध में निर्देश जारी किए। नए नियमों के मुताबिक, बैंक तभी डिविडेंड दे पाएंगे जब उनके पास पर्याप्त पूंजी मौजूद हो।

नए कानून से पहले पोर्टल की हो कड़ी जांच: पैनल

संसद की एक समिति ने गुरुवार को इनकम टैक्स विभाग से कहा है कि वह अपने ई-फाइलिंग पोर्टल और पूरे आईटी सिस्टम की कड़ी और गहन जांच करे। यह इसलिए जरूरी है ताकि 1 अप्रैल से जब नया कानून लागू हो, तो सिस्टम में किसी तरह की तकनीकी खराबी न आए। 1 अप्रैल से इनकम टैक्स एक्ट 1961 की जगह नया और सरल 'इनकम टैक्स एक्ट 2025' लागू होने वाला है। बीजेपी सांसद भर्तृहरि महताब की अध्यक्षता वाली कमिटी को इनकम टैक्स विभाग ने बताया है कि नए कानून के तहत कुल 190 फॉर्म जारी किए जाने हैं।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 16-03-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD2 User: cci Time: 03-14-2026 22:16 Color:

होम लोन में फंसें नहीं, समझदारी से निकालें फायदा

फ्रंट पेज पर आप होम लोन से जुड़ी 5 अहम स्ट्रैटजी पहले ही पढ़ चुके हैं। लेकिन लोन को जल्दी और सस्ते में खत्म करने के लिए कुछ और तरीके भी उतने ही जरूरी हैं। आप जानते हैं कि कर्ज के इस विशाल पहाड़ को तेजी से पिघलाने के लिए कुछ और भी 'प्रो-एक्टिव' तरीके हैं?

यहां हम बता रहे हैं होम लोन से जुड़ी 5 और स्मार्ट टिप्स, जो ब्याज और टेन्योर दोनों घटाने में मदद करती हैं।

इन्हें अपनाकर आप अपने सपनों के घर को कर्ज-मुक्त बनाने की प्रक्रिया को और भी तेज कर सकते हैं।

Gain Guide

मृत्युंजय त्रिपाठी
Mrityunjay.Tripathi @timesofindia.com

वित्तीय अनुशासन और स्मार्ट प्लानिंग की मदद से आप न केवल बैंक को दिए जाने वाले लाखों रुपये के ब्याज को बचा सकते हैं, बल्कि अपने लोन की लंबी अवधि को भी काफी हद तक छोटा कर सकते हैं।

साल में 12 नहीं, 13 EMI का भुगतान

होम लोन में हर साल एक अतिरिक्त EMI का भुगतान करना भी ब्याज को कम करने की शानदार स्ट्रैटजी है। साल में 12 EMI तो चुकाना ही है, लेकिन यदि आप 13 EMI देते हैं तो 'प्रिंसिपल प्रीपेमेंट' की तरह काम करता है। यानी हर साल एक अतिरिक्त EMI भरने से यह रकम सीधे प्रिंसिपल से घटती है, जिससे आगे का ब्याज कम हो जाता है।

क्या फायदा?: मान लें कि आपकी मासिक EMI ₹45,000 है और आप हर साल इसके बराबर एक अतिरिक्त EMI चुकाते हैं। इस रणनीति को नियमित रूप से अपनाने पर 20 साल का होम लोन लगभग 16-17 साल में खत्म हो सकता है।

क्या ध्यान दें?: रोजमर्रा की जरूरतें प्रभावित न हों, इसके लिए सैलरी की बजाय बोनस, टैक्स रिफंड आदि से ही अतिरिक्त किस्त का भुगतान करें।

सही समय पर पार्शल प्रीपेमेंट करें

EMI के अलावा लोन चुकाना पार्शल प्रीपेमेंट कहलाता है। होम लोन के शुरुआती साल में, जब EMI का बड़ा हिस्सा ब्याज में जाता है, तब यदि आप पार्शल प्रीपेमेंट करते हैं तो यह ज्यादा असर दिखाता है। यानी शुरुआत में किया गया छोटा प्रीपेमेंट भी भविष्य के वर्षों के भारी ब्याज को खत्म कर देता है। Prasar Inc. के फाउंडर अंकित तिवारी कहते हैं कि लोन के शुरुआती साल में आपके पास जब भी कहीं से पैसा आए, उसे लोन अकाउंट में डाल देना चाहिए।

क्या फायदा?: अगर कोई उधारकर्ता लोन के पहले साल में ₹1 लाख का एकमुश्त प्री-पेमेंट करता है, तो इससे लोन की अवधि 3-4 महीनों तक घट सकती है और उस रकम पर आगे लगने वाला ब्याज काफी हद तक बच जाता है। CFP तरेश भाटिया EMI घटाने की बजाय लोन टेन्योर कम करने को ज्यादा प्रभावी रणनीति मानते हैं।

क्या ध्यान दें?: फिक्स्ड रेट लोन में प्रीपेमेंट चार्ज हो सकता है। अंकित तिवारी फ्लोटिंग होम लोन को बेहतर बताते हैं।

क्रेडिट स्कोर बढ़िया रखने की कोशिश करें

आपका क्रेडिट स्कोर ही यह तय करता है कि बैंक आपको 'प्राइम' रेट देगा या 'पेनल्टी' रेट, इसलिए क्रेडिट स्कोर (CIBIL) का अच्छा होना बहुत जरूरी है। अगर आपका क्रेडिट स्कोर अच्छा है और आप समय पर EMI चुका रहे हैं, तो आप बैंक से अनुरोध कर सकते हैं कि आपकी ब्याज दर को मौजूदा कम दरों के अनुसार रीवाइज (री-प्राइस) किया जाए। बैंक इसे 'रेट रिव्यू', 'री-प्राइसिंग' या 'इंटरेस्ट रेट रिडक्शन रिक्वेस्ट' भी कहते हैं।

क्या फायदा?: अच्छा क्रेडिट स्कोर (750 से ऊपर) होने पर बैंक होम लोन की ब्याज दर में 0.25 से 0.50 % तक की रियायत दे सकते हैं।

क्या ध्यान रखें?: बैंक ब्याज दर कम करने के लिए 'कन्वर्जन फीस' भी ले सकते हैं। लोन री-प्राइसिंग की रिक्वेस्ट डालने से कम से कम 6 महीने पहले तक कोई पेमेंट मिस न करें।

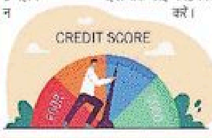

जॉइंट होम लोन से दोहरी टैक्स बचत

जीवनसाथी के साथ मिलकर लोन लेना एक मास्टरस्ट्रोक है। तरेश भाटिया के अनुसार, होम लोन पर धारा 80C के तहत ₹1.5 लाख (प्रिंसिपल) और धारा 24(b) के तहत ₹2 लाख (ब्याज) टैक्स में छूट है। जॉइंट लोन लेने पर दोनों लोग अलग-अलग टैक्स छूट का लाभ ले सकते हैं।

क्या फायदा?: उदाहरण के लिए यदि आप और आपकी पत्नी दोनों वर्किंग हैं, तो आप दोनों दोनों सेक्शन 80C और 24(b) के तहत ब्याज पर अलग-अलग टैक्स लाभ ले सकते हैं। यानी दोनों मिलकर ₹4 लाख तक के सालाना ब्याज पर टैक्स छूट पा सकते हैं, जो अकेले लोन लेने पर सिर्फ 2 लाख तक मिलती। जॉइंट लोन से आप न सिर्फ टैक्स बचाते हैं, बल्कि कम ब्याज का भी फायदा पाते हैं।

क्या ध्यान दें?: दोनों की इनकम स्थिर हो और EMI शेयरिंग पहले से तय हो। प्रॉपर्टी पति और पत्नी दोनों के नाम पर होनी चाहिए।

इंश्योरेंस लेना न भूलें

आप कहेंगे कि होम लोन में इंश्योरेंस का क्या काम? CFP बबलु कुमार सिंह कहते हैं कि कोई भी बड़ा लोन परिवार की लंबी फाइनेंशल जिम्मेदारी होता है। अगर लोन लेने वाले के साथ कुछ अनहोनी हो जाए या कमाई अचानक रुक जाए, तो बिना इंश्योरेंस घर, परिवार और भविष्य सबकुछ खतरे में पड़ सकते हैं। होम लोन आमतौर पर 15-25 साल का कमिटमेंट होता है। इस दौरान कुछ भी हो सकता है। ऐसी स्थिति में इंश्योरेंस ही परिवार की ढाल बनता है। बैंक अक्सर होम लोन के साथ खुद लोन इंश्योरेंस ऑफर करते हैं।

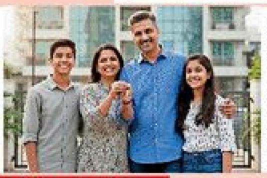

क्या फायदा?: होम लोन इंश्योरेंस का सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि कर्ज लेने वाले की मौत या स्थायी विकलांगता की स्थिति में बाकी बचा लोन इंश्योरेंस कंपनी चुका देती है।

कहां ध्यान दें?: CFP बबलु कुमार सिंह होम लोन प्रोटेक्शन प्लान से बचने की सलाह देते हैं। उनके अनुसार, बैंक के महंगे इंश्योरेंस के बजाय टर्म इंश्योरेंस लेना ज्यादा समझदारी है। बैंक लोन इंश्योरेंस के प्रीमियम पर भी ब्याज लगा देते हैं। इसके बजाय लोन के बराबर का टर्म प्लान लेना सस्ता और बेहतर फैसला हो सकता है।

ये भी तरीके काम के

प्री-पेमेंट हमेशा सबसे अच्छा विकल्प नहीं
यह आम धारणा है कि अतिरिक्त पैसा पहले होम लोन में ही डालना चाहिए। भाटिया के अनुसार, अगर आपकी EMI आराम से चल रही है और आप अनुशासित निवेशक हैं, तो उसी रकम को SIP में लगाना ज्यादा फायदेमंद हो सकता है।

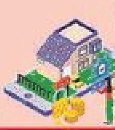

टेन्योर की जगह EMI कम न करें
जब भी बैंक ब्याज दरें कम करते हैं, वे अक्सर आपकी EMI घटा देते हैं मगर समय (Tenure) उतना ही रखते हैं। बैंक से कहें कि वे आपकी EMI कम न करें, बल्कि लोन की अवधि कम कर दें।

अडवाइजर से सलाह लें
CFP तरेश भाटिया कहते हैं कि अगर कोई 20 साल लोन के लिए ₹40,000 EMI देता है, तो कुल आउटगो काफी होता है। लेकिन एक अडवाइजर के साथ योजना बनाकर वही ₹30,000 की EMI को 30 साल के लिए रखकर, बाकी ₹10,000 को SIP में डाल सकता है।

स्टार रेटिंग वाले नंबर वन फंड की तलाश में उदास क्यों

दो दूनी चार

रमेश तिवारी
Ramesh.Tiwari @timesofindia.com

अक्सर नए निवेशक ऐप्स, वेबसाइट्स या सोशल मीडिया पर चमकने वाले उन फंड्स की ओर खिंचे चले जाते हैं, जिन्होंने पिछले एक साल में 'मल्टीबैगर' रिटर्न दिया है। 'नंबर-1' के इस रोमांचक सफर में हम अक्सर यह भूल जाते हैं कि पिछला प्रदर्शन भविष्य की गारंटी नहीं होता।

चमकते हुए स्क्रीनशॉट्स और वट्सऐप ग्रुप्स का शोर अक्सर निवेशकों में FOMO (छूट जाने का डर) पैदा कर देता है, जो एक महंगी गलती साबित होती है। सफल निवेश का रहस्य सबसे तेज भागने वाले फंड को पकड़ने में नहीं, बल्कि उस स्कीम को चुनने में है जो निरंतरता बनाए रखे।

क्या म्यूचुअल फंड में निवेश आसान है? इतनी सारी स्कीमें हैं कि समझ नहीं आता किसे चुनें। लेकिन कुछ लोगों के लिए ये काम बेहद आसान है। वो सिर्फ ये देख लेते हैं कि इस वक्त नंबर वन 1 म्यूचुअल फंड कौन सा है। लेकिन ये बताता कौन है? ऐप्स और वेबसाइट्स पिछले साल के बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले म्यूचुअल फंड्स को हाइलाइट करते हैं। बहरहाल, लेटेस्ट नंबर वन के पीछे भागना एक महंगी गलती हो सकती है। हमें यह देखना चाहिए कि किस स्कीम ने निरंतरता कायम रखी।

निवेशक अक्सर सबसे अच्छे फंड में शामिल होने के रोमांच के पीछे भागते हैं। सोशल मीडिया पर टॉप रैंकिंग के स्क्रीनशॉट्स की धूम मची रहती है। ताजा परफॉर्मेंस के पीछे भागने से FOMO (कुछ छूट जाने का डर) बढ़ता है। खासकर जब वट्सऐप ग्रुप और यूट्यूब चैनल लेटेस्ट मल्टीबैगर का प्रचार करते हैं। जब वास्तविकता सामने आती है, तो पछतावा होने लगता है। वैसे तो निवेशक लंबी अवधि की योजना बनाकर बाजार में उतरते हैं, लेकिन रैंकिंग देख वो मोमेंटम ट्रेडिंग में जुट जाते हैं। चक्र बदलता है। कल तक जो फंड सबसे आगे चल रहा था, वह बाजार के चक्र बदलने के साथ बेहद नीचे गिर जाता है। कभी-कभी तो उसमें नए निवेश आने बंद हो जाते हैं, पैसे निकालने वालों की भीड़ बढ़ जाती है। कोई फंड तेजी वाले साल में 50% रिटर्न देता है, लेकिन अगले साल 35% नीचे गिर जाता है। इसके बाद वह मुश्किल से ही अपने शुरुआती स्तर पर पहुंच पाता है। छोटे निवेशक कभी पूरी तरह से उबर नहीं पाते। वे बाजार के सबसे निचले स्तर पर घबराकर अपने फंड बेच देते हैं। इस तरह नुकसान पक्का हो जाता है। आने वाली तेजी का फायदा उठाने का मौका खत्म हो जाता है। यह सिलसिला साल-दर-साल दोहराया जाता है।

फंड्स की दुनिया में कभी यह न पूछें कि अभी क्या चल रहा है? हम उन फंड्स पर ध्यान दे सकते हैं, जो लगातार औसत से बेहतर प्रदर्शन करते हैं। बाजार में गिरावट के समय आपकी पूंजी को बेहतर ढंग से सुरक्षित रखते हैं। लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में शायद एक साल में 50% रिटर्न देने जितना ग्लैमर न हो, लेकिन भावनात्मक रूप से ये ज्यादा सुकून देता है। कई अध्ययन इस बात की पुष्टि करते हैं कि जो निवेशक बार-बार फंड बदलते हैं, वे ऊंचे दाम पर खरीदकर कम दाम पर बेचते हैं। एक अनुमान के मुताबिक इसके कारण वे सालाना 2-4% का नुकसान उठाते हैं। टैक्स इस रिटर्न को और कम कर देता है। एक टिकाऊ फंड के साथ बाजार में गिरावट के कारण रातों की नींद नहीं उड़ती। आज की जिंदगी में वैसे ही कई तनाव हैं, वहां मन की शांति की कीमत कम आंकना भूल हो सकती है।

जो फंड लगातार 14-16% सालाना रिटर्न देता है और जिसमें गिरावट भी कम होती है, वह 'कंपाउंडिंग' की ताकत से बहुत तेजी से बढ़ता है। सबसे अच्छा परफॉर्म करने वाले म्यूचुअल फंड को खोजने का जुनून एक मनोवैज्ञानिक जाल है। किसी मार्केट क्रैश से कहीं ज्यादा नुकसान इस जाल में फंसने से हो सकता है। विजेताओं को वास्तव में अलग करने वाली बात मंदी के दौरान उनका व्यवहार है। जो फंड बड़े नुकसान से बचते हैं, वे असली क्षमता दिखाते हैं।

बैंकों में ₹72,000 करोड़ अनक्लेम्ड रकम, जानें क्लेम का प्रोसेस

सुदेश रंजन
Sudesh.Ranjan @timesofindia.com

*क्या आप जानते हैं कि भारतीय बैंकों में करोड़ों रुपये ऐसे पड़े हैं, जिनका कोई दावेदार ही नहीं है? शायद इनमें से कुछ पैसा आपका या आपके किसी बुजुर्ग का भी हो सकता है, जिसे वक्त के साथ भुला दिया गया। अब आरबीआई (RBI) के 'उद्गम' पोर्टल ने आपकी खोई हुई गाढ़ी कमाई को ढूंढना आसान बना दिया है। **Reserve Bank of India का UDGAM (Unclaimed Deposits Gateway to Access Information)** पोर्टल लोगों को अलग-अलग बैंकों में पड़ी अनक्लेम्ड जमा राशि ढूंढने में मदद करता है। यह व्यवस्था भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के नियमों के तहत लागू है। जानें कैसे आप अपनी बरसों पुरानी जमा पूंजी फिर से हासिल कर सकते हैं।*

ध्यान रखें

- *UDGAM पोर्टल से सीधे पैसा क्लेम नहीं होता, यह सिर्फ जानकारी देता है। असली क्लेम बैंक में करना पड़ता है।*
- *सरकार के अनुसार भारत में लोगों के बैंकों में बहुत बड़ी रकम बिना क्लेम के पड़ी हुई है।*
- **₹72,454 करोड़**
  करोड़ बैंक डिपॉजिट बिना क्लेम के पड़े हैं (जनवरी 2026 तक)।
- इसमें से पब्लिक सेक्टर बैंक में ₹58,330 करोड़ और प्राइवेट बैंक में ₹8,673 करोड़ है

जून 2025 तक बैंकों में ₹67,003 करोड़ अनक्लेम्ड जमा था।

किस बैंक में सबसे ज्यादा अनक्लेम्ड पैसा

₹19,329 करोड़
State Bank of India

₹6,910 करोड़
Punjab National Bank

₹6,278 करोड़
Canara Bank

यह पैसा क्यों बिना क्लेम रह जाता है

- लोग बैंक अकाउंट भूल जाते हैं
- FD मैच्योर के बाद नहीं निकालते
- खाताधारक की मृत्यु के बाद परिवार को जानकारी नहीं होती
- बैंक में पुराने अकाउंट बंद नहीं कराते

किन मामलों में यह लागू होता है

- साल तक क्लेम या ऑपरेशन नहीं होने पर ये रकम Unclaimed बन सकती है
- सेविंग अकाउंट/करंट अकाउंट
- FD जिसकी मैच्योरिटी के बाद पैसा नहीं निकाला गया
- रिकरिंग डिपॉजिट (RD)
- बंद हो चुके बैंक अकाउंट की बची हुई राशि

कब पैसा Unclaimed माना जाता है

*अगर किसी बैंक खाते पर लगातार 10 साल तक कोई गतिविधि नहीं होती, तो उसे **Unclaimed Deposit** माना जाता है।*

10 साल बाद कहां जाता है पैसा

*10 साल बाद बैंक यह रकम **DEAF Fund** में ट्रांसफर कर देते हैं, जिसे **RBI** मैनेज करता है।*

किस तरह मिल सकती है रकम

***UDGAM** पोर्टल पर यह चेक करना कि आपके नाम से कोई **Unclaimed Bank Deposit** है या नहीं। यह प्रक्रिया आसान है। स्टेप-बाय-स्टेप पूरी प्रक्रिया हम बता रहे हैं, ताकि आप खुद से चेक कर सकें।*

पोर्टल खोलें
सबसे पहले UDGAM Portal की वेबसाइट खोलें
https://udgam.rbi.org.in

रजिस्ट्रेशन करें
- होमपेज पर Register पर क्लिक करें
- अपना मोबाइल नंबर डालें
- OTP आएगा, उसे दर्ज करें
- अपना नाम, ई-मेल और पासवर्ड सेट करें
- अब आपका अकाउंट बन जाएगा।

लॉगिन करें
- मोबाइल नंबर व पासवर्ड डालकर लॉगिन करें
- OTP वेरिफिकेशन भी हो सकता है।

सर्च करें
लॉगिन के बाद **Search Unclaimed Deposits** पर क्लिक करें।

फिर जानकारी भरें
- अपना नाम
- जन्मतिथि
- PAN, वोटर ID, ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट में से कोई एक
- बैंक का नाम (अगर पता हो)
- फिर Search पर क्लिक करें

रिजल्ट देखें
अगर आपके नाम से कोई पैसा पड़ा है तो बैंक का नाम, ब्रांच, अकाउंट टाइप (Savings/FD) दिखाई देगा।

पैसा कैसे क्लेम करें
अगर रिजल्ट में पैसा दिखे तो :
- बैंक की ब्रांच में जाएं
- Unclaimed Deposit Form भरें

ये डॉक्यूमेंट दें
आधार/PAN, एड्रेस प्रूफ, पासबुक/FD रसीद (अगर हो) वेरिफिकेशन के बाद बैंक पैसा आपके खाते में ट्रांसफर कर देगा।

महत्वपूर्ण बात

यह पैसा कभी भी असली मालिक या उसके वारिस क्लेम कर सकते हैं, इसलिए UDGAM Portal बनाया गया है। इस Portal पर वही रकम दिखाई देती है जिसे बैंक 10 साल तक क्लेम नहीं किया गया हो। असली खाताधारक या उसका कानूनी वारिस किसी भी समय बैंक से इस रकम का दावा कर सकता है।

कितने बैंक पोर्टल पर मौजूद हैं

आरबीआई के उद्गम (UDGAM) पोर्टल पर कुल 30 बैंक उपलब्ध हैं ये 30 बैंक मिलकर भारत के कुल लावारिस जमा (Unclaimed Deposits) का लगभग 90% हिस्सा कवर करते हैं। इसमें सभी प्रमुख सरकारी बैंक, बड़े प्राइवेट बैंक और कुछ विदेशी बैंक भी शामिल हैं।

प्रमुख सरकारी बैंक (Public Sector Banks)
भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, कैनरा बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, पंजाब एंड सिंध बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक

प्रमुख प्राइवेट बैंक (Private Sector Banks)
HDFC बैंक, ICICI बैंक, Axis बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक (Kotak Mahindra Bank), इंडसइंड बैंक (IndusInd Bank), फेडरल बैंक (Federal Bank), IDBI बैंक, साउथ इंडियन बैंक, धनलक्ष्मी बैंक, कर्नाटक बैंक, करूर वैश्य बैंक, तमिलनाडु मर्केंटाइल बैंक, जम्मू एंड कश्मीर बैंक

अगर आपका बैंक इस लिस्ट में नहीं है, तो घबराएं नहीं। आरबीआई धीरे-धीरे अन्य छोटे और ग्रामीण बैंकों को भी इस पोर्टल से जोड़ रहा है। तब तक आप उस विशेष बैंक की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर 'Unclaimed Deposits' सेक्शन में अपना नाम चेक कर सकते हैं।

इंडस्ट्रियल मेटल्स भी चमका रहे किस्मत

पिछले एक साल में कमोडिटी बाजार में आई तेजी सिर्फ सोना और चांदी तक सीमित नहीं रही है। कॉपर से लेकर प्लैटिनम तक कई धातुओं की कीमतों में तेज बढ़ोतरी हुई है, जिससे यह चर्चा फिर शुरू हो गई है कि कमोडिटी बाजार एक नए 'सुपरसाइकल' की ओर बढ़ रहा है।

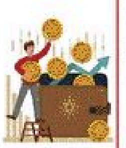

अभिनव कौल
Abhinav.Kaul
@timesofindia.com

भारत में पहले निवेशकों के लिए इन धातुओं में सीधे निवेश के विकल्प सीमित थे, लेकिन अब विदेशी निवेश प्लेटफॉर्म के जरिए ग्लोबल एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ETF) में निवेश कर वे इस तेजी का हिस्सा बनने की कोशिश कर रहे हैं।

पिछले एक साल में चांदी सबसे ज्यादा बढ़ने वाले धातुओं में रही और इसकी कीमत करीब 155% बढ़ी है, जबकि सोना लगभग 80% चढ़ा है। दूसरे धातुओं में भी मजबूत तेजी देखने को मिली है। प्लैटिनम करीब 120% बढ़ा, पैलेडियम लगभग 75% चढ़ा और कॉपर में करीब 30% की बढ़ोतरी हुई। कई बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि अलग-अलग धातुओं में एक साथ आई इस तेजी से संकेत मिलता है कि कमोडिटी बाजार में एक लंबा तेजी का दौर शुरू हो सकता है। पहले भी ऐसा देखा गया है। उदाहरण के तौर पर चीन में तेजी से शहरीकरण के दौर में लोहे, स्टील और ऊर्जा जैसी कमोडिटीज की मांग बहुत बढ़ गई थी, जिससे पूरे कमोडिटी बाजार में कीमतें ऊपर चली गई थीं।

किन मेटल में देखी तेजी

2025 में कीमती और औद्योगिक दोनों तरह के धातुओं में तेजी देखने को मिली। Appreciate के फाउंडर और सीईओ सुभो मौलिक के अनुसार, कॉपर की कीमतों में बढ़ोतरी के पीछे कई संरचनात्मक कारण हैं, जैसे AI डेटा सेंटर का तेजी से बनना, इलेक्ट्रिक गाड़ियों की बढ़ती मांग और ऊर्जा की बढ़ती जरूरत।

कमोडिटीज की तरफ भी ध्यान

भारत में सीधे कमोडिटी में निवेश के विकल्प अभी भी सीमित हैं। म्यूचुअल फंड मुख्य रूप से सोना और चांदी में निवेश की सुविधा देते हैं, जबकि दूसरी कमोडिटीज में निवेश ज्यादातर मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) पर डेरिवेटिव्स के जरिए होता है। कुछ विदेशी म्यूचुअल फंड अंतरराष्ट्रीय माइनिंग कंपनियों में निवेश का मौका देते हैं, लेकिन रेगुलेटरी सीमाओं के कारण इनकी उपलब्धता सीमित है। विदेशी निवेश प्लेटफॉर्म भारतीय निवेशकों को ग्लोबल कमोडिटी ETF में निवेश का नया रास्ता दे रहे हैं। हाल के फंड फ्लो के आंकड़े बताते हैं कि इक्विटी और कीमती धातुओं में निवेश लगभग समान स्तर पर आ रहा है।

क्या कहते हैं इंडस्ट्री एक्सपर्ट

कोटक प्राइवेट बैंकिंग के हेड ऑफ बिजनेस (UHNI) सौरभ गोस्वामी के अनुसार, अल्ट्रा हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल्स आम तौर पर भारत में उपलब्ध सोना और चांदी फंड में निवेश करना पसंद करते हैं। हालांकि कॉपर या एल्यूमिनियम जैसे मेटल ETF, जो भारत में उपलब्ध नहीं हैं, उनमें निवेश के लिए वे विदेश में लिस्टेड ETF का इस्तेमाल करते हैं और इसके लिए **Liberalised Remittance Scheme** (LRS) के तहत पैसा विदेश भेजते हैं। फैमिली ऑफिस भी कॉपर और एल्यूमिनियम कंपनियों के शेयरों के जरिए धातुओं में अप्रत्यक्ष निवेश करते हैं।

विदेशी निवेश प्लेटफॉर्म पर भी कमोडिटी में निवेश तेजी से बढ़ रहा है। Paasa के को-फाउंडर और सीईओ निलीश साहनी के अनुसार हाल के समय में ग्लोबल युद्ध जैसे माहौल के कारण निवेशक कमोडिटी की ओर तेजी से आकर्षित हुए हैं। उनके प्लेटफॉर्म पर कुल निवेश का 15 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा अब कमोडिटीज में है, जो पहले नहीं देखा गया था। निवेशक निकेल, कॉपर और एल्यूमिनियम जैसी औद्योगिक धातुओं के अलावा ब्रेंट क्रूड, नेचुरल गैस, पशुधन, मक्का और कॉर्न जैसी अन्य कमोडिटीज में भी निवेश कर सकते हैं, जो भारत में आसानी से उपलब्ध नहीं हैं।

Vested और Paasa जैसे प्लेटफॉर्म के आंकड़े बताते हैं कि भारतीय निवेशक अब ऐसे ETF की ओर बढ़ रहे हैं जो दुनिया भर की धातु और माइनिंग कंपनियों में निवेश का मौका देते हैं। इनमें SPDR Gold Shares (GLD) सबसे लोकप्रिय फंडों में से एक है, जो दुनिया के सबसे बड़े गोल्ड ETF में शामिल है और इसका एसेट अंडर मैनेजमेंट लगभग 178.9 अरब डॉलर है। पिछले एक साल में इसने करीब 83.5 प्रतिशत रिटर्न दिया है। गोल्ड माइनिंग कंपनियों में निवेश के लिए VanEck Gold Miners ETF (GDX) में भी निवेश बढ़ा है, जिसका एसेट अंडर मैनेजमेंट करीब 33.6 अरब डॉलर है।

ग्लोबल कमोडिटी मार्केट: किस ETF ने दिया सबसे दमदार रिटर्न?

फंड का नाम (ETF)	1 साल का रिटर्न (%)	3 साल का रिटर्न (%)	5 साल का रिटर्न (%)	AUM ($ बिलियन)
SPDR Gold Shares	83.5	41.4	24.0	178.9
iShares Silver Trust*	225.0	64.1	29.7	44.5
VanEck Gold Miners ETF	192.3	63.5	31.7	33.6
VanEck Junior Gold Miners ETF	225.3	69.6	29.5	11.2
Global X Copper Miners ETF	155.9	39.3	23.6	8.0
Global X Uranium ETF	129.5	43.5	30.4	7.3
Global X Silver Miners ETF	246.0	66.7	24.6	6.8
abrdn Physical Platinum Shares ETF*	134.5	31.0	15.0	3.0
VanEck Rare Earth and Strategic Metals ETF	155.9	7.1	6.0	3.0
iShares Global Water UCITS ETF	25.1	13.5	9.2	2.4
Global X Lithium & Battery Tech ETF	86.7	6.7	5.3	1.7
abrdn Physical Palladium Shares ETF*	82.0	3.4	-5.4	1.1

रिटर्न 28 फरवरी 2026 तक के हैं। (*) मार्क वाले रिटर्न 31 जनवरी तक के हैं। एक वर्ष से अधिक के रिटर्न वार्षिक (annualised) आधार पर दिए गए हैं। AUM: डेटा 3 मार्च 2026 तक का है।

ग्लोबल स्टॉक्स और ETF में निवेश का मौका

भारतीय निवेशक Liberalised Remittance Scheme के तहत हर वित्त वर्ष में 2.5 लाख डॉलर तक विदेश भेजकर ग्लोबल स्टॉक्स और ETF में निवेश कर सकते हैं। Vested Finance के अनुसार 2025 में उनके प्लेटफॉर्म पर मेटल ETF में निवेश 106 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ा है, जो इस क्षेत्र में बढ़ती दिलचस्पी को दिखाता है। इसके बावजूद कुल पोर्टफोलियो में इनका हिस्सा अभी भी छोटा है। प्लेटफॉर्म के कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट में मेटल ETF का हिस्सा लगभग 2 प्रतिशत है, जबकि औसतन निवेशकों के विदेशी पोर्टफोलियो में धातुओं का हिस्सा करीब 3 प्रतिशत है। एक और बड़ा ट्रेंड यह है कि निवेशक अब व्यक्तिगत कंपनियों के शेयरों की बजाय ETF को ज्यादा पसंद कर रहे हैं।

उतार-चढ़ाव का भी रहता है जोखिम

धातुओं और कमोडिटी से जुड़े निवेश में कीमतों में उतार-चढ़ाव का जोखिम भी रहता है। इनकी कीमतें ग्लोबल आर्थिक वृद्धि, जियोपॉलिटिकल तनाव, मुद्रा विनिमय दर और सप्लाई में बाधा जैसे कई कारकों से प्रभावित होती हैं। इतिहास में कई बार ऐसा हुआ है कि तेजी के बाद कीमतों में तेज गिरावट आई है।

उदाहरण के लिए, 2008 के ग्लोबल वित्तीय संकट के दौरान कई कमोडिटीज, खासकर औद्योगिक धातुओं की कीमतों में तेज गिरावट आई थी क्योंकि ग्लोबल मांग अचानक घट गई थी। इसी तरह कम समय में भी कॉपर और पैलेडियम जैसी धातुओं में तेजी के बाद तेज सुधार देखा गया है। इसलिए वित्तीय सलाहकार आम तौर पर सलाह देते हैं कि कमोडिटी ETF में निवेश सीमित मात्रा में ही किया जाए और इसे निवेशक की जोखिम क्षमता के अनुसार रखा जाए।

सीमित विकल्प

धातुओं में निवेश के लिए विदेश क्यों जाते हैं निवेशक

घरेलू बाजारों में कमोडिटी के सीमित विकल्प निवेशकों को वैश्विक ETF की ओर ले जाते हैं।

भारत: *सीधे कमोडिटी निवेश के सीमित विकल्प*
गोल्ड ETF, सिल्वर ETF, कमोडिटी फ्यूचर्स, मेटल कंपनियों के शेयरों से मेटल एक्सपोजर

ग्लोबल मार्केट: *कमोडिटी ETF का व्यापक दायरा*
सोना, चांदी, कॉपर, जिंक, लिथियम, निकल, यूरेनियम, रेयर अर्थ जैसे मेटल के ETF

SMART STATS

1 Top 5 SIPs

Top 5 equity schemes based on 10-year SIP returns

Scheme	Return
Quant Small Cap Fund(G)	21.43
Nippon India ETF Nifty PSU Bank BeES	20.34
Kotak Nifty PSU Bank ETF	20.29
ICICI Pru Infrastructure Fund(G)	20.00
Nippon India Small Cap Fund(G)	19.92

11 March 2016 to 11 March 2026 — % ANNUALISED RETURNS As on: 12 March 2026

2 Top 5 SWPs

Top 5 conservative hybrid scheme based on 3-year return

Scheme	Return
ICICI Pru Retirement Fund-Pure Equity Plan(G)	24.74
SBI Children's Fund-Investment Plan-Reg(G)	21.04
UTI Retirement Fund	11.56
Parag Parikh Conservative Hybrid Fund	11.48
ICICI Pru Regular Savings Fund-Reg(G)	9.89

SWP: SYSTEMATIC WITHDRAWAL PLAN — % ANNUALISED RETURNS AS ON 12 March 2026

किसका, कैसा रिटर्न?

यहां अलग-अलग कैटिगरी में रिटर्न के आधार पर अधिक रिटर्न देने वाले शीर्ष 5 और कम रिटर्न वाले फिसड्डी 5 फंड्स की सूची है, ताकि निवेशक समझ सकें कि किन फंड्स का कैसा प्रदर्शन रहा है।

Equity: Large Cap 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
Nippon India Large Cap Fund(G)	17.21	PGIM India Large Cap Fund(G)	9.59
ICICI Pru Large Cap Fund(G)	16.44	LIC MF Large Cap Fund-Reg(G)	10.57
DSP Large Cap Fund-Reg(G)	16.16	UTI Large Cap Fund-Reg(G)	11.11
WOC Large Cap Fund-Reg(G)	16.12	Sundaram Large Cap Fund-Reg(G)	11.15
Bandhan Large Cap Fund-Reg(G)	15.84	Axis Large Cap Fund-Reg(G)	11.56

Equity: Flexi Cap 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
Bank of India Flexi Cap Fund-Reg(G)	20.29	Samco Flexi Cap Fund-Reg(G)	1.02
HDFC Flexi Cap Fund(G)	19.90	UTI Flexi Cap Fund-Reg(G)	8.65
ITI Flexi Cap Fund-Reg(G)	19.64	Shriram Flexi Cap Fund-Reg(G)	9.35
Motilal Oswal Flexi Cap Fund-Reg(G)	18.85	PGIM India Flexi Cap Fund-Reg(G)	11.43
Parag Parikh Flexi Cap Fund-Reg(G)	18.66	SBI Flexicap Fund-Reg(G)	12.07

Equity: Mid Cap 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
Invesco India Midcap Fund-Reg(G)	24.77	PGIM India Midcap Fund-Reg(G)	12.18
Nippon India Growth Mid Cap	24.51	Taurus Mid Cap Fund-Reg(G)	13.62
WOC Mid Cap Fund-Reg(G)	24.33	Quant Mid Cap Fund(G)	13.76
ICICI Pru Midcap Fund(G)	23.99	SBI Midcap Fund-Reg(G)	15.30
Edelweiss Mid Cap Fund-Reg(G)	23.98	UTI Mid Cap Fund-Reg(G)	16.02

Equity: Small Cap 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
Bandhan Small Cap Fund-Reg(G)	27.49	Tata Small Cap Fund-Reg(G)	11.39
ITI Small Cap Fund-Reg(G)	22.30	SBI Small Cap Fund-Reg(G)	11.77
Invesco India Smallcap Fund-Reg(G)	21.89	PGIM India Small Cap Fund-Reg(G)	12.90
Mahindra Manulife Small Cap	21.73	Kotak Small Cap Fund(G)	13.21
Nippon India Small Cap Fund(G)	18.98	Canara Rob Small Cap Fund-Reg	14.43

Hybrid: Aggressive 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
ICICI Pru Equity & Debt Fund(G)	17.75	PGIM India Aggressive Hybrid Equity	9.58
BOI Mid & SmallCap Equity&Debt-Reg(G)	17.68	Tata Aggressive Hybrid Fund	10.02
UTI Aggressive Hybrid Fund-Reg(G)	15.44	HDFC Hybrid Equity Fund(G)	10.02
JM Aggressive Hybrid Fund-Reg(G)	15.31	HDFC Hybrid Equity(Adjusted)	10.16
Mahindra Manulife Aggressive Hybrid	15.26	Shriram Aggressive Hybrid Fund	10.61

ANNUALISED RETURNS IN %, As on: 12 March 2026

ईरानी इकॉनमी के दिल पर हमला, किधर जाएगा बाजार

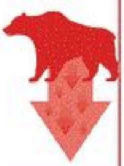

अखिलेश प्रताप सिंह
Akhilesh.Pratap
@timesofindia.com

बाजार की इस सुस्ती के पीछे सबसे बड़ा हाथ क्रूड ऑयल का है, जो 100 डॉलर प्रति बैरल के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार कर चुका है। विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा हालात में बाजार की दिशा पूरी तरह से जियो-पॉलिटिकल खबरों और तेल की कीमतों पर निर्भर करेगी।

ईरान पर अमेरिका और इस्रायल के हमले से बने हालात में शेयर बाजार ने पिछले हफ्ते रेकॉर्ड गिरावट देखी। सेंसेक्स 5.5% नीचे आया। यह मई 2020 के बाद की सबसे बड़ी गिरावट रही। निफ्टी 5.3% फिसला। इसमें भी जून 2022 के बाद सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट रही। अब सवाल यह कि इस हफ्ते क्या होगा? आसार और गिरावट के हैं। विशेषज्ञों की सलाह है कि पैनिक सेलिंग न करें, लेकिन इस गिरावट में बड़ा निवेश भी न करें।

■ **क्रूड फैक्टर:** लड़ाई के चलते क्रूड ऑयल पहले ही 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर जा चुका है, जो जनवरी में 65-66 डॉलर के करीब था। इस बीच, अमेरिका ने ईरानी अर्थव्यवस्था के दिल पर वार कर दिया है। उस जगह का नाम है खर्ग। ईरानी क्रूड ऑयल का 95% तक एक्सपोर्ट वहीं से होता है। इंटरनैशनल एनर्जी एजेंसी ने 40 करोड़ बैरल कच्चा तेल मार्केट में उतारने का ऐलान किया था। उसके बाद भी तेल 100 डॉलर से नीचे नहीं आया। अब खर्ग पर हमले से क्रूड की गर्मी बढ़ सकती है।

■ **किधर जाएगा बाजार?:** जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के रिसर्च हेड विनोद नायर ने कहा, 'पश्चिम एशिया में युद्ध से रिस्क सेंटिमेंट कमजोर बना हुआ है। बाजार की दिशा ईरान के साथ अमेरिका-इस्रायल के युद्ध और क्रूड के ट्रेंड से तय होगी क्योंकि महंगाई, कंपनियों के मार्जिन, देश के करंट अकाउंट और आरबीआई की नीतियों पर इसका असर पड़ेगा।' चॉइस इक्विटी ब्रोकिंग के रिसर्च एनालिस्ट आकाश शाह ने कहा, 'सेंसेक्स में ज्यादा वोलैटिलिटी दिख सकती है। अभी 74,000-74,100 जोन के पास सपोर्ट है। ऊपर की ओर 75000-75100 के आसपास रेजिस्टेंस है।'

■ **निवेशक क्या करें?:** वेंचुरा के रिसर्च हेड विनीत बोलिंजकर ने कहा, 'यह गिरावट कोई आपदा नहीं है। यह रीप्राइसिंग का मौका है। रिटेल निवेशक SIP करते रहें। एक बार में ज्यादा पैसा लगाने के बजाय टुकड़ों में लगाएं। कर्ज लेकर दांव न लगाएं।' जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स के विनोद नायर ने कहा, 'देश में खपत से जुड़ी थीम वाले सेक्टरों में खरीदारी के चुनिंदा मौके बन सकते हैं। क्रूड ऑयल में तेजी से इसकी खपत वाले सेक्टरों पर दबाव बना रहेगा। डोमेस्टिक इंस्टिट्यूशंस और रिटेल इन्वेस्टर्स में सतर्कता बढ़ने से अब बाजार में अच्छी रिकवरी तभी होगी, जब भू-राजनीतिक तनाव घटने का साफ संकेत मिले, क्रूड में स्थिरता आए और सेक्टरों से जुड़ी डिमांड बेहतर हो।'

एक्सपर्ट्स ने माना है कि शेयर बाजार में गिरावट के समय फायदेमंद होगा यह बदलाव

इक्विटी MF में 'गोल्डन' टच: SEBI के नए नियम से सोना-चांदी चमकाएंगे पोर्टफोलियो

सुरभि खन्ना
NBTwealth
@timesofindia.com

SEBI ने म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए एक गेम-चेंजिंग नियम लागू किया है, जिसके तहत अब इक्विटी म्यूचुअल फंड अपने पोर्टफोलियो का 35% तक हिस्सा सोना और चांदी में निवेश कर सकेंगे।

बाजार नियामक Securities and Exchange Board of India (SEBI) ने 26 फरवरी को एक नया नियम लागू किया है, जिसके तहत इक्विटी म्यूचुअल फंड अब अपने पोर्टफोलियो का एक हिस्सा सोना और चांदी में निवेश कर सकेंगे। यह कदम म्यूचुअल फंड स्कीमों को अधिक लचीला और डाइवर्सिफाइड बनाने के लिए किए गए बड़े सुधारों का हिस्सा है।

संशोधित नियमों के अनुसार, एक्टिवली मैनेज किए जाने वाले इक्विटी फंड अपने मुख्य निवेश आवंटन को पूरा करने के बाद, बचे हुए हिस्से यानी अधिकतम 35% तक की राशि सोना और चांदी से जुड़े इंस्ट्रूमेंट्स और इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स की यूनिट्स में निवेश कर सकते हैं। इससे स्कीम फंड्स को मनी-मार्केट और लिक्विड सिक्योरिटीज के अलावा निवेश के और विकल्प मिलेंगे। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि इस नए नियम से फंड मैनेजरों को अस्थिर बाजार में पोर्टफोलियो को बेहतर तरीके से मैनेज करने की सुविधा मिलेगी, हालांकि जब इक्विटी बाजार बहुत तेजी में होगा तब इससे रिटर्न थोड़ा कम भी हो सकता है।

एसेट एलिक्सिर के फाउंडर और CFP शिवम पाठक ने BTMutualFunds को बताया कि SEBI द्वारा इक्विटी म्यूचुअल फंड को सोना और चांदी में 35% तक निवेश की अनुमति देने से फंड मैनेजरों को अस्थिर बाजार के दौरान पोर्टफोलियो संभालने में अधिक लचीलापन मिलेगा। पहले ऐसे एसेट्स में निवेश की सीमा काफी सीमित थी।

पाठक ने आगे कहा कि कीमती धातुओं में अधिक निवेश से इक्विटी बाजार में गिरावट के समय नुकसान का जोखिम कम हो सकता है, लेकिन जब इक्विटी बाजार बहुत तेजी में होता है तो इससे रिटर्न थोड़ा सीमित भी हो सकता है। इसी तरह की राय रखते हुए आनंद राठी वेल्थ लिमिटेड के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर चिराग मुनी ने BTMutualFunds को बताया कि हालिया बदलाव से फंड मैनेजरों को पोर्टफोलियो में विविधता लाने की अधिक स्वतंत्रता मिलेगी।

EMF में कमोडिटीज: विविधता या कमजोरी?

परंपरागत रूप से इक्विटी म्यूचुअल फंड मुख्य रूप से शेयरों में निवेश करते थे, जबकि पोर्टफोलियो का बाकी हिस्सा आमतौर पर कैश, डेट इंस्ट्रूमेंट्स या अन्य अनुमत एसेट्स में रखा जाता था। नए नियम के तहत अब फंड मैनेजर उस हिस्से का उपयोग सोना और चांदी में निवेश के लिए कर सकते हैं, जैसे कि ETF या संबंधित फंड्स के जरिए। पाठक ने कहा कि यह कदम पोर्टफोलियो को अधिक मजबूत बना सकता है। हालांकि अगर कमोडिटी में बहुत ज्यादा निवेश हो जाए तो इससे इन योजनाओं की शुद्ध इक्विटी प्रकृति कमजोर पड़ सकती है।

पोर्टफोलियो ओवरलैपिंग

कई निवेशक पहले से ही सोने में अलग-अलग तरीकों से निवेश करते हैं, जैसे गोल्ड ETF, सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड या फिजिकल गोल्ड। अगर इक्विटी म्यूचुअल फंड भी अपने पोर्टफोलियो में सोना या चांदी रखने लगें, तो निवेशकों का बिना जाने-समझे कीमती धातुओं में अधिक निवेश हो सकता है। ऐसे में क्या निवेशकों को अपनी एसेट एलोकेशन बदलनी चाहिए? पाठक ने कहा कि निवेशकों को अपनी कुल एसेट एलोकेशन की समीक्षा करनी चाहिए।

कमोडिटी में निवेश के जोखिम क्या है?

हालांकि सोना और चांदी पोर्टफोलियो में विविधता ला सकते हैं, लेकिन इनके अपने जोखिम भी होते हैं। कमोडिटी की कीमतें काफी अस्थिर हो सकती हैं और वैश्विक आर्थिक रुझानों, मुद्रा में उतार-चढ़ाव, जियोपॉलिटिकल घटनाओं और मांग-आपूर्ति की स्थिति से प्रभावित होती हैं।

एक और जोखिम यह है कि अगर कमोडिटी में बहुत ज्यादा निवेश हो जाए तो लंबी अवधि में इक्विटी फंड की ग्रोथ क्षमता कम हो सकती है, क्योंकि लंबी अवधि में आमतौर पर इक्विटी कमोडिटी की तुलना में अधिक रिटर्न देती है।

टी20 वर्ल्ड कप से पहले काफी अटकलें लगाई जा रही थीं कि कुछ टीमें हिस्सा लेंगी या नहीं। ICC अध्यक्ष के तौर पर मैं इतना जरूर कह सकता हूं कि कोई टीम संगठन से बड़ी नहीं होती बल्कि सभी टीमों के साथ मिलकर ही संगठन चलता है। *-जय शाह, चेयरमैन, ICC*

19 बार शून्य पर आउट हुए हैं ग्लेन मैक्सवेल इंडियन प्रीमियर लीग में। वह लीग के इतिहास में सर्वाधिक बार बिना खाता खोले आउट होने वाले बैटर हैं।

स्पोर्ट्स QUIZ

इस पेज पर छपी खबरों में ही इन सवालों का जवाब है।

1. इंडियन प्रीमियर लीग में सर्वाधिक बार शून्य पर आउट कौन हुआ है?
A) ग्लेन मैक्सवेल B) रोहित शर्मा C) दिनेश कार्तिक D) जहीर खान
2. पाकिस्तान के सरफराज खान ने कितने वनडे इंटरनैशनल मैच खेले हैं?
A) 54 B) 117 C) 61 D) 184

कल के जवाब
1. D) स्मृति मंधाना 2. B) एलेना रिबाकिना

लकी WINNER

1. दीपक गुप्ता, लक्ष्मी नगर, दिल्ली
2. दिनेश वर्मा, प्रताप नगर, मुंबई
3. दिपिका चौधरी, मीरा रोड, मुंबई

आप अपने जवाब हमें **9319282367** पर अपने नाम, तस्वीर और शहर/गांव के नाम के साथ वॉट्सऐप करें। एक 'लकी विनर' का नाम और तस्वीर हम कल के अंक में छापेंगे। दो अन्य विजेताओं के नाम भी प्रकाशित होंगे।

फटाफट खबरें

अचीवर्स को पोलो कप
■ नई दिल्ली: जयपुर पोलो ग्राउंड पर खेले गए फाइनल में राजनीशा अचीवर्स ने धहरलोल्स को 9–5 से हराकर आदित्य बिड़ला पोलो कप 2026 का खिताब जीता। साढ़े सात मिनट के चार चक्करों वाले इस मुकाबले में अचीवर्स की शुरुआत से ही पकड़ मजबूत रही।

तलवार की जीत
■ अहमदाबाद: भारतीय गोल्फर सक्षम तलवार ने आखिरी राउंड में दो-अंडर 70 का स्कोर बनाकर दो शॉट से डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई के इंडियाना वेल्स ओपन जीत लिया। सक्षम का कुल स्कोर 10-अंडर 278 का रहा।

विमिंस कीवी टीम जीती
■ बे ओवल: न्यूजीलैंड (190/7) और साउथ अफ्रीका (110/7) की विमिंस क्रिकेट टीमों के बीच पहले टी20I में मेजबान टीम ने 80 रन से जीत हासिल की।

इस सीजन नंबर 1-2-3 करा देंगे हैदराबाद का सनराइज!

IPL 2025 में SRH की ओर से टॉप पार्टनरशिप्स

जोड़ी	रन	विरुद्ध
अभिषेक शर्मा-ट्रैविस हेड	171	PBKS
क्लासेन-अभिनव मनोहर	99	MI
अभिषेक शर्मा-ट्रैविस हेड	92	KKR
ट्रैविस हेड-ईशान किशन	85	RR
ट्रैविस हेड-क्लासेन	83	KKR
ईशान-क्लासेन	83	KKR
अभिषेक-ईशान	82	LSG

NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) की टीम इन दिनों गलत वजहों से सुर्खियों में है। इंग्लैंड की लीग 'द हंड्रेड' लीग के ऑक्शन में सनराइजर्स के स्वामित्व वाली फ्रेंचाइजी सनराइजर्स लीड्स ने पाकिस्तानी स्पिनर अबरार अहमद को काफी पैसे देकर साइन किया है। इस विवाद का अंत क्या होगा पता नहीं, मगर इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के अगले सीजन में हैदराबाद की टीम अपने सनराइज के बारे में सोच सकती है। टीम एक बार फिर दुनिया की सबसे खतरनाक त्रिमूर्ति के साथ उतरने जा रही है, जिसमें अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और ट्रैविस हेड शामिल हैं। अभिषेक फिलहाल टी20I रैंकिंग्स के टॉप बैटर हैं जबकि ईशान दूसरे नंबर पर हैं। हेड नंबर-12 पर काबिज हैं। अगर इनका बल्ला लगातार बोला तो इस सीजन हैदराबाद का सनराइज होना तय है।

बैटिंग कार्निवल की तैयारी: अभिषेक-ईशान-हेड की त्रिमूर्ति जैसा टॉप ऑर्डर अन्य किसी टीम के पास नहीं है। वह तीनों ने टी20 क्रिकेट में ऐसे बैटर हैं जो 200+ स्ट्राइक रेट से बैटिंग में विश्वास रखते हैं। इन तीनों का एक ही टीम में होना किसी 'बैटिंग कार्निवल' से कम नहीं है। अभिषेक की लय कुछ मैचों में गड़बड़ाई थी लेकिन उन्होंने अपनी पावर-हिटिंग के टॉप गियर को फिर से हासिल कर लिया है। ईशान भले ही नंबर-3 पर उतरें लेकिन वह रन स्पीड कम होने नहीं देते। पिछले कुछ मैचों से हेड की फॉर्म चाहे जैसी हो, उनकी मौजूदगी ही विपक्षी खेमे के लिए 'हेडेक' पैदा करने के लिए काफी होती है। सनराइजर्स की यह तिकड़ी 'अटैक-अटैक-अटैक' का समीकरण बनाती है। अभिषेक, ईशान और हेड की तिकड़ी का लक्ष्य पहले 6 ओवरों में ही मैच को विपक्षी टीम की पहुंच से बाहर करना रहा है और इस सीजन में भी यही होगा।

IPL 2026

> जब मैं सनराइजर्स को देखता हूं, तो मुझे टी20 वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज की याद आती है। इस टीम के पास एक बेहद दमदार बैटिंग लाइन-अप है। *-फाफ डुप्लेसिस, पूर्व कप्तान, साउथ अफ्रीका*

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

सबसे बड़ा सवाल

पिछले सीजन इस तिकड़ी के रहते हुए भी सनराइजर्स ने छठा स्थान हासिल किया था। साउथ अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डुप्लेसिस ने टीम के बैटिंग लाइन-अप की वेस्टइंडीज की टीम से तुलना करते हुए कुछ सवाल उठाए हैं। फाफ के मुताबिक, 'जब मैं टीम को देखता हूं, तो खुद से पूछता हूं कि मेरे विकेट लेने वाले बोलर कौन हैं? कप्तानी के नजरिए से, मैं गेंद किसे थमाऊंगा? जाहिर है, पैट कमिंस कप्तान हैं, इसलिए वह तो मुख्य विकल्प हैं ही, लेकिन उनके अलावा, शेष गेंदबाज कौन हैं? ऐसे कौन से दो या तीन गेंदबाज हैं जिन पर मैं डेथ ओवर्स में पूरी तरह भरोसा कर सकता हूं और जो मुझे पावरप्ले में विकेट दिलाएंगे?' जाहिर है, सनराइजर्स के पास बोलिंग में दिक्कत होगी। ऐसे में उनके बैटर्स को विपक्षी बोलर्स पर हावी होना होगा और हर मैच में बड़े स्कोर बनाने होंगे या टारगेट का पीछा करना होगा।

द्रविड़, गिल, मंधाना नवाजे गए अवॉर्ड्स से

BCCI के नमन अवॉर्ड्स

■ **एजेंसियां, नई दिल्ली:** भारतीय क्रिकेट टीम के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल और विमिंस टीम की ओपनर स्मृति मंधाना को 2024-2025 में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए BCCI नमन अवॉर्ड्स 2026 समारोह में बेस्ट इंटरनैशनल क्रिकेटर चुना गया। गिल ने प्रतिष्ठित 'पॉली उमरीगर पुरस्कार' जीता जबकि मंधाना को यह पुरस्कार पांचवीं बार मिला। गिल का यह दूसरा 'क्रिकेटर ऑफ द ईयर' अवॉर्ड है, इससे पहले उन्होंने 2023 में यह पुरस्कार जीता था। पूर्व दिग्गज खिलाड़ी रोजर बिन्नी, राहुल द्रविड़ और मिताली राज को बोर्ड के सर्वोच्च सम्मान 'कर्नल सी के नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार भारतीय क्रिकेट में उनके बेहतरीन योगदान को देखते हुए दिया गया। गिल ने कहा, 'मैं सबसे पहले यह पुरस्कार देने के लिए BCCI का धन्यवाद करना चाहता हूं। भारतीय क्रिकेट के कई महान और दिग्गज खिलाड़ी पहले यह सम्मान प्राप्त कर चुके हैं इसलिए यह होना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है।'

नमन अवॉर्ड्स के दौरान भारतीय मेंस क्रिकेट टीम के प्लेयर्स और स्टाफ

पाक के पूर्व कप्तान सरफराज रिटायर

■ **एजेंसियां, कराची:** पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और विकेटकीपर-बैटर सरफराज अहमद ने रविवार को इंटरनैशनल क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास की घोषणा कर दी। वह भारत के खिलाफ दो बड़े ICC टूर्नामेंट के फाइनल में जीत दिलाने वाले पाकिस्तान के एकमात्र कप्तान रहे हैं। उन्होंने पाकिस्तान के लिए 54 टेस्ट, 117 वनडे और 61 टी20I खेले और तीनों प्रारूपों में कुल 100 मैचों में टीम की कप्तानी की। उनकी कप्तानी में पाकिस्तान ने साल 2017 की ICC चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी, जबकि साल 2006 में उन्होंने अंडर-19 वर्ल्ड कप भी जिताया था। सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड उन्हें भविष्य में टेस्ट टीम का हेड कोच भी बना सकता है।

सरफराज

इटली के एंटोनेली ने रेस जीतकर रचा इतिहास

फॉर्म्यूला-1 रेस, चीन ग्रां प्री

■ **एपी, शंघाई:** मर्सीडीज के ड्राइवर किमी एंटोनेली ने चीन ग्रां-प्री में कई दिग्गजों को पछाड़ते हुए रेस जीत ली। इसके साथ ही वह फॉर्म्युला-1 वन के इतिहास के दूसरे सबसे कम उम्र के विजेता बन गए। इटली के 19 वर्षीय किमी पोल पोजिशन से शुरुआत करने वाले सबसे कम उम्र के ड्राइवर थे। रेस की शुरुआत में कुछ समय के लिए फरारी के लुईस हैमिल्टन ने बढ़त बनाई, लेकिन जल्द ही एंटोनेली आगे निकल गए। इसके बाद पूरी रेस पर उनका ही कंट्रोल रहा। सीजन की शुरुआत में मर्सीडीज के लिए यह एक और पहले-दूसरे स्थान वाला प्रदर्शन रहा। एंटोनेली के साथी जॉर्ज रसेल ने दूसरा स्थान हासिल किया। लुईस हैमिल्टन तीसरे स्थान पर रहे। फरारी के लिए यह लंबे समय में पहला ग्रां-प्री पोडियम स्थान रहा। किमी से कम उम्र में ग्रां-प्री जीतने वाले एकमात्र ड्राइवर मैक्स वर्स्टापेन हैं, जिन्होंने साल 2016 में जब अपनी पहली जीत हासिल की थी, तब उनकी उम्र 18 साल थी। एंटोनेली इटली के सबसे युवा एफ-1 विजेता ड्राइवर हैं।

2 दूसरे सबसे युवा ड्राइवर हैं किमी एंटोनेली फॉर्म्युला-1 रेस जीतने वाले

मेरे पास शब्द नहीं है। ईमानदारी से कहूं तो मुझे रोना आ रहा है। *-किमी एंटोनेली*

बहरीन, सऊदी रेस रद्द

शंघाई: फॉर्म्युला-1 और उसकी संचालन संस्था फिया ने कहा है कि ईरान युद्ध से जुड़ी सुरक्षा चिंताओं के कारण अप्रैल में बहरीन और सऊदी अरब में होने वाली ग्रां-प्री रेस नहीं होंगी। यह घोषणा शंघाई में चीन ग्रां-प्री से पहले की गई। एफ-1 ने कहा, 'दौर की स्थिति के कारण बहरीन और सऊदी अरब ग्रां-प्री अप्रैल में नहीं होंगी।'

कुलदीप ने वंशिका के साथ लिए सात फेरे

■ **एजेंसियां, देहरादून:** भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव शनिवार को उत्तराखंड की सुरम्य वादियों में बसे मसूरी में अपनी मंगेतर वंशिका सिंह के साथ विवाह बंधन में बंध गए। शहर के ऐतिहासिक और प्रसिद्ध होटल 'द सेवॉय' में आयोजित यह समारोह पारंपरिक रस्मों और उत्सवी माहौल के बीच देर रात तक चलता रहा। विवाह समारोह में तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, युजवेंद्र चहल, मोहम्मद कैफ, आरपी सिंह, फील्डिंग कोच टी दिलिप और सुरेश रैना शामिल हुए और नवदंपती को शुभकामनाएं दीं।

कुलदीप और वंशिका

टी20 सीरीज, पहला मैच

साउथ अफ्रीका ने ली सीरीज में बढ़त

■ **एजेंसियां, माउंट माउंगानुई:** एनकोबानी मोकोएना (3/26) की बदौलत साउथ अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को पांच मैच की टी20I सीरीज के पहले मैच में 7 विकेट से हरा दिया। मेजबान कीवी टीम ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग की, लेकिन टीम सिर्फ 91 रन पर आउट हो गई। जवाब में साउथ अफ्रीका ने 20 गेंद शेष रहते 93 रन बना दिए।

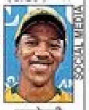

एनकोबानी

गुलवीर ने हाफ मैराथन में बनाया नैशनल रेकॉर्ड

■ **एजेंसियां, नई दिल्ली:** भारत के गुलवीर सिंह ने न्यूयॉर्क सिटी हाफ मैराथन में शानदार प्रदर्शन करते हुए मेंस हाफ मैराथन (21 किमी) का नैशनल रेकॉर्ड तोड़ दिया। इस धावक ने 59 मिनट 42 सेकंड का समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल किया। साउथ अफ्रीका के एड्रियन वाइल्डशट (59:30) पहले और अमेरिकी धावक कूरर तालबी 59:41 के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

गुलवीर सिंह

वहीं, भारत के सेल्वा प्रभु (17.05 मीटर) ने अमेरिका में चल रही एनसीएए इंडोर ऐथलेटिक्स चैंपियनशिप में मेंस ट्रिपल जंप में सिल्वर मेडल जीता।

मैक्स के नाम हुआ रेकॉर्ड, आर्सेनल की जीत

केवल 16 साल के हैं मैक्स डॉमैन

■ **एजेंसियां, लंदन:** आर्सेनल के 16 वर्षीय विंगर मैक्स डॉमैन इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में सबसे कम उम्र के गोल स्कोरर बन गए। उन्होंने एवर्टन के खिलाफ अपनी टीम की 2-0 की जीत में गोल किया। उन्होंने 16 साल और 73 दिन की उम्र में यह गोल करके नया रेकॉर्ड बनाया। मैक्स ने पिछले साल नवंबर में सबसे कम उम्र में चैंपियंस लीग में खेलने का रेकॉर्ड बनाया था। तब उनकी उम्र 15 साल और 308 दिन थी। मैक्स अभी स्कूल में हैं। आर्सेनल ने इस जीत से अंक तालिका में टॉप पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

फुटबॉल कॉर्नर

रियाल मैड्रिड की जीत

बार्सिलोना: एल्चे पर 4-1 की जीत के साथ रियाल मैड्रिड स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी बार्सिलोना के करीब पहुंच गया है। इस जीत के साथ मैड्रिड के 28 मैच में 66 अंक हो गए हैं, जबकि बार्सिलोना के 27 मुकाबलों में 67 अंक हैं।

भारत का मैच कोच्चि में

कोच्चि: जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में करीब एक दशक बाद भारतीय सीनियर मेंस फुटबॉल टीम का मैच खेला जाना है। भारतीय फुटबॉल टीम 31 मार्च को हॉन्ग कॉन्ग के खिलाफ एएफसी एशियन कप सऊदी अरब 2027 क्वॉलिफायर फाइनल राउंड का अपना आखिरी मैच खेलेगी। मुकाबला भारतीय समयानुसार शाम 7 बजे से शुरू होगा।

इस साल पहली बार हारे अल्काराज

इंडियन वेल्स टेनिस टूर्नामेंट

■ **एजेंसियां, इंडियन वेल्स:** रूस के डेनियल मेदवेदेव ने कार्लोस अल्काराज को 6-3, 7-6 से हराकर इंडियन वेल्स टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। इस हार के साथ ही अल्काराज की इस साल की 16 मैचों की जीत का सिलसिला भी टूट गया और उन्हें साल की पहली हार का सामना करना पड़ा। अल्काराज ने इस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन और कतर ओपन के खिताब जीतते हुए लगातार 16 मैच जीते थे। मेदवेदेव अब खिताबी मुकाबले में इटली के यानिक सिनर से भिड़ेंगे। सिनर ने सेमीफाइनल में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-2, 6-4 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। इस जीत के साथ सिनर पहली बार इंडियन वेल्स के फाइनल में पहुंचे हैं।

कार्लोस अल्काराज जैसे खिलाड़ी के खिलाफ आप कई मैच खेलते हैं और कई हारते हैं। वह एक शानदार खिलाड़ी हैं, जिनके शॉट्स, डिफेंस, अटैक, रिटर्न सब अच्छे हैं। ऐसे में आपको अपना बेस्ट देना होता है। *-डेनियल मेदवेदेव*

AP

12 राशियां और आपका दिन

ARIES 21 Mar - 19 Apr
राज्य से विशेष सम्मान प्राप्त हो सकता है। आज दशम प्रमुख केंद्र राज्य लक्ष्मी भाव में चंद्रमा का प्रबल योग बन रहा है, जिसके कारण कार्यक्षेत्र में प्रगति के संकेत मिल रहे हैं। रात 9 बजे तक कोई रुकी डील फाइनल हो जाएगी। मांगलिक कार्यों में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त होगा। समाज में शुभ व्यय से कीर्ति बढ़ेगी।

TAURUS 20 Apr - 19 May
आज आपका ध्यान नई योजनाओं में लगेगा। किसी देवस्थान की यात्रा से मन को सुकून मिलेगा और मानसिक शांति प्राप्त होगी। कानूनी विवाद में सफलता, स्थान परिवर्तन की योजना सफल हो सकती है। दिन के उत्तरार्ध में उलझनों के बावजूद पराक्रम की वृद्धि होगी। परिवार में हर्ष मंगलमय परिवर्तन होगा।

GEMINI 21 May - 21 Jun
आज का दिन काफी रचनात्मक है। किसी क्रिएटिव और आर्टिस्टिक काम को पूरा करने में आप दिन बिता सकते हैं। जो काम आपको सबसे प्रिय है आज वही करने को मिलेगा। आज आपको रिलैक्स करने में मदद मिलेगी और मानसिक रूप से संतुलन बना रहेगा। नई योजनाएं भी दिमाग में आएंगी।

CANCER 22 Jun - 22 July
आज का दिन वैसे तो काफी व्यस्त रखने वाला है, लेकिन धर्म अध्यात्म के मामले और पढ़ाई लिखाई के लिए थोड़ा समय निकाल लेना ही अच्छा होगा। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारी आपके कार्यों में रुकावट डालने की कोशिश करेंगे, इसलिए धैर्य और संयम बनाए रखें।

LEO 23 July - 22 Aug
आज का दिन वैसे तो काफी व्यस्त रखने वाला है, लेकिन धर्म अध्यात्म के मामले और पढ़ाई लिखाई के लिए थोड़ा समय निकाल लेना ही अच्छा होगा। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारी आपके कार्यों में रुकावट डालने की कोशिश करेंगे, इसलिए धैर्य और संयम बनाए रखें।

VIRGO 23 Aug - 22 Sep
आज आपको वाणी व्यवहार में संयम व सावधानी बरतें। आसपास के लोगों से टकराव की नौबत न आए इस बात का ध्यान रखें। किसी शुभ मंगल कार्य की चर्चा हो सकती है और परिवार में उत्साह का माहौल रहेगा। भाग्य पर भरोसा रखें और आत्म विश्वास के साथ कार्य करें। रात में स्थिति में और भी सुधार होगा।

LIBRA 23 Sep - 22 Oct
आज का दिन आपके लिए लाभकारक है। कार्य व्यवहार से जुड़े सभी विवाद आज सुलझ सकते हैं। नए प्रोजेक्ट पर भी कुछ काम शुरू हो सकता है, जिससे भविष्य में लाभ के योग बनेंगे। जमीन जायदाद के मामले में पारिवारिक और आसपास के लोग कुछ परेशानी पैदा करने की कोशिश करेंगे, इसलिए सावधान बनाए रखें। शाम का समय परिवार वालों के साथ बिताएं।

SCORPIO 23 Oct - 21 Nov
भावी हालात को लें तो आज का दिन काफी मजबूत है। दिन भर लाभ के अवसर प्राप्त होंगे, इसलिए कार्यशील रहें और समय का सही उपयोग करें। परिवार में सुख शांति और ऐश्वर्य का आनंद उठाएं। नौकरी या व्यापार में कुछ नवीनता ला सकें तो आगे चलकर लाभ होगा। काम में नई जान आएगी और आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

SAGITTARIUS 22 Nov - 21 Dec
आज का दिन सावधानी और सतर्कता का है। बिजनेस के मामले में थोड़ा सा जोखिम उठाएं तो बड़ा लाभ होने की आशा है। रोजमर्रा के कामों से परे कुछ नए कामों में हाथ आजमाएं। किसी आने के लिए कुछ पैसों का इंतजाम करना पड़ सकता है। नया मौका आपके आसपास ही है।

CAPRICORN 22 Dec - 19 Jan
आज का दिन सामान्य है। भागीदारी में साझे में किया व्यापार काफी फायदा पहुंचाएगा। रोजमर्रा के घरेलू कामों को निपटाने का आज सुनहरा मौका है। हो सकता है आज आपको पुत्र-पुत्री के संबंध में कोई बड़ा फैसला लेना पड़े। ईमानदारी और निर्धारित नियमों का ध्यान रखें। धैर्य बनाए रखें।

AQUARIUS 20 Jan - 18 Feb
आज आपके स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतने का दिन है। खान पान में लापरवाही न करें। व्यापार के मामले में दिन सुखद व्यतीत होगा और कुछ अच्छे अवसर मिल सकते हैं। जल्दबाजी में कोई भूल हो सकती है, इसलिए हर काम सोच समझ कर करें। मित्रों से सहयोग मिलता रहेगा।

PISCES 19 Feb - 20 Mar
आज का दिन लाभकारक रहेगा। व्यापार में जोखिम उठाने का परिणाम आज हितकर होगा और आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। परेशानियों को धैर्य और अपने मृदु व्यवहार से सुधार कर ठीक किया जा सकता है। अपनी बुद्धि का प्रयोग कर आप वह सब कुछ पा सकते हैं, जिसकी आपको अभी तक कमी रही है। किसी स्वास्थ्य व्यक्ति की सहायता कर सकें तो शुभ रहेगा और पुण्य की प्राप्ति होगी।

क्या कहते हैं आपके नंबर

(16 मार्च - 22 मार्च 2026)

(आचार्य नंदिता पांडे)

मूलांक 1
(जन्म तिथि 1, 10, 19, 28)
प्रेम संबंध में समय अनुकूल रहेगा। कार्य क्षेत्र में बेचैनी बढ़ेगी एवं प्रोजेक्ट पूर्ण होने में कठिन होंगे। आर्थिक दृष्टिकोण में खट्टा मीठा समय रहेगा एवं धन वृद्धि तभी होगी जब आप लगातार इस तरफ प्रयास करते रहेंगे।

मूलांक 2
(जन्म तिथि 2, 11, 20, 29)
प्रेम संबंध में समय अनुकूल रहेगा एवं कोई आगे बढ़ कर आपकी लव लाइफ में आपकी मदद कर सकता है। आर्थिक धन लाभ की प्रबल स्थितियां बनती जाएंगी एवं निवेशों द्वारा फायदे होंगे।

मूलांक 3
(जन्म तिथि 3, 12, 21, 30)
प्रेम संबंध में आपसी प्रेम सुदृढ़ होता जाएगा। आप अपने जीवन साथी के साथ के बेहतर और सुंदर भविष्य के लिए प्रयासरत रहेंगे। कार्य क्षेत्र में सुख समृद्धि प्राप्त होगी लेकिन आपकी अपेक्षाओं से कम होगा।

मूलांक 4
(जन्म तिथि 4, 13, 22, 31)
कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी एवं साझेदारी में किए गए कार्यों द्वारा भी आपको सफलता हासिल होगी। प्रेम संबंध में आपसी प्रेम सुदृढ़ होता जाएगा व आप अपने जीवन साथी के साथ कहीं बाहर घूमने का मन बना सकते हैं।

मूलांक 5
(जन्म तिथि 5, 14, 23)
इस सप्ताह आपके कार्यक्षेत्र में किसी एक्सपर्ट की सलाह आपके लिए शुभ परिणाम लेकर आएगी। सप्ताह के मध्य में सुख समृद्धि के शुभ संयोग भी बनते जाएंगे। प्रेम संबंध में आपसी प्रेम सुदृढ़ होगा। इस सप्ताह आर्थिक मामलों में कोई आपको धोखा भी दे सकता है।

मूलांक 6
(जन्म तिथि 6, 15, 24)
इस सप्ताह संयम के साथ किसी भी निर्णय पर पहुंचेंगे तो जीवन में सुखी रहेंगे। प्रेम संबंध में किसी भी प्रकार का बाहरी हस्तक्षेप आपके जीवन में कष्ट लेकर आ सकता है। कार्यक्षेत्र में कोर्ट कचहरी के मामले आपके लिए कष्ट बढ़ा सकते हैं।

मूलांक 7
(जन्म तिथि 7, 16, 25)
इस सप्ताह की शुरुआत में सुख समृद्धि के शुभ संयोग बन रहे हैं एवं लव लाइफ में सुखद अनुभव रहेगा। इस सप्ताह आपके प्रेम संबंध में सुकून है और अपने जीवनसाथी के साथ कहीं बाहर घूमने का मन बना सकते हैं।

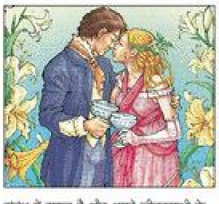

मूलांक 8
(जन्म तिथि 8, 17, 26)
प्रेम संबंध में समय अनुकूल होता जाएगा एवं लव लाइफ में सुख समृद्धि के संयोग बनेंगे। इस सप्ताह आप अपने जीवनसाथी के साथ शॉपिंग मूड में रहेंगे एवं घर की साज सज्जा के लिए कुछ खरीदारी भी कर सकते हैं। आर्थिक मामलों में व्यय अधिक रहेंगे एवं इस तरफ आपको ध्यान देने की आवश्यकता है।

मूलांक 9
(जन्म तिथि 9, 18, 27)
कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी एवं मान सम्मान भी बढ़ेगा। सप्ताह की शुरुआत से ही आपको अपने प्रोजेक्ट से संबंधित कोई सुखद समाचार मिल सकता है। आर्थिक मामलों में भी धन लाभ रहेंगे एवं किसी नए निवेश द्वारा भी धन वृद्धि के संयोग बनते जाएंगे।

कल का पंचांग

(मंगलवार, 17 मार्च 2026)

राष्ट्रीय मिति फाल्गुन 26, शक संवत 1947, चैत्र कृष्ण, त्रयोदशी, मंगलवार, विक्रम संवत 2082। सौर चैत्र मास प्रविष्टे 4, रमजान 27, हिजरी 1447 (मुस्लिम), तद अनुसार अंग्रेजी तारीख 17 मार्च 2026 ई.। सूर्य उत्तरायण, दक्षिण गोल, बसंत ऋतु। राहु काल अपराह्न 3 बजे से 4 बजकर 30 मिनट तक। त्रयोदशी तिथि सुबह 9 बजकर 23 मिनट तक के बाद चतुर्दशी तिथि का आरंभ। शतभिषा नक्षत्र अगले दिन सुबह 6 बजकर 9 मिनट तक उपरांत पूर्वभाद्रपद नक्षत्र का आरंभ। सिद्ध योग सुबह 8 बजकर 15 मिनट तक के बाद साध्य योग का आरंभ। वणिज करण सुबह 9 बजकर 23 मिनट तक वणिज करण पश्चात 09 बजकर 23 मिनट तक के बाद शकुनि करण का आरंभ। चंद्रमा दिन रात कुंभ राशि पर संचार करेगा। आज के व्रत त्योहार भौम प्रदोष व्रत, फाल्गुन 1844 से। वारुणी योग।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

वर्ष के स्वामी सूर्य और मंगल ग्रह बने हैं। राशि से बारहवें घर में शनि मंगल, बुध का त्रिग्रही योग मार्च के शेष दिनों में आपको कुछ बड़े खतरे व जोखिम उठाने पड़ सकते हैं। अप्रैल से लेकर मई अंत तक किसी राजकीय विवाद का अंत हो जाएगा। जून से जुलाई के मध्य कई प्रकार की समस्याएं उठकर समाप्त हो जाएंगी। अगस्त से लेकर सितंबर तक अपने व्यवसाय, कारोबार को लेकर कुछ कष्ट होगा। अक्टूबर से नवंबर में कुछ परिवार के मामले हल हो सकते हैं। दिसंबर से जनवरी 2027 में मित्रों की सहायता से काम काज में मायूसी खत्म होगी। फरवरी में किसी पर्यटन यात्रा का आनंद उठाएंगे। इसलिए जिन स्थानों पर नहीं गए हैं, वहां जाने की योजना बना सकते हैं। मार्च के अंत तक किसी नए कार्य क्षेत्र की योजनाएं बनेंगी। महिलाओं के लिए वर्ष जीवन स्तर को बढ़ाने वाला सिद्ध होगा। घर परिवार के सदस्यों की आमदनी के स्रोत बढ़ेंगे। त्रिग्रही योग की शांति के लिए श्री मृत संजीवनी जाप सवा लक्ष कराएं। पीपल के पेड़ के नीचे रविवार को चार चांदी के पैडोर पत्ते रख दें। सुंदरकांड का पाठ करते रहें, इससे मन में शांति रहेगी।

-आचार्य कृष्ण दत्त शर्मा

सुडोकू

2								4
		9		5		6		
		6	3		8	9		
	4		5		9		3	
	2			7			1	
	1		8		3		7	
		7	1		4	5		
		2		9		1		
1								8

कल के सुडोकू का जवाब

8	6	7	2	5	3	4	1	9
4	1	5	9	6	8	3	2	7
9	3	2	7	4	1	6	5	8
5	9	8	6	7	2	1	4	3
3	7	6	1	9	4	2	8	5
1	2	4	8	3	5	9	7	6
7	8	9	4	2	6	5	3	1
6	4	3	5	1	7	8	9	2
2	5	1	3	8	9	7	6	4

TELEVISION

big magic

समय	कार्यक्रम
09:00	बबलू डबलू
10:00	बदबुध बुड़बक
11:00	रुद्र के रक्षक
12:00	चक्रधारी अजय कृष्णा
12:30	हम पांच
13:00	रुद्र के रक्षक
13:30	भ से भड़े
14:00	चक्रधारी अजय कृष्णा
15:00	लिटिल कृष्णा
17:00	बबलू डबलू
19:00	चक्रधारी अजय कृष्णा

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 16-03-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD4 User: ccil Time: 03-14-2026 22:28 Color:

ट्रैवल बीमा दावों पर युद्ध का क्या होगा असर

पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य संघर्ष और हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण अंतरराष्ट्रीय यात्राएं बुरी तरह प्रभावित हुई है, जिससे ट्रैवल इंश्योरेंस दावों को लेकर अनिश्चितता पैदा हो गई है। ऐसी परिस्थितियों में युद्ध से सीधे जुड़े नुकसानों के लिए यात्रियों को एयरलाइन के रिफंड पर ही निर्भर रहना पड़ा।

प्रीति कुलकर्णी
preeti.kulkarni
@timesofindia.com

युद्ध और युद्ध जैसी परिस्थितियां' बीमा पॉलिसियों में एक मानक अपवाद (Exclusion) होती हैं। इसका मतलब है कि सैन्य गतिविधियों के कारण उड़ाने रद्द होने या देरी होने पर बीमा कंपनियां हर्जाना नहीं देतीं।

जब ईरान पर अमेरिका और इजराइल के बड़े हमले के बाद पश्चिम एशिया में जवाबी हमले शुरू हो गए तो UAE में हजारों भारतीय फंस गए। पूरे क्षेत्र और उसके बाहर भी हवाई यात्रा बाधित हो गई। जहां कई यात्री विशेष उड़ानों के जरिए भारत लौट आए हैं, वहीं कई लोग जिनमें इंडिगो इंक के सीएमओ भी शामिल हैं अब भी वहीं रुकने को मजबूर हैं।

Policybazaar.com के अनुसार, फंसे हुए यात्री अब अपनी अंतरराष्ट्रीय ट्रैवल इंश्योरेंस पॉलिसी की अवधि बढ़ाने के लिए संपर्क कर रहे हैं। इंश्योरटेक कंपनी के बिजनेस हेड (ट्रैवल इंश्योरेंस) मीत कपाड़िया कहते हैं, अंतरराष्ट्रीय संघर्ष से प्रभावित यात्री अपनी ट्रैवल इंश्योरेंस कवरेज बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि मौजूदा हालात में उन्हें विदेश में ज्यादा समय तक रुकना पड़ सकता है। हालांकि, ट्रैवल इंश्योरेंस पॉलिसी युद्ध से जुड़े मामलों को छोड़कर चिकित्सा आपात स्थितियों को कवर कर सकती है, लेकिन युद्ध से सीधे जुड़े नुकसान आमतौर पर कवर नहीं किए जाते।

एक सामान्य अपवाद

युद्ध और युद्ध जैसी परिस्थितियां सामान्य बीमा पॉलिसियों में एक मानक अपवाद होती हैं, जिनमें ट्रैवल इंश्योरेंस और वैश्विक कवरेज वाली स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियां भी शामिल हैं। बजाज जनरल इंश्योरेंस के रिटेल बिजनेस के चीफ डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर राकेश कौल कहते हैं, इसका उद्देश्य कवरेज को उन रोजमर्रा के जोखिमों तक सीमित रखना है जिनका सामना यात्रियों को सबसे अधिक करना पड़ता है।

इनमें बीमारी, दुर्घटनाएं, एयरलाइन हड़ताल, तकनीकी समस्याएं, मौसम संबंधी बाधाएं और प्राकृतिक आपदाएं शामिल हैं। वे कहते हैं, यह अपवाद केवल तब लागू होता है जब बाधा बड़े पैमाने पर शत्रुता जैसे युद्ध, आक्रमण या विद्रोह जैसी घटनाओं के कारण हो, जो सामान्य यात्रा परिस्थितियों से बाहर होती हैं।

इसके अलावा, इसका असर केवल युद्ध से प्रभावित क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहता। यूरोप की आपकी यात्रा भी प्रभावित हो सकती है, क्योंकि केवल हवाई अड्डे ही नहीं बल्कि पूरा हवाई क्षेत्र बंद किया जा सकता है, जिससे उन उड़ानों पर भी प्रतिबंध लग जाता है जो युद्ध प्रभावित क्षेत्रों के ऊपर से गुजरती हैं।

कौल कहते हैं, यह अपवाद दुनिया भर में एक समान तरीके से लागू होता है, जिससे यात्रियों को स्पष्टता मिलती है कि उनकी पॉलिसी कैसे काम करती है। ऐसी स्थिति में अगर चल रही शत्रुता के कारण हवाई क्षेत्र बंद कर दिया जाता है, तो आपकी यात्रा में व्यवधान या रद्द होने के दावे का भुगतान नहीं किया जाएगा। ऐसे में सबसे पहले आपको अपनी एयरलाइन से संपर्क करना होगा। कई एयरलाइनों ने इस महीने असाधारण परिस्थितियों को देखते हुए मुफ्त री-शेड्यूलिंग, रिफंड और कैंसलेशन शुल्क में छूट की घोषणा की है।

कौल बताते हैं, उदाहरण के लिए यूरोप में अगर आपकी यात्रा हड़ताल, तकनीकी समस्या, मौसम की स्थिति या प्राकृतिक आपदा के कारण रद्द होती है, तो ये स्थितियां पॉलिसी के तहत कवर होती हैं। केवल तब अपवाद लागू होगा जब व्यवधान सीधे सैन्य गतिविधि या संघर्ष से जुड़ा हो, जैसे शत्रुता के कारण हवाई क्षेत्र बंद होना। दुबई और अबू धाबी पर हमलों के बाद, यूएई की जनरल सिविल एविएशन अथॉरिटी ने कथित तौर पर 20,000 से अधिक फंसे यात्रियों के ठहरने, भोजन और पुनर्बुकिंग की व्यवस्था संभाली है। हालांकि अगर रद्दीकरण युद्ध से जुड़ा नहीं है जैसे कि यूरोप की आपकी यात्रा हड़ताल, तकनीकी समस्या या प्राकृतिक आपदा के कारण छोटी करनी पड़े तो आपके दावे के भुगतान की संभावना रहती है।

निकासी के लिए कोई कवरेज नही

ईरान में कई स्टूडेंट और पश्चिम एशिया के अन्य हिस्सों में काम करने वाले लोग भारत सरकार से निकासी की अपील कर रहे हैं। सरकार भी युद्ध प्रभावित क्षेत्रों में फंसे स्टूडेंटों और अन्य लोगों के लिए नियमित सलाह जारी कर रही है। यूएई से सीमित संख्या में गैर-निर्धारित उड़ाने चल रही हैं, और अगर आपको इस दौरान कोई खर्च करना पड़ता है, तो आपकी ट्रैवल इंश्योरेंस पॉलिसी उस खर्च की भरपाई नहीं करेगी। यह नियम विदेशी स्टूडेंट ट्रैवल इंश्योरेंस पॉलिसियों पर भी लागू होता है, जहां आपातकालीन चिकित्सा निकासी का प्रावधान होता है। कौल कहते हैं, जब बीमारी या दुर्घटना के कारण निकासी की आवश्यकता होती है, तो यह कवरेज स्टूडेंटों को निकटतम उपयुक्त चिकित्सा सुविधा तक पहुंचाने या आवश्यकता होने पर उन्हें उनके देश वापस भेजने का प्रावधान करता है। लेकिन यह कवरेज युद्ध, नागरिक अशांति या राजनीतिक अशांति की स्थिति में लागू नहीं होता।

शेंगेन वाले? पॉलिसी जरूर जांचें

Policybazaar.com के अनुसार, यूरोप में छुट्टियों के लिए जाने वाले यात्री आमतौर पर 30–40 दिन पहले ट्रैवल इंश्योरेंस पॉलिसी खरीदते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि शेंगेन वीजा लेने के लिए ट्रैवल इंश्योरेंस अनिवार्य होता है। ये जान लें कि सामान्य ट्रैवल इंश्योरेंस पॉलिसी आपकी उड़ान या होटल रद्द करने के खर्च को कवर नहीं करेंगे। अंत में, बीमा उद्योग बदलती परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाल रहा है। कपाड़िया कहते हैं, कंपनियां संघर्ष से जुड़ी यात्रा बाधाओं को ध्यान में रखते हुए कैंसलेशन और री-शेड्यूलिंग नीतियों में बदलाव करने पर विचार कर रही हैं। कुछ कंपनियां पॉलिसी रद्द करने के शुल्क माफ करने या बिना किसी शुल्क के री-शेड्यूलिंग पर विचार कर रही हैं।

जानें क्या कवर होगा

हालांकि, संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में भी आपका ट्रैवल कवर जारी रहता है। कौल के अनुसार, उदाहरण के लिए अगर ईरान या इजराइल जैसे क्षेत्रों में कोई स्टूडेंट मेडिकल इमरजेंसी का सामना करता है, तो पॉलिसी सहायता प्रदान करने और निकासी की लागत को कवर करने के लिए आगे आएगी। ट्रैवल इंश्योरेंस पॉलिसियां विदेश में नियोजित चिकित्सा उपचार के खर्च की भरपाई नहीं करतीं, लेकिन आपातकालीन उपचार, यहां तक कि पहले से मौजूद बीमारियों के लिए भी बीमाकर्ता और पॉलिसी के अनुसार कवर किया जा सकता है। कपाड़िया कहते हैं, इससे यह सुनिश्चित होता है कि सामान्य बीमारियों के लिए कवरेज जारी रहता है, भले ही संघर्ष से जुड़े जोखिम सीमित किए गए हों।

क्या कई साल बीत जाने के बाद भी TDS का रिफंड मिल सकता है?

टैक्स, इंश्योरेंस या निवेश को लेकर कोई भी सवाल आपके मन में है, तो हमें भेजिए। हमारे एक्सपर्ट उसका सटीक, आसान और भरोसेमंद जवाब, हर हफ्ते इसी कॉलम में देंगे।

सुशील अग्रवाल
NBTwealth
@timesofindia.com

Q मैंने 2014–15 में एक प्राइवेट कंपनी में काम किया था, जहां मेरी सैलरी सिर्फ 8,000 महीने की थी, लेकिन हर महीने 800 TDS कट जाता था। उस समय मैंने ITR फाइल नहीं किया। क्या इतने साल बाद उस TDS का रिफंड मिल सकता है?- चंदन सिंह, गुरुग्राम

आयकर अधिनियम की धारा 119 (2) (b) के अंतर्गत आप 'प्रिंसिपल कमिश्नर' को एक आवेदन दे सकते हैं, जिसमें आप गलती से छूट गई पुरानी रिटर्न को फाइल करने की अनुमति मांग सकते हैं। हालांकि, आपके मामले में ऐसा करना व्यावहारिक नहीं होगा, क्योंकि इसमें केवल 9,600 रुपये का टैक्स शामिल है। इतनी कम राशि के लिए इतनी लंबी कानूनी प्रक्रिया और भाग-दौड़ करना जायज नहीं है। आपको बैंक से सीधा रिफंड नहीं मिलेगा, कटा हुआ TDS वापस पाने के लिए आपको इनकम टैक्स रिटर्न (ITR) फाइल करना ही होगा, जिसमें आप अपनी कुल आय और डिडक्टेड TDS की जानकारी देंगे और रिफंड क्लेम करेंगे, जो प्रोसेस होने के बाद आपके बैंक अकाउंट में आ जाएगा। बचत खाते के ब्याज पर टीडीएस नहीं लगता है। इसका अर्थ यह है कि बैंक ने टीडीएस इसलिए काटा है क्योंकि आपकी पेंशन टैक्स की सीमा से अधिक है। अगर ऐसा है, तो आपके लिए इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करना अनिवार्य होगा।

Q अगर बैंक ने गलती से ज्यादा TDS काट लिया हो, तो क्या बैंक उसे वापस कर सकता है?- कविता शर्मा, नई दिल्ली

अगर बैंक ने गलती से ज्यादा TDS काट लिया है, तो बैंक उसे सीधे वापस नहीं करता, आपको इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से ही रिफंड क्लेम करना होता है। जिसके लिए आपको इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करना होगा।

अपने सवाल ई-मेल करें

पर्सनल फाइनेंस से जुड़ा कोई भी सवाल आपके मन में है, कोई बात आपको समझ नहीं आ रही है तो हमें बताएं। सब्जेक्ट में 'Wealth QA' लिखें और ई-मेल करें NBTwealth@timesofindia.com पर। हां, ई-मेल में अपना और शहर का नाम लिखना न भूलें।

सावधान! क्रेडिट कार्ड यूजर्स

1 अप्रैल से बदल जाएंगे नियम

अंजलि चंद
Anjali.Chand
@timesofindia.com

आप अगर क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं, तो 1 अप्रैल, 2026 से आपकी वित्तीय आदतों और टैक्स रिपोर्टिंग में बड़े बदलाव होने जा रहे हैं। 'इनकम टैक्स ड्राफ्ट रूल्स, 2026' के तहत प्रस्तावित ये नियम न केवल आपके खर्चों पर सरकार की नजर पैनी करेंगे, बल्कि नौकरीपेशा लोगों की टैक्स देनदारी को भी प्रभावित कर सकते हैं।

भारत में डिजिटल लेनदेन की बढ़ती रफ्तार के बीच केंद्र सरकार पारदर्शिता लाने के लिए एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। आयकर विभाग ने 'इनकम टैक्स ड्राफ्ट रूल्स, 2026' पेश किए हैं, जो मंजूर होने पर 1 अप्रैल, 2026 से लागू हो जाएंगे। ये नियम पुराने 'इनकम टैक्स रूल्स, 1962' की जगह लेंगे और इनका सीधा उद्देश्य बड़े खर्चों की निगरानी करना और टैक्स चोरी पर लगाम लगाना है।

1 IT विभाग की 'तीसरी आंख'

नए ड्राफ्ट नियमों के अनुसार, बैंकों और क्रेडिट कार्ड जारी करने वाली कंपनियों के लिए अब भारी-भरकम बिल भुगतान की जानकारी विभाग को देना अनिवार्य होगा।

- **डिजिटल पेमेंट:** अगर आप एक वित्त वर्ष में 10 लाख से अधिक का क्रेडिट कार्ड बिल डिजिटल माध्यमों (UPI, नेट बैंकिंग, चेक) से चुकाते हैं, तो इसकी रिपोर्टिंग सीधे इनकम टैक्स विभाग को की जाएगी।
- **कैश पेमेंट:** नकदी के जरिए बिल भुगतान करने वालों पर शिकंजा और भी सख्त है। अगर आप साल भर में 1 लाख या उससे अधिक का बिल कैश में जमा करते हैं, तो बैंक इसकी सूचना विभाग को देगा।

2 'कॉरपोरेट कार्ड' बना चुनौती

- मिड और सीनियर लेवल के कर्मचारियों के लिए सबसे बड़ा बदलाव उनके 'परक्विजिट' (Perquisite) यानी सुविधाओं के मूल्यांकन में है।
- अगर आपका नियोक्ता (Employer) आपको क्रेडिट कार्ड देता है या आपके निजी कार्ड के वार्षिक शुल्क और खर्चों का भुगतान करता है, तो इसे अब 'टैक्सेबल परक्विजिट' माना जा सकता है।
- हालांकि, अगर खर्च पूरी तरह आधिकारिक काम के लिए था यह साबित हो तो आप इस टैक्स से बच सकते हैं।

3 विदेश यात्रा में खर्च

विदेशों में क्रेडिट कार्ड स्वाइप करना भी अब रडार पर होगा। नियमों में प्रस्ताव है कि अगर पैन (PAN) धारक एक साल में ₹10 लाख से ज्यादा की विदेशी करंसी खर्च करता है, तो इसकी रिपोर्टिंग अनिवार्य होगी। बिना पैन वाले कार्डधारकों के लिए यह केवल ₹5 लाख है।

4 PAN और नया KYC जरूरी

अब नए क्रेडिट कार्ड आवेदन के लिए पैन कार्ड देना अनिवार्य कर दिया जाएगा। इसके पीछे सरकार का मकसद क्रेडिट कार्ड खर्चों को सीधे व्यक्ति के टैक्स रिकॉर्ड से जोड़ना है। केवाईसी (KYC) प्रक्रियाओं को आसान बनाने के लिए अब पिछले तीन महीनों के क्रेडिट कार्ड स्टेटमेंट को 'एड्रेस प्रूफ' माना जाएगा।

5 क्या करें कार्ड यूजर्स?

विशेषज्ञों का कहना है कि इन नियमों से घबराने की जरूरत नहीं है, बल्कि अनुशासन की जरूरत है।

- **रिकॉर्ड रखें:** अपने क्रेडिट कार्ड स्टेटमेंट और अपने घोषित इनकम (ITR) के बीच तालमेल बिठाएं। अगर आप अपनी आय से बहुत अधिक खर्च कर रहे हैं, तो विभाग आपसे पूछताछ कर सकता है।
- **डॉक्यूमेंटेशन:** आधिकारिक और व्यक्तिगत खर्चों को अलग-अलग रखें। खासकर अगर आप कंपनी का कार्ड इस्तेमाल कर रहे हैं, तो हर बिल और अप्रूवल को संभाल कर रखें।
- **रिवॉर्ड पॉइंट्स का चक्कर:** कई लोग रिवॉर्ड पॉइंट्स के लालच में दोस्तों या रिश्तेदारों के बड़े भुगतान अपने कार्ड से कर देते हैं। नए नियमों के बाद ऐसा करना आपको आयकर विभाग का नोटिस दिला सकता है।

टैक्स बचाने से लेकर इन्वेस्टमेंट तक, फाइनैंशल ईयर खत्म होने से पहले लें ये फैसले

31 मार्च से पहले निपटा लें ये ज़रूरी काम

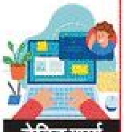

डेविड शर्मा
David.Sharma
@timesofindia.com

मार्च का आखिरी महीना सिर्फ टैक्स भरने का समय नहीं होता, बल्कि पूरे साल के फाइनेंस को व्यवस्थित करने का मौका भी होता है

फाइनैंशल ईयर 2025-26 अपने आखिर में है। ऐसे में यह समय अपनी फाइनैंशल प्लानिंग, टैक्स और इन्वेस्टमेंट का जायजा लेने का सही मौका है। अगर कुछ जरूरी काम समय पर पूरे नहीं किए गए तो टैक्स ज्यादा कट सकता है, पेनल्टी लग सकती है या टैक्स बचत के मौके छूट सकते हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक मार्च का आखिरी महीना सिर्फ टैक्स भरने का समय नहीं होता, बल्कि पूरे साल के फाइनेंस को व्यवस्थित करने का मौका भी होता है। कुछ छोटे लेकिन जरूरी कदम उठाकर टैक्स का बोझ कम किया जा सकता है और आने वाले साल के लिए बेहतर प्लान बनाया जा सकता है।

1 सबूत जमा करना न भूलें

कई कंपनियां फरवरी या मार्च तक कर्मचारियों से टैक्स बचत इन्वेस्टमेंट के सबूत मांग लेती हैं। अगर आपने साल की शुरुआत में टैक्स बचत के लिए कुछ इन्वेस्टमेंट या खर्च का दावा किया था, तो अब उसका सर्टिफिकेट देना जरूरी होता है। आमतौर पर जिन दस्तावेजों की जरूरत होती है, उनमें शामिल जीवन बीमा प्रीमियम की रसीद, ईएलएसएस इन्वेस्टमेंट स्टेटमेंट, PPF योगदान का रिकॉर्ड, होम लोन ब्याज प्रमाण पत्र, हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम की रसीद, एचआरए के लिए किराए की रसीद शामिल हैं। ये कटौतियां आम तौर पर इनकम टैक्स कानून की धारा 80C, 80D और 80CCD(1B) के तहत मिलती हैं। अगर आप समय पर दस्तावेज जमा नहीं करते हैं, तो आपके एम्प्लॉयर मार्च की सैलरी से ज्यादा TDS काट सकते हैं। यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि ये टैक्स छूट केवल तब मिलती हैं जब आपने पुराना टैक्स सिस्टम चुना हो।

2 टैक्स बचत इन्वेस्टमेंट पूरा करें

अगर आपने अभी तक टैक्स बचत के लिए इन्वेस्टमेंट नहीं किया है, तो मार्च का महीना आखिरी मौका होता है। इनकम टैक्स कानून की धारा 80C के तहत टैक्सपेयर्स 1.5 लाख रुपये तक की कटौती का दावा कर सकते हैं। इसके लिए पब्लिक प्रोविडेंट फंड (PPF), इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम (ELSS), सुकन्या समृद्धि योजना, जीवन बीमा प्रीमियम जैसे कई विकल्प उपलब्ध हैं। अगर इन योजनाओं में इन्वेस्टमेंट की लिमिट पूरी नहीं हुई है तो टैक्स बचत का फायदा उठाया जा सकता है।

3 निवेश से हुए गेन का जायजा

फाइनैंशल ईयर खत्म होने से पहले अपने इन्वेस्टमेंट लेनदेन का जायजा लेना भी जरूरी है। इसमें शेयर बाजार में इन्वेस्टमेंट, म्यूचुअल फंड और संपत्ति की बिक्री शामिल हो सकते हैं। इस तरह के इन्वेस्टमेंट्स से हुए शॉर्ट टर्म और लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन का आकलन करना चाहिए और संभावित टैक्स देनदारी का अनुमान लगाना चाहिए। इससे टैक्स भरने में आसानी रहती है।

4 सरकारी योजनाओं में निवेश

कुछ सरकारी बचत योजनाओं में हर साल न्यूनतम इन्वेस्टमेंट करना जरूरी होता है ताकि खाता ऐक्टिव रहे। उदाहरण के तौर पर पब्लिक प्रोविडेंट फंड (PPF) में न्यूनतम इन्वेस्टमेंट 500 रुपये सालाना और अधिकतम इन्वेस्टमेंट 1.5 लाख रुपये कर सकते हैं। सुकन्या समृद्धि योजना में न्यूनतम इन्वेस्टमेंट 250 रुपये सालाना किया जा सकता है। अगर न्यूनतम रकम जमा नहीं की जाती है तो खाता निष्क्रिय हो सकता है और उसे दोबारा ऐक्टिव कराने के लिए एक्स्ट्रा रुपये देने पड़ सकते हैं।

एक्सपर्ट

निवेश करने से पहले यह जरूर चेक कर लें कि आपके लिए पुरानी टैक्स रिजीम फायदेमंद है या नई टैक्स रिजीम। नई रिजीम में बिना किसी इन्वेस्टमेंट के भी 12.75 लाख रुपये (सैलरीड के लिए) तक की इनकम टैक्स-फ्री हो सकती है। – लक्ष्मण झा, फाइनेंस एंड टैक्स एक्सपर्ट

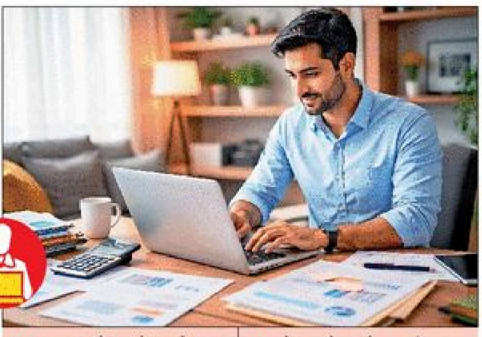

5 NPS में इन्वेस्टमेंट से एक्स्ट्रा टैक्स बचत

धारा 80CCD(1B) के तहत NPS में इन्वेस्टमेंट करने पर 50,000 रुपये तक की एक्स्ट्रा कटौती मिल सकती है। यह लाभ 80C के तहत मिलने वाली 1.5 लाख रुपये की सीमा से अलग है। इस तरह NPS में इन्वेस्टमेंट टैक्स बचाने के लिए एक अच्छा विकल्प माना जाता है, खासकर उन लोगों के लिए जो पुराने टैक्स सिस्टम का इस्तेमाल कर रहे हैं।

6 होम लोन से जुड़ी टैक्स छूट की जांच

होम लोन पर दो तरह की टैक्स राहत मिलती है। प्रिंसिपल अमाउंट पर धारा 80C के तहत कटौती और ब्याज पर धारा 24(b) के तहत 2 लाख रुपये तक की कटौती हो सकती है।

इसलिए फाइनैंशल ईयर खत्म होने से पहले अपने बैंक या लोन देने वाली संस्था के जरिए सालाना लोन स्टेटमेंट डाउनलोड कर लेना चाहिए।

7. टैक्स गेन हार्वेस्टिंग पर भी विचार

जिन इन्वेस्टर्स ने शेयर बाजार या इक्विटी म्यूचुअल फंड में लंबे समय के लिए इन्वेस्टमेंट किया है, वो टैक्स गेन हार्वेस्टिंग का फायदा उठा सकते हैं। इनकम टैक्स ऐक्ट की धारा 112A के तहत लिस्टेड शेयरों और EMF से होने वाला कैपिटल गेन एक साल में 1.25 लाख रुपये तक टैक्स फ्री होता है। इससे ज्यादा फायदा होने पर 12.5% टैक्स लगता है। इसलिए कई इन्वेस्टर्स फाइनैंशल ईयर खत्म होने से पहले कुछ इन्वेस्टमेंट बेचकर और दोबारा खरीदकर इस टैक्स छूट का बेहतर यूज करते हैं।

8 हेल्थ इंश्योरेंस और डोनेशन में इन्वेस्टमेंट

हेल्थ इंश्योरेंस का प्रीमियम भरकर सेक्शन 80D के तहत 25,000 रुपये से लेकर 75,000 रुपये (सीनियर सिटीजन माता-पिता के लिए) तक की एक्स्ट्रा छूट पा सकते हैं। साथ ही डोनेशन करके 80G के तहत भी टैक्स बचाया जा सकता है।

आखिरी समय में जल्दबाजी से बचें

फाइनेंस और टैक्स एक्सपर्ट लक्ष्मण झा का कहना है कि टैक्स से जुड़े फैसले आखिरी समय में जल्दबाजी में नहीं लेने चाहिए। मार्च के अंत से पहले अगर इन जरूरी कामों को पूरा कर लिया जाए तो एक्स्ट्रा टैक्स से बचा जा सकता है।

रीसेल प्रॉपर्टी: सस्ते सौदे के चक्कर में कहीं फंस न जाए मेहनत की कमाई

लोकेश के. भारती
Lokesh.Bharti @timesofindia.com

नए घर की आसमान छूती कीमतों और सीमित विकल्पों के बीच रीसेल प्रॉपर्टी (Resale Property) एक व्यावहारिक और किफायती विकल्प बनकर उभरी है। पुराने घर अक्सर विकसित इलाकों, बेहतर कनेक्टिविटी और 'रेडी-टू-मूव' की सुविधा के साथ मिलते हैं।

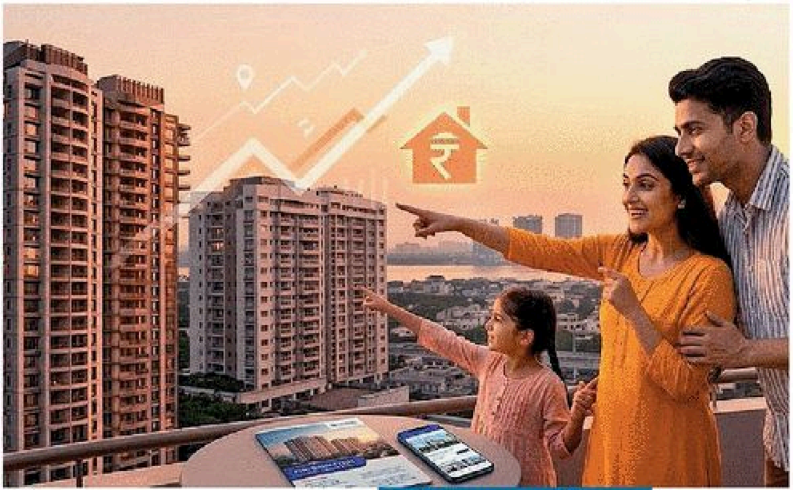

मिडिल क्लास के लिए आज भी बड़े शहर में घर एक सपना ही होता है। पहले लोग सपना देखते हैं फिर उसे हकीकत करने के लिए हर जतन करते हैं। लेकिन लगातार बढ़ती जमीन की कीमत, इन्फ्रास्ट्रक्चर कॉस्ट के बढ़ने और बड़े शहरों में सीमित जमीन के कारण नए प्रोजेक्ट में नया घर खरीदना कई लोगों के लिए मुश्किल होता जा रहा है। यही वजह है कि अब बहुत से लोग पुराने या प्री-ओन्ड या रीसेल घर खरीदने की तरफ रुख कर रहे हैं।

पुराने घर खरीदने का फायदा यह है कि अक्सर ये अच्छी लोकेशन, विकसित इलाके और बेहतर कनेक्टिविटी में मिल जाते हैं। साथ ही कई बार कीमत भी नई परियोजनाओं की तुलना में ज्यादा व्यावहारिक होती है। हालांकि, पुराने घर खरीदते समय कुछ कानूनी, तकनीकी और वित्तीय पहलुओं को अच्छी तरह समझना बेहद जरूरी होता है। अगर सावधानी नहीं बरती जाए तो बाद में कानूनी विवाद, अतिरिक्त खर्च या संपत्ति से जुड़ी कई समस्याएं सामने आ सकती हैं। इसलिए रीसेल प्रॉपर्टी के दोनों पक्षों पर ध्यान देना जरूरी है।

हालांकि पुराने घर को खरीदते समय टाइटल क्लीयरेंस और नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (NOC) से लेकर दीवारों की सीलन और 'हिडन कॉस्ट' की पहचान तक, एक छोटी सी लापरवाही भी भारी पड़ सकती है।

रीसेल प्रॉपर्टी खरीदने के फायदे

अमूमन ऐसे घर पहले के बने होते हैं। उस वक्त मुख्य शहर में जमीन मिल जाती थी। इसलिए विकसित इलाके में घर मिल जाता था। ज्यादातर पुराने घर ऐसे इलाकों में होते हैं, जहां पहले से ही रोड, मार्केट, स्कूल, हॉस्पिटल और ट्रांसपोर्ट जैसी सुविधाएं मौजूद होती हैं। वहीं इस तरह के घर की एक और खासियत होती है कि ये रेडी टु मूव इन यानी बुकिंग के साथ ही सीधे घर में प्रवेश कर सकते हैं। वहीं जब किसी नए प्रोजेक्ट में बुकिंग करते हैं और वह रेडी टु मूव इन न हो यानी अभी लॉन्च ही हुआ हो तो अमूमन 2-3 साल या उससे ज्यादा का इंतजार करना पड़ सकता है। इनके अलावा यह भी सच है कि रीसेल प्रॉपर्टी की कीमत, नए की तुलना में कुछ कम होती है। वहीं, पुराने प्रोजेक्ट में मोल-भाव की गुंजाइश भी बनी रहती है। अमूमन ऐसे प्रोजेक्ट में लीगल इश्यूज भी कम ही होते हैं। वहीं अगर अंडर-कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट हो तो लागत बढ़ने या प्रोजेक्ट अटकने का खतरा भी हो सकता है। पुराने घर में यह जोखिम नहीं होता।

और क्या-क्या रखें ध्यान

अगर रीसेल की प्रॉपर्टी ले रहे हैं तो यह समझना भी बेहद अहम है कि पिछला ऑनर इसे क्यों बेचना चाह रहा है? कहीं ऐसा तो नहीं कि वह बुरे पड़ोसी, बहुत ज्यादा शोर आदि की वजह से घर से पिंड छुड़ाना चाह रहा हो या फिर ऐसी कौन सी वजह है जिस वजह से वह घर बेचना चाह रहा है? इस बात को समझना जरूरी है ताकि बाद में पछताने की जरूरत न पड़े। इसलिए पहले आसपास का माहौल जांचें। सिर्फ मकान की स्थिति नहीं, माहौल की स्थिति भी देखें। इनके अलावा सड़क और ट्रांसपोर्ट की सुविधा भी जरूर देखें। यह भी देखें कि आसपास स्कूल, हॉस्पिटल और मार्केट है या नहीं? अगर ये सब घर से ज्यादा दूर हो तो खरीदने से पहले एक बार विचार जरूर कर लें। साथ ही यह भी देखें कि पानी और बिजली की उपलब्धता कैसी है? घर के साथ पार्किंग है या नहीं? रजिस्ट्री से पहले यह भी पुख्ता कर लें कि उस पार्किंग पर किसी और का कब्जा न हो। उस पर मार्किंग की गई हो।

इनके अलावा एक चीज जो काफी अहम है, वह है घर की स्थिति को जांचना। इसमें जो सबसे ज्यादा गौर करने वाली चीज है, वह है दीवारों में दरार को जरूर देखें।

अब बारी आती है लीगल जांच की

पुराना घर खरीदते समय कानूनी जांच सबसे अहम होती है। टाइटल क्लियर होना चाहिए। सबसे पहले यह सुनिश्चित करें कि संपत्ति का टाइटल क्लियर और विवाद-मुक्त है। कम से कम 30 साल की प्रॉपर्टी हिस्ट्री की जांच करना बेहतर माना जाता है। सेल डीड देखें। साथ ही एन्कम्ब्रेंस सर्टिफिकेट बताता है कि संपत्ति पर कोई कर्ज या कानूनी दावा तो नहीं है। इनके अलावा प्रॉपर्टी टैक्स रसीद, बिल्डिंग प्लान अप्रूवल, ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट भी देखें।

ये खर्चे जुड़ सकते हैं

इस तरह के घर को खरीदने में अक्सर ब्रोकर या एजेंट की फीस देनी पड़ती है। अगर आप किसी प्रॉपर्टी एजेंट के जरिए घर खरीदते हैं तो आमतौर पर 1-2 प्रतिशत तक ब्रोकरेज देना पड़ सकता है। वहीं स्टाम्प ड्यूटी और रजिस्ट्रेशन का खर्च भी अलग कर दें। इनके अलावा सोसायटी ट्रांसफर फीस भी लगती है। कई बार मरम्मत और पेंटिंग पर भी खर्च करनी पड़ती है। अक्सर पेंटिंग, रिपेयरिंग या रेनोवेशन पर खर्च करना पड़ता है।

सोसाइटी से NOC लेना जरूरी

अगर घर किसी अपार्टमेंट या सोसाइटी में है तो नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (NOC) लेना जरूरी होता है। इससे यह पता चलता है कि मेंटिनेंस बकाया नहीं है। सोसाइटी से कोई विवाद नहीं है।

खतरनाक संकेत जिन्हें बिलकुल नजरअंदाज न करें

कुछ संकेत ऐसे होते हैं जो बताते हैं कि प्रॉपर्टी में जोखिम हो सकता है। इसमें सबसे अहम है मूल दस्तावेज उपलब्ध न होना। इसके अलावा बहुत ज्यादा सस्ता सौदा मिले तो भी सचेत हो जाएं। अगर टाइटल चेन अधूरी है तो यह भी अच्छा संकेत नहीं है। अगर नकद भुगतान का ज्यादा दबाव दिया जाए तो यह भी सही नहीं है। जानकारी के लिए आसपास के लोगों से बात कर सकते हैं।

ग्रेनो एरिया में जेवर एयरपोर्ट के पास घर! ये हैं आपके विकल्प

सुनील पाण्डेय
Sunil.Pandey2 @timesofindia.com

नोएडा इंटरनैशनल एयरपोर्ट (जेवर) के चालू होने की आहट ने दिल्ली-एनसीआर के रियल एस्टेट बाजार में नई जान फूंक दी है। बेहतरीन कनेक्टिविटी, हरियाली और नियोजित शहरी विकास के चलते निवेशक और घर खरीदार तेजी से इस क्षेत्र की ओर आकर्षित हो रहे हैं।

नोएडा इंटरनैशनल एयरपोर्ट जेवर ने ग्रेटर नोएडा एरिया में घर खरीदारों को अपनी ओर आकर्षित किया है। ग्रीनरी, प्लांड शहर, सड़कों का जाल और प्रस्तावित बड़े-बड़े प्रोजेक्ट के चलते लोग इस एरिया की ओर खिंचे चले आ रहे हैं। बड़े बिल्डर तो अपने प्रोजेक्ट ला ही रहे हैं। साथ ही इंडस्ट्रियल डिवेलपमेंट अथॉरिटी भी इस अवसर का फायदा उठाने में जुटी हैं। ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी ने फ्लैट स्कीम लॉन्च कर दी है। जबकि यमुना अथॉरिटी बहुत जल्द रेजिडेंशल प्लॉट स्कीम लॉन्च करने की तैयारी में है। ऐसे में लोगों के पास इस एरिया में घर खरीदने के विकल्प मौजूद हैं।

ग्रेटर नोएडा के जेवर में बन रहे नोएडा इंटरनैशनल एयरपोर्ट के कारण इस एरिया में रियल एस्टेट की मांग तेजी से बढ़ रही है। एयरपोर्ट प्रोजेक्ट को देश की बड़ी इन्फ्रास्ट्रक्चर योजनाओं में माना जा रहा है। इससे रोजगार, व्यापार और कनेक्टिविटी के नए अवसर पैदा हो रहे हैं। इसी वजह से लोग एयरपोर्ट के आसपास घर खरीदने में रुचि दिखा रहे हैं। इस क्षेत्र में इंडस्ट्रियल यूनिट्स, लॉजिस्टिक हब, होटल, आईटी कंपनियों और व्यावसायिक गतिविधियों का तेजी से विकास होगा। यही कारण है कि लोग इस एरिया में अपना आशियाना बनाना चाहते हैं। बेहतर कनेक्टिविटी भी एक बड़ा पहलू है। एयरपोर्ट को यमुना एक्सप्रेसवे, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे, मेट्रो और नमो भारत ट्रेन से जोड़ा जा रहा है। भविष्य में हाई स्पीड ट्रेन से भी कनेक्टिविटी मिलने की योजना है। बेहतर लोकेशन, कनेक्टिविटी, प्लांड शहर, प्रस्तावित रेल कनेक्टिविटी के चलते बड़े बिल्डर अपने प्रोजेक्ट ला रहे हैं। कई ने प्रोजेक्ट लॉन्च कर दिए तो कई अपनी परियोजना को लॉन्च करने की तैयारी में हैं। अधिकतर प्रोजेक्ट यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे हैं। हालांकि एयरपोर्ट के उड़ान भरते ही इस एरिया की प्रॉपर्टी में उछाल आने की उम्मीद है। इन प्रोजेक्ट में आप भी अपना आशियाना खरीद सकते हैं। हालांकि खरीदने से पहले उसकी पड़ताल जरूर करें। यमुना अथॉरिटी में प्रोजेक्ट की जानकारी हासिल करें। ताकि आपको बेहतर प्रॉपर्टी मिल सके।

इस बढ़ती मांग को देखते हुए ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी और यमुना अथॉरिटी ने अपनी नई स्कीम्स के साथ बाजार में दस्तक दे दी है।

ऑक्शन के जरिये होंगे आवंटन

इस अवसर का फायदा इंडस्ट्रियल डिवेलपमेंट अथॉरिटी भी उठाने में जुटी है। ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी ने सेक्टर ओमिक्रॉन-1ए में टू बीएचके फ्लैटों की स्कीम लॉन्च की हुई है। फ्लैटों का आरक्षित मूल्य 73.23 लाख से लेकर 74.35 लाख रुपये तक है। इसमें 23 मार्च तक आवेदन किए जा सकते हैं। स्कीम में 90 फ्लैट हैं। ये फ्लैट 82 वर्गमीटर के हैं। अथॉरिटी ने ऑक्शन के जरिये आवंटन करने का फैसला लिया है। अथॉरिटी के सीईओ एनजी रवि कुमार बताते हैं कि इसके बाद 54 वर्ग मीटर एरिया वाले फ्लैटों की स्कीम लाई जाएगी। ये रेडी टू मूव फ्लैट हैं। इनमें खरीदारों को इंतजार नहीं करना पड़ेगा। आवंटन के बाद तुरंत रहना शुरू कर सकते हैं। वहीं, यमुना अथॉरिटी में भी आवासीय प्लॉट स्कीम लॉन्च करने की तैयारी में है। इसकी प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। नवरात्र में यह स्कीम लॉन्च हो सकती है। अथॉरिटी 977 आवासीय प्लॉट की स्कीम लॉन्च करेगी। इसमें सबसे छोटा प्लॉट 162 वर्ग मीटर का है। जबकि सबसे बड़ा प्लॉट 500 वर्ग मीटर का है। ये प्लॉट यमुना सिटी के सेक्टर-18, 20 में हैं। नोएडा एयरपोर्ट के पास विकसित किए गए इन सेक्टरों में जो लोग अपना मकान बनाना चाहते हैं। ऐसे लोगों के लिए यह बेहतर विकल्प है। अथॉरिटी लॉटरी के जरिये आवंटन करती है। अथॉरिटी के अफसरों का कहना है कि स्कीम की तैयारी पूरी हो चुकी है। बहुत जल्द स्कीम को लॉन्च कर दिया जाएगा। अथॉरिटी की स्कीम में प्रॉपर्टी लेना बेहतर माना जाता है। ऐसे में आपके सामने इस एरिया में घर खरीदने का यह भी विकल्प रहेगा।

बैटरी खरीदें या सब्सक्राइब करें: किसमें होगी पैसों की बचत

EV बाजार में तेजी से बढ़ रहा BaaS मॉडल

Gear UP
खालिद अमीन
Khalid.Amin @timesofindia.com

इलेक्ट्रिक वीकल (EV) खरीदने की योजना बना रहे ग्राहकों के लिए सबसे बड़ी उलझन उसकी ऊंची कीमत होती है, जिसका एक बड़ा हिस्सा सिर्फ बैटरी का होता है। इसी बाधा को दूर करने के लिए ऑटो सेक्टर में Battery-as-a-Service (BaaS) मॉडल एक क्रांतिकारी बदलाव के रूप में उभरा है।

भारत में इलेक्ट्रिक गाड़ियों (EV) की बिक्री बढ़ तो रही है, लेकिन आम लोगों के लिए इन्हें खरीदने में सबसे बड़ी अड़चन अब भी ऊंची शुरुआती कीमत ही है। किसी भी इलेक्ट्रिक गाड़ी की कुल कीमत का लगभग 35 से 40 प्रतिशत हिस्सा केवल बैटरी का होता है। यही वजह है कि कई ग्राहक EV लेना चाहते हुए भी निर्णय नहीं ले पाते। इसी चुनौती का हल बनकर उभर रहा है Battery-as-a-Service (BaaS) मॉडल, जिसमें गाड़ी खरीदी जाती है लेकिन बैटरी को अलग से सब्सक्रिप्शन या उपयोग के आधार पर लिया जाता है।

इस व्यवस्था में ग्राहक को गाड़ी खरीदते समय बैटरी की पूरी कीमत नहीं देनी पड़ती। वह केवल गाड़ी का दाम चुकाता है और बैटरी के लिए हर महीने या उपयोग के हिसाब से भुगतान करता है। इससे EV की शुरुआती कीमत काफी कम हो जाती है और EV खरीदना अपेक्षाकृत आसान बन जाता है।

भारत में किसने शुरू किया BaaS मॉडल: भारत में BaaS मॉडल को लाने का श्रेय MG Motor India को दिया जाता है। कंपनी ने अपनी इलेक्ट्रिक कारों के साथ बैटरी सब्सक्रिप्शन का विकल्प पेश किया, जिससे ग्राहक कार की कीमत कम करके खरीद सकता है और बैटरी के उपयोग के लिए अलग से भुगतान करता है।

मारुति भी उतरी मैदान में: देश की सबसे बड़ी कार निर्माता Maruti Suzuki भी इस मॉडल को अपना चुकी है। कंपनी की इलेक्ट्रिक एसयूवी e Vitara को BaaS के साथ लाया गया है। इस स्कीम के तहत इसके बेस मॉडल की एक्स शोरूम कीमत सिर्फ 10.99 लाख रुपये पड़ती है और BaaS के तहत प्रति किमी 3.99 रुपये देने की व्यवस्था है।

टू-वीलर मार्केट में कमाल करेगा BaaS?

हाल में TVS Motor Company ने अपने नए इलेक्ट्रिक स्कूटर TVS Orbiter V1 के साथ इसी मॉडल को पेश किया है। कंपनी ने बताया है कि BaaS विकल्प के साथ इस स्कूटर की शुरुआती कीमत लगभग ₹49,999 तक आ सकती है, जबकि बैटरी के साथ खरीदने पर इसकी कीमत करीब ₹84,500 है। कंपनी का मानना है कि इस तरह की व्यवस्था से इलेक्ट्रिक स्कूटर ज्यादा लोगों की पहुंच में आ सकते हैं। देश की बड़ी दोपहिया कंपनी Hero MotoCorp ने अपने इलेक्ट्रिक ब्रैंड Vida के जरिए बैटरी सब्सक्रिप्शन का विकल्प पेश किया है। कंपनी के स्कूटर Vida V1 के साथ ग्राहकों को बैटरी खरीदने या सब्सक्रिप्शन पर लेने दोनों विकल्प मिलते हैं। अब TVS Motor Company ने भी Orbiter V1 के साथ इस मॉडल को अपनाकर दोपहिया बाजार में इसे और मजबूत संकेत दिया है कि भविष्य में ईवी के साथ बैटरी को खरीदने जरूरी नहीं होगा, बल्कि उसका भुगतान किस्तों में किया जा सकता है।

क्या इससे सच में पैसे बच सकते हैं?

Battery-as-a-Service मॉडल का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह गाड़ी की शुरुआती कीमत को कम कर देता है। उदाहरण के लिए अगर किसी EV की बैटरी की कीमत 30 से 40 हजार रुपये है, तो उसे सब्सक्रिप्शन मॉडल में देने से वाहन खरीदते समय ग्राहक को उतना पैसा नहीं देना पड़ता। हालांकि कुल खर्च इस बात पर निर्भर करता है कि ईवी कितनी चलाई जा रही है।

किन लोगों के लिए फायदेमंद

- सबसे पहले वे ग्राहक जो पहली बार इलेक्ट्रिक गाड़ी खरीदना चाहते हैं और ज्यादा पैसा एक साथ खर्च नहीं करना चाहते।
- दूसरे, डिलीवरी या कमर्शल उपयोग करने वाले लोग—जैसे ई-कॉमर्स से जुड़े लोग, जिनके लिए बैटरी की चिंता कम होना बड़ा लाभ हो सकता है।
- तीसरे, शहरी क्षेत्रों में रोजाना सीमित दूरी तय करने वाले कम्यूटर, जिनके लिए कम लागत में EV चलाना संभव हो जाता है।

BaaS के प्रमुख फायदे

- इस मॉडल का सबसे बड़ा फायदा कम शुरुआती कीमत है। बैटरी को अलग करने से वाहन सस्ता दिखाई देता है और ग्राहक कम निवेश में EV खरीद सकता है।
- दूसरा फायदा यह है कि बैटरी की जिम्मेदारी अक्सर कंपनी या सेवा प्रदाता की होती है, जिससे मेंटेनेंस या रिप्लेसमेंट की चिंता कम रहती है।
- तीसरा लाभ लचीले भुगतान का है। कई कंपनियां उपयोग के आधार पर योजनाएं देती हैं।

इसके नुकसान क्या है

- हालांकि BaaS मॉडल पूरी तरह बेदाग नहीं है। सबसे बड़ी चिंता यह है कि लंबे समय में सब्सक्रिप्शन का कुल खर्च अधिक हो सकता है।
- दूसरी बात यह कि ग्राहक बैटरी का मालिक नहीं होता, इसलिए रीसेल वैल्यू तय करना थोड़ा कठिन हो सकता है।
- इसके अलावा बैटरी सेवा पूरी तरह कंपनी के नेटवर्क और सेवा व्यवस्था पर निर्भर रहती है, जिससे ग्राहक की निर्भरता बढ़ जाती है।

दुनिया में कहां-कहां चल रहा है यह मॉडल

Battery-as-a-Service मॉडल केवल भारत तक सीमित नहीं है। चीन इस क्षेत्र में सबसे आगे माना जाता है। यूरोप में भी शुरुआती दौर में कुछ कंपनियों ने बैटरी लीजिंग मॉडल अपनाया था। उदाहरण के तौर पर इलेक्ट्रिक कार Renault Zoe को कई बाजारों में बैटरी किराये के विकल्प के साथ बेचा गया था। दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों में भी खासकर दोपहिया EV के लिए यह मॉडल बढ़ रहे हैं।

भारत में क्या है इसका भविष्य

विशेषज्ञ मानते हैं कि Battery-as-a-Service मॉडल EV अपनाने की रफ्तार बढ़ाने में अहम भूमिका निभा सकता है, खासकर दोपहिया और फ्लीट सेगमेंट में। TVS Motor Company द्वारा Orbiter V1 के साथ इस मॉडल को आगे बढ़ाना इसी बदलाव का संकेत है।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 16-03-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD6 User: cci Time: 03-14-2026 22:14 Color:

संपत्ति की सुरक्षा का 'मास्टर प्लान' है ट्रस्ट

अगर आप पर्सनल फाइनैंस के शब्दों, तकनीकी शब्दावली और कैल्कुलेशन को लेकर उलझन में हैं, तो यहां उन्हें सरल बनाने और समझाने के लिए एक सीरिज दी गई है। इसमें, रिजू मेहता बता रही हैं कि ट्रस्ट अपने उद्देश्य और काम के अनुसार कैसे अलग-अलग होते हैं।

अक्सर लोग 'ट्रस्ट' (Trust) का नाम सुनते ही इसे केवल बहुत अमीर लोगों या दान-पुण्य से जुड़ी कोई उलझी हुई कानूनी प्रक्रिया मान लेते हैं, लेकिन असल में यह आपकी मेहनत की कमाई और संपत्ति को सुरक्षित रखने का एक बेहतरीन जरिया है। ट्रस्ट, उत्तराधिकार योजना में धन और संपत्ति को जरूरतमंद लाभार्थियों तक पहुंचाने का एक प्रभावी साधन है। यह एक व्यक्ति (सेटलर/settlor) से दूसरे व्यक्ति (ट्रस्टी/trustee) को संपत्ति ट्रांसफर करने की एक कानूनी व्यवस्था है, जो किसी तीसरे व्यक्ति (लाभार्थी/beneficiary) के लिए इसका प्रबंधन करता है। भारतीय ट्रस्ट अधिनियम, 1882 की धारा 3 के अनुसार, ट्रस्ट की कानूनी परिभाषा है: संपत्ति के कब्जे से जुड़ा एक दायित्व जो मालिक द्वारा जताए गए और स्वीकार किए गए विश्वास से पैदा होता है, या उसके द्वारा घोषित और स्वीकार किया गया हो, जो किसी अन्य व्यक्ति के लाभ के लिए हो, या किसी अन्य और स्वयं मालिक के लाभ के लिए हो। ट्रस्ट विभिन्न प्रकार के होते हैं और इन्हें मुख्य रूप से 'सार्वजनिक' और 'निजी' के रूप में बांटा जा सकता है।

पब्लिक ट्रस्ट

ये केवल आम जनता या समुदाय के किसी वर्ग के लाभ या कल्याण के लिए बनाए जाते हैं। ये आमतौर पर राज्य-विशिष्ट कानूनों द्वारा शासित होते हैं और इन्हें कर (tax) लाभ मिलते हैं। ये दो प्रकार के होते हैं:

- **चैरिटेबल:** ऐसे ट्रस्ट सार्वजनिक शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, गरीबी उन्मूलन, स्मारकों के संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण आदि जैसे धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए बनाए जाते हैं।
- **धार्मिक:** ये मंदिरों और/या अन्य धार्मिक संस्थानों के निर्माण या रखरखाव के उद्देश्य से स्थापित किए जाते हैं।

प्राइवेट ट्रस्ट

निजी ट्रस्ट वह होते हैं जो विशिष्ट व्यक्तियों या लाभार्थियों के लिए बनाए जाते हैं और भारतीय ट्रस्ट अधिनियम, 1882 द्वारा शासित होते हैं।

- **रीवोकेबल:** इस ट्रस्ट को सेटलर द्वारा रद्द या बदला जा सकता है, जिससे उसे अपने जीवनकाल के दौरान इसके नियमों और शर्तों को संशोधित करने की अनुमति मिलती है। यह लेनदारों (creditors) से संपत्ति की सुरक्षा प्रदान नहीं करता है।
- **इर्रेवोकेबल:** एक बार बन जाने के बाद, ऐसे ट्रस्ट को बदला या रद्द नहीं किया जा सकता है। क्योंकि अब यह सेटलर द्वारा नियंत्रित नहीं होता है, इसलिए संबंधित संपत्तियों को लेनदारों और मुकदमों से बचाया जा सकता है।
- **विवेकाधीन:** यहां केवल सेटलर यह तय करता है कि लाभार्थी कौन होंगे। विशिष्ट लाभार्थियों को संपत्ति किस अनुपात में ट्रांसफर की जानी है, इसका निर्णय ट्रस्टियों द्वारा लिया जाता है।

- **गैर-विवेकाधीन/फिक्स्ड:** इस प्रकार के ट्रस्ट में, सेटलर संपत्ति के वितरण के संबंध में सभी निर्णय लेता है, जिसमें लाभार्थी और किस लाभार्थी को कितनी संपत्ति मिलेगी, यह शामिल है। ये निर्णय ट्रस्टियों द्वारा नहीं लिए जाते हैं।

- **वसीयती:** ट्रस्ट की यह श्रेणी एक वसीयत के माध्यम से बनाई जाती है और वसीयतकर्ता की मृत्यु के बाद ही प्रभावी होती है। यह मृत्यु के बाद उनकी इच्छा के अनुसार संपत्ति वितरित करने की अनुमति देता है।
- **जीवित या 'इंटर वियोस':** यह ट्रस्ट सेटलर के जीवनकाल के दौरान बनाया जाता है और उनकी मृत्यु पर नहीं, बल्कि तुरंत प्रभावी होता है। इसे सेटलर संशोधित और रद्द भी कर सकता है।

एक्सपर्ट बोले, क्रिप्टो बाजार में 50% की गिरावट सामान्य, निवेशकों को धैर्य रखना जरूरी

बिटकॉइन: कीमत हाफ, भरोसा फुल

Crypto Class

अभिषेक मिश्र
NBTwealth
@timesofindia.com

हाल के महीनों में बिटकॉइन की कीमत में काफी गिरावट दर्ज की गई है। पिछले साल 6 अक्टूबर 2025 को यह 1,26,251 डॉलर के अपने सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गया। तब से इस साल फरवरी तक यह करीब 50% गिरकर 65,405 डॉलर पर आ गया। हालांकि, विशेषज्ञ इसे सामान्य मान रहे हैं। उनका कहना है कि जो इन्वेस्टर बिटकॉइन जैसी क्रिप्टो करंसी में निवेश करते हैं, वह समझते हैं कि तेज उतार-चढ़ाव सामान्य बात है।

गिरावट के कई कारण

फाइनैंशल अडवाइजरी फर्म हम फौजी इनिशिएटिव्स के चीफ एग्जिक्यूटिव ऑफिसर (CEO) और सर्टिफाइड फाइनैंशल प्लानर (CFP) कर्नल (रिटायर्ड) संजीव गोविला का कहना है कि बिटकॉइन शुरू से विश्व की सबसे अधिक घट-बढ़ वाली फाइनैंशल असेट में से एक है। क्रिप्टो मार्केट में 30-50% तक की गिरावट सामान्य है। इस गिरावट के कई कारण हैं। पिछले कुछ समय से वैश्विक बाजार में जोखिम से बचने की प्रवृत्ति बढ़ी है। ऐसे में निवेशक भी कम जोखिम वाली परिसंपत्तियों में निवेश बढ़ाते हैं। क्रिप्टो करंसी के साथ भी ऐसा ही हुआ है।

गोविला के मुताबिक, शुरू में माना जाता था कि बिटकॉइन का ट्रेडिशनल मार्केट से कोई संबंध नहीं है। मगर, संस्थागत निवेशक, ETF और संस्थागत पूंजी के बाद अब यह एक ग्लोबल रिस्क असेट बन गई है और अक्सर शेयर बाजार के घट-बढ़ के साथ इसमें भी तेजी और गिरावट आती है। हालांकि, SEBI के रजिस्टर्ड इन्वेस्टमेंट अडवाइजर (RIA) और सहजमनी के संस्थापक अभिषेक कुमार निवेशकों को इसमें निवेश से परहेज की सलाह देते हैं। मगर, उन्होंने यह भी कहा कि बिटकॉइन में मौजूदा गिरावट को 'मार्केट करेक्शन' के रूप में देखना चाहिए। ऐतिहासिक रूप से ऐसी गिरावटों के बाद बाजार अक्सर मजबूती से उबरता है। इसलिए, निवेशक भी घबराहट में बिकवाली के बजाय अपने पोर्टफोलियो को रीअसेस करें। अभिषेक ने बताया कि आने वाले समय में संस्थागत निवेश और वैश्विक नियामक बदलाव बाजार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

जानकार बताते हैं कि अमेरिका की व्यापार नीतियों को लेकर बनी अनिश्चितता का भी बाजार पर दबाव है। टैरिफ और वैश्विक व्यापार तनावों से निवेशक की चिंता बढ़ी है। फेडरल रिजर्व भी ब्याज दरों पर स्थिति स्पष्ट नहीं कर रहा है। दरों में कटौती कब की जाएगी, कितनी की जाएगी इस पर संदेह है। इससे बाजार की धारणा कमजोर हुई है।

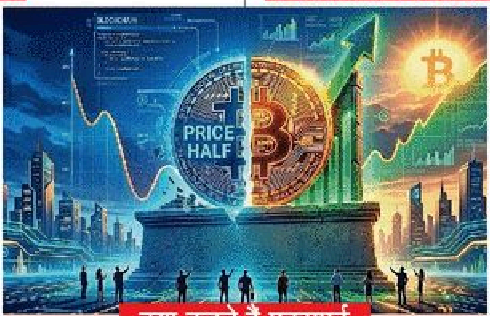

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

सीमित रखें निवेश

क्रिप्टोकरेंसी को हमेशा एक उच्च जोखिम वाले निवेश के रूप में देखना चाहिए। निवेशकों को अपने पूरे पोर्टफोलियो का छोटा हिस्सा ही इसमें लगाना चाहिए और कर्ज लेकर निवेश से हर हाल में बचना चाहिए। *-संजीव गोविला, CFP*

- गोविला के मुताबिक, बिटकॉइन के निवेशकों को तेज गिरावट से नहीं घबराना चाहिए
- **वह भी नए निवेशकों को इसमें इन्वेस्ट करने से बचने की सलाह देते हैं**
- अगर आप में भारी उतार-चढ़ाव सहने की क्षमता है तो निवेश बरकरार रखें

गिरावट को करेक्शन मानें

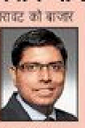

बिटकॉइन में मौजूदा गिरावट को बाजार के सामान्य करेक्शन के रूप में देखना चाहिए। घबराहट में बिकवाली करने के बजाय अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा कर दीर्घकालिक रणनीति के साथ आगे बढ़ना चाहिए। *-अभिषेक कुमार, RIA*

- गोविला आगाह करते हैं कि कभी बिटकॉइन में कर्ज लेकर निवेश नहीं करना चाहिए
- **बिटकॉइन को डायवर्सिफायड पोर्टफोलियो का हिस्सा मानना चाहिए**
- वह सुझाते हैं कि अपने पूरे निवेश पोर्टफोलियो का करीब 3-5% हिस्सा ही क्रिप्टोकरंसी में रखें

जियोपॉलिटिकल तनाव और AI का असर

अभिषेक कुमार के मुताबिक, बिटकॉइन में इस गिरावट का एक कारण जियोपॉलिटिकल तनाव भी रहा है। अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच युद्ध से निवेशक अब सुरक्षित निवेश पर जोर दे रहे हैं। डेरिवेटिव्स बाजार में बड़ी मात्रा में लंबी पोजिशन समाप्त होने और अमेरिकी स्पॉट बिटकॉइन ETF से लगातार निकासी के कारण गिरावट और तेज हुई।

अभिषेक ने बताया कि प्रौद्योगिकी और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (AI) कंपनियों के शेयर में गिरावट का असर क्रिप्टो बाजार पर पड़ा है। संस्थागत निवेशकों ने प्रौद्योगिकी कंपनियों के शेयर में निवेश करते हुए अपनी पूंजी को अलग-अलग असेट क्लास में बांटा। इससे डिजिटल असेट्स में निवेश कमजोर हो गया। क्रिप्टो बाजार पर करीबी नजर रखने वाले जानकार अभी सतर्क नजरिया अपनाने की सलाह दे रहे हैं। उनका कहना है कि अभी इसमें गिरावट बरकरार रह सकती है। बिटकॉइन माइनिंग से जुड़े कारोबारों पर बढ़ता वित्तीय दबाव भी बाजार की दिशा को प्रभावित कर सकता है।

जानकारों को लगता है कि कुछ संकेत ऐसे हैं जो आने वाले समय के लिए सकारात्मक रुख बना रहे हैं। ब्लॉकचेन से जुड़े आंकड़े बताते हैं कि बड़े निवेशक गिरावट के दौरान भी खरीदारी कर रहे हैं, जो भरोसे का संकेत है। पिछले साल सितंबर तक बिटकॉइन ब्लॉकचेन का आकार 673.53 GB से अधिक हो गया है और इसमें लगातार इजाफा हो रहा है। गोविला का कहना है कि ऐतिहासिक रूप से देखें तो कई बार तेज गिरावट के बाद भी बिटकॉइन तेजी से मजबूत हुआ है। गोविला बताते हैं कि बाजार अभी निचले स्तर पर पहुंच गया है। जब बाजार बहुत नीचे चला जाता है, तो बिटकॉइन को लेकर निवेशक चिंतित हो जाते हैं। हालांकि, बाद में बाजार के सुधरने पर बिटकॉइन की वैल्यू भी बढ़ जाती है। अगर भू-राजनीतिक परिस्थितियां स्थिर हो जाएंगी और निवेशक एक बार फिर जोखिम लेने लगेंगे तो बिटकॉइन में सुधार आने लगेगा।

काम की तारीखें

इन IPOs में मौका

IPO (Initial Public Offering) वह प्रक्रिया होती है, जिसके तहत कोई निजी कंपनी पहली बार आम लोगों को अपने शेयर बेचती है और शेयर बाजार में लिस्टेड कंपनी बन जाती है। IPO के बाद कंपनी के शेयर स्टॉक एक्सचेंज पर ट्रेड होने लगते हैं और आम निवेशक भी उसमें हिस्सेदारी ले सकते हैं।

AI image

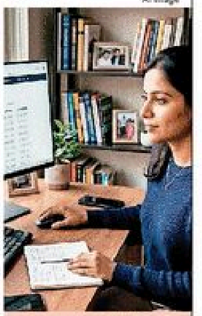

- **Novus Loyalty IPO**
  17 Mar 2026
- **GSP Crop science IPO**
  16 Mar-18 Mar 2026
- **Innovision IPO**
  10 Mar-17 Mar

AMH सिखाता है कि जब मुश्किल वक्त हो, तब फंड का एक्टिव मैनेजमेंट करना चाहिए

उतार-चढ़ाव ही है मार्केट की असली पहचान

किताब लाजवाब

मृत्युंजय राय
Mrityunjay.Ray
@timesofindia.com

एंड्रयू डब्ल्यू लो की किताब 'Adaptive Markets' शेयर बाजार को समझने का एक बिल्कुल नया नजरिया पेश करती है। लेखक पुरानी 'एफिशिएंट मार्केट थिअरी' की आलोचना करते हुए बताते हैं कि बाजार हमेशा पूरी तरह सही या तर्कसंगत नहीं होता, बल्कि यह निवेशकों के व्यवहार और भावनाओं के हिसाब से बदलता रहता है।

एक जमाने में 'एफिशिएंट मार्केट्स' थिअरी का दुनिया में बोलबाला था। यह थिअरी कहती है कि मार्केट में किसी शेयर की जो भी कीमत होती है, वह सही है। शेयरों की सही कीमत तय करने में मार्केट का कोई तोड़ नहीं। अगर इस हिसाब से सोचें तो आज दुनिया भर के ज्यादातर बाजारों में ईरान युद्ध की वजह से जो सुस्ती छाई है, वह ठीक है। इसलिए इस मार्केट में पैसा लगाने की कोई जरूरत नहीं। लेकिन जिन लोगों ने शेयर बाजार से पैसा बनाया है, उनसे पूछें तो यही जवाब मिलेगा कि यह निवेश करने का सही वक्त है। भारतीय बाजार में तो कई कंपनियों के मालिक इन दिनों ओपन मार्केट से शेयर खरीद रहे हैं। यह कंपनी पर उनके भरोसे का प्रतीक है। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि ऐसी कंपनियों में निवेश का इससे बढ़िया सिग्नल कुछ नहीं हो सकता।

'Adaptive Markets: Financial Evolution at the Speed of Thought' में इसी एफिशिएंट मार्केट थिअरी की आलोचना की गई है। इसे लिखा है एंड्रयू डब्ल्यू लो (Andrew W. Lo) ने। Adaptive Markets Hypothesis (AMH) को गलत साबित करने के लिए इवॉल्यूशनरी बायोलॉजी और इकोनॉमिक्स का सहारा लिया है। लो बताते हैं कि मार्केट हमेशा एफिशिएंट नहीं होते। ना ही हमेशा बेतुके, जैसा कि बिहेवियरल इकोनॉमिक्स में दावा किया जाता है। वह लिखते हैं कि मार्केट का व्यवहार वैसा ही होता है, जिस तरह का निवेशकों का। यानी निवेशकों की तरह ही मार्केट कभी एफिशिएंट होते हैं तो कभी बगैर किसी आधार के इनमें जबरदस्त तेजी बन जाती है। हां, तब इस तेजी को सही ठहराने के लिए मार्केट एनालिस्ट तमाम तरह के तर्क गढ़ने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ते। वो लिखते हैं कि इसी वजह से समझदार निवेशक मार्केट्स से पैसा बना पाते हैं। इस थिअरी को वॉरेन बफेट भी बेकार की बात बता चुके हैं, जबकि एक जमाने में अमेरिकी यूनिवर्सिटी में इस पर काफी जोर दिया जाता था। इस किताब में EMH थिअरी के उसी चढ़ाव और उसके बाद उतार के बारे में बताया गया है। लेखक ने इस सिलसिले में 1986 के स्पेस शटल चैलेंजर डिजास्टर का जिक्र किया है। तब रियल वर्ल्ड और मार्केट में हुए नुकसान एक जैसे थे। यानी तब मार्केट एफिशिएंट दिखा था। लेकिन 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के दौर में मार्केट एफिशिएंट नहीं रह गया था। उस वक्त बड़ी संख्या में कंपनियां अपनी वास्तविक वैल्यू से कम दाम पर मिल रही थीं। उस दौर में जिन लोगों ने बेहद आकर्षक कीमत पर कंपनियों में निवेश किया, उन्होंने बड़ा मुनाफा कमाया।

एंड्रयू डब्ल्यू लो ने इस किताब में इवॉल्यूशनरी बायोलॉजी और इकोनॉमिक्स का सहारा लेकर एफिशिएंट मार्केट थिअरी और AMH की आलोचना की है।

जैसे इंसान बदलते हालात के साथ खुद को ढालते हैं, वैसे ही मार्केट भी कभी बहुत समझदारी दिखाता है तो कभी बिना किसी ठोस वजह के डर या लालच में काम करता है।

हालांकि, बफेट की तरह लेखक ने AMH को पूरी तरह खारिज नहीं किया है। वह लिखते हैं कि इसे मार्केट के एक पहलू की तरह लिया जाना चाहिए। उनका कहना है कि कई बार ऐसे दौर आते हैं, जब शेयर बाजार एफिशिएंट होता है, लेकिन हमेशा ऐसा नहीं होता। उन्होंने किताब में अल्फा, बीटा जैसे टेक्निकल टर्म्स को आसान भाषा में रीडर्स को समझाया भी है।

लेखक ने साइकोलॉजी, न्यूरोसाइंस और AI के हवाले से निवेशकों की तुलना उन पशुओं से की है, जो खाने की तलाश में बार-बार अपना ठिकाना बदलते रहते हैं। दरअसल, हमारा दिमाग किसी भी मुश्किल घड़ी में सबसे पहले अपना वजूद बचाने को लेकर अलर्ट करता है। इसलिए गिरावट वाले बाजार में कई निवेशक जहां अपनी पूंजी बचाने पर फोकस करते हैं, वहीं दूसरी ओर स्मार्ट इन्वेस्टर्स संकट की वजह से मिल रहे सस्ते शेयरों में निवेश करने पर फोकस करते हैं। ऐसे बाजार में जो जितनी तेजी से कदम उठा पाता है, वह उतने फायदे में रहता है। इस सिलसिले में लेखक हेज फंडों की मिसाल देते हैं। वह लिखते हैं कि आज क्वांट स्ट्रैटजी पर जो जोर बढ़ा है, वह इसी वजह से है। लेखक ने किताब में Long-Term Capital Management के दिवालिया होने की दास्तां भी लिखी है। इस फंड को नोबेल पुरस्कार विजेता चलाते थे, जो करंसी ट्रेड से पैसा बनाने पर फोकस करता था। हालांकि, यह फंड जिस फिक्स्ड मॉडल को आधार बनाकर काम करता था, वह जब काम नहीं आया तो इसे बंद करना पड़ा। कहने का मतलब यह है कि इस केस में जीनियस भी नाकाम हो गए।

लेखक का कहना है कि AMH हमें यह सिखाता है कि जब मुश्किल वक्त हो, तब निवेशकों को अपने फंड का एक्टिव मैनेजमेंट करना चाहिए। वहीं, जब मार्केट में शांति का दौर चल रहा हो तो पोर्टफोलियो से बहुत छेड़छाड़ नहीं करना बेहतर होता है। वह यह सलाह भी देते हैं कि पोर्टफोलियो में विविधता भी होनी चाहिए। यानी इसमें वैल्यू के साथ ग्रोथ स्टॉक्स भी होने चाहिए। इस किताब में भारतीय निवेशकों के लिए सबक ये है कि सितंबर 2024 के बाद से उन्हें रिटर्न नहीं मिला है। स्मॉल और मिडकैप सेगमेंट में तो हालात और बुरे हैं। इस दौरान उन्होंने एक के बाद एक मुश्किलों से मार्केट पर दबाव बनता देखा है। लेकिन इधर शेयरों की कीमत आकर्षक हो गई है और यह समय निवेश करने का है।

साप्ताहिक आर्थिक भविष्यफल

(16 मार्च-22 मार्च 2026)

नन्दिता पाण्डेय
NBTwealth
@timesofindia.com

मेष (22 मार्च-21 अप्रैल)
सप्ताह की शुरुआत में आप अपनी मेहनत के बल पर बहुत कुछ हासिल करने में सक्षम रहेंगे। इस सप्ताह आपके प्रोजेक्ट भी समय पर पूर्ण होते जाएंगे एवं सफलता के मार्ग में आगे बढ़ेंगे। सप्ताह जैसे जैसे आगे बढ़ेगा स्थितियां अनुकूल होती जाएंगी। इस सप्ताह शेयर मार्केट एवं प्रॉपर्टी द्वारा धन वृद्धि के शुभ संयोग बन रहे हैं। धन लाभ रहेगा। गुरुवार और शुक्रवार को व्यय अधिक रहेगा।

वृषभ (22 अप्रैल-21 मई)
इस सप्ताह की शुरुआत में अचानक से भाग्य साथ देने लगेगा एवं धन लाभ की प्रबल स्थितियां बनती जाएंगी। इस समय की गयी यात्राएं भी आपके लिए शुभ परिणाम लेकर आ रही हैं। इस समय ऑफिस के प्रोजेक्ट द्वारा भी धन वृद्धि के संयोग बनेंगे एवं सफलता आपके कदम चूमेगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में शेयर मार्केट या पैतृक संपत्ति द्वारा धन वृद्धि के शुभ संयोग बनेंगे। शनिवार और रविवार में व्यय ज्यादा हो सकते हैं।

मिथुन (22 मई-21 जून)
सप्ताह की शुरुआत में व्यय की स्थितियां बन सकती हैं एवं अपने खर्चों पर लगाम लगाने की आपको आवश्यकता है। सप्ताह जैसे-जैसे आगे बढ़ता जाएगा भाग्य आपका साथ देगा एवं जीवन में सुख समृद्धि के संयोग भी लेकर आएगा। इस सप्ताह की गई यात्राओं द्वारा सफलता हासिल होगी एवं यात्राएं धन लाभ प्राप्त कराने में सक्षम रहेंगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में धन वर्धक स्थितियां बनती रहेंगी।

कर्क (22 जून-21 जुलाई)
सप्ताह की शुरुआत में साझेदारी में किए गए निवेश आपके लिए शुभ फल लेकर आएंगे। इस सप्ताह आपको अपने जीवन साथी द्वारा भी आर्थिक मदद मिल सकती है। सप्ताह जैसे जैसे आगे बढ़ेगा कुछ खर्चे हो सकते हैं एवं सप्ताह के मध्य में इस तरफ खास तौर पर ध्यान देने की आवश्यकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध में समय अनुकूल होता जाएगा एवं जीवन में सुख शांति महसूस होगी। गुरुवार से स्थितियां आपके अनुकूल होती जाएंगी।

सिंह (22 जुलाई-21 अगस्त)
इस सप्ताह की शुरुआत से ही आपको आर्थिक लाभ प्राप्त होगा एवं आय के नए स्रोत खुलते जाएंगे। यह सप्ताह एक शुभ सप्ताह है एवं बिजनेस पार्टनरशिप आपके लिए धन वृद्धि के संयोग बनाएगी इस सप्ताह आपको अपने जीवनसाथी द्वारा भी आर्थिक मदद मिल सकती है। सप्ताह के उत्तरार्ध में हालांकि स्थितियां कठिन रहेंगी एवं व्यय अधिक होगा। शनिवार और रविवार को अचानक से भाग्य साथ देगा।

कन्या (22 अगस्त-21 सितंबर)
सप्ताह की शुरुआत में अचानक से धन लाभ की स्थितियां बनेंगी एवं आय के नए स्रोत भी खुलते जाएंगे। इस सप्ताह शेयर मार्केट या लॉटरी आदि द्वारा भी धन लाभ प्राप्त होगा। इस सप्ताह किए गए निवेशों द्वारा आर्थिक उन्नति के आसार नजर आएंगे एवं कर्जों से मुक्ति भी मिल सकती है। सप्ताह के उत्तरार्ध में समय अनुकूल रहेगा एवं धन लाभ के विशेष संयोग बनते जाएंगे। पुराने रुके हुए निवेशों पर ध्यान दें तो सफलता हासिल होगी।

तुला (22 सितंबर-21 अक्टूबर)
सप्ताह की शुरुआत में व्यय अधिक हो सकते हैं एवं घर परिवार एवं वाहन पर खर्च अधिक हो सकते हैं। सप्ताह जैसे जैसे आगे बढ़ता जाएगा वैसे वैसे निवेशों द्वारा भी लाभकारी स्थितियां बनती जाएंगी इस सप्ताह आय के नए स्रोत खुलेंगे एवं कर्जों से मुक्ति के संयोग भी बन रहे हैं। सप्ताह के उत्तरार्ध में अचानक से साझेदारी में किए गए निवेशों द्वारा भी धन लाभ प्राप्त हो सकता है।

वृश्चिक (22 अक्टूबर-21 नवं.)
इस सप्ताह की शुरुआत में धन लाभ रहेंगे एवं आप अपनी व्यवहारकुशलता द्वारा सफलता हासिल करते जाएंगे। इस सप्ताह के मध्य में व्यय अधिक हो सकते हैं एवं इस तरफ ध्यान दें तो बेहतर होगा, सप्ताह के उत्तरार्ध में समय अनुकूल होता जाएगा एवं अचानक से धन लाभ की स्थितियां भी बनेंगी। इस सप्ताह आपके लिए डेयरी प्रोडक्ट्स, हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट, सोलर पावर, हेल्थ इंडस्ट्री आदि द्वारा धन वृद्धि के संयोग बनेंगे।

धनु (22 नवंबर-21 दिसंबर)
इस सप्ताह की शुरुआत में धन वृद्धि के शुभ संयोग बनते जाएंगे एवं निवेशों द्वारा भी लाभ रहेगा। आप अपनी वाक्पटुता द्वारा एवं अपनी व्यवहार कुशलता द्वारा धन लाभ प्राप्त करने में सक्षम रहेंगे। इस सप्ताह आपके द्वारा की गयी नेटवर्किंग आपके लिए शुभ परिणाम लेकर आएगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में हालांकि कुछ खर्चे बढ़ सकते हैं एवं इस तरफ ध्यान देने की आवश्यकता है।

मकर (22 दिसंबर-21 जनवरी)
सप्ताह की शुरुआत में आप अपनी तीक्ष्ण बुद्धि द्वारा धन वृद्धि के संयोग बनाएंगे एवं निवेशों द्वारा भी लाभ रहेगा। मंगलवार से बेहतर स्थितियां होती जाएंगी एवं धन लाभ रहेगा। इस सप्ताह आप अपनी व्यवहार कुशलता द्वारा भी धन लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इस सप्ताह आपके मित्र या रिश्तेदार भी आपकी आर्थिक मदद कर सकते हैं। इस सप्ताह के अंत में व्यय अधिक रहेगा एवं घर परिवार पर खर्च बढ़ सकते हैं।

कुंभ (22 जनवरी-18 फरवरी)
सप्ताह की शुरुआत में कुछ खर्चे बढ़ सकते हैं एवं इस तरह आपको खास ध्यान देना है। मंगलवार से हालांकि स्थितियां बेहतर होती जाएंगी एवं जीवन में सुख समृद्धि के संयोग भी बनेंगे। इस सप्ताह आप अपनी तीक्ष्ण बुद्धि का उपयोग कर निवेश करेंगे। आप अपनी व्यवहार कुशलता द्वारा दूसरों को प्रभावित करने में सक्षम रहेंगे।

मीन (19 फरवरी-21 मार्च)
सप्ताह की शुरुआत में शेयर मार्केट द्वारा विशेष धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं एवं निवेशों द्वारा भी धन लाभ रहेगा। इस सप्ताह की शुरुआत में किसी प्रॉपर्टी द्वारा भी धन प्राप्ति के संयोग बन रहे हैं। मंगलवार और बुधवार में आपको संभलकर रहना है क्योंकि इस समय खर्चे अधिक रहेंगे। गुरुवार से स्थितियां बेहतर होती जाएंगी एवं धन लाभ के अवसर आपको प्राप्त होंगे।

(लेखिका ऐस्ट्रो-टैरो रीडर, आध्यात्मिक गुरु और लाइफ कोच हैं।)

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 16-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAHFP User: cci Time: 03-15-2026 23:07 Color:

नई दिल्ली > सोमवार, 16 मार्च 2026 > फाल्गुन 25, शक संवत 1947, चैत्र कृष्ण द्वादशी, विक्रम संवत 2082

WATCH GOD WATCHDOG

वर्ष 80, संख्या 63 > पेज 16 > मूल्य ₹5.00 या ₹10.00* द टाइम्स ऑफ इंडिया सहित

*मासिक खरीद पर ही लागू

www.nbt.in

NBT नवभारत टाइम्स

एनबीटी में विज्ञापन देने के लिए 18001205474 पर कॉल करें। नवभारत टाइम्स का अंक प्राप्त करने के लिए 18001200004 पर कॉल करें या subscribe.timesofindia.com पर जाएं।

शादी के बंधन में बंधे कुलदीप यादव और वंशिका

▶ खेल पेज

कांशीराम को भारत रत्न दिया जाए: राहुल गांधी

▶p10

फटाफट खबरें

NHAI का एनुअल पास हुआ महंगा

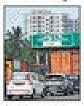

NHAI का एनुअल पास महंगा हो गया है। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए इसकी फीस में 75 रुपये का इजाफा किया है। इस बढ़ोतरी के साथ यह अब 3,075 रुपये हो गया है। यह नई दर 1 अप्रैल से लागू होगी।

उरी में घुसपैठ नाकाम, आतंकी ढेर

जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर में एलओसी पर सेना और पुलिस के संयुक्त ऑपरेशन में घुसपैठ की कोशिश नाकाम हुई। मुठभेड़ में एक पाकिस्तानी आतंकी मारा गया, इलाके में तलाशी जारी है। सैनिकों हथियार और गोला-बारूद भी बरामद हुआ है। ▸▸ पेज 14

मुकद्दस रमज़ान

इफ्तार सोमवार
सुन्नी 6:29 pm
शिया 6:42 pm

सहरी मंगलवार
सुन्नी 5:12 am
शिया 5:01 am

मौसम

अधिकतम तापमान 30.1°

18.7° न्यूनतम तापमान

सूर्यास्त सोमवार 6:30 | सूर्योदय मंगलवार 6:29

उत्तराखंड की पहाड़ियों पर रविवार को हल्की बर्फबारी हुई।

बंगाल 2 चरण में, बाकी जगह सिंगल फेज़

5 राज्यों में चुनावी तारीखों का ऐलान

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने रविवार को पश्चिम बंगाल समेत पांचों राज्यों में विधानसभा चुनावों की घोषणा कर दी है। पश्चिम बंगाल में चुनाव दो चरणों में चुनाव होगा, जबकि यहां पिछली बार आठ चरणों में मतदान हुआ था। बाकी चारों राज्यों में सिंगल फेज में चुनाव होंगे। 9 अप्रैल को असम, केरल और पुडुचेरी (केंद्र शासित प्रदेश) में और तमिलनाडु में 23 अप्रैल को मतदान होगा। अलग-अलग राज्यों की आठ विधानसभा सीटों पर भी नौ अप्रैल और 23 अप्रैल को उपचुनाव कराने की घोषणा की गई है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि सभी राज्यों की विधानसभा सीटों और उपचुनाव पर मतगणना 4 मई को होगी।

ज्ञानेश कुमार

बंगाल में पिछली बार 8 चरण में हुआ था मतदान

चुनावों की घोषणा के साथ ही इन चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में आदर्श आचार संहिता भी लागू हो गई। असम में 126 विधानसभा सीट, केरल में 140, पुडुचेरी में 30 और तमिलनाडु में 234 सीटों पर चुनाव होना है। चुनाव आयोग ने बताया कि पांचों राज्यों में 17 करोड़ 40 लाख से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। इन सभी राज्यों में कुल 824 विधानसभा सीट हैं। दो लाख 19 हजार पोलिंग स्टेशन बनाए गए हैं और मतदान कराने के लिए 25 लाख चुनाव अधिकारियों को लगाया गया है। ▸▸ पेज 10

9 अप्रैल	23 अप्रैल	23 और 29 अप्रैल
को असम, केरल और पुडुचेरी में होगा चुनाव	को तमिलनाडु में 234 सीटों पर वोटिंग	को पश्चिम बंगाल में वोटिंग, पहले चरण में 152 सीटों पर और दूसरे में 142 पर मतदान

सभी जगह 4 मई को आएंगे चुनावी नतीजे

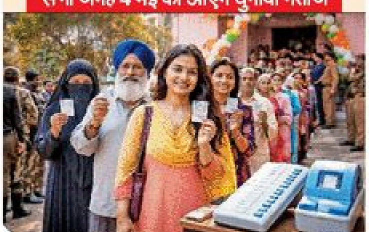

असम में फिर बनेगी BJP सरकार: शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि सीएम हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में बीजेपी असम में अब तक के सबसे बड़े जनादेश के साथ दोबारा सरकार बनाएगी। युवा सम्मेलन में शाह ने कहा, हर घुसपैठिए की पहचान कर देश से बाहर भेजा जाएगा। कांग्रेस ने घुसपैठियों को संरक्षण दिया, बीजेपी सरकार उन्हें वोटिंग लिस्ट से हटाने और देश से बाहर करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पुजारी-मुअज्जिन का बंगाल में बढ़ा भत्ता

चुनावों की घोषणा से ठीक पहले प. बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने पुजारियों और मुअज्जिनों (मस्जिदों में अजान देने वाले) के मासिक मानदेय में बढ़ोतरी का ऐलान किया है। ममता ने कहा, मुझे खुशी है कि 500 रुपये की बढ़ोतरी की जा रही है। अब हर महीने ₹2,000 मिलेंगे। पुजारियों और मुअज्जिनों ने जो नए आवेदन पूरे नियमों के साथ जमा किए थे, उन्हें भी राज्य सरकार ने मंजूरी दे दी है।

ईरान की सख्त चेतावनी, होर्मुज़ खुला रहेगा, सिर्फ दुश्मन देशों के लिए बंद

■ एएफपी, तेहरान

ईरान ने रविवार को अमेरिका और इस्राइल के साथ जारी संघर्ष के बीच अन्य देशों को युद्ध में शामिल न होने की चेतावनी दी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट जहाजों के लिए खुला है। सिर्फ हमारे दुश्मन जहाजों के लिए बंद हैं, जो हम पर हमला कर रहे हैं। दावा किया है कि नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई पूरी तरह स्वस्थ है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर्प्स ने इस्राइली पीएम नेतन्याहू को ढूंढकर मारने की धमकी दी। कहा, बच्चों का हत्यारा अगर जिंदा है, तो पूरी ताकत से पीछा कर उसे मार देंगे। ईरान के शीर्ष अधिकारी ने कहा कि तेहरान को बदनाम करने के लिए 'एपस्टीन से जुड़ा नेटवर्क' 9/11 जैसे हमले की साजिश रच रहा है।

ड्रोन हमला इस्राइल के तेल अवीव में रविवार को ईरान ने हमले किए।

ट्रंप ने कहा- ईरान से समझौता नहीं

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह फिलहाल ईरान के साथ जंग खत्म करने के लिए किसी समझौते के लिए तैयार नहीं है। अभी तक जो शर्तें सामने आई हैं, वे काफी नहीं है। वहीं, ईरान ने भी कहा, हम मजबूत हैं। हमें अमेरिकियों से बात करने की कोई जरूरत नहीं है।

वॉर अपडेट्स

- भारत का टैंकर 'जग लाडकी' UAE के फुजैराह से 80,800 टन कच्चा तेल लेकर निकला।
- जंग के बीच ईरान की महिला फुटबॉल टीम की तीन और सदस्यों ने ऑस्ट्रेलिया छोड़ने का फैसला किया।
- फॉर्मूला वन ने युद्ध के कारण बहरीन और सऊदी में अप्रैल में होने वाली रेस रद्द की
- LPG बुकिंग 88.8 लाख से करीब 77 लाख हुई। सरकार ने भी कहा, गैस की कमी नहीं।
- इस्राइली पीएम नेतन्याहू ने मौत की अफवाह के बीच सोशल मीडिया पर कॉफी पीते हुए अपना विडियो शेयर किया है। ▸▸ पेज 11

हादसे में पांच घायल

फरीदाबाद-पलवल में रफ्तार का कहर, 3 की मौत

■ **टीम NBT:** फरीदाबाद और पलवल में रविवार को हुए सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई। फरीदाबाद के सूरजकुंड में तेज रफ्तार लैंड रोवर डिफेंडर सड़क किनारे खड़े डंपर से टकरा गई, जिससे अनंगपुर निवासी मयंक भड़ाना (24) की मौत हो गई। वहीं पलवल में आलहपुर फ्लाईओवर के पास टाटा पंच कार ने सवारियों से भरे ऑटो को टक्कर मार दी। हादसे में ऑटो सवार संदीप और नरवीर की मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। ▸▸ पेज 9

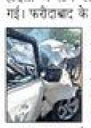

NBT की पड़ताल, दुकानों में कमर्शल की जगह लगे मिले घरेलू सिलिंडर

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्ली में कमर्शल LPG सिलिंडर की किल्लत से रेस्टोरेंट, ढाबे और रेहड़ी-पटरी वालों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। एनबीटी के रिएलिटी चेक में सामने आया कि ढाबे-रेहड़ी वाले घरेलू गैस सिलिंडर का इस्तेमाल कर रहे हैं, जबकि घरेलू गैस के लिए आम लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कमी के चलते ब्लैक मार्केटिंग बढ़ गई है। 14 किलो का घरेलू सिलिंडर 2200 से 3500 रुपये तक में बिक रहा है। वहीं, कमर्शल सिलिंडर की सप्लाई बाधित होने से छोटे कारोबारियों की आजीविका भी प्रभावित हो रही है। दुकानदारों ने कहा, जब कमर्शल नहीं मिल रहा तो घरेलू सिलिंडर लगाना पड़ रहा है। ▸▸ पेज 5

बढ़ी मुश्किलें... दिल्ली के मौजपुर से लेकर ITO और लक्ष्मी नगर तक कमर्शल की जगह घरेलू सिलिंडर यूज हो रहा। ब्लैक मार्केटिंग भी बढ़ी।

KISS

Organisation in Special Consultative Status with the United Nations Economic & Social Council (UN-ECOSOC)

KALINGA INSTITUTE OF SOCIAL SCIENCES (KISS)

Bhubaneswar, Odisha, India

A home for 80,000 Tribal children

KISS HUMANITARIAN AWARD 2025

16th March 2026

PAST RECIPIENTS

- **Mr. Bill Gates**
  Co-chair of the Bill & Melinda Gates Foundation, and Co-Founder & former CEO of Microsoft **(2023)**
- **Her Excellency Mama Rachel Ruto, EGH**
  First Lady of the Republic of **Kenya (2022)**
- **Mr. Ratan Naval Tata,**
  Chairman Emeritus, Tata Sons **(2021)**
- **Dr. Ary S Graça**
  President-International Volleyball Federation (FIVB) **(2020)**
- **Dr. Dansa KOUROUMA**
  President, National Transition Council of Guinea, **Guinea (2019)**
- **Professor Muhammad Yunus**
  (Nobel Laureate)
  Founder, Grameen Bank, **Bangladesh (2018)**
- **His Holiness The 14th Dalai Lama**
  Nobel Laureate, 2005 and Spiritual Leader **(2017)**
- **Ms. Ashley Judd,**
  Hollywood Actor, Activist & Global Goodwill Ambassador, **UNFPA (2016)**

Smt. Nita M. Ambani, Founder and Chairperson, Reliance Foundation receiving the prestigious **KISS Humanitarian Award 2025**

AWARDEES ARE FROM

5 Continents | **13** Countries | **2** Nobel Laureates *among the awardees*

Chief Guest: Prof. Mohan Munasinghe, Nobel Laureate from Sri Lanka

- **KISS Humanitarian Award**
  Founded by Dr. Achyuta Samanta, Founder, KIIT-KISS-KIMS
- **Watch Live** on **Kalinga TV** from **5.00 p.m.** onwards

- **His Excellency Dr Alejandro Toledo,**
  Former President of **Peru (2015)**
- **Ms. Anne F. Stenhammer**
  Former Regional Programme Director, UN Women, **South Asia Regional Office (2014)**
- **Madam Albina Du Boisrouvray**
  Founder, Association François-Xavier Bagnoud (FXB International), **Switzerland (2013)**
- **His Excellency Lyonchhen Jigmi Y. Thinley**
  Hon'ble Prime Minister, The Royal Government of **Bhutan (2012)**
- **Rt Hon. Lord Nicholas Addison Phillips**
  President (Chief Justice) of the Supreme Court of the **United Kingdom (2011)**
- **Rt. Hon. Sir Anerood Jugnauth**
  Eminent Social Worker & His Excellency the President of **Mauritius (2010)**
- **Dr. Ham Kee-Sun**
  Eminent Educationist & Physician and Hon'ble President & Founder, Hanseo University, **South Korea (2009)**
- **Ms. Edna Bomo Molewa**
  Noted Social Worker & Hon'ble Cabinet Minister, Social Development, South Africa National Assembly, **South Africa (2008)**

The KISS Humanitarian Award is a prestigious annual international award conferred by the Kalinga Institute of Social Sciences (KISS) in Bhubaneswar, India, conceptualized and the brainchild of visionary humanitarian and educationist Prof. Achyuta Samanta, Founder of KIIT, KISS & KIMS. The award was initiated in 2008 to recognize and felicitate individuals for their exemplary and distinguished service to humanity across the globe.

www.kiss.ac.in | www.kiit.ac.in | www.achyutasamanta.com | facebook.com/kissfoundation | facebook.com/KIITUniversity | facebook.com/achyutasamanta

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 16-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH02 User: cci Time: 03-15-2026 23:10 Color:

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता रविवार को वृद्धाश्रम 'अपना घर आश्रम' के 12वें वार्षिकोत्सव में शामिल हुईं। p4

जसप्रीत बुमराह ने फिर साबित किया है कि वह बड़े मौकों के खिलाड़ी हैं। टी20 वर्ल्ड कप में उन्होंने अपने प्रदर्शन से टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। p16

175 रहा दिल्ली का AQI रविवार को। बारिश से सुधरी हवा

22 डिग्री रहा रविवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान। आज भी इसके ऐसे ही रहने के आसार

2025 में मेट्रो ने बनाया 235.80 करोड़ राइडरशिप का रेकॉर्ड

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

2025 में दिल्ली मेट्रो ने 235.80 करोड़ राइडरशिप का रिकॉर्ड बनाया है। जो पिछले साल की राइडरशिप की तुलना में लगभग 12 करोड़ ज्यादा है। दिल्ली मेट्रो के नेटवर्क में भी लगातार इजाफा हो रहा है। पिछले रविवार (8 मार्च) को पिंक लाइन और मैजेंटा लाइन पर एक-एक नए सेक्शन की शुरुआत से मेट्रो नेटवर्क का विस्तार और मजबूत हुआ है। डीएमआरसी के अनुसार भारत में अब 26 शहरों में कुल 1,143 किलोमीटर से अधिक लंबा मेट्रो नेटवर्क संचालित हो रहा है, जिसमें रोजाना करीब 1.15 करोड़ यात्राएं की जाती हैं। इनमें से 55 प्रतिशत से ज्यादा यात्राएं अकेले दिल्ली मेट्रो के नेटवर्क पर होती हैं।

दरअसल, देश के कुल मेट्रो नेटवर्क में दिल्ली-एनसीआर की हिस्सेदारी लगभग 416 किलोमीटर की है। जिसमें 303 स्टेशन शामिल हैं। इसमें नोएडा-ग्रेटर नोएडा मेट्रो की करीब 29 किलोमीटर लंबी एक्वा लाइन और रैपिड मेट्रो गुरुग्राम की लगभग 13 किलोमीटर लंबी लाइन भी शामिल है, जो दिल्ली को नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गुरुग्राम जैसे प्रमुख एनसीआर के शहरों से जोड़ती है। दिल्ली मेट्रो के नेटवर्क पर फिलहाल 343 ट्रेनें (2368 कोच) चल रही हैं। रोजाना करीब 4,508 ट्रेन ट्रिप होती हैं। ट्रेनें रोजाना लगभग 1,40,112 ट्रेन किलोमीटर का सफर तय करती हैं। समय की पाबंदी के मामले में भी दिल्ली मेट्रो का प्रदर्शन बेहद बेहतर है और इसकी पंक्चुअलिटी लगभग 99.9 प्रतिशत है, जो इसे दुनिया के सबसे भरोसेमंद मेट्रो सिस्टम में शामिल करता है। कोविड के दौरान 2020 से 2022 के बीच आई गिरावट के बाद यात्रियों की संख्या में फिर से लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई है। 2024 में 223.5 करोड़ यात्राएं दर्ज हुईं। यानी रोजाना औसतन 62.39 लाख यात्राएं हुईं। वहीं, 2025 में यह संख्या बढ़कर 235.8 करोड़ हो गई, जो रोजाना औसतन 64.60 लाख यात्राओं के बराबर है। यानी 2024 की तुलना में 2025 में राइडरशिप 12,30,00,000 ज्यादा है। इसका मतलब है कि पिछले साल की तुलना में औसतन हर महीने एक करोड़ यात्राओं का इजाफा हुआ है। यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि पिछले दो वर्षों में कई बार एक दिन में यात्रा का नया रिकॉर्ड बना। 18 नवंबर 2024 को 78,67,649 यात्रियों ने मेट्रो से सफर किया था। इसके बाद 8 अगस्त 2025 को यह आंकड़ा बढ़कर 81,87,674 यात्रियों तक पहुंच गया, जो अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है।

दिल्ली मेट्रो देश का सबसे बड़ा ड्राइवरलेस मेट्रो नेटवर्क भी बन चुका है। ड्राइवरलेस संचालन पिंक लाइन (मजलिस पार्क से मौजपुर-बाबरपुर और शिव विहार तक, लगभग 71.55 किमी) और मैजेंटा लाइन (कृष्णा पार्क एक्सटेंशन से बॉटेनिकल गार्डन और दीपाली चौक से मजलिस पार्क तक, लगभग 49.19 किमी) पर उपलब्ध है। इन दोनों लाइनों के लिए डीएमआरसी के पास कुल 80 ड्राइवरलेस ट्रेनें हैं, जो आधुनिक ऑटोमेशन तकनीक का उदाहरण है।

File Photo

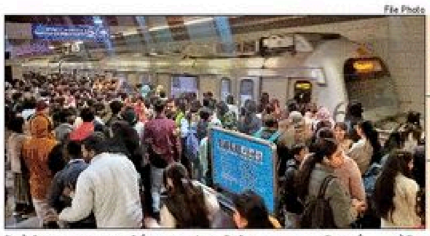

- DMRC ने रोजाना औसतन 64.60 लाख राइडरशिप दर्ज की
- 2024 की तुलना में 2025 में 12 करोड़ ज्यादा राइडरशिप
- औसतन हर महीने एक करोड़ पैसेंजरों का हुआ इजाफा

भविष्य पर खास जोर

मेट्रो नेटवर्क को और मजबूत करने के लिए फेज-4 के प्राथमिक कॉरिडोर पर निर्माण जारी है। भविष्य की जरूरतों को देखते हुए डीएमआरसी 52 नई ट्रेनें खरीद रहा है, जिनमें से 18 ट्रेनें पहले ही मिल चुकी हैं। डीएमआरसी के अनुसार दिल्ली मेट्रो ने दिल्ली-एनसीआर में शहरी परिवहन की तस्वीर बदल दी है। इससे यात्रा का समय कम हुआ है, सड़कों पर ट्रैफिक का दबाव घटा है और पर्यावरण के अनुकूल सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा मिला है।

इंडस्ट्रियल वेस्ट से यमुना हुई गुलाबी

पिछले 10 दिनों से यमुना नदी में बनने वाले सफेद झाग का रंग बदलता जा रहा है

NBT 2 मिनट में पढ़ें

Sudama Yadav

@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: कालिंदी कुंज के आसपास यमुना में बनने वाला झाग इन दिनों गुलाबी रंग का दिखाई दे रहा है। दरअसल, यह टॉक्सिक इंडस्ट्रियल वेस्ट है, जिसमें डाई केमिकल की मात्रा बढ़ने से सफेद झाग गुलाबी रंग में तब्दील हो गया है। यह कहना है कि पर्यावरणविदों का। पिछले 10 दिनों से यमुना में पानी की सतह पर ऐसा ही झाग दिख रहा है, जो काफी खतरनाक है।

पर्यावरणविद् और अर्थ-वॉरियर के पंकज सिंह के अनुसार पिछले कुछ दिनों से यमुना में कालिंदी कुंज, मदनपुर खादर और आसपास दूर तक पानी के सतह पर गुलाबी झाग दिख रहा है। आमतौर पर यह सफेद होता, जिसका मतलब कि पानी में घरेलू डिटर्जेंट की मात्रा अधिक है। फूल-पत्तियों के सड़ने के बाद भी पानी में झाग बनता है। वह भी सफेद ही होता है। गुलाबी झाग का मतलब यह है कि पानी में इंडस्ट्रियल वेस्ट की मात्रा अधिक है। इंडस्ट्रियल वेस्ट में भी जीन्स या कपड़ों को कलर करने के लिए जो डाई इस्तेमाल होती है, उसका केमिकल अधिक होने से ऐसा झाग बनता है। घरों और उद्योगों से आने वाले डिटर्जेंट व सीवेज में फास्फेट का स्तर अधिक होता है, जो पानी में घुलित ऑक्सीजन को कम कर देता है। यमुना में ऐसा झाग कुछ दिनों से ही देखा जा रहा है, जिसे रोकने के लिए सरकार को त्वरित कार्रवाई करनी होगी।

बड़ी चिंता

कालिंदी कुंज, मदनपुर खादर और आसपास के एरिया में यमुना में गुलाबी झाग दिख रहा है

2025 में खर्च किए थे 79.62 लाख

जल बोर्ड अफसरों के अनुसार पिछले साल छठ पूजा से पहले और दिसंबर के मध्य तक जल बोर्ड ने झाग हटाने के लिए करीब 46 टन केमिकल का छिड़काव किया था, जिसकी खरीद पर कुल 79.62 लाख रुपये खर्च हुए थे। केमिकल का छिड़काव 15 अक्टूबर से शुरू किया गया और 16 दिसंबर तक लगातार छिड़काव किया गया। नवंबर में स्थिति थोड़ी बेहतर हुई। कुल मिलाकर दो महीने तक यमुना में झाग खत्म करने के लिए जल बोर्ड ने 46,150 किलो केमिकल का इस्तेमाल किया था।

खतरनाक है झाग बनना

यमुना का सफेद झाग डिटर्जेंट के फास्फेट और औद्योगिक रसायनों का जहरीला मिश्रण है। जब प्रदूषित पानी ऊंचाई से गिरता है, तो यह झाग का रूप ले लेता है। यह त्वचा रोगों और श्वसन समस्याओं का कारण बनता है। साथ ही, पानी में ऑक्सीजन कम कर जलीय जीवों को मार देता है। इसलिए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का अपग्रेडेशन जरूरी है।

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

स्थायी समाधान जरूरी क्यों?

यमुना के पानी पर गुलाबी झाग सफेद झाग की तुलना में अधिक जहरीला और खतरनाक है। यह कपड़ों की रंगाई में इस्तेमाल होने वाली डाई और खतरनाक इंडस्ट्रियल वेस्ट के चलते बनता है। पिछले साल सरकार ने झाग खत्म करने के लिए केमिकल छिड़काव किया, जो नाकाफी रहा। सरकार को इसके लिए कोई कंप्रिहेंसिव प्लान तैयार करना होगा, ताकि यमुना में झाग का स्थायी समाधान हो सके। इसके लिए दिल्ली और हरियाणा के इंडस्ट्रियल इलाकों से यमुना में जो अनट्रीटेड वॉटर आता है, उसे हर हाल में रोकना होगा।

रविवार को दिल्ली में हुई बारिश

कम हुई गर्मी की 'धार', कल भी हो सकती है बूंदों की बौछार

PTI

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

संडे की सुबह बारिश से मौसम खुशनुमा रहा। सोमवार को भी दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में मौसम का मिजाज अलग-अलग दिखाई दे सकता है। बादल, हल्की बारिश और तेज हवाओं की संभावना बनी हुई है। मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में मौसम सुहावना रह सकता है। बादल छाए रह सकते हैं और कुछ इलाकों में हल्की बारिश या बूंदाबांदी की संभावना भी है। सुबह और शाम के समय हल्की ठंडक महसूस होगी। अधिकतम तापमान करीब 27-29 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 16-18 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

रविवार को दिल्ली-एनसीआर में सुबह बारिश और तेज हवाओं ने लोगों को गर्मी से राहत दी। महीने की शुरुआत में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पड़ रही थी, जिससे लोगों को थोड़ी राहत मिली। सफदरजंग मौसम केंद्र पर सुबह 7 बजे तापमान 22 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसमें दिन भर मध्यम बारिश, गरज-चमक के साथ बिजली और तेज हवाएं चलने की चेतावनी दी गई है। नोएडा और गुरुग्राम में येलो अलर्ट जारी है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि हाल की ज्यादा गर्मी के साथ यह सिस्टम मिलकर क्षेत्र में बारिश लाया है। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों में दिल्ली का तापमान 3 से 5 डिग्री तक गिर सकता है। न्यूनतम तापमान 14 से 16 डिग्री और अधिकतम 31 से 33 डिग्री के आसपास रहेगा।

तरुण को श्रद्धांजलि देने बड़ी संख्या में जुटे लोग, मांगा न्याय

श्रद्धांजलि सभा में स्थानीय लोगों के अलावा दिल्ली के अलग-अलग इलाकों से आए लोगों ने लिया भाग

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: उत्तम नगर में 4 मार्च को जान गंवाने वाले तरुण को श्रद्धांजलि देने के लिए रविवार को बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हुए। उत्तम नगर स्थित अयप्पा पार्क में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में स्थानीय लोगों के अलावा दिल्ली के अलग-अलग इलाकों से आए समाज के लोगों और हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस दौरान लोगों ने तरुण की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और आरोपियों को कड़ी सजा देने की मांग की।

सभा को संबोधित करते हुए विश्व हिंदू परिषद (VHP) के प्रांत मंत्री सुरेंद्र कुमार गुप्ता ने कहा कि समाज के किसी भी व्यक्ति के साथ अन्याय होने पर सभी को एकजुट होकर आवाज उठानी चाहिए। उन्होंने कहा कि हजारों लोगों की मौजूदगी इस बात का प्रमाण है कि समाज पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है और न्याय की मांग कर रहा है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम को विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल का समर्थन प्राप्त है और दोनों संगठनों के कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

अयप्पा पार्क में हुई श्रद्धांजलि सभा में सभी आरोपियों को कड़ी सजा देने की मांग की

कार्यक्रम के दौरान मौजूद प्रदर्शनकारी राहुल गुप्ता ने कहा कि परिषद की ओर से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता, कानूनी सहयोग और अन्य आवश्यक मदद का आश्वासन दिया गया है। उन्होंने कहा कि जब तक आरोपियों को सजा नहीं मिलती, तब तक न्याय के लिए प्रयास जारी रहेंगे। कार्यक्रम के अंत में सभी लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर तरुण को श्रद्धांजलि दी। इस बीच VHP इंद्रप्रस्थ प्रांत के पदाधिकारियों ने मृतक के परिवार से मुलाकात कर आर्थिक सहायता भी प्रदान की और हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। श्रद्धांजलि सभा में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने से इलाके में कुछ समय के लिए ट्रैफिक व्यवस्था भी प्रभावित रही। वहीं, डीसीपी कुशल पाल सिंह के अनुसार, श्रद्धांजलि सभा के लिए जितने लोगों की लिस्ट आई थी, लगभग उतने लोगों ने ही मंच से अपनी बात कही। तरुण मामले की जांच अभी जारी है।

ट्रक ने बाइक सवार दो सगे भाइयों को रौंदा, मौत

■ NBT रिपोर्ट, गाजियाबाद

लिंक रोड थाना क्षेत्र में एक ट्रक चालक ने टेंट और डीजे का कारोबार करने वाले बाइक सवार दो सगे भाइयों को पीछे से टक्कर मार दी। दोनों भाइयों को रौंदने के बाद आरोपी चालक फरार हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने ट्रक की फोटो खींचकर पुलिस को सूचना दी और घायलों को नरेंद्र मोहन अस्पताल में भर्ती कराया। वहां डॉक्टर ने एक भाई को मृत घोषित कर दिया। जबकि दूसरे भाई की इलाज के दौरान एक घंटे बाद मौत हो गई। एसीपी साहिबाबाद श्वेता यादव ने बताया कि पुलिस नंबर के आधार पर ट्रक चालक की तलाश में जुटी है।

मोहननगर के शिवपुरी में टेंट और डीजे कारोबारी विनोद कुमार रहते हैं। वर्तमान में उन्होंने कारोबार संभालने का जिम्मा अपने दोनों बेटे तरुण (22) और आकाश (27) को दे रखा है। तरुण डीजे का कारोबार देखता है, जबकि आकाश टेंट का कारोबार देख रहा है। 13 मार्च को दोनों भाइयों ने दिल्ली के शास्त्री पार्क में एक शादी में डीजे और टेंट लगाया था। वहां से देर रात एक बाइक पर सवार होकर दोनों घर लौट रहे थे। रात करीब 12 बजे जब साहिबाबाद नमो भारत स्टेशन के पास ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी।

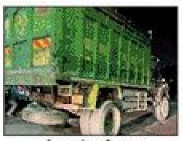

इसी ट्रक ने मारी टक्कर

अब सुप्रीम कोर्ट पहुंचे केजरीवाल

■ आईएएनएस, नई दिल्ली : दिल्ली शराब घोटाले मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। उन्होंने इस केस में सीबीआई की अपील पर सुनवाई कर रही दिल्ली हाईकोर्ट की जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच से दूसरी बेंच में ट्रांसफर करने की मांग की है।

अरविंद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर कहा कि अगर वही जज सुनवाई करते हैं तो निष्पक्ष सुनवाई संभव नहीं हो पाएगी। इससे पहले, उन्होंने बेंच बदलने के लिए दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को भी पत्र लिखा था। उन्होंने इस अनुरोध को ठुकरा दिया था। दिल्ली हाईकोर्ट में जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच के सामने सोमवार को इसी मामले की सुनवाई होनी है। यह मामला सीबीआई की उस याचिका से जुड़ा है, जिसमें उसने ट्रायल कोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें इस केस के सभी 23 आरोपियों को बरी कर दिया गया था।

45 फीसदी ही हो पाया है गोल मार्केट को संग्रहालय में बदलने का काम

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (NDMC) द्वारा 21.9 करोड़ रुपये की लागत से ऐतिहासिक गोल मार्केट को संग्रहालय (म्यूजियम) में तब्दील करने का प्रोजेक्ट कछुआ चाल चल रहा है। 100 साल से भी अधिक पुराने इस जर्जर ढांचे के कायाकल्प का काम अक्टूबर 2023 में शुरू हुआ था, जिसे अक्टूबर 2025 तक पूरा होना था। हालांकि, अब तक केवल 40-45 प्रतिशत काम ही हो सका है।

प्रोजेक्ट की नई डेडलाइन मई 2026 तय की गई है, लेकिन वर्तमान स्थिति को देखते हुए दो महीने में काम पूरा होने पर संशय बरकरार है। मार्केट चौराहे के बीच स्थित होने के कारण यहां एक अंडरपास भी बनाया जा रहा है। NDMC ने देरी के लिए ग्रेप (GRAP) की पाबंदियों और अन्य एजेंसियों से एनओसी मिलने में हुए विलंब को जिम्मेदार ठहराया है। हालांकि, उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने भरोसा दिलाया है कि निर्धारित समय सीमा तक काम पूरा कर लिया जाएगा।

कितना चुनौतीपूर्ण इमारतों को संजोना?

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

यह इमारत ऐतिहासिक महत्व की है, इसलिए इसके संरक्षण के साथ-साथ आधुनिक सुविधाएं विकसित करना किसी चुनौती से कम नहीं है। पुरानी इमारतों में अक्सर ढांचे की मजबूती, दीवारों की मरम्मत, पानी की निकासी और बिजली व्यवस्था जैसी समस्याएं होती हैं।

31 अक्टूबर तक 9 STP को अपग्रेड करने का प्लान तैयार

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्ली के रेजिडेंशल, कमर्शल और औद्योगिक इलाकों से निकलने वाले गंदे पानी को पूरी तरह ट्रीट करने के लिए दिल्ली जल बोर्ड ने 9 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP) को अपग्रेड करने की योजना बनाई है। जल बोर्ड अफसरों का दावा है कि 31 अक्टूबर के बाद यमुना में फीकल कोलीफॉर्म बिल्कुल नहीं जाएगा, क्योंकि तब तक सभी STP को तय मानकों के अनुसार अपग्रेड कर दिया जाएगा।

37 में से 28 STP पहले ही हो चुके हैं अपग्रेड: जल बोर्ड

जल बोर्ड के अनुसार दिल्ली में कुल 37 STP हैं, जहां घरों, कमर्शल और इंडस्ट्रियल एरिया से निकलने वाले गंदे पानी को ट्रीट किया जाता है। इनमें से 28 STP को पहले ही अपग्रेड कर तय स्टैंडर्ड के अनुसार कर दिया गया है। इन प्लांटों से निकलने वाले ट्रीटेड पानी में फीकल कोलीफॉर्म का स्तर 230 एमएनपी/100 एमएल है, जो तय मानक के मुताबिक है। बाकी 9 STP में ट्रीटेड पानी में फीकल कोलीफॉर्म की मात्रा तय मानकों से ज्यादा मिलती है। इसलिए इनको अपग्रेड करने की योजना बनाई गई है।

ये STP होंगे अपग्रेड

योजना के तहत यमुना विहार फेज-3 STP की क्षमता को 25 एमजीडी से बढ़ाकर 40 एमजीडी किया जाएगा। इसके साथ ही वहां खाली जगह पर 15 एमजीडी का नया STP भी बनाया जाएगा। इस पूरे प्रोजेक्ट पर करीब 403 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है और इसकी समयसीमा 18 महीने तय की गई है। इसी तरह केशोपुर फेज-1 STP को 12 एमजीडी से बढ़ाकर 18 एमजीडी किया जाएगा, जिस पर करीब 133 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

'संडेज़ ऑन साइकल्स' से फिटनेस और प्रदूषण कम करने का संदेश, दिखा उत्साह

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

फिटनेस और पर्यावरण बचाव के मद्देनजर 'संडेज ऑन साइकल्स' का आयोजन किया गया। कनॉट प्लेस के ई ब्लॉक में रविवार को आयोजित इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि दिल्ली सरकार के शिक्षा और खेल मंत्री आशीष सूद ने भी हिस्सा लिया। इस दौरान मंत्री ने कहा कि 'संडेज ऑन साइकिल्स' एक बड़ा जन आंदोलन बन सकता है, जो न केवल लोगों को फिट रहने के लिए प्रेरित करेगा बल्कि शहर को पर्यावरण के दृष्टिकोण से भी बेहतर बनाएगा।

दरअसल, इस कार्यक्रम का आयोजन स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया, राहगिरी फाउंडेशन और इंडियन साइबर क्राइम को-ऑर्डिनेशन सेंटर (I4C) के सहयोग से किया गया। इसका मकसद नियमित शारीरिक गतिविधि के महत्व को बढ़ावा देना और साइकलिंग को फिटनेस और बेहतर स्वास्थ्य बनाए रखने का एक सरल और प्रभावी माध्यम के रूप में प्रोत्साहित करना है। सूद ने यह भी कहा कि फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत और दैनिक जीवन में फिटनेस को शामिल करने के मकसद से केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने 17 दिसंबर 2024 को दिल्ली में फिट इंडिया साइकलिंग ड्राइव का शुभारंभ किया था। यह साइकलिंग अभियान अब एक नियमित जन-अभियान का रूप ले चुका है, जिसके अंतर्गत पूरे देश में 'संडेज ऑन साइकल्स' का आयोजन किया जा रहा है। अब तक देशभर में 2.5 लाख से अधिक स्थानों पर इसका आयोजन हो चुका है, जिसमें लगभग 27 लाख साइकलिस्टों की एक्टिव भागीदारी दर्ज की गई है।

उन्होंने कहा कि इस अभियान का उल्लेख पीएम नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 117वें एपिसोड में भी की थी। पीएम की ओर से मोटापे के विरुद्ध दिए गए आह्वान के मद्देनजर यह बहुत जरूरी है कि संतुलित शारीरिक गतिविधि को हमारी दैनिक फिटनेस दिनचर्या का जरूरी हिस्सा बनाया जाए। नियमित व्यायाम और खेलकूद के महत्व के प्रति जन-जागरूकता बढ़े। उन्होंने कहा कि यह इस पहल का लगभग 69वां संस्करण है। अगर पेट्रोल गाड़ी चलाने की जगह साइकल चलाने की संस्कृति को बढ़ावा देने में सफल होते हैं, तो इससे न केवल दिल्ली का प्रदूषण कम होगा बल्कि शहर के पर्यावरण को सुधारने में मदद भी मिलेगी।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में अधिक से अधिक लोगों को साइकल के उपयोग के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए कि साइकल चलाने से शारीरिक व्यायाम भी होता है। कार्यक्रम के दौरान सूद ने अंतिम पंघाल, नीलम, प्रिया मलिक, वीरेंद्र दहिया और भारती स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में शिक्षा और खेल मंत्री आशीष सूद चीफ गेस्ट के रूप में पहुंचे

हरीश को लगे लाइफ सपोर्ट की हुई सफाई

आज मीटिंग कर कमिटी आगे के प्रोसेस पर लेगी फैसला

NBT 5 मिनट में पढ़ें

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

हरीश राणा 13 सालों से कोमा की स्थिति में है। वह न हिल पाते है और न ही बोल पाते है, लेकिन वो दर्द महसूस करते हैं। इस कष्टमय जिंदगी से छुटकारा दिलाने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने उनके माता पिता की निष्क्रिय दया मृत्यु (Passive Euthanasia) की मांग मानकर और संबंधित प्रोसेस के लिए शनिवार को एम्स में शिफ्ट किया जा चुका है। संडे को हरीश को लगे लाइफ सपोर्टिंग सिस्टम की सफाई की गई। अब सोमवार को कमिटी की मीटिंग होगी और उसमें निर्णय लिया जाएगा कि आगे क्या किया जाना है। एम्स के पैलिएटिव केयर के एक्सपर्ट पेनलेस प्रोसेस अपनाएंगे। डॉ. सीमा मिश्रा की अगुवाई में गठित कमिटी में पूरा प्रोसेस अपनाया जा रहा है। एम्स की तरफ से अधिकारिक बयान में सिर्फ इतना कहा गया है कि एम्स सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन कर रहा है।

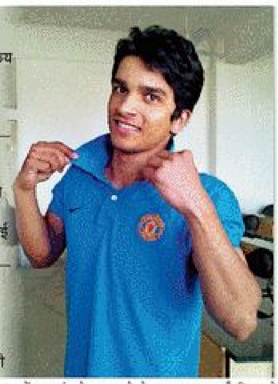

- AIIMS के डॉक्टरों ने पेनलेस निष्क्रिय दया मृत्यु की प्रक्रिया शुरू कर दी है
- AIIMS का कहना है कि SC के आदेश के अनुसार प्रक्रिया अपनाई जा रही है
- 11 मार्च को SC ने हरीश को निष्क्रिय दया मृत्यु की अनुमति दी थी

दरअसल, 13 साल पहले पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ में पढ़ाई के दौरान हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिरने की वजह से हरीश को गंभीर चोट लगी थी, जिसके बाद वो कोमा में चले गए। तब से वह कोमा में ही है। इतने वर्षों तक माता-पिता ने उनकी देखभाल कर रहे थे, लेकिन बूढ़े हो रहे माता-पिता अपने बच्चे का दर्द महसूस कर रहे थे। बताया जा रहा है कि पहले हरीश के गले में ट्रेकियोस्टोमी कर एक ट्यूब डाली गई थी। इसके अलावा उनके पेट में भी एक न्यूट्रिशन ट्यूब डाली गई थी, जिसके जरिए न्यूट्रिशन मिलता है। यानी बाहर से लिक्विड फूड दिया जा रहा है।

11 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने हरीश को निष्क्रिय दया मृत्यु की अनुमति दी। कोर्ट के आदेश के अनुसार उन्हें लगे लाइफ सपोर्ट सिस्टम को फेज वाइज हटाने की अनुमति दी गई। शुक्रवार को एम्स ने आंकोएनेस्थीसिया और पैलिएटिव केयर के विशेषज्ञ के नेतृत्व में डॉक्टरों की एक कमिटी गठित की। इसके बाद शनिवार को हरीश को एंबुलेंस के जरिए एम्स शिफ्ट किया गया, जहां उन्हें एम्स के कैंसर सेंटर के पैलिएटिव केयर वॉर्ड में भर्ती कराया गया। एम्स द्वारा गठित कमेटी के नेतृत्व में उसका पैलिएटिव केयर किया जा रहा है, ताकि दर्द रहित तरीके से निष्क्रिय इच्छामृत्यु की प्रक्रिया पूरी हो सके।

सूत्रों का कहना है कि इस तरह के मामले में यह ध्यान रखा जाता है कि किस प्रकार के सपोर्ट सिस्टम की वजह से मरीज जिंदा है। गाइडलाइन के अनुसार धीरे धीरे उस सपोर्ट सिस्टम को कम या हटाया जाता है। चाहे वेंटिलेटर हो या फिर न्यूट्रिशन। हरीश को वेंटिलेटर नहीं लगा है, लेकिन न्यूट्रिशन सपोर्ट लगा है। उन्हें यूरिन के लिए कैथेटर भी लगाया गया था, जो अभी भी है। एक एक्सपर्ट ने बताया कि कैथेटर तुरंत नहीं हटा सकते, इससे पेन होता है, इसे मैनेज करना एक चुनौती है, हालांकि एम्स के एक्सपर्ट इस चुनौती में भी पेनलेस प्रोसीजर अपनाने में सक्षम है।

'सबको माफ करते, सबसे माफी मांगते हुए जाओ'

■ NBT रिपोर्ट, गाजियाबाद

सुप्रीम कोर्ट के निष्क्रिय दया मृत्यु (Passive Euthanasia) के आदेश के बाद हरीश राणा को शनिवार को एम्स में शिफ्ट किया गया। इस बीच अस्पताल ले जाने से पहले का एक भावुक विडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

बताया जा रहा है कि यह विडियो हरीश राणा के घर का है, जब उन्हें एम्स ले जाने की तैयारी की जा रही थी। हालांकि उनके पिता अशोक राणा की पहले की गई घोषणा के मुताबिक, हरीश की विदाई की प्रक्रिया गोपनीय होगी, लेकिन विडियो में ब्रह्माकुमारी संस्था की एक गुरु मां हरीश को तिलक लगाकर आध्यात्मिक ढंग से विदाई देती नजर आ रही है। विडियो में वह हरीश से कह रही है कि सबको माफ करते हुए और सबसे माफी मांगते हुए जाओ। इस दृश्य ने लोगों को भावुक कर दिया है और सोशल मीडिया पर इस घटना को लेकर बड़ी संख्या में लोग संवेदना जता रहे हैं। वहीं, स्थानीय लोगों और परिचितों ने हरीश के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें इस कठिन समय में हिम्मत देने की अपील की है।

ब्रह्मकुमारी आश्रम की एक बहन ने बताया कि कुछ बहने शनिवार को हरीश राणा के घर गई थी। वहां उन्होंने हरीश को तिलक लगाकर परमात्मा की तरफ से आशीर्वाद देकर विदा किया

रिश्वत लेने के आरोप में ASI पकड़ा

■ **NBT रिपोर्ट, गीता कॉलोनी :** गीता कॉलोनी थाने में विजिलेंस टीम ने छापा मारकर ASI देशराज को 15 हजार रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में पकड़ा है। अब थाने के SHO पर भी कार्रवाई की तलवार लटकी है। डीसीपी (विजिलेंस) के मुताबिक, अब ASI के निलंबित की कार्रवाई की जाएगी। सूत्रों की मानें तो ASI ने एक शख्स को झूठे केस में फंसाने और केस में उसका बचाव करने की एवज में उससे रिश्वत मांगी थी।

गैस लीक होने से मासूम की मौत

मयूर विहार फेज-3 में सामने आया मामला, पुलिस कर रही जांच

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

मयूर विहार फेज-3 में रविवार दोपहर एलपीजी सिलिंडर लीक होने के कारण ढाई साल की एक बच्ची बेहोश हो गई। परिवार वाले उसे लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत बता दिया। फिलहाल गाजीपुर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घर में खेलते खेलते गिर गई थी सना, फिर बड़ी बहन भी हो गई बेहोश। बाद में उसकी हालत में आया सुधार

पुलिस अधिकारी ने बताया कि मोहम्मद राहिद मयूर विहार फेज-3 में आशीर्वाद अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 162 में रहते हैं। परिवार में उनकी 30 वर्षीय पत्नी परवीन खातून, साढ़े सात साल की बड़ी बेटी राफिया खातून है, जबकि छोटी बेटी ढाई साल की सना खातून थी। मो राहिद ने बताया कि वह राजबीर कॉलोनी गली नंबर 10 में सिलाई का काम करते हैं। सुबह वह काम पर चले गए थे। दोपहर को पत्नी अपने कमरे में सो रही थी। जबकि राफिया और सना कमरे में ही खेल रही थी। अचानक सना खेलते-खेलते कमरे में गिर गई। फिर राफिया भी बेहोश हो गई। पत्नी की नींद खुली तो देखा दोनों बेटी बेहोश है और पूरे कमरे में काफी तेज गंध आ रही थी। गैस सिलिंडर देखा तो उससे लगातार गैस निकल रही थी। वह दोनों बेटियों को लेकर घर के बाहर निकली और पड़ोसी से मदद मांगी। उनके पिता राहिद को सूचना दी गई। वह भी 10 मिनट में घर पहुंच गए। बड़ी बेटी की हालत में तो सुधार आया। मगर छोटी बेटी सना बेहोश रही। उसे लेकर तुरंत नोएडा स्थित मेट्रो अस्पताल पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया। उसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

सना का फाइल फोटो

सूचना मिलने के बाद मौके पर पुलिस वाले भी पहुंच गए और जांच शुरू कर दी। फिलहाल गाजीपुर पुलिस परिजनों से पूछताछ कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

आपत्तिजनक कमेंट में दो इंस्पेक्टर लाइन हाज़िर

■ **NBT रिपोर्ट, भारत नगर :** भारत नगर में हुई हत्या के केस में आपत्तिजनक कमेंट करने पर दो इंस्पेक्टरों को लाइन हाजिर किया गया है। डिपार्टमेंटल इन्क्वायरी भी शुरू कर दी गई है। नॉर्थ वेस्ट डीसीपी आकांक्षा यादव ने बयान जारी करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर चल रहे एक विडियो में एक पुलिस अधिकारी के कुछ बयान हैं, जिसमें आरोप लगाया गया है कि नारकोटिक्स और दूसरे अपराधों में शामिल अपराधियों को पॉलिटिकल प्रेशर में छोड़ा जाता है। ऐसे में यह साफ किया जाता है कि पब्लिक से बातचीत के दौरान इंस्पेक्टर राजीव, ATO अशोक विहार (जो रेगुलर SHO के तौर पर SHO भारत नगर का काम देख रहे थे, छुट्टी पर थे) ने कुछ गैर-जिम्मेदाराना कमेंट किए थे, जो फैक्ट्स पर आधारित नहीं थे। यह दिल्ली पुलिस की ऑफिशल पोजीशन को नहीं दिखाता है।

डिपार्टमेंटल इन्क्वायरी भी दोनों पर शुरू कर दी गई है

डीसीपी के मुताबिक 12 मार्च को K-ब्लॉक, JJ कॉलोनी, वजीरपुर में झगड़े की PCR कॉल मिली। पुलिस पहुंची तो पता चला कि जख्मी मोहन लाल और वीरेंद्र को हॉस्पिटल ले जाया गया है। बाद में मोहन की मौत हो गई। पता चला कि साहिल उर्फ नटवाला उर्फ लाला ने राघव उर्फ अलीगढ़िया उर्फ रोमियो उर्फ अक्षय कुमार, अभिषेक उर्फ बघीरा और अर्जुन के साथ बारात के दौरान ई-रिक्शा को रुकावट डालने पर हुए झगड़े में दोनों पर हमला किया। पुलिस ने एक घंटे में 4 आरोपियों को पकड़ लिया। डेडिकेटेड पुलिस टीमें अन्य की तलाश कर रही है।

FOR SALE
OF LOTUS HOTEL AT NATIONAL HIGHWAY-1, SECTOR-62, KUNDLI, SONEPAT, HARYANA
It is hereby notified that hotel property in the name Lotus Hotel (Approx 61500 sq.ft.) super Area, at prime location of National Highway-1, Sector-62, Kundli, Sonepat, Haryana consisting of Two Banquet Halls, One Restaurant, Swimming Pool, Forty Two Rooms, Reception Area, Kitchen Area and 35 earmarked car parking and approx. 3000 sq. ft. area for storage in B1(basement) is FOR SALE. For Prior Appointment please contact us on these numbers
Mr. O.P. Mittal - 9811082709
Mr. Rajinder Bansal - 9810819360

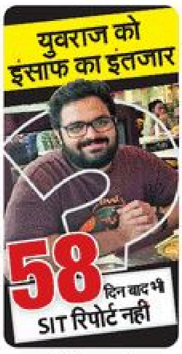

ड्रग रैकेट के 4 बदमाश अरेस्ट

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली :** इंटरस्टेट ड्रग रैकेट से जुड़े गैंग के 4 बदमाशों को क्राइम ब्रांच ने पकड़ा है। इनकी पहचान सलमान खान, विपिन कुमार पाल, अब्दुल रहमान उर्फ रेहान और रवि गर्ग के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से 8 किलोग्राम से अधिक (59925 से अधिक) गोलियां और नशे के 2000 इंजेक्शन बरामद किए हैं। आरोपियों से पूछताछ कर गिरोह में शामिल अन्य बदमाशों के बारे में पुलिस जानकारी जुटा रही है।

59925 गोलियां और नशे के 2000 इंजेक्शन बरामद

डीसीपी पंकज कुमार ने बताया कि 7 मार्च को सोनिया विहार के विपिन कुमार पाल पटियाला के सलमान को 8 किलो अल्प्राजोलम की टैबलेट के साथ पकड़ा गया। बाद में पुलिस ने 13 मार्च को मुजफ्फरनगर में छापेमारी कर अब्दुल रहमान और रवि गर्ग को दबोच लिया। पुलिस को इनके पास से इंजेक्शन के 80 बॉक्स (2000 इंजेक्शन) बरामद किए।

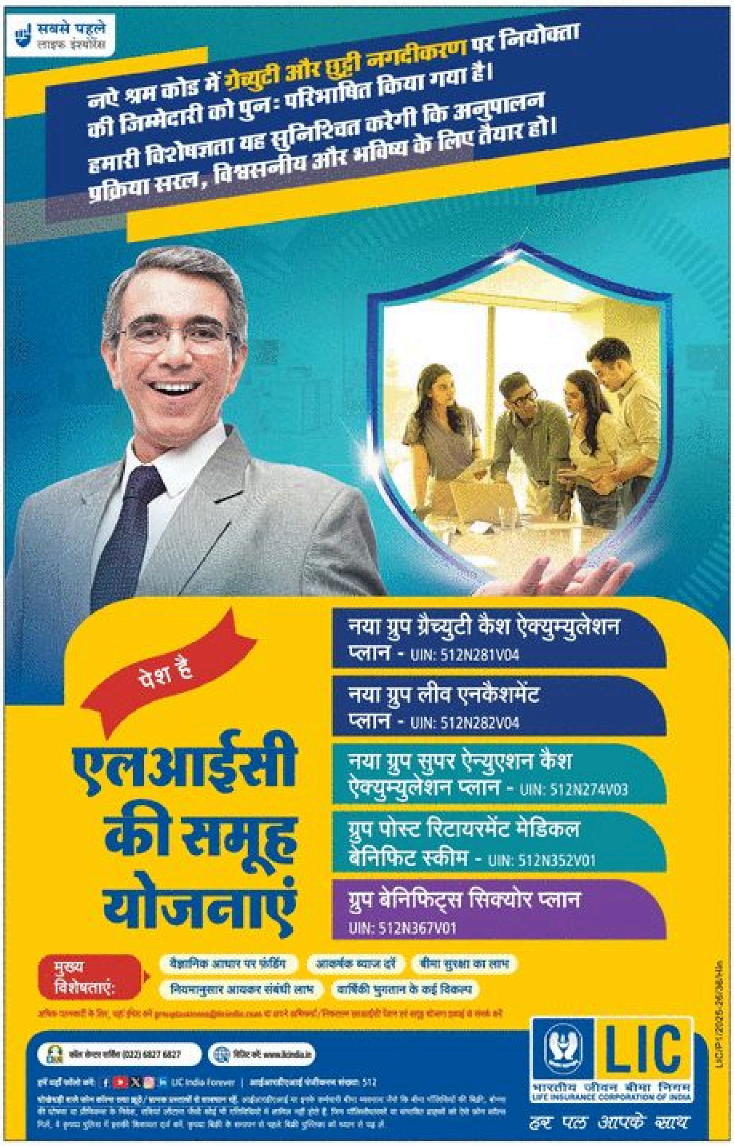

डेंगू-मलेरिया के खिलाफ MCD का अभियान, 12 ज़ोनों के स्टाफ को दी जाएगी स्पेशल ट्रेनिंग

NBT 2 मिनट में पढ़ें

Rajesh.Saroha@timesofindia.com

- पब्लिक हेल्थ विभाग इस बार 'डेंगू होमवर्क कार्ड' योजना पर विशेष जोर दे रहा है
- करीब 4652 अधिकारियों और कर्मचारियों को विशेष ट्रेनिंग दी जाएगी

■ नई दिल्ली : दिल्ली में मच्छर जनित बीमारियों के बढ़ते खतरे को देखते हुए नगर निगम (MCD) के पब्लिक हेल्थ विभाग ने अभी से कमर कस ली है। डेंगू, चिकनगुनिया और मलेरिया जैसी बीमारियों की रोकथाम और बचाव के लिए विभाग ने अपना एक्शन प्लान तैयार कर लिया है। इस योजना के तहत सीजन की शुरुआत से पहले दिल्ली के सभी 12 जोनों और मुख्यालय में तैनात करीब 4652 अधिकारियों और कर्मचारियों को विशेष ट्रेनिंग दी जाएगी। विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों का मानना है कि जमीनी स्तर पर तैनात स्टाफ इन बीमारियों के नियंत्रण में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, इसलिए उन्हें तकनीकी और व्यवहारिक रूप से ट्रेंड करना अनिवार्य है।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान फील्ड स्टाफ को मच्छरों के प्रजनन स्थलों की पहचान करने के बारे में विस्तार से समझाया जाएगा। इसमें बताया जाएगा कि कैसे घरों के कूलर, पानी की टंकियां, गमलों की प्लेटें, पुराने टायर, खुले डिब्बे, बोतलें और निर्माण स्थलों पर जमा पानी मच्छरों के लिए सबसे सुरक्षित ठिकाना बनते हैं। साथ ही स्टाफ को इन बीमारियों के लक्षणों और नियंत्रण की बारीकियों से भी अवगत कराया जाएगा ताकि वे फील्ड में जाकर आम जनता को प्रभावी ढंग से जागरूक कर सकें। विशेषज्ञों के अनुसार, डेंगू और चिकनगुनिया मुख्य रूप से एडीज मच्छरों के कारण होते हैं, जबकि मलेरिया एनोफिलीज मच्छर के काटने से फैलता है। इन बीमारियों में तेज बुखार, सिरदर्द, जोड़ों में दर्द और कमजोरी जैसे लक्षण सामान्य हैं।

लोगों को दिया जाएगा विशेष कार्ड: पब्लिक हेल्थ विभाग इस बार 'डेंगू होमवर्क कार्ड' योजना पर विशेष जोर दे रहा है, जो बीमारियों की रोकथाम में बेहद कारगर साबित हुई है। इस योजना के तहत स्वास्थ्य कर्मचारी घर-घर जाकर नागरिकों को एक विशेष कार्ड सौंपेंगे। इस कार्ड में साप्ताहिक आधार पर किए जाने वाले सुरक्षा कार्यों की सूची होगी। इसमें सबसे महत्वपूर्ण निर्देश सप्ताह में एक दिन 'ड्राई डे' मनाने का है, जिसमें लोग अपने कूलर, बर्तन और छतों पर जमा पानी को खाली कर उनकी सफाई करेंगे।

विभाग का मानना है कि यदि लोग इस होमवर्क कार्ड का ईमानदारी से पालन करें, तो मच्छरों के लार्वा को पनपने से पहले ही नष्ट किया जा सकता है।

लोगों से की गई खास अपील: रोकथाम के उपायों के तहत स्वास्थ्य विभाग ने दिल्लीवासियों से अपील की है कि वे अपने आसपास जलभराव न होने दें। कूलर का पानी हर सप्ताह बदलें, पानी की टंकियों को हमेशा ढककर रखें और अनुपयोगी बर्तनों या टायरों को हटा दें। इसके अलावा व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए मच्छरदानी, मच्छररोधी क्रीम और पूरी बाजू के कपड़े पहनने की सलाह भी दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि प्रशासन और जनता की सक्रिय भागीदारी से ही इन मच्छर जनित बीमारियों को महामारी का रूप लेने से रोका जा सकता है।

'अपना घर आश्रम' के 12वें वार्षिकोत्सव में शामिल हुईं सीएम

बूढ़पुर आश्रम तक बनेगी सड़क: CM

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

'अपना घर आश्रम' में सीएम ने बुजुर्गों से मुलाकात की। निस्वार्थ सेवा के लिए संस्था की सराहना की

CM ने कहा, 'अपना घर आश्रम' मानवता और करुणा का जीवंत उदाहरण

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता रविवार को बूढ़पुर स्थित 'अपना घर आश्रम' के 12वें वार्षिकोत्सव और संस्था के रजत जयंती समारोह में शामिल हुईं। उन्होंने आश्रम की ओर से पिछले 26 वर्षों से बेसहारा और अस्वस्थ लोगों की निस्वार्थ सेवा के लिए संस्था की सराहना की और समाज के लिए इसे प्रेरणादायक पहल बताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'अपना घर आश्रम' जैसे संस्थान समाज के उन लोगों के लिए आशा का केंद्र बनते हैं जो किसी कारणवश परिवार और समाज से अलग हो जाते हैं। संस्था द्वारा न केवल ऐसे लोगों को आश्रय प्रदान किया जा रहा है, बल्कि उन्हें मेडिकल केयर, खाना, कपड़े और देखभाल जैसी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराकर उन्हें सम्मान के साथ जीवन देने का काम भी किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'अपना घर आश्रम' ने सेवा का एक व्यापक अभियान खड़ा किया है, जिसके अंतर्गत आज भारत में 70 से अधिक केंद्र संचालित हो रहे हैं, जबकि विदेशों में भी इसकी सेवाएं निरंतर विस्तार पा रही हैं। रेखा गुप्ता ने संस्था के कामों से प्रभावित होकर आश्रम को उनके विकास और संचालन से जुड़ी प्रशासनिक समस्याओं, डॉक्टरों की उपलब्धता और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं के समाधान में दिल्ली सरकार पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया। उन्होंने आश्रम तक पहुंचने वाली सड़क के निर्माण के लिए भी जरूरी वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने की घोषणा की। इस मौके पर उत्तर पश्चिमी दिल्ली से सांसद योगेंद्र चंदोलिया, नरेला से विधायक राजकरण खत्री, वरिष्ठ बीजेपी नेता श्याम जाजू सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

TIMES interact
Connecting People, Connecting Needs.

To book your ad — Logon to: ads.timesofindia.com or Call: 18001205474 (Toll Free) — Scan QR Code

भर्ती

भर्ती-रिक्त पदों की स्थिति

प्रशासन

वरिष्ठ / शीर्ष प्रबंधक

Alliance Air Aviation Limited
(A Wholly owned Subsidiary of AIAHL)
Alliance Air invites applications from Indian Nationals for the post of
CHIEF FINANCIAL OFFICER.
Interested candidates may log in to www.allianceair.in

अन्य रिक्तियां

चालक

ऑटोमैटिक कार चलाने के लिए अनुभवी ड्राइवर चाहिए जो स्मार्टफोन पर नक्शा देखकर गाड़ी चला सके। पीतमपुरा के नजदीक रहने वाले संपर्क करें। सैलरी 20k+, # 9311065810

तकनीकी

इंजीनियर्स

JOB VACANCY
Fresher Engineer Require For PLC Programmer And Marketing
Qualification
DIPLOMA / B.TECH ELECTRICAL
Mail - tag_automation@yahoo.co.in
Tel 0120-4327555

व्यक्तिगत

नाम परिवर्तन

I Chetram S/O Jhinne Prasad, R/O A-13 East Arjun Nagar, Near Dr. Hedgewar Hospital Delhi-110032, have changed my name to Sushil Kumar for all future purposes.

I, Dheeraj Kumar alias Dheeraj Kumar Sidana S/O Kewal Krishan Sidana R/O-122, Second Floor, HUDA Block A, DPS School, Sector 47, Gurugram, Haryana-122018, changed my name to Dheeraj Kumar Sidana.

I, Puneet Saran, holder of Passport No. N9044161, resident of New Delhi, hereby declare that the name of my wife is mentioned as Tanvi Saran in my passport. Her correct name is Tanvi Sudhir Vartak. Both names refer to the same person.

मैं, शैलेश कुमार, पुत्र राम राम, निवासी C-73 ईशान टॉवर्स प्लॉट नंबर-20 सेक्टर-5 द्वारका नई दिल्ली-110075, ने अपने नाम को सभी कार्यों के लिए शैलेश में बदल लिया है।

I Yash S/O Gyan Chand R/O of L-1st, 939/19, Sangam Vihar, Modern Savithri Public School, Sangam Vihar, New Delhi - 110062 shall henceforth be known as Yash Diwan affidavit no IN-DL71740784697458Y sworn before notary Sanjay Kumar Singh dated 13 March 2026.

I Sadhna Nigam W/O, Aman Nigam R/o Flat 2006, Tower 4, Panchsheel Wellington, Crossing Republik, Ghaziabad, Uttar Pradesh 201016 have changed my name to Sadhna Saxena.

BOOK YOUR PERSONAL ADS
FOR BOOKING PLEASE CALL
AMIT : 9811790649
TO BOOK ONLINE LOG ON TO ads.timesofindia.com
SCAN QR CODE

EDUCATION FORUM

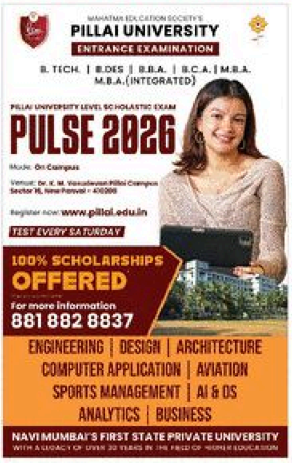

HEALTH & WELLNESS

Readers are recommended to make appropriate enquires and seek appropriate advice before sending money, incurring any expenses, acting on medical recommendations or entering into any commitment in relation to any advertisement published in this publication. All creatives marked as Advertorial, Spotlight and Promotional Features are to be treated as Advertisements. The Times of India Group doesn't vouch for any claims made by the Advertisers of the products and services. The Printer, Publisher, Editor, and the owners of The Times of India Group publications shall not be held liable for any consequences, in the event such claims are not honoured by the Advertisers.

TIMES interact

TO ADVERTISE IN THE CLASSIFIEDS SECTION, FOR ANY OF THE BELOW MENTIONED CATEGORIES

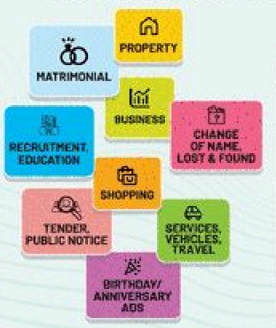

Please call us at the below mentioned nos.

Area / Zone	Contact Person	Mobile No.
Central Delhi1 + North Delhi	Amit Ghosh	98117 90649
Central Delhi2 + Ghaziabad	Sunil Srivastava	99994 99496
South Delhi + Faridabad	Raghav Arora	99999 95460
West Delhi + Dwarka + Gurgaon	Aman Pasricha	93128 33518
East Delhi + Noida	Sumit Negi	98992 68321

नांगलोई मेट्रो स्टेशन से हिरणकूदना ड्रेन तक बन रही स्टॉर्म वॉटर ड्रेन

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

रोहतक रोड (NH-10) पर पिछले एक दशक से ज्यादा समय से चली आ रही जलभराव की समस्या को खत्म करने के लिए चल रहे ड्रेनेज प्रोजेक्ट का रविवार को पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने बताया कि रोहतक रोड पर जलभराव खत्म करने के लिए नांगलोई मेट्रो स्टेशन से हिरणकूदना ड्रेन तक करीब 18.2 किमी लंबा स्टॉर्म वॉटर ड्रेन बनाई जा रही है। इसमें से 16 किमी तक ड्रेन का काम पूरा हो चुका है, जबकि बाकी 2.2 किमी का काम अगले एक-दो महीने में पूरा कर लिया जाएगा। इस परियोजना पर करीब 113.98 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं।

113.98 करोड़ की परियोजना से जलभराव की समस्या खत्म होने की उम्मीद

कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने बताया कि उद्योग नगर मेट्रो स्टेशन से टिकरी बॉर्डर मेट्रो स्टेशन तक रोहतक रोड पर मॉनसून के दौरान करीब 9 से 10 किमी तक जलभराव हो जाता था। इससे पूरे दिन ट्रैफिक जाम की समस्या बनी रहती थी। बारिश के पानी की निकासी का कोई उचित इंतजाम नहीं था, जिससे आसपास के वेस्ट दिल्ली के लोग लंबे समय से परेशान थे।

उन्होंने बताया कि इस समस्या को दूर करने के लिए पीडब्ल्यूडी ने पिछले साल रोहतक रोड के दोनों तरफ ड्रेनेज सिस्टम बनाने का काम शुरू किया था। इस प्रोजेक्ट में आरसीसी ड्रेन की चौड़ाई 1.2 मीटर से 2.25 मीटर के बीच रखी गई है ताकि भारी बारिश के दौरान पानी की निकासी आसानी से हो सके। सड़क के दोनों तरफ ड्रेन बनाई जा रही है।

दिल्ली के पूर्व सीएम साहिब सिंह वर्मा की 83वीं जयंती पर उनके पुत्र और मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने श्रद्धांजलि दी

इस तरह होगी पानी की निकासी

मंत्री ने कहा कि परियोजना पूरी होने के बाद नांगलोई क्षेत्र से बारिश का पानी किराड़ी सुलेमान ड्रेन से होते हुए आसानी से बह सकेगा। इसके अलावा सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग भी एक 23.81 करोड़ रुपये की परियोजना पर काम कर रहा है। इसके तहत किराड़ी सुलेमान ड्रेन के डिस्चार्ज को रोहतक रोड के साथ-साथ सप्लीमेंट्री ड्रेन में डायवर्ट करने की व्यवस्था की गई है। इससे किराड़ी एक्सटेंशन-2, वीणा एनक्लेव, जेजे कॉलोनी नंबर-2 जैसे इलाकों के लोगों को फायदा मिलेगा।

लाल बहादुर सदन में किया पौधारोपण

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : एनडीएमसी के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने रविवार को हाउसिंग कॉम्प्लेक्स लाल बहादुर सदन में पौधारोपण किया। कार्यक्रम में आवासीय कल्याण समिति के सदस्यों और निवासियों ने भाग लिया। चहल ने कहा कि यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायी आह्वान एक पेड़ मां के नाम से प्रेरित है और लोगों से इस पहल में आगे आने की अपील की।

कार्यक्रम में रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्यों और स्थानीय निवासियों ने भाग लिया। इस अवसर पर आरडब्ल्यूए अध्यक्ष श्रीकांत, महासचिव कमल किशोर और सलाहकार द्वारका भट्ट सहित कॉलोनी के बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

मेयर ने किया हेल्थ एंड वेलनेस समिट 2026 का उद्घाटन

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: मेयर राजा इकबाल सिंह ने रविवार को ली मेरिडियन में 'पल्स एंड पॉजिटिविटी' की ओर से आयोजित हेल्थ एंड वेलनेस समिट 2026 का उद्घाटन किया।

एक दिन के समिट में नीति-निर्माताओं, स्वास्थ्य विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और वेलनेस क्षेत्र से जुड़े एक्सपर्ट्स ने भाग लिया। समिट का उद्देश्य महत्वपूर्ण स्वास्थ्य मुद्दों पर चर्चा करना और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इस अवसर पर 'हेल्थ चौपाल' पहल की भी शुरुआत की गई, जो स्वास्थ्य जागरूकता, प्रिवेंटिव केयर और वेलनेस गतिविधियों में जनभागीदारी को बढ़ावा देने के लिए एक सामुदायिक मंच के रूप में काम करेगी।

इस अवसर पर 'हेल्थ चौपाल' पहल की भी शुरुआत की

मुख्य अतिथि के रूप में सभा को संबोधित करते हुए मेयर ने कहा कि आज की तेज रफ्तार जीवनशैली में संतुलित और स्वस्थ जीवन बनाए रखना बेहद जरूरी है। उन्होंने समाज में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेषज्ञों और विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को एक मंच पर लाने के लिए आयोजकों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह के मंच लोगों को अपने स्वास्थ्य के बारे में सोचने और बेहतर जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं।

हमें खेद है

नवभारत टाइम्स के 15 मार्च के अंक में एक खबर के शीर्षक में भूलवश 'लकड़ी' की जगह 'लड़की' छप गया। इसका हमें खेद है।

TIMES TRIBUTE
PAYING HOMAGE TO THE DEPARTED SOUL

To book your ad — Logon to: ads.timesofindia.com or Call: 18001205474 (Toll Free) — Scan QR Code

Late Smt. Kamini Kaushal Khandelwal
January 14, 1950 - March 14, 2026

PRAYER MEETING
DATE: 16TH March, 2026
TIME: 11:00AM - 12:00 PM
VENUE: Arya Samaj Mandir (Audi 1) B 31C, Kailash Colony - 48

Narender Khandelwal (Husband)
Virender Khandelwal, Ashok Khandelwal
Uma and Rajeev Khandelwal
Archana and Sachin Khandelwal
Megha and Sumit Khandelwal
Kanika and Sanchit Khandelwal
Simmi Khandelwal
Isha and Kartik Gupta
Sweta and Abhishek Mittal

Khandelwal Pariwar
Contact No. -9810111321, 9891462561

TIMES TRIBUTES
RATE CARD

Publications	Rates per sq. cms
TOID Capital + NBT (Delhi+NCR)	1295
TOID Full Run ## + NBT (Delhi+NCR)	1360
THE TIMES OF INDIA (Delhi+NCR)	780
THE TIMES OF INDIA (Delhi) Full Run##	900
NAVBHARAT TIMES (Delhi+NCR)	595
THE ECONOMIC TIMES (Delhi+NCR)	715
SANDHYA TIMES (Delhi)	100

Rates effective 5th June 2019

▸ *Placement on specified obit pages only. ▸ This rate benefit is extended up till the size of 320 sq. cm only. ▸ ## Full run includes Delhi City + NCR (Including Gurgaon + Noida) + Chandigarh + Western U.P. + Uttarakhand ▸ TOI Capital (Delhi & NCR) includes TOI Gurgaon & TOI Noida.

To place an Obituary announcement or Remembrance message please call
Vinod: 9958992088
Pankaj : 8130604727

The silent joy of remembering a loved one.
The moments you shared together.
Little moments that make life beautiful.

Share them. With Friends. Relatives. Neighbours. Colleagues. With all those whose lives the departed Soul has touched. Because while life goes on, when you share memories, they stay on forever.

Publications	Total Outlay
The Times of India Delhi/NCR	5,600
TOI+NBT (Delhi/NCR)	8,800
TOI+ET (Delhi/NCR)	6,600

REMEMBRANCE SHARING MEMORIES
For any information call
Vinod : 9958992088
Pankaj : 8130604727

TO BOOK AN OBITUARY AD PLEASE CONTACT
VINOD : 99589 92088 & PANKAJ : 81306 04727

स्पीकिंग ट्री रिट्रीट
योग गुरु सुरक्षित गोस्वामी के सान्निध्य में

गंगा किनारे, हिमालय की गोद में आत्म अनुभव के योग, ध्यान, मौन और आध्यात्मिक जागरूकता का दिव्य संगम। चार दिवसीय इस रिट्रीट में होगा ऊर्जा, संतुलन और आंतरिक शांति का संचार। योग गुरु सुरक्षित गोस्वामी के मार्गदर्शन में यह यात्रा आपके जीवन को नया आयाम दे सकती है। स्वस्थ एकत्र रहना और तीन वक्त का भोजन शामिल है।

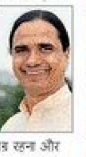

स्थान: परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश
तिथि: 27 से 30 मार्च 2026
शुल्क मात्र ₹12,999 प्रति व्यक्ति

सीटें सीमित हैं, आज ही पंजीकरण करें!
रजिस्ट्रेशन कराने के लिए नीचे दिए गए नंबर पर सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे के बीच कॉल करें या अपनी डिटेल्स वट्सऐप पर भेजें।
9910475909
NBT नवभारत टाइम्स — रंगमंच

'परोपकार में लगा जीवन सार्थक होता है'

■ NBT न्यूज, नई दिल्ली: जैन स्थानक न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में राजऋषि राजेंद्र मुनिजी-ठाणे-4 के सान्निध्य में रविवार को धर्मसभा का आयोजन किया गया। इस मौके पर कई डॉक्टर्स सम्मानित किए गए। मुनि श्री ने कहा कि यह मानव जीवन अनमोल है, इसे व्यर्थ मत खोना। यह एक उपवन है। यहां परोपकार में लगा जीवन ही सार्थक होता है।

इस मौके पर जैन स्थानक के चेयरमैन रमेश जैन, महामंत्री अशोक लोढ़ा, श्रीपाल जैन, संजय जैन आदि ने मुनि संघ को विनयांजलि अर्पित की।

गजरथ यात्रा: ऋषभांचल दिगंबर जैन तीर्थ वर्धमानपुरम में अध्यात्म योगिनी मां कौशल जी के सान्निध्य में रविवार को भव्य गजरथ यात्रा निकाली गई। वहीं श्री दि. जैन मंदिर बिहारी कॉलोनी की रथयात्रा रविवार को धूमधाम से निकाली गई।

सत्संग: प्राचीन संन्यास आश्रम शिव हनुमान मंदिर, पंचकुइयां रोड में महंत सोमगिरि महाराज ने कहा कि भगवान को तो सब मानते हैं, लेकिन उनकी मानते नहीं, इसी कारण दुखी हैं।

NBT रिएलिटी चेक

घरेलू सिलिंडर से ढाबों पर सुलग रहे चूल्हे

एलपीजी संकट के चलते दिल्ली में ब्लैक मार्केटिंग शुरू हो गई है। एक तरफ डोमेस्टिक LPG यूजर्स हैं, जो या तो सिलिंडर की बुकिंग ही नहीं करा पा रहे, क्योंकि उनकी कॉल ही नहीं लग रही या फिर बुकिंग करने के बाद भी टाइम पर सिलिंडर नहीं आ रहा और उन्हें गैस गोदाम के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। दूसरी तरफ रेस्टोरेंट, ढाबे और होटलों में धड़ल्ले से डोमेस्टिक सिलिंडर का खुलेआम कमर्शल यूज हो रहा है। रिएलिटी चेक के दौरान दिखा कि पूर्वी दिल्ली से लेकर बाहरी दिल्ली तक, हर जगह कहानी एक जैसी है- काम ठप है, परिवार का पेट पालने की चिंता है। राजेश सरोहा, सुदामा यादव, अभिषेक गौतम, राहुल आनंद, राजेश पोद्दार की रिपोर्ट...

दुकानदार बोले- नहीं मिल रहे कमर्शल, मजबूरी में घरेलू सिलिंडर करने पड़ रहे इस्तेमाल

ब्लैक में गैस सिलिंडर लेकर फिर शुरू किया काम

मौजपुर सब्जी मंडी के पास रेहड़ी पर तंदूरी नान और छोले भटूरे बेचने वाले शख्स ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से पैदा हुए एलपीजी गैस के संकट की वजह से कमर्शल गैस सिलिंडर अचानक मार्केट से गायब हो गए। इस वजह से उन्हें अपना काम बंद करना पड़ा। आज किसी तरह से 14 किलो वाला गैस सिलिंडर ब्लैक में खरीदा। सप्लायर 2500 रुपये मांग रहा था, लेकिन किसी तरह से 2200 रुपये में बात बनी। तब कहीं जाकर आज दोबारा से काम शुरू किया। गैस सिलिंडर महंगा मिला है तो क्या आप भी प्लेट का रेट बढ़ाएंगे? इस पर उनका कहना था कि रेट बढ़ाना हमारी मजबूरी है, इसलिए हमें उम्मीद है कि ग्राहकों से भी पूरा सहयोग मिलेगा।

रेहड़ी पटरी वालों की बढ़ी परेशानी

कमर्शल एलपीजी सिलिंडर की सप्लाई प्रभावित होने की वजह से रेस्टोरेंट, होटल, ढाबे से लेकर रेहड़ी पटरी वालों का कारोबार प्रभावित होने लगा है। आलम यह है कि सड़क किनारे लगने वाले ठेले पर अब घरेलू सिलिंडर का इस्तेमाल होने लगा है। एनबीटी ने लक्ष्मी नगर की पड़ताल की तो हर ठेले पर घरेलू सिलिंडर का इस्तेमाल होते हुए देखा गया है। इस मौके पर जब दुकानदारों से बात की गई तो उन्होंने बताया कि मजबूरन इसका इस्तेमाल करना पड़ रहा है। घरेलू सिलिंडर भी पहले से अधिक दाम पर खरीद रहे हैं। जब हमने एक डोमेस्टिक LPG यूजर से बात की तो उन्होंने बताया कि बुकिंग के लिए कॉल ही नहीं लग रही है। कई कोशिशों के बाद उन्होंने ऐप से बुकिंग की मगर फिर भी बहुत ज्यादा टाइम लग रहा है। किल्लत ज्यादा न बढ़ जाए इसके खौफ में उन्होंने गैस गोदाम के भी कई चक्कर लगाए।

Photos: Surender Kumar

कश्मीरी गेट में डोमेस्टिक सिलिंडर हो रहे इस्तेमाल

कमर्शल गैस सिलिंडर की किल्लत, बढ़ी ब्लैक मार्केटिंग

कई जगहों पर 14 किलो का डोमेस्टिक गैस सिलिंडर 3000 से 3500 रुपये तक में मिलने की बात कही जा रही है। हालात जानने के लिए जब पड़ताल की गई तो अलीपुर और नरेला के कई हिस्सों में रेहड़ियों, ढाबे, चाय की टपरियों पर कमर्शल सिलिंडर लगभग गायब दिखाई दिए। हालांकि अलीपुर और नरेला की कुछ बड़ी दुकानों के बाहर कमर्शल सिलिंडर रखे हुए दिखाई दिए। अलीपुर जीटी रोड पर सड़क किनारे कई रेहड़ियों पर ढाबा, छोले-कुलचे, पराठे और अन्य स्ट्रीट फूड बेचने वाले दुकानदारों ने बताया कि उन्होंने बड़ी मुश्किल से घरेलू सिलिंडर का इंतजाम किया है। बुराड़ी और नरेला के कई इलाकों में दुकानदार में घरेलू सिलिंडर का इस्तेमाल करते दिखे।

3500 तक चुकानी पड़ रही एक सिलिंडर की कीमत

वेस्ट दिल्ली के महावीर एनक्लेव एरिया में भी गैस की किल्लत का खासा असर देखा जा रहा है। कई बड़े खाने पीने की दुकानों में घरेलू गैस सिलिंडर का इस्तेमाल हो रहा है। पूछे जाने पर वह तो नहीं बता रहे हैं कि कमर्शल इस्तेमाल के लिए कैसे घरेलू गैस सिलिंडर उपलब्ध हो रहा है। हालांकि, बातचीत में अधिकतर दुकानदारों ने कहा कि ब्लैक में तीन से साढ़े तीन हजार के बीच घरेलू सिलिंडर मिल रहा है। इलाके के एक बड़े छोले भटूरे की दुकान पर एक साथ दो से तीन घरेलू गैस सिलिंडर का इस्तेमाल किया जा रहा था। वहीं, कुछ दुकानों में कमर्शल गैस सिलेंडर का इस्तेमाल भी हो रहा था।

मोरी गेट की हैमिल्टन रोड पर भी घरेलू सिलिंडर चलते मिले

इलेक्ट्रिक स्टोव और हीटर इस्तेमाल करने को मजबूर दुकानदार

आईटीओ स्थित ढाबे हो या चाय की दुकानें, हर जगह घरेलू सिलिंडर का इस्तेमाल किया जा रहा है। बातचीत में पता चला कि दुकान में एक दिन में गैस सिलिंडर खत्म हो जा रहा है, फिर भी इन्हें सिलिंडर मिल जा रहा है। हालांकि इसके लिए उन्हें एक सिलिंडर की कीमत 3 हजार रुपये चुकानी पड़ रही है। कुछ चाय वालों ने तो इंडक्शन और इलेक्ट्रिक स्टोव और हीटर का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है, लेकिन इसकी संख्या अभी सीमित है।

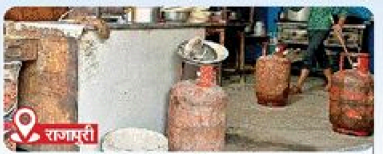

कहीं छिपाकर तो कहीं खुलेआम हो रहा घरेलू सिलिंडरों का इस्तेमाल

रेजिडेंशल कॉलोनियों में चल रहे कई ढाबों पर घरेलू LPG सिलिंडर से ही चूल्हे चल रहे हैं। द्वारका सेक्टर-5 के पास राजापुरी भरत विहार रोड पर एक साथ कई ढाबे चल रहे हैं। इन ढाबों में घरेलू गैस सिलिंडर का इस्तेमाल होता हुआ देखा गया। कुछ ढाबा संचालकों ने सिलिंडर छिपाकर रखे हैं, जबकि कई जगह खुले तौर पर घरेलू सिलिंडर से खाना बनाया जा रहा है। मेन राजापुरी रोड पर भी घरेलू गैस सिलिंडर से कई ढाबे चल रहे हैं।

‘अब खरीदनी पड़ेगी कोयले वाली भट्ठी’

गुरुकान चौक के पास तंदूरी नान की रेहड़ी लगाने वाले शख्स ने बताया कि गैस की किल्लत की वजह से चार दिन से काम बंद किया हुआ था। आज किसी तरह से घरेलू गैस सिलिंडर का जुगाड़ हो पाया तो काम शुरू किया है। उनका कहना था कि मेरा तो पूरा परिवार ही इसी पर निर्भर है। खर्च बचाने के लिए दोनों बेटों को भी इसी काम में लगाया हुआ है। बस एक लेबर को काम पर रखा हुआ है। उन्होंने बताया कि एलपीजी गैस मिलने में होने वाली दिक्कतों को देखते हुए जल्द ही कोयले वाली भट्ठी खरीद लूंगा।

आउटर दिल्ली के ढाबों से भी कमर्शल सिलिंडर हुए नदारद

कपड़ा कारोबार पर भी युद्ध की आंच, कच्चा माल महंगा

Abhishek.Gautam1
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** पश्चिम एशिया में जारी युद्ध का असर अब कपड़ा उद्योग पर भी पड़ने लगा है। कारोबारियों का कहना है कि वॉर के कारण कच्चे माल की कीमतों में तेजी आई है, जिससे कपड़ों के निर्माण की लागत बढ़ गई है। अगर यही स्थिति बनी रही तो आने वाले समय में बाजार में कपड़ों के दाम बढ़ सकते हैं। कपड़ा कारोबार से जुड़े लोगों के मुताबिक इस्राइल, ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव और खाड़ी देशों में अस्थिरता का असर वैश्विक सप्लाई चेन पर दिखाई दे रहा है। इससे कई जरूरी कच्चे माल की उपलब्धता और कीमत दोनों प्रभावित हुई हैं।

कपड़ा उद्योग में इस्तेमाल होने वाले केमिकल, यार्न प्रोसेसिंग से जुड़े इनपुट और अन्य सहायक सामग्री के दाम हाल के दिनों में तेजी से बढ़े हैं। कारोबारियों का कहना है कि कच्चे माल के महंगे होने से कपड़ा बनाने की लागत बढ़ गई है। पहले जहां मैन्युफैक्चरिंग लागत कंट्रोल रहती थी, वहीं अब कई यूनिट्स को ज्यादा खर्च में उत्पादन करना पड़ रहा है। इसका असर धीरे-धीरे बाजार में भी दिखने लगा है। चांदनी चौक के कपड़ा कारोबारी अभिषेक गनेड़ीवाला ने बताया कि मिडिल ईस्ट में चल रहे तनाव की वजह से कच्चे माल की सप्लाई प्रभावित हुई है। नतीजतन, कपड़ा मिल से आ रहे कपड़ों के दाम बढ़ गए हैं। इसकी वजह से अब बाजारों में इसका असर दिखने लगा है। अभिषेक के अनुसार, कपड़े के रेट में करीब 10 फीसदी की तेजी दिख रही है।

दिल्ली हिन्दुस्तानी मर्केंटाइल असोसिएशन के महामंत्री श्रीभगवान बंसल के अनुसार, कपड़ा उद्योग में कई ऐसी चीजें इस्तेमाल होती हैं जो सीधे पेट्रोलियम उत्पादों से जुड़ी होती हैं। सिंथेटिक फाइबर जैसे पॉलिएस्टर, नायलॉन और एक्रिलिक पेट्रोकेमिकल्स से तैयार किए जाते हैं, जो क्रूड ऑयल से बनते हैं। ऐसे में कच्चे तेल की कीमत बढ़ने पर इन धागों और फाइबर की लागत भी बढ़ जाती है। बंसल ने बताया कि अगर हालात सामान्य नहीं हुए तो आने वाले दिनों में कपड़ों के रेट में और बढ़ोतरी हो सकती है।

LPG पर अफवाह फैलाने पर होगी कार्रवाई : CM

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एलपीजी से जुड़े मुद्दे पर कहा है कि देश में किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाकर लोगों के बीच डर पैदा करना उचित नहीं है। केंद्र सरकार और राज्य सरकार पूरी जिम्मेदारी के साथ स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और नागरिकों को घबराने की जरूरत नहीं है। कुछ लोग अनावश्यक रूप से भय का वातावरण बनाकर जमाखोरी को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहे हैं, जो देशहित के खिलाफ है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि इस तरह की गतिविधियों पर सरकार कड़ी नजर रखे हुए है और यदि कोई व्यक्ति या संस्था इस प्रकार की गलत हरकतों में शामिल पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और सामान्य रूप से अपनी दिनचर्या जारी रखें।

वहीं, दिल्ली के खाद्य और आपूर्ति मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि सरकार पूरी तरह अलर्ट है और सप्लाई की स्थिरता बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

ढाबों के स्टाफ के रोज़गार पर भी संकट

NBT 2 मिनट में पढ़ें

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

कमर्शल एलपीजी गैस सिलिंडर की सप्लाई प्रभावित होने से अब दिल्ली के बाजारों और खाने-पीने के कारोबार पर भारी असर पड़ने लगा है। आलम यह है कि कई इलाकों में गैस न मिलने के कारण रेस्टोरेंट और ढाबों के चूल्हे ठंडे पड़ रहे हैं। हालात ऐसे बन गए हैं कि कई दुकानों पर ताला लटक चुका है और हजारों लोगों की रोजी-रोटी पर संकट मंडराने लगा है। कारोबारियों का दावा है कि अगर हालात सामान्य नहीं हुए तो खाने-पीने की चीजों से लेकर रोजगार पर संकट छा सकता है।

‘गैस खत्म, तीन दिन से बंद है दुकान’: करोल बाग, राजौरी गार्डन, लक्ष्मी नगर, पहाड़गंज समेत दिल्ली के कई बड़े बाजारों में रेस्टोरेंट्स संचालक गैस सिलिंडर के इंतजार में परेशान हैं। कारोबारियों का कहना है कि कमर्शल एलपीजी सिलिंडर की सप्लाई प्रभावित होने से किचन चलाना मुश्किल हो गया है। करोल बाग में टिक्की की दुकान चलाने वाले कौशल बताते हैं कि पिछले तीन दिन से दुकान बंद है। जिसकी वजह से भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है। कई जगह से गैस सिलिंडर लेने की कोशिश की, लेकिन कहीं से भी कमर्शल सिलिंडर नहीं मिला। नतीजतन, दुकान तीन दिन से बंद है। यही नहीं, दुकान में काम करने वाले करीब 10 मजदूरों के हाथ खाली हैं। अगर दुकान नहीं चलेगी तो उनकी सैलरी भुगतान करने में दिक्कत झेलनी पड़ सकती है।

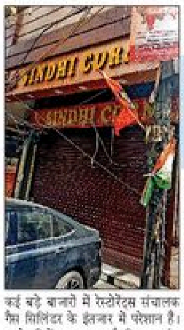

कई इलाकों में रेस्टोरेंट और ढाबों पर ताला लटक चुका है

PNG का इस्तेमाल करने वाले रेस्टोरेंट्स के भी मेन्यू में कटौती की तैयारी: बिगड़ते हालात को देखते हुए पीएनजी का इस्तेमाल करने वाले रेस्टोरेंट्स संचालक भी अलर्ट मोड पर आ चुके हैं। नैशनल रेस्टोरेंट असोसिएशन ऑफ इंडिया (NRAI) दिल्ली चैप्टर के हेड संदीप आनंद गोयल ने बताया कि दिल्ली में अधिकतर रेस्टोरेंट पीएनजी के सहारे ही चलते हैं, पीएनजी की सप्लाई अभी ठीक है, लेकिन वर्तमान हालात को देखते हुए रेस्टोरेंट संचालकों ने 30 से 40 प्रतिशत मेन्यू में कटौती करने की तैयारी की हुई है। संदीप ने बताया कि सोमवार को दिल्ली सरकार के मंत्री से NRAI के पदाधिकारी मुलाकात कर इस पर चर्चा करेंगे।

LPG संकट से छोटे होटल, ढाबे वाले ज्यादा प्रभावित: एलपीजी गैस की किल्लत से छोटे होटल और ढाबा संचालक ज्यादा प्रभावित हुए हैं। एक ढाबा संचालक ने बताया कि कमर्शल गैस सिलिंडर न मिलने की वजह से ढाबों पर अब रोटियां नहीं बन रही हैं। इसके अलावा उन्होंने बताया कि कुछ लोग कमर्शल सिलिंडर दोगुने रेट पर दे रहे हैं। मजबूरन खरीदना पड़ रहा है। नैशनल रेस्टोरेंट असोसिएशन के कोषाध्यक्ष मनप्रीत सिंह ने बताया कि कमर्शल एलपीजी गैस सिलिंडर की सप्लाई प्रभावित होने की वजह से 10 से 15 प्रतिशत रेस्टोरेंट बंद हो गए हैं। उन्होंने बताया कि अगर हालात सामान्य नहीं हुए तो आगे और भी ढाबे-रेस्टोरेंट्स बंद हो सकते हैं।

सिलिंडर की नहीं कोई टेंशन! बवाना के इस किसान ने घर में ही बना लिया ‘गैस प्लांट’

8 साल पहले लगाया था बायोगैस प्लांट, अब मुफ्त के ईंधन से जलता है घर का चूल्हा

NBT स्पेशल

■ राजेश पोद्दार, बवाना

ईरान-अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध से जहां दिल्ली समेत देश के दूसरे राज्यों में भी एलपीजी गैस सिलिंडर की किल्लत से लोग परेशान हैं, तो वहीं दूसरी तरफ आउटर दिल्ली के बवाना इलाके में एक ऐसा परिवार भी है, जो गैस की टेंशन से बिल्कुल दूर है। इसे न एलपीजी सिलिंडर की जरूरत होती है न चूल्हे के लिए लकड़ी की। दरअसल, यह परिवार करीब 8 साल से बायोगैस के सहारे अपने घर का चूल्हा जला रहा है।

बवाना के दरियापुर गांव में रहने वाले किसान सत्यवान सहरावत वह किसान हैं, जो पिछले करीब 8 साल से अपने फार्म हाउस पर बायोगैस का इस्तेमाल कर रहे हैं। खेतों में काम करने वाले मजदूरों और पशुओं के लिए बनने वाले दलिया समेत कई जरूरतों के लिए वह गोबर से तैयार होने वाली बायोगैस का उपयोग करते हैं। इसके लिए उन्होंने अपने खेत में ही बायोगैस प्लांट लगाया हुआ है। सत्यवान सहरावत बताते हैं कि जब उन्होंने यह बायोगैस प्लांट लगाया था, तब इसकी लागत करीब 65 हजार रुपये आई थी। तब से लेकर आज तक वह प्रतिदिन कई किलो गैस के बराबर ऊर्जा का इस्तेमाल इसी बायोगैस से कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि उन्होंने जो प्लांट लगा रखा है, वह दीनदयाल बायोगैस मॉडल है, जिसकी क्षमता करीब 10 घन मीटर है। हालांकि अब बाजार में इससे छोटे और कम कीमत वाले कई मॉडल भी उपलब्ध हैं। उनका कहना है कि अगर किसी घर में एक से दो पशु भी हों, तो भी छोटा बायोगैस प्लांट लगाकर स्वच्छ ईंधन प्राप्त किया जा सकता है। सत्यवान सहरावत के मुताबिक, सरकार भी समय-समय पर बायोगैस को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं और सब्सिडी देती रही है, लेकिन इसके बावजूद लोग आत्मनिर्भर बनने की दिशा में ज्यादा कदम नहीं बढ़ाते।

उन्होंने अन्य किसानों से अपील करते हुए कहा कि यदि किसी किसान के पास तीन से चार पशु भी हैं, तो वह छोटे बायोगैस प्लांट के जरिए इतना गैस तैयार कर सकता है कि एक परिवार का खाना आसानी से बन सके। उनका कहना है कि बायोगैस एक स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल ईंधन है। जब हम बिजली से चलने वाले इलेक्ट्रॉनिक चूल्हों का इस्तेमाल करते हैं, तब भी हम ऊर्जा संसाधनों पर निर्भर रहते हैं।

कुकिंग गैस पर कुछ राजनीतिक पार्टियां कर रही दुष्प्रचार: BJP

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है देश में कुकिंग गैस की कमी का जो वातावरण बन रहा है, उसकी दो वजह हैं। पहला ईरान-अमेरिका युद्ध के चलते खाड़ी देशों से सप्लाई में कमी है और दूसरा भारत के कुछ राजनीतिक दलों के दुष्प्रचार से कुछ लोगों में कुकिंग गैस की कमी का भ्रम घर कर गया है और वह पैनिक में बुकिंग करवा रहे हैं। सचदेवा ने आम आदमी पार्टी द्वारा पूर्वी दिल्ली के त्रिलोकपुरी क्षेत्र में गैस सिलिंडर की कमी को लेकर निकाली गई प्रदर्शन यात्रा की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि पूर्वी दिल्ली में निकाली गई यात्रा 'आप' नेताओं की ओछी राजनीति का प्रमाण है।

वीरेन्द्र सचदेवा

दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष ने कहा है कि पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका से लेकर खुद अमेरिका तक में कुकिंग गैस सप्लाई थोड़ा-बहुत प्रभावित हुई है, लेकिन पूरी दुनिया में कहीं भी सरकारों को अपने देश के अंदर के राजनीतिक विरोध का सामना नहीं करना पड़ रहा।

गैस की किल्लत को लेकर 'आप' नेता उतरे सड़कों पर

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** एलपीजी संकट के मद्देनजर आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली के हर वॉर्ड में 'गैस सिलिंडर शोक यात्रा' निकाल कर सरकार की नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन किया। 'आप' कार्यकर्ताओं ने रविवार को गैस सिलिंडर शोक यात्रा को लेकर सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली में 250 जगहों पर गैस सिलिंडर शोक यात्रा निकाली गई। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की फेल विदेश नीति ने आज देश के ये हालात कर दिए हैं।

सौरभ भारद्वाज

उधर, त्रिलोकपुरी में शोक यात्रा निकालने के दौरान विधायक कुलदीप कुमार ने आरोप लगाते हुए कहा कि पीएम मोदी ने ट्रंप के आगे नतमस्तक होकर सरेंडर कर दिया है। उनकी इन्हीं गलत विदेश नीतियों की वजह से आज देश को गैस की भारी किल्लत झेलनी पड़ रही है। गरीब आदमी को 300 रुपए किलो गैस मिल रही है। अगर पीएम ने अमेरिका के आगे सरेंडर नहीं किया होता, तो आज देश में गैस सिलेंडर खत्म होने की नौबत नहीं आती।

अटल कैंटीन में लोगों को नहीं मिल रहा खाना: कांग्रेस

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने आरोप लगाया है कि एलपीजी सिलिंडर की कमी के कारण अब सरकार की योजनाएं भी प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार की अटल कैंटीन और रैन बसेरों में रहने वाले गरीब लोगों को पर्याप्त खाना नहीं मिल पा रहा है। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि यही स्थिति दिल्ली सरकार के रैन बसेरों में भी देखने को मिल रही है। आरोप है कि गैस सिलिंडर की सप्लाई ठप होने के कारण रैन बसेरों में रहने वाले आधे से ज्यादा लोगों को प्रशासन पर्याप्त खाना नहीं दे पा रहा है।

रैन बसेरों में भी गैस की कमी से असर का आरोप

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 16-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMA6 User: lokendra.sharma@timesofindia.c Time: 03-15-2026 23:10 Color:

शानदार चार साल भगवंत मान दे नाल

स्वास्थ्य

- आम आदमी क्लीनिक में दवाइयां और जाँच बिल्कुल मुफ्त
- 2,661 डॉक्टरों, पैरामेडिक्स व फ्रंटलाइन स्टाफ की नई भर्तियाँ
- 'सीएम की योगशाला' में रोज़ाना लाखों लोगों को मुफ़्त में योगा क्लास करा रही है सरकार

मुख्यमंत्री सेहत योजना

हर परिवार के लिए
₹10 लाख का बिल्कुल मुफ़्त इलाज

मुख्यमंत्री मावां धीयां सत्कार योजना

पंजाब की हर महिला को ₹1,000 प्रति माह

एस सी वर्ग की महिलाओं को ₹1,500 प्रति माह

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना

- 50 वर्ष से अधिक सभी नागरिकों को मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत निशुल्क तीर्थ यात्रा
- यात्रियों के लिए एसी बस, रहने के लिए एसी होटल की मुफ्त व्यवस्था

शहीदों के परिवारों को ₹1 करोड़ की सम्मान राशि

- शहीद सैनिकों के परिजनों को सरकार दे रही ₹1 करोड़ सम्मान राशि

शिक्षा - पंजाब बना देश में NO.1

- नेशनल अचीवमेंट सर्वे में पंजाब देश में No. 1 बना
- 305 सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों ने JEE MAIN, 845 ने NEET परीक्षा पास की
- 15,000 से ज़्यादा नए शिक्षक भर्ती हुए, 12,000 से ज़्यादा कॉन्ट्रैक्ट शिक्षक को नियमित किया गया
- प्रिंसिपलों व शिक्षकों को फिनलैंड, सिंगापुर और आईआईएम में ट्रेनिंग कराई जा रही
- पहली बार सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों के लिए मुफ़्त स्कूल बसों की सुविधा दी गई

रोजगार

- 65,264 युवाओं को सरकारी नौकरी मिली
- 5 लाख से ज़्यादा नौकरियां प्राइवेट सेक्टर में दी गईं

औद्योगिक निवेश - ₹1.55 लाख करोड़

- पंजाब में महज 4 साल में ₹1.55 लाख करोड़ का निवेश
- 5 लाख युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा हुए
- औद्योगिक एवं व्यापार विकास नीति - 2026 लागू
- यूके, जापान व दक्षिण कोरिया से रणनीतिक साझेदारी

ग्रामीण विकास - 49,000 किलोमीटर सड़को का निर्माण

- 49,000 किलोमीटर से अधिक सड़कों का नवीनीकरण
- ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक लाइब्रेरियों का निर्माण
- 13,000 से अधिक गांवों के तालाबों की सफाई

युद्ध नशे के विरुद्ध - 50,000 तस्कर गिरफ्तार

- 50,238 नशा तस्कर गिरफ्तार हुए इनसे 32,620 किलो नशा जब्त कर पंजाब को नशा मुक्त करने में बड़ा कदम उठाया

सड़क दुर्घटना में मौतदर 50.12% घटी

- भारत की पहली सड़क सुरक्षा फोर्स पंजाब में बनी
- सड़क हादसों में मृत्यु दर 50.12% तक घटी
- 47,000+ लोगों को समय पर सहायता मिली

भ्रष्टाचार मुक्त पंजाब

- भ्रष्टाचार विरोधी एक्शन लाइन 9501200200 शुरू हुई
- 1,000+ भ्रष्टाचारियों की गिरफ्तारी हुई

ईज़ी रजिस्ट्री / जमाबंदी

- 'ईज़ी रजिस्ट्री' - संपत्ति पंजीकरण की नई व्यवस्था
- सिर्फ 48 घंटे में रजिस्ट्री पूरी
- व्हाट्सऐप पर हर चरण की पारदर्शी जानकारी

90% पंजाब को मुफ्त बिजली

- 90% घरों को 600 यूनिट मुफ्त बिजली
- पहली बार किसानों को खेती के लिए दिन में बिना रुकावट बिजली

खेल - 3,100 नए खेल मैदान बनें

- ओलंपिक पदक विजेता खिलाड़ियों को ₹1 करोड़ और सरकारी नौकरी
- खिलाड़ियों को खेल की तैयारी के लिए ₹15 लाख तक की विशेष सहायता

'मेरी रसोई' योजना की शुरुआत

- 40 लाख ग़रीब परिवार को 2 किलो दाल, 2 किलो चीनी, 1 किलो नमक, 200 ग्राम हल्दी पाउडर और 1 लीटर सरसों का तेल मुफ्त मिलेगा

कृषि - देश में सबसे अधिक मुआवजा

- किसानों को ₹20,000 प्रति एकड़ देश में सबसे अधिक मुआवजा मिल रहा
- नहरी खालों से हर खेत में पानी पहुंचाया
- देश में गन्ने का सर्वाधिक मूल्य ₹416 प्रति क्विंटल
- सब्सिडी पर सीआरएम मशीनें उपलब्ध
- फसलों की तुरंत खरीद, 24 घंटों में भुगतान

सूचना एवं लोक संपर्क विभाग, पंजाब

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 16-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMA6 User: lokendra.sharma@timesofindia.c Time: 03-15-2026 23:10 Color:

शानदार चार साल भगवंत मान दे नाल

स्वास्थ्य

- आम आदमी क्लीनिक में दवाइयां और जाँच बिल्कुल मुफ्त
- 2,661 डॉक्टरों, पैरामेडिक्स व फ्रंटलाइन स्टाफ की नई भर्तियाँ
- 'सीएम की योगशाला' में रोज़ाना लाखों लोगों को मुफ़्त में योगा क्लास करा रही है सरकार

मुख्यमंत्री सेहत योजना

हर परिवार के लिए
₹10 लाख का बिल्कुल मुफ़्त इलाज

मुख्यमंत्री मावां धीयां सत्कार योजना

पंजाब की हर महिला को ₹1,000 प्रति माह

एस सी वर्ग की महिलाओं को ₹1,500 प्रति माह

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना

- 50 वर्ष से अधिक सभी नागरिकों को मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत निशुल्क तीर्थ यात्रा
- यात्रियों के लिए एसी बस, रहने के लिए एसी होटल की मुफ्त व्यवस्था

शहीदों के परिवारों को ₹1 करोड़ की सम्मान राशि

- शहीद सैनिकों के परिजनों को सरकार दे रही ₹1 करोड़ सम्मान राशि

शिक्षा - पंजाब बना देश में NO.1

- नेशनल अचीवमेंट सर्वे में पंजाब देश में No. 1 बना
- 305 सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों ने JEE MAIN, 845 ने NEET परीक्षा पास की
- 15,000 से ज़्यादा नए शिक्षक भर्ती हुए, 12,000 से ज़्यादा कॉन्ट्रैक्ट शिक्षक को नियमित किया गया
- प्रिंसिपलों व शिक्षकों को फिनलैंड, सिंगापुर और आईआईएम में ट्रेनिंग कराई जा रही
- पहली बार सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों के लिए मुफ़्त स्कूल बसों की सुविधा दी गई

रोजगार

- 65,264 युवाओं को सरकारी नौकरी मिली
- 5 लाख से ज़्यादा नौकरियां प्राइवेट सेक्टर में दी गई

औद्योगिक निवेश - ₹1.55 लाख करोड़

- पंजाब में महज 4 साल में ₹1.55 लाख करोड़ का निवेश
- 5 लाख युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा हुए
- औद्योगिक एवं व्यापार विकास नीति - 2026 लागू
- यूके, जापान व दक्षिण कोरिया से रणनीतिक साझेदारी

ग्रामीण विकास - 49,000 किलोमीटर सड़को का निर्माण

- 49,000 किलोमीटर से अधिक सड़कों का नवीनीकरण
- ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक लाइब्रेरियों का निर्माण
- 13,000 से अधिक गांवों के तालाबों की सफाई

युद्ध नशे के विरुद्ध - 50,000 तस्कर गिरफ्तार

- 50,238 नशा तस्कर गिरफ्तार हुए इनसे 32,620 किलो नशा जब्त कर पंजाब को नशा मुक्त करने में बड़ा कदम उठाया

सड़क दुर्घटना में मौतदर 50.12% घटी

- भारत की पहली सड़क सुरक्षा फोर्स पंजाब में बनी
- सड़क हादसों में मृत्यु दर 50.12% तक घटी
- 47,000+ लोगों को समय पर सहायता मिली

भ्रष्टाचार मुक्त पंजाब

- भ्रष्टाचार विरोधी एक्शन लाइन 9501200200 शुरू हुई
- 1,000+ भ्रष्टाचारियों की गिरफ्तारी हुई

ईज़ी रजिस्ट्री / जमाबंदी

- 'ईज़ी रजिस्ट्री' - संपत्ति पंजीकरण की नई व्यवस्था
- सिर्फ़ 48 घंटे में रजिस्ट्री पूरी
- व्हाट्सऐप पर हर चरण की पारदर्शी जानकारी

90% पंजाब को मुफ्त बिजली

- 90% घरों को 600 यूनिट मुफ्त बिजली
- पहली बार किसानों को खेती के लिए दिन में बिना रुकावट बिजली

खेल - 3,100 नए खेल मैदान बनें

- ओलंपिक पदक विजेता खिलाड़ियों को ₹1 करोड़ और सरकारी नौकरी
- खिलाड़ियों को खेल की तैयारी के लिए ₹15 लाख तक की विशेष सहायता

'मेरी रसोई' योजना की शुरुआत

- 40 लाख ग़रीब परिवार को 2 किलो दाल, 2 किलो चीनी, 1 किलो नमक, 200 ग्राम हल्दी पाउडर और 1 लीटर सरसों का तेल मुफ्त मिलेगा

कृषि - देश में सबसे अधिक मुआवजा

- किसानों को ₹20,000 प्रति एकड़ देश में सबसे अधिक मुआवजा मिल रहा
- नहरी खालों से हर खेत में पानी पहुंचाया
- देश में गन्ने का सर्वाधिक मूल्य ₹416 प्रति क्विंटल
- सब्सिडी पर सीआरएम मशीनें उपलब्ध
- फसलों की तुरंत खरीद, 24 घंटों में भुगतान

सूचना एवं लोक संपर्क विभाग, पंजाब

NOTE : -

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS
[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot
Or type in Search box of Telegram
@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel
BACKUP GROUP LINK
https://t.me/joinchat/5P9EL1JaqoYzNTI1

Hindi-English News Paper Website:- onlineftp.in